



तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

विद्यार्थी सहायता सामग्री
कक्षा: बारहवीं
भूगोल



सत्र 2024-25

केन्द्रीय विद्यालय संगठन भोपाल संभाग



मुख्य संरक्षक
श्री आर सेंथिल कुमार
उपायुक्त के. वि. सं. भोपाल संभाग

संरक्षक
श्रीमती निर्मला बुडानिया
सहायक आयुक्त
के. वि. सं. भोपाल संभाग

को-ऑर्डिनेटर
श्री उमेश चन्द्र
प्राचार्य, पीएम श्री केवी नंबर 4, ग्वालियर (म.प्र.)

सामग्री डेवलपर्स

1. श्री रेंवत राम, पीजीटी भूगोल, केवी पचमढी (प्रभारी)
2. श्री प्रमोद कुमार झा, पीजीटी भूगोल, केवी नंबर 4 ग्वालियर (प्रभारी)
3. श्री संदीप कुमार जैन, पीजीटी भूगोल, केवी नंबर 1 नीमच (प्रभारी)
4. श्री सुभाष पंचोनिया, पीजीटी भूगोल, केवी महो (प्रभारी)
5. श्री कृष्ण कुमार शर्मा, पीजीटी भूगोल, केवी नंबर 2 ग्वालियर
6. श्रीमती मोहिनी ओझा, पीजीटी भूगोल केवी नंबर 1 इंदौर (शिफ्ट-1)
7. श्रीमती पी.आर. ज्योति टी. परमार, पीजीटी भूगोल, केवी आंवला
8. श्री अजय दास, पीजीटी भूगोल, केवी बैरागढ़
9. श्रीमती रूपा अजीत श्रीराम, पीजीटी भूगोल, केवी नंबर 1 भोपाल
10. श्री आलोक सिंह, पीजीटी भूगोल, केवी खंडवा
11. श्री विजय कुमार बैरवा, पीजीटी भूगोल, केवी मुंगावली
12. श्रीमती उषा रानी, पीजीटी भूगोल, केवी राजगढ़
13. श्री एम एल बछाले, पीजीटी भूगोल, केवी इटारसी सी. पी. इ.

विषय सूची

क्रम सं	इकाई	अध्याय	सामग्री/ अध्याय	पृष्ठ सं
1			सीबीएसई पाठ्यक्रम 2024-25, संरचना, सामग्री और प्रश्न पत्र डिजाइन	5-18
पुस्तक - I मानव भूगोल के मूल सिद्धांत				
2	I	1	मानव भूगोल: प्रकृति और दायरा	19-24
3	II	2	विश्व जनसंख्या: वितरण, घनत्व और वृद्धि	25-32
4		3	मानव विकास	33-37
5	III	4	प्राथमिक क्रियाकलाप	38-42
6		5	द्वितीयक क्रियाकलाप	43-52
7		6	तृतीयक एवं चतुर्थक क्रियाकलाप	53-58
8		7	परिवहन और संचार	59-69
9		8	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	70-72
पुस्तक - II भारत: लोग और अर्थव्यवस्था				
10	I	1	जनसंख्या: वितरण, घनत्व, वृद्धि और संरचना	73-78
11	II	2	मानव बस्तियाँ	79-83
12	III	3	भूमि संसाधन एवं कृषि	84-99
13		4	जल संसाधन	100-104
14		5	खनिज एवं ऊर्जा संसाधन	105-115
15		6	भारत में नियोजन और सतत विकास	116-123
16	IV	7	परिवहन और संचार	124-130
17		8	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	131-133
18	V	9	चयनित मुद्दों एवं समस्याओं पर भौगोलिक परिप्रेक्ष्य	134-138
19			मानचित्र कार्य	139-149
20			सीबीएसई सैंपल पेपर -2023-24	150-166
21			संदर्भ ग्रन्थ सूची	167

भूगोल (029)

कक्षा: बारहवीं

(2024-25)

वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर भूगोल को एक वैकल्पिक विषय के रूप में पेश किया गया है। दस वर्षों की सामान्य शिक्षा के बाद, छात्र इस चरण की शुरुआत में आगे बढ़ते हैं और पहली बार अनुशासन की कठोरता से अवगत होते हैं। उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश बिंदु होने के नाते, छात्र अपनी शैक्षणिक रुचि को आगे बढ़ाने के लिए भूगोल को चुनते हैं और इसलिए, उन्हें विषय की व्यापक और गहरी समझ की आवश्यकता होती है। दूसरों के लिए, भौगोलिक ज्ञान दैनिक जीवन में उपयोगी है क्योंकि यह युवाओं की शिक्षा के लिए एक मूल्यवान माध्यम है। इसका योगदान सामग्री, संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं, कौशल और मूल्यों में निहित है जिसे भूगोल बढ़ावा देता है और इस प्रकार छात्रों को दुनिया के पर्यावरण और सामाजिक आयामों को बेहतर तरीके से खोजने, समझने और मूल्यांकन करने में मदद करता है।

चूंकि भूगोल लोगों और उनके पर्यावरण के बीच संबंधों का पता लगाता है, इसमें भौतिक और मानवीय वातावरण और विभिन्न स्तरों-स्थानीय, राज्य/क्षेत्र, राष्ट्र और विश्व पर उनकी अंतःक्रियाओं का अध्ययन शामिल है। पृथ्वी की सतह पर भौतिक और मानवीय विशेषताओं और घटनाओं के वितरण पैटर्न में विविधता के लिए जिम्मेदार मूलभूत सिद्धांतों को ठीक से समझने की आवश्यकता है। इन सिद्धांतों का अनुप्रयोग दुनिया और भारत से चयनित केस अध्ययनों के माध्यम से किया जाएगा। इस प्रकार, भारत के भौतिक और मानवीय पर्यावरण और भौगोलिक दृष्टिकोण से कुछ मुद्दों का अध्ययन अधिक विस्तार से किया जाएगा। छात्रों को भौगोलिक जांच में उपयोग की जाने वाली विभिन्न विधियों से अवगत कराया जाएगा।

उद्देश्य:

भूगोल में पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों को मदद करेगा:

- भूगोल की प्रमुख अवधारणाओं, शब्दावली और मूल सिद्धांतों से परिचित हों।
- स्थानों का वर्णन करें और भौगोलिक परिप्रेक्ष्य से सहसंबंध बनाएं।
- सूची/वर्णन करें कि छात्र किसी स्थान पर क्या देख सकते हैं, सुन सकते हैं और सूंघ सकते हैं।
- किसी स्थान को अन्य स्थानों से जोड़ने के तरीकों की सूची/वर्णन करें।
- एक स्थान की स्थितियों और कनेक्शनों की तुलना दूसरे स्थान से करें।
- विश्लेषण/वर्णन करें कि एक स्थान की स्थितियाँ आस-पास के स्थानों को कैसे प्रभावित कर सकती हैं।
- क्षेत्रों को ऐसे स्थानों के रूप में पहचानें जो समान या जुड़े हुए हैं।
- विषयगत मानचित्र पर स्थानिक पैटर्न विशेषताओं का वर्णन और व्याख्या करें।
- पृथ्वी की सतह पर प्राकृतिक विशेषताओं के साथ-साथ मानवीय पहलुओं और घटनाओं की स्थानिक व्यवस्था की प्रक्रियाओं और पैटर्न को खोजें, पहचानें और समझें।
- भौतिक और मानवीय वातावरण के बीच अंतर-संबंध को समझें और उसका विश्लेषण करें और समुदाय से संबंधित मुद्दों पर विचार करने में इस तरह के ज्ञान का उपयोग करें।
- भौगोलिक ज्ञान और जांच के तरीकों को विभिन्न स्तरों-स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उभरती स्थितियों या समस्याओं पर लागू करें।

- स्थानिक डेटा/सूचना के संग्रहण, प्रसंस्करण और विश्लेषण तथा मानचित्र और ग्राफ सहित रिपोर्ट तैयार करने और जहां भी संभव हो कंप्यूटर के उपयोग से संबंधित भौगोलिक कौशल विकसित करना; और मुद्दों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए।
- बच्चे में पर्यावरणीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से निर्धारित करने के लिए अर्जित ज्ञान का विश्लेषण, मूल्यांकन, व्याख्या और लागू करने की योग्यता विकसित होगी।

**CLASS XII
COURSE STRUCTURE**

Book- Fundamental of Human Geography

Chapter No.	Chapter Name	No. of periods	Weightage
Unit I			
1	Human Geography	7	3
Unit II			
2	The World Population Density Distribution and Growth	9	8
3	Human Development	7	
Unit III			
4	Primary Activities	12	19
5	Secondary Activities	10	
6	Tertiary and Quaternary Activities	10	
7	Transport, Communication and Trade	15	
8	International Trade	10	
Map Work (Based on identification of features on World Political Map)		10	5
Total		90	35

Book-India People and Economy

Chapter No.	Chapter Name	No. of Periods	Weightage
Unit I			
1	Population Distribution Density Growth and Composition	10	5
Unit II			
2	Human Settlements	8	3
Unit III			
3	Land Resources and Agriculture	9	10
4	Water Resources	9	
5	Mineral And Energy Resources	9	
6	Planning and Sustainable Development in Indian Context	7	
Unit IV			

7	Transport and Communication	11	7
8	International Trade	9	
Unit V			
9	Geographical Perspective on selected issues and problems	8	5
Map Work (Based on Marking and labelling on a political Map of India)		10	5
Total		90	35

Geography Practical-II

Chapter No.	Chapter Name	Period	Weightage
1	Data-its source and Compilation	5	18
2	Data Processing	8	
3	Graphical representation of Data	15	
4	Spatial Information Technology	12	7
Practical Record Book and Viva Voce			5
Total		40	30

CLASS XII COURSE CONTENT

Book- Fundamental of Human Geography

Chapter No. and Name	Specific Learning Objectives	Suggested Teaching Learning Process	Learning Outcomes
1 Human Geography	<ul style="list-style-type: none"> To define Human Geography and describe the nature and scope of Human Geography as a discipline. 	<ul style="list-style-type: none"> Case Study on determinism and possibilism given in NCERT to be used to explain the concept. Prepare a concept map of the chapter explaining the following: Definition of Human Geography, nature, scope, schools of thought, branches of Human Geography. 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Define the term human geography. Elucidate the Interdependence between Nature and Human beings. State the fields and subfields of Human Geography and its relationship with other branches of Social Sciences. Differentiate between Environmental Determinism and Possibilism. Explain Neo-determinism with examples from real life.
2 The World Population-	<ul style="list-style-type: none"> To familiarize learners with some basic concepts of Population Geography. 	<ul style="list-style-type: none"> On a world map mark and label ten most populous countries of the world. 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p>

<p>distribution, density and growth</p>	<ul style="list-style-type: none"> To understand the patterns of population distribution in the world and correlate the factors influencing population distribution. 	<ul style="list-style-type: none"> Class discussion on how science and technology helped in population growth. List the reasons for human migration. On the world map identify the countries of Europe and Asia with negative growth rate of population and African countries with growth rate of population more than three percent. Students can be asked to find out the density of population of their respective state/ district/ city. Case Study on Thomas Malthus (optional) Prepare a glossary. 	<ul style="list-style-type: none"> Calculate density of population, birth rate and death rate. Name and define the components responsible for population change. Understand the stages of population growth in the world using Demographic Transition Theory. Suggest measures to control population growth. Define the following terms: Growth of population, Natural growth of population, Positive growth of population, Negative growth of population
<p>3 Human development</p>	<ul style="list-style-type: none"> To understand the concept human development introduced by Dr. Mehbub Ul Haq and Prof. Amartya Sen. 	<ul style="list-style-type: none"> The lesson can be introduced by asking students to discuss with their peer group: What is a meaningful life? Discuss: How Beti Bachao and Beti Padhao programme introduced by the Government of India can address the issue of declining sex ratio and make life more meaningful for girls. Enact a play to show how choices get limited due to lack of capability in areas of income, health care and education. Interview a lady vegetable vendor, cobbler and a sweeper in the community and note how their opportunities were limited because of gender, caste and income. 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Differentiate between growth and development Explain the three basic indicators of human development and measure the level of Human Development. Describe Human Development Index published by UNDP. Compare HDI with Human Poverty Index. Explain the key pillars of human development with examples. Compare Income approach, Welfare approach, Basic Needs approach and Capability approach to understand the concept Human Development. Categories countries on the basis of their HDI and explain their characteristics.
<p>4 Primary Activities</p>	<ul style="list-style-type: none"> To understand various categories of economic activities. To describe Primary activities and relate the physical and social factors that affect the type of primary activities practised in different regions of the world. 	<ul style="list-style-type: none"> Class discussion: Why are people in coastal areas and plains engaged in fishing and agriculture? Describe the life of a nomadic herder. (Gaddi and Bakarwal tribe) Mark and label the following on an outline world map: 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Define the following terms: Economic activity, Primary activities, Red Collar Worker, Pastoral Nomadism Explain food gathering as an economic activity. Distinguish between pastoral nomadism and commercial livestock rearing.

	<ul style="list-style-type: none"> To explain main features of different types of agricultural system practised in the world. 	<ol style="list-style-type: none"> Major areas of subsistence gathering Major areas of nomadic herding of the world Major areas of commercial livestock rearing Major areas of extensive commercial grain farming Major areas of mixed farming of the World 	<ul style="list-style-type: none"> Differentiate between primitive subsistence and intensive subsistence farming. Describe the characteristic features of plantation agriculture as a type of commercial farming. Analyse why is there low yield per acre but high yield per person in areas of extensive grain cultivation. Compare and contrast the farming practices in the developed urban areas of the world. Analyse how the model of Kolkhoz introduced in the erstwhile USSR boost agricultural production. Examine the reasons for success of cooperative farming in the European countries. Differentiate between open cast mining and shaft mining. Discuss how mining can have impact on humans and environment.
<p>5 Secondary Activities</p>	<ul style="list-style-type: none"> To develop understanding of secondary activities with emphasis on manufacturing industries. To give an overview of manufacturing processes, types, its significance and recent changes. 	<ul style="list-style-type: none"> The students can be asked to prepare a list of factory-made goods they use in their daily life and categorize them as biodegradable and non-biodegradable. List out ten global brands, their logos and products. The students can be taken out for a visit to local industry and asked to prepare a report on their observations regarding raw material used, finished product, production process, labour inputs, environmental impact and social responsibility. The students can be asked to prepare a sketch, poster, poem or write-up about the environmental conditions surrounding an industry. 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Explain key concepts such as, large-scale manufacturing, high technology industry, organizational set up, foot-loose industries, Agri business etc. Identify and explain the factors affecting the location of an industry. Differentiate between different types of industries on the basis of size, raw material, ownership and output. Differentiate between cottage industry and small-scale industry. Explain the importance of high-tech industries and reason for them being attracted to the peripheral areas of major metropolitan cities. Compare large scale industry and modern high-tech industry with examples. Understand and analyses the interrelationship between

			industrial development and standard of living.
6 Tertiary and Quaternary Activities	<ul style="list-style-type: none"> To understand different types of tertiary activity and its importance in the economy. 	<ul style="list-style-type: none"> Make a list of economic activities under different categories. Make a list of departmental stores and chain stores that you visit regularly. Class discussion on: How convenient and beneficial the fast-growing service sector in the world. 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Compare and contrast traditional and modern economic activities. Students correlate tertiary activities and their role in the economic development of a country. Describe different types of tertiary activities. Discuss different types of trading centres found in rural and urban areas and role played by them in local economy. Describe quinary activities and its role in advanced economies. Discuss how tertiary, quaternary and quinary activities have replaced jobs in primary and secondary sectors. Define the following terms: BPO, Outsourcing, KPO, Departmental Store, ChainStore, Wholesale trading
7 Transport and Communication	<ul style="list-style-type: none"> To acquire knowledge about various modes of transport in different continents. To compare and synthesize the information about major transport routes around the globe. To understand the development of communication networks and their impact on the modern world. 	<ul style="list-style-type: none"> Students can be asked to do a survey of their class about the means of transport being used by students to reach school. Prepare a Bar diagram with the help of the data collected. Analyze the connection between physical landscape and development of various modes of transport. Mark and label the terminal stations of Trans-Siberian Railway, Trans Canadian Railway and Trans Australia Railway on an outline world map. Draw a sketch map of Suez Canal, Panama Canal, St Lawrence Sea ways and Rhine waterways, and mark them on an outline map of the world. On an outline map of the world mark and label the following major airports of each continent: <ul style="list-style-type: none"> a. Asia: Tokyo, Beijing, Mumbai, Jeddah, Aden b. Africa: Johannesburg & Nairobi c. Europe: Moscow, London, Paris, Berlin and Rome 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Compare and contrast various modes of transport. Explain the relationship of transport and communication networks to economic development of a region. Describe the major highways and major rail networks of different continents. Discuss the location and economic significance of Trans-Siberian Railway, Trans Canadian Railway, The Union and Pacific Railway and Trans Australian Railway. Describe the location and the economic importance of the major sea routes of the world. Discuss how Suez Canal and Panama Canal serve as major gateways of commerce for both the eastern and the western world. Discuss how the modern communication systems have made the concept of global village a reality.

		<p>d. North America: Chicago, New Orleans, Mexico City</p> <p>e. South America: Buenos Aires, Santiago</p> <p>f. Australia: Darwin and Wellington</p>	
8 International Trade	<ul style="list-style-type: none"> Familiarize the students with the basic concepts and principles of international trade. To understand the basis of international trade, Balance of trade and types of international trade. Gain knowledge about the concept of Dumping. To outline the historical perspective of globalization and role of WTO, its functions and its implications on the world trade. Examine the importance of sea ports as gateways of international trade 	<ul style="list-style-type: none"> Discuss: How International trade was carried out in the past vis-a-vis present times. Study the data given on table 9.1 and compare world import and export to calculate balance of trade and analyse its implication. Read the case study on dumping and discuss how dumping is becoming a serious concern among trading nations. Prepare a concept map of the chapter. Mark and label the headquarter of WTO on an outline world map. Mark and label the following major sea ports of the world: <ul style="list-style-type: none"> a. Europe: North Cape, London, Hamburg North America: Vancouver, San Francisco, New Orleans b. South America: Rio De Janeiro, 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Define international trade and describe how it impacts various countries. Describe the basis of International Trade. Discuss types of and aspects international trade. Explain the term Dumping, Trade liberalisation and Globalisation. Discuss the impact of WTO on current global trade. Evaluate how international trade can be detrimental to some nations. Analyse how seaports act as chief gateways of International trade.
		<p>Colon, Valparaiso Africa: Suez and Cape Town</p> <p>c. Asia: Yokohama, Shanghai, Hong Kong, Aden, Karachi, Kolkata</p> <p>d. Australia: Perth, Sydney, Melbourne</p>	

India People and Economy

Chapter No. and Name	Specific Learning Objectives	Suggested Teaching Learning Process	Learning Outcomes
1 Population: Distribution Density, Growth and Composition	<ul style="list-style-type: none"> To correlate population distribution and density with the physiography of India. To familiarize students with the demographic attributes of India 	<ul style="list-style-type: none"> Learner may be asked to refer to an Atlas to correlate relief map of India and map of population distribution and density and write their observation and share with their classmates. Prepare a choropleth map showing the state wise density of population of India. Represent the data on decadal growth rate (given on page 5 NCERT) in India using suitable statistical diagram. Refer to Census of India website to collect data on population of India. Prepare a dot map showing the 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Differentiate between distribution of population and density of population. Define: Physiological Density, Agricultural Density, Population doubling time, Working Population, Participation Rate, Main Worker, Marginal Worker, Rural Population, Urban Population, Adolescent Population. Discuss the factors responsible for uneven distribution of population in India. Explain trends of population

		<p>distribution of India's Population.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Compare the growth rate of population of different states between 1991-2001 and 2001-2011. 	<p>growth in India since 1901.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Describe rural-urban population composition, religious composition linguistic composition and sectoral composition of work force in India. Discuss the occupational structure of India's population.
<p>2 Human Settlements</p>	<ul style="list-style-type: none"> • To understand how the form and size of settlement of any particular region reflects human relationship with the environment. 	<ul style="list-style-type: none"> • The students will prepare a line graph to show the growth of urban population in India since 1901. • The students will mark and label the million plus cities of all the states on a political map of India. • Case Study: Amravati https://smartcities.gov.in/sites/default/files/SmartCityGuidelines.pdf https://assccl.ap.gov.in/ASSCCL/views/V1/Home.aspx 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> • Differentiate between rural and urban settlement. • Describe the factors that govern the types of rural settlement in India. • Compare and contrast clustered, semi clustered, Hamleted and dispersed settlement with examples. • Describe the evolution of towns in India since prehistoric times. • Classify towns on the basis of their functions.

<p>3 Land Resources and Agriculture</p>	<ul style="list-style-type: none"> • To familiarise students with the land-use categories as maintained in the land revenue records. • To analyse the changes in land-use pattern registered in India due to change in shares of primary, secondary and tertiary sectors in GDP. 	<ul style="list-style-type: none"> • The students will study and document the land use around their school and speak to their elders to find out changes registered in land use. • The students will read and interpret the bar graph (fig 5.1) comparing the changes in land use in India between 1950-51 and 1914-15. • Using the data given in the appendix (vi) the students will Work out the actual increase and rate of increases for all the land use categories between 1950–51 and 2014–15. • The students will prepare pie graphs to show the land use categories in 1950-51 and 1914-15. • Prepare a pie chart showing the composition of total cultivable land in the country. • The students will calculate cropping intensity using data from table 5.1 • The students will represent the geographical conditions required 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> • Name and define the land use categories. • Compare the Changes in shares of Land-use Categories in India between 1950 and 2014. • Discuss the importance of common property resources for the community. • Compare dryland and Wetland farming and evaluate its importance. • Compare the geographical conditions required for the growth of the following crops and their distribution/ growing areas. • Rice, Wheat, Jowar, Pulses, Oilseeds, Cotton, Jute, Sugarcane, Tea, Coffee • Evaluate technological developments that have taken place in Indian agriculture since Independence. • Discuss the challenges faced by the Indian farmers and suggest measures to overcome them.
---	--	--	--

		<p>for the growth of different crops in a tabular form and compare them.</p> <ul style="list-style-type: none"> On political map of India the students will mark and label the three largest producing states of Rice, Wheat, Jowar, Pulses, Oilseeds, Cotton, Jute, Sugarcane, Tea and Coffee. 	
<p>4 Water Resources</p>	<ul style="list-style-type: none"> To familiarise students about the water resources available in India and the factors that determine spatial distribution of the available water resources in the country and its utilization. 	<ul style="list-style-type: none"> List out the major sources of water. Discuss the interrelationship between physical and human environment and their impact from local to global. Ralegan Siddhi case study to be discussed to understand the holistic impact of Watershed development in any place. Students can also be encouraged to read about Haryali, Neeru-Meeru (Water and You) programme in Andhra Pradesh and Arvary Pani Sansad in Alwar, Rajasthan 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Describe the available water resources in India. Evaluate the water demand and supply in India. Discuss the reasons for water scarcity in the country. Discuss water resources in India, its geographical distribution, sectoral utilization, and methods of its conservation and management. Recognize various emerging water problems and analyse the causes for deterioration of quality of water. Evaluate the scope to use rainwater harvesting techniques to conserve precious water

			resources.
<p>5 Mineral and energy resources</p>	<ul style="list-style-type: none"> To know about distribution of various minerals in the world. To understand and realize the importance of minerals in human life. To create an awareness about nature of different minerals and how to sustain them for the future. 	<ul style="list-style-type: none"> The students should be encouraged to read newspaper regularly and discuss environmental impact of mining. The students should create awareness in school through posters and role play about the use of renewable resources and conservation of energy resources. Prepare a table to present the spatial pattern of the following minerals under the given headings: (Properties, Total Reserves, Distribution, Mines) Iron Ore, Manganese, Bauxite, Copper, Mica, Coal, Petroleum and natural Gas. 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Classify minerals on the basis of chemical and physical properties. Describe the major mineral belts of India and mark them on an outline map of India. Describe different types of non-conventional mineral resources. Analyse why the renewable energy resources will be the future source of resources. Suggest measures to conserve our non-renewable resources. On an outline Political Map of India mark and label the following: <ul style="list-style-type: none"> g. Iron-ore mines: Mayurbhanj, Bailadila, Ratnagiri, Bellary h. Manganese mines: Balaghat, Shimoga i. Copper mines: Hazaribagh, Singhbhum, Khetari j. Bauxite mines: Katni, Bilaspur and Koraput k. Coal mines: Jharia, Bokaro, Raniganj, Neyveli l. Oil Refineries: Mathura, Jamnager, Barauni

<p>6 Planning and sustainable development in Indian Context</p>	<ul style="list-style-type: none"> To understand the need for centralised planning (sectoral planning and regional planning) to accelerate uniform economic development over space as well the role of NITI Aayog. 	<ul style="list-style-type: none"> Case Study – Integrated Tribal Development Project in Bharmaur Region. Case Study- Indira Gandhi Canal (Nahar) Command Area. Critically evaluate the need for, aims of, and impacts of irrigation on Indira Gandhi Canal (Nahar) Command Area. 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Develop an understanding about various types of planning. Justify the need for target areas and target groups planning by the Planning Commission with examples. Explain the aims and approaches of the Hill Area Development Programme, Drought prone area Programme, Critically evaluate the aims and social benefits of ITDP in the Bharmaur tribal region. Evaluate the measures that can be taken to promote sustainable development in Indira Gandhi Canal Command Area.
<p>7 Transport and communication</p>	<ul style="list-style-type: none"> To acquire knowledge about various means of transport spread in different parts of India. To compare and correlate various modes of transport to the physical regions of India. To evaluate the impact of 	<ul style="list-style-type: none"> Draw a flow chart to show the means of transportation. Collect information on Metro rail of India and discuss in the classroom. Prepare a concept map showing different means of transportation, 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Develops an understanding about various means of transport being used in different parts of India. Analyse the impact of the physical environment on development of various modes in different regions.
	<p>transport and communication networks on the development of our nation.</p>	<p>its advantages and disadvantages.</p> <ul style="list-style-type: none"> Collect information on Bharatmala and Setubharatam Pariyojana and share it with your peer group. 	<ul style="list-style-type: none"> Describe different types of highways found in different parts of our country. Discuss the role of Indian Railways in the growth of India's economy with focus on recent technological advancements. Describe the five National Waterways of our country. Discuss the role of OIL and Gail in development of gas pipelines in India. Discuss reasons for the state wise variation in road density in India. Elucidate the impact of modern communication networks in our life. Mark and label the following on an outline political map of India: Terminal stations of north south corridor, East west corridor & golden quadrilateral
<p>8 International Trade</p>	<ul style="list-style-type: none"> To familiarise students about the changes that have taken place in India's international trade in terms of volume, composition 	<ul style="list-style-type: none"> Study the graph (11.1) showing India's import and export and comment on India's balance of trade. 	<p>At the completion of this unit students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> Give reasons for changing pattern of the composition of

	and direction.	<ul style="list-style-type: none"> • Make a list of items that are in India's import and export basket. • Make a list of India's major trading partners and identify these countries on a world map. • Name the nearest domestic and international airports from your school. • Study fig 11.5 and identify four cities from where maximum number of air routes converge. Discuss the reasons for the samewith your classmates. 	<p>India's import and export.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Discuss the strategies adopted by India to double its share in the international trade. • Evaluate the role of seaports as gateways of international trade with examples. • Mark and label the major seaports and airports on an outline map of India. • Major Sea Ports: Kandla, Mumbai, Marmagao, Kochi, Mangalore, Tuticorin, Chennai, Vishakhapatnam, Paradwip, Haldia • International Airports: Ahmedabad, Mumbai, Bengaluru, Chennai, Kolkata, Guwahati, Delhi, Amritsar, Thiruvananthapuram & Hyderabad.
9 Geographical Perspective on selected issues	<ul style="list-style-type: none"> • To explain the causes and consequences of different types of pollution in India and suggest the measures to control it. 	<ul style="list-style-type: none"> • List the major sources of water pollution, air pollution, noise pollution and land pollution. • Identify the most polluted stretch of river Ganga and river Yamuna on an outline map. • Look into the dustbin in your school and make a list of solid 	<p>At the completion of this topic the students will be able to:</p> <ul style="list-style-type: none"> • Classify types of pollution based on the medium through which pollutants are transported and diffused. • Explain various sources of pollution and summarise the
		<p>waste generated by students.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Prepare a poster to create awareness about Namami Gange Programme. • Speak to a rag picker and try to find out what he/she does with the waste. • Read the case study of a migrantlabourer (Given in NCERT) and enact his/her life in your classroom. 	<p>state of water, air, land and noise pollution in India.</p> <ul style="list-style-type: none"> • Analyse the rural-urban migration and its role in pollution. • Describe the health and social problems of slum dwellers with reference to Dharavi. • Describe the natural and human causes of land degradation and suggest measures to control land degradation in India. • Suggest measures to control different types of pollutions and evaluate the effectiveness of the Swachh Bharat Mission. <p>Discuss the problems related to urban waste disposal and suggest measures to convert waste into wealth.</p>

Practical Work in Geography Part II

Chapter No. and Name	Learning Objectives	Suggested Teaching Learning Process	Learning Outcomes
1 Data its source and compilation	<ul style="list-style-type: none"> To understand the importance of data and its uses in Geography 	<ul style="list-style-type: none"> Collect Primary and Secondary Sources of data from different sources and exhibit in practical file 	<ul style="list-style-type: none"> Define data. Differentiate between primary and secondary sources of data. List several sources of data.
2 Data Processing	<ul style="list-style-type: none"> To calculate Measures of Central tendency To Compare Mean, Median and Mode 	<ul style="list-style-type: none"> Calculate Mean, Median and Mode using direct and indirect method 	<ul style="list-style-type: none"> Calculate the mean rainfall of your city. List ten Himalayan peaks with their heights and calculate the median height using the data.
3 Representation of data	<ul style="list-style-type: none"> To represent data graphically using different techniques 	<ul style="list-style-type: none"> Construction of Line Graph Bar Graph Poly Graph Line and Bar Graph Multiple Bar Diagram Compound Bar Diagram Pie Diagram <p>Thematic Maps</p> <ul style="list-style-type: none"> Dot Map Choropleth Map Isopleth Map 	<ul style="list-style-type: none"> Construct a line graph to represent the growth rate of Population in India 1901-2011. Construct a polygraph to compare the growth of sex ratio in different states. Construct a line and bar graph to represent the average monthly rainfall and temperature of Delhi. Construct a multiple bar diagram to represent decadal literacy rate, male literacy and female literacy. Draw a pie diagram to show
			<p>India's export to major regions of the world 2010-2011.</p> <ul style="list-style-type: none"> Construct a dot map to show India's Population 2011. Construct a choropleth map to show state wise variation in population density.
4 Spatial Information Technology	<ul style="list-style-type: none"> To understand the need to capture data from different sources and integrate them using a computer that is supported by geo-processing tools. To learn basic principles of the Spatial Information Technology and its extension to the Spatial Information System, which is more commonly known as Geographical Information System. 		<ul style="list-style-type: none"> Explain Spatial Information Technology or GIS. Describe the advantages of GIS over manual methods. Components of GIS Spatial Data formats Raster data format Vector data format Spatial Analysis Overlay and Buffer Analysis.

Map Items for identification only on outline political map of the World

Fundamentals of Human Geography

Chapter No. and Name	Map Items
1-Human Geography	Nil
2-The World Population Density Distribution and Growth	Nil
3-Human Development	Nil
4-Primary Activities	<ul style="list-style-type: none"> • Areas of subsistence gathering (Fig 4.2) • Major areas of nomadic herding of the world (4.4) • Major areas of commercial livestock rearing (4.6) • Major areas of extensive commercial grain farming (4.12) • Major areas of mixed farming of the World (4.14)
5-Secondary Activities	Nil
6-Tertiary and Quaternary Activities	Nil
7-Transport, Communication and Trade	<ul style="list-style-type: none"> • Terminal Stations of Transcontinental Railways– Trans-Siberian, Trans Canadian, Trans-Australian Railways <p>Major Sea Ports</p> <ul style="list-style-type: none"> • Europe: North Cape, London, Hamburg • North America: Vancouver, San Francisco, New Orleans • South America: Rio De Janeiro, Colon, Valparaiso • Africa: Suez and Cape Town • Asia: Yokohama, Shanghai, Hong Kong, Aden, Karachi, Kolkata
	<ul style="list-style-type: none"> • Australia: Perth, Sydney, Melbourne <p>Major Airports:</p> <ul style="list-style-type: none"> • Asia: Tokyo, Beijing, Mumbai, Jeddah, Aden • Africa: Johannesburg & Nairobi • Europe: Moscow, London, Paris, Berlin and Rome • North America: Chicago, New Orleans, Mexico City • South America: Buenos Aires, Santiago • Australia: Darwin and Wellington <p>Inland Waterways</p> <ul style="list-style-type: none"> • Suez Canal, Panama Canal, Rhine waterways and St. Lawrence Seaways
8-International Trade	Nil

Map Items for locating and labelling on political outline map of India

India - People and Economy

Chapter No. and Name	Map Items
1-Population Distribution Density Growth and Composition	State with highest population density & state with lowest population density (2011)
2-Human Settlement	Nil
3-Land Resources and Agriculture	Leading producing states of the following crops: (a) Rice (b) Wheat (c) Cotton (d) Jute (e) Sugarcane (f) Tea and (g) Coffee
4-Water Resources	Nil
5-Mineral And Energy Resources	Mines: <ul style="list-style-type: none">• Iron-ore mines: Mayurbhanj, Bailadila, Ratnagiri, Bellary• Manganese mines: Balaghat, Shimoga• Copper mines: Hazaribagh, Singhbhum, Khetari• Bauxite mines: Katni, Bilaspur and Koraput• Coal mines: Jharia, Bokaro, Raniganj, Neyveli• Oil Refineries: Mathura, Jamnager, Barauni
6-Planning and Sustainable Development in Indian Context	Nil
7-Transport and Communication	Nil
8-International Trade	Mark and label the major seaports and airports on an outline map of India. <ul style="list-style-type: none">• Major Sea Ports: Kandla, Mumbai, Marmagao, Kochi, Mangalore, Tuticorin, Chennai, Vishakhapatnam, Paradwip, Haldia• International Airports: Ahmedabad, Mumbai, Bengaluru, Chennai, Kolkata, Guwahati, Delhi, Amritsar, Thiruvananthapuram & Hyderabad.
9-Geographical Perspective on selected issues and problems	Nil

आंतरिक मूल्यांकन/भूगोल प्रैक्टिकल के लिए दिशानिर्देश

- छात्रों को व्यावहारिक पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी विषयों को शामिल करते हुए एक व्यावहारिक फ़ाइल तैयार करनी चाहिए।
- फ़ाइल एक कवर पेज, इंडेक्स पेज और पावती के साथ पूरी तरह से हस्तलिखित होनी चाहिए।
- सभी सांख्यिकीय आरेख और मानचित्र उचित शीर्षकों, पैमाने, सूचकांक आदि के साथ साफ-सुथरे ढंग से बनाए जाने चाहिए। सांख्यिकीय आरेख बनाने के लिए डेटा एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक या जनगणना से लिया जा सकता है।
- सीबीएसई व्यावहारिक परीक्षाओं के समय व्यावहारिक फ़ाइल का मूल्यांकन आंतरिक और बाह्य दोनों परीक्षकों द्वारा किया जाएगा।
- प्रायोगिक परीक्षा के दिन उपरोक्त दिये गये प्रायोगिक पाठ्यक्रम के आधार पर 25 अंकों की लिखित परीक्षा आयोजित की जायेगी।
- वाइवा केवल प्रैक्टिकल सिलेबस के आधार पर आयोजित किया जाएगा।
- लिखित परीक्षा - 25 अंक
- प्रैक्टिकल फाइल- 02 अंक
- वाइवा- 03 अंक

मानव भूगोल के मूल सिद्धांत

पाठ 1 मानव भूगोल:- प्रकृति और क्षेत्र

एक दृष्टि में पाठ का सार

भूगोल एक क्षेत्र-अध्ययन है, जो एकीकृत, अनुभवजन्य, वैज्ञानिक और व्यावहारिक अनुशासन पर आधारित है, यह समय, स्थान, और पृथ्वी की सतह पर, प्रत्येक घटना का अध्ययन करता है।

मानव भूगोल मानव और प्रकृति के बीच संबंधों का अध्ययन करता है।

भूगोल का अध्ययन विधि निर्माण अथवा वर्णनात्मक माध्यम से किया जा सकता है। भूगोल के अध्ययन में दो दृष्टिकोणों/विचारों का उपयोग किया जाता है

1. व्यवस्थित दृष्टिकोण

2. क्षेत्रीय दृष्टिकोण

मानव भूगोल की परिभाषा

"मानव भूगोल मानव समाज और पृथ्वी की सतह के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है।" - **रैटज़ेल**

"मानव भूगोल "गतिशील मनुष्य और अस्थिर पृथ्वी के बीच बदलते संबंधों का अध्ययन है।" - **एलेन सी. सेम्पल**

"गर्भाधान हमारी पृथ्वी को नियंत्रित करने वाले भौतिक नियमों और इसमें रहने वाले जीवित प्राणियों के बीच संबंधों के अधिक सिंथेटिक ज्ञान से उत्पन्न होता है"। **पॉल विडाल डेला ब्लाश**

मानव भूगोल की प्रकृति

- मानव भूगोल 'मनुष्य द्वारा निर्मित भौतिक पर्यावरण और सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण' के बीच अंतर्संबंध का अध्ययन करता है।
- भौतिक भूगोल के तत्व भूमि, जल, मिट्टी, जलवायु, वनस्पति और जीव आदि हैं। सांस्कृतिक के तत्व परिवहन और संचार, बस्तियां, फसलें आदि हैं।

मनुष्य का प्राकृतिकीकरण

- मनुष्य प्रौद्योगिकी की सहायता से प्रकृति के साथ संपर्क स्थापित करता है।
- यह महत्वपूर्ण नहीं है कि क्या वह बनाता है लेकिन बनाने के लिए वह किन उपकरणों का उपयोग करता है।
- प्रौद्योगिकी समाज के सांस्कृतिक विकास के स्तर को इंगित करती है।
- प्रकृति को समझने से प्रौद्योगिकी बनाने में मदद मिलती है। घर्षण और गर्मी की समझने आग की खोज में मदद की। डीएनए को समझने से बीमारियों को खत्म करने में मदद मिली।
- थर्मोडायनामिक्स के नियमों ने तेज़ विमानों को विकसित करने में मदद की।
- प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए प्रकृति के बारे में ज्ञान अत्यंत महत्वपूर्ण है और प्रौद्योगिकी मनुष्य पर पर्यावरण के बंधनों को ढीला कर देती है।

- आदिम समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच परस्पर क्रिया को "पर्यावरणीयनियतिवाद" कहा जाता है।

प्रकृति का मानवीकरण

- प्रौद्योगिकी के विकास के साथ लोगों ने प्रकृति को अच्छी तरह से समझा।
- आवश्यकता की स्थिति से संभावनाओं की स्थिति की ओर बढ़ते हैं।

➤ मानवीय गतिविधियों ने सांस्कृतिक परिदृश्यों का निर्माण किया, इसलिए इसे संभावनावाद कहा जाता है ।

नव-नियतिवाद/ रुकें और आगे बढ़ें नियतिवाद

- एल1920 में एक ऑस्ट्रेलियाई विद्वान ग्रिफ़िथ टेलर द्वारा प्रस्तुत किया गया।
- यह पर्यावरणीय नियतिवाद और संभावनावाद के बीच एक मध्य मार्ग है।
- यह अवधारणा दर्शाती है कि न तो पूर्ण आवश्यकता की स्थिति है और न ही पूर्ण स्वतंत्रता की स्थिति है।
- सतत विकास ही मुख्य उद्देश्य है। नव नियतिवाद विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बनाता है ।

मानवभूगोल "समय के गलियारों से"

➤ मानवभूगोल के स्कूल

➤ **कल्याणविद्यालय:-** 1- लोगों की सामाजिक भलाई से संबंधित एक । आवास (स्वयं का घर या किराए का घर/कच्चा या पक्का, शौचालय और ताजे पानी की सुविधा, बिजली आदि के साथ)

2- स्वास्थ्य (डॉक्टर, दवाएँ, एम्बुलेंस, पौष्टिक भोजन आदि की सुविधा)

3- शिक्षा (प्रारंभिक और कौशल आधारित, व्यावसायिक)

➤ रेडिकल स्कूल

मूलरूप से परंपराओं का पालन करें या गरीबी, अभाव और सामाजिक और लैंगिक असमानता के कारणों से संबंधित प्राकृतिक घटनाओं पर निर्भर रहें हैं |

➤ व्यवहारिक स्कूल

जीवित अनुभव, सामाजिक श्रेणियों द्वारा स्थान की धारणा को महत्व दिया गया |

समय के गलियारों के माध्यम से

1- प्रारंभिक औपनिवेशिक काल की खोज और विवरण साम्राज्यवाद और व्यापार के कारण कई भूमियों की खोज हुई |

2- औपनिवेशिक काल का क्षेत्रीय विश्लेषण भागों को समग्रता में समझने से मदद मिली |

1930- अंतरयुद्ध-अंतर युद्ध काल हवाई विभेदन किसी क्षेत्र की विशिष्टता के कारणों का पता लगाने में

1950-1960 के अंत में स्थानिक संगठन भूगोल का अध्ययन करने के लिए प्रौद्योगिकी लागू करें

1970- मानवतावादी, कट्टरपंथी और व्यवहारवादी स्कूल का उद्भव स्कूलों की मदद से सामाजिक-राजनीतिक वास्तविकता का उदय

1990-उत्तर आधुनिकतावाद भूगोल को समझने के लिए सार्वभौमिक कानूनों का सामान्यीकरण

अवधि	दृष्टिकोण	व्यापक विशेषताएं
प्रारंभिक औपनिवेशिक काल	अन्वेषण और विवरण	साम्राज्यवाद और व्यापार के कारण अनेक भूमियों की खोज हुई
औपनिवेशिक काल	क्षेत्रीय विश्लेषण	भागों को समग्रता में समझने से संपूर्ण को समझने में मदद मिली
1930- अंतरयुद्ध अंतरयुद्ध काल	हवाई भेदभाव	किसी क्षेत्र की विशिष्टता के कारणों का पता लगाएं
1950-1960 के अंत में	स्थानिक संगठन	भूगोल का अध्ययन करने के लिए प्रौद्योगिकी लागू करें

1970	मानवतावादी, कट्टरपंथी और व्यवहारवादी स्कूल का उद्भव	स्कूलों की मदद से सामाजिक-राजनीतिक वास्तविकता का उदय
1990	उत्तर आधुनिकतावाद	भूगोल को समझने के लिए सार्वभौमिक कानूनों का सामान्यीकरण

एकअंकवाले प्रश्न

प्रश्न 1 . नवनियतिवाद की अवधारणा किसने प्रस्तावित की ? **उत्तर. ग्रिफ़िथटेलर.**

प्रश्न2. भूगोल के किस उपक्षेत्र को जनसांख्यिकी कहा जाता है? **उत्तर. जनसंख्याभूगोल.**

प्रश्न3. किस विषय को ज्ञान की सभी शाखाओं की जननी कहा जाता है? **उत्तर. भूगोल**

तीन अंक वाले प्रश्न

प्रश्न1-मनुष्य का प्राकृतिकीकरण क्या है?

उत्तर. 1- मानव गतिविधियाँ पर्यावरण द्वारा नियंत्रित और शासित होती हैं ।

2-मनुष्य को एक निष्क्रिय एजेंट के रूप में माना जाता है।

3-उपलब्ध प्रौद्योगिकी की सहायता से पर्यावरण में मानव का समायोजन।

4-मध्य भारत के बँदा जीवन का उदाहरण।

प्रश्न2- प्रकृतिका मानवीकरण क्या है?

उत्तर. 1- मनुष्य को एक स्वतंत्र एवं सक्रिय एजेंट के रूप में माना जाता है।

2- हर जगह संभावनाएं हैं और मनुष्य इन संभावनाओं का स्वामी है ।

3-मनुष्य संस्कृति और तकनीकी ज्ञान द्वारा प्रकृति को बदल सकता है ।

4-ट्रॉनहैम (नॉर्वे) में रहने वाले कैरी का उदाहरण

अभ्यास के लिए अतिरिक्त प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू)

Q.1मानव भूगोल मानव समाज और पृथ्वी की सतह के बीच संबंधों का व्यवस्थित अध्ययन है।" यह परिभाषा किसके द्वारा दी गई थी?

(ए) रेटजेल

(बी) एलेन सी सेम्पल

(सी) विडाल डी ला बलाश

(डी) इनमेंसेकोई नहीं

उत्तर (ए) रेटजेल

Q.2मनुष्य प्राकृतिक पर्यावरण की बाधाओं से प्रतिबंधित है," इस विचार को इस प्रकार वर्णित किया जा सकता है

(ए) पर्यावरणीय नियतिवाद

(बी) नव-उदारवाद

(सी) संभावनावाद

(डी) स्थानिक विश्लेषण

उत्तर (ए) पर्यावरणीय नियतिवाद

Q.3-"प्रकृति अवसर प्रदान करती है और मनुष्य इन अवसरों का उपयोग करता है। धीरे-धीरे प्रकृति का मानवीकरण हो जाता है।" उपरोक्त कथन निम्नलिखित में से किस विचार का वर्णन करता है?

(ए) संभावनावाद

(बी) पर्यावरणीय नियतिवाद

(सी) स्थानिक विश्लेषण

(डी) क्षेत्रीय भेदभाव

उत्तर (ए) संभावनावाद

Q.4ग्रिफ़िथ टेलर ने निम्नलिखित में से किस विचार/अवधारणा को लोकप्रिय बनाया?

(अ)संभावनावाद

(ब)नियतिवाद

(स)नव-निर्धारण

(द) क्षेत्रीयभेदभाव

उत्तर (स) नव-नियतिवाद

Q.5इंग्लू में रहने वाले एस्किमो किसका उदाहरण है?

(अ)संभावनावाद

(ब) नव-नियतिवाद

(स) पर्यावरणीय नियतिवाद

(द) उपरोक्तमेंसेकोईनहीं

उत्तर (स) पर्यावरणीय नियतिवाद

Q.6प्रारंभिक औपनिवेशिक काल की विशेषता मानव भूगोल के लिए निम्नलिखित में से कौनसा दृष्टिकोण था?

(अ) क्षेत्रीय विश्लेषण

(ब) क्षेत्रीय भेदभाव

(स) अन्वेषण और विवरण

(द) स्थानिक संगठन

उत्तर (स) अन्वेषण और विवरण

Q.7 भूगोल में स्थानिक संगठन का दृष्टिकोण किस काल के दौरान उभरा?

(अ) 1960 के दशक के अंत से 1970 के दशक के प्रारंभ तक

(ब) 1950 के दशक के अंत से 1960केदशककेअंततक

(स) 1970 का दशक

(द) 1990का दशक

उत्तर (ब) 1950 के दशक के अंत से1960 के दशक के अंत तक

Q.8 'द रेडिकल स्कूल ऑफ ज्योग्राफी' निम्नलिखितमेंसेकिससेप्रभावितथी?

(ए) मार्क्सवादीसिद्धांत(बी) कांटकासिद्धांत

(सी) गांधीवादीदर्शन(डी) इनमेंसेकोईनहीं

उत्तर (ए) मार्क्सवादीसिद्धांत

Q.9 भूगोलकीकौनसीशाखाभौतिकऔरसामाजिक-सांस्कृतिकपर्यावरण के बीच संबंध से संबंधित है?

(ए) भौतिकभूगोल(बी) मानवभूगोल

(सी) पर्यावरणभूगोल(डी) उपरोक्तमेंसेकोईनहीं

उत्तर (बी) मानवभूगोल

Q.10 जनसंख्याभूगोलकीविषयवस्तुकहाँसेलीगईहै?

(ए) मानवविज्ञान(बी) जनसांख्यिकी

(सी) अर्थशास्त्र(डी) कल्याणकारीअर्थशास्त्र

उत्तर (बी) जनसांख्यिकी

स्रोतआधारितप्रश्न

नीचे दिए गए केस स्टडी को पढ़ेंऔरउसके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दें।

ट्रॉनहैमशहरमेंसर्दियोंकामतलबभयंकरहवाएंऔरभारीबर्फबारीहोतीहै।महीनोंतकआसमानमेंअंधेराछायारहताहै।कारीसुबह8बजेअंधेरेमेंकामपरजाताहै।उसकेपाससर्दियोंकेलिएविशेषटायरहैंऔरवहअपनीशक्तिशालीकारकीहेडलाइट्सचालूरखतीहै।उनकेकार्यालयकोकृत्रिमरूपसेआरामदायक23डिग्रीसेल्सियसपरगर्मकियाजाताहै।वहजिसविश्वविद्यालयमेंकाम करतीहैउसकापरिसरएकविशालकांचकेगुंबदकेनीचेबनाहुआहै।यहगुंबदसर्दियोंमेंबर्फकोदूररखताहैऔरगर्मियोंमेंधूपकोअंदरआनेदेताहै।

तापमानसावधानीपूर्वकनियंत्रितकियाजाताहैऔरपर्याप्तरोशनीहोतीहै।भलेहीऐसेकठोरमौसममेंताज़ीसब्जियाँऔरपौधेनहींउगते, कारी अपनी मेज पर एक आर्किड रखती है और केले और कीवी जैसे उष्ण कटिबंधीय फल खाने का आनंद लेती है। इन्हें नियमितरूप से गर्म क्षेत्रों से लाया जाता है। माउस के एक क्लिक से, कारी नईदिल्ली में सहकर्मियों के साथ नेटवर्क बना सकती है। वह अक्सर लंदन के लिए सुबह की उड़ान लेती है और शाम को अपना पसंदीदा टेलीविजन धारावाहिक देखने के लिए समय पर लौटती है। हालाँकि कारी अट्ठाईस साल की है, फिर भी वह फिट है और दुनिया के अन्य हिस्सों में कई तीस साल के बच्चों की तुलना में छोटी दिखती है।

(i) निम्नलिखितमेंसेकौनकारीकोकठोरसर्दियोंसेबचनेमेंमददकरताहै?

(ए) लकड़ीकीचिटनियां (बी) कृत्रिमहीटर

(सी) गर्मकंबल(डी) विशेषकपड़े

उत्तर. कृत्रिमहीटर

(ii) निम्नलिखितमेंसेकौनसर्दियोंमेंटोंडहाइमकेमौसमकासहीवर्णनकरताहै?

(ए) धूपवाला मौसम

(बी) बर्फीलाऔरठंडामौसम

(सी) ठंडाऔरतेज़हवावाला मौसम

(डी) मध्यममौसम

Ans (बी) बर्फीलाऔरतूफानीमौसम

(iii) कारीकाजीवनमानवभूगोलकेनिम्नलिखितमेंसेकिसदृष्टिकोणकावर्णनकरताहै?

(ए) पर्यावरणीयनियतिवाद

(बी) संभावनावाद

(सी) नव-नियतिवाद

(डी) क्षेत्रीयविश्लेषण

उत्तर (बी) संभावनावाद

(iv) कारीकेजीवनकीनिम्नलिखितमेंसेकौनसीघटनासकारात्मकताकेविचारकोदर्शातीहै?

(ए) सर्दियोंकेलिएविशेषटायर

(बी) गर्मक्षेत्रोंसेउष्णकटिबंधीयफलोंकाआयात

(सी) नईदिल्लीमेंसहकर्मियोंकेसाथनेटवर्किंग

(D) उपरोक्तसभी

उत्तर (डी) उपरोक्तसभी

संक्षिप्तप्रश्नोत्तर

प्रश्न 1 वे कौन से महत्वपूर्ण तथ्य हैं जिन पर मानव भूगोल मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित करता है?

उत्तर:- मानवभूगोलमुख्यरूपसेजिनमहत्वपूर्णतथ्योंपरध्यानकेंद्रितकरताहैवेइसप्रकारहैं:

1- स्थानिकयास्थानिकविश्लेषणइसमेंपृथ्वीकीसतहपरमानवनिर्मितघटनाएँ, उनकीसंख्या, विशेषताएँ, गतिविधियाँऔरवितरणशामिलहैं।यहवर्णनकरताहैकिमनुष्यक्षेत्रीयआवासकोकैसेप्रभावितकरताहैऔरसाथहीभूमिमनुष्योंकोकैसेप्रभावितकरतीहै।इसेएकमानचित्रद्वारादेखाजासकताहैजोस्थानिकविविधताएँदर्शाताहै।

2- पारिस्थितिकविश्लेषणइसमेंमानव-

पर्यावरणसंबंधशामिलहैजिसेएकभौगोलिकस्थानकेभीतरदेखाजासकताहै।इसमेंबतायागयाहैकियेदोनोंएक-दूसरेकोकैसेप्रभावितकरतेहैं।क्षेत्रीयसंश्लेषणयहमुख्यरूपसेस्थानिकऔरपारिस्थितिकदृष्टिकोणपरकेंद्रितहै, जहांआंतरिकआकृतिविज्ञान, पारिस्थितिकसंबंधोंऔरबाहरीसंबंधोंकाअध्ययनकियाजाताहै।

प्रश्न, 2- "भौतिकभूगोलएवंमानवभूगोलकेतत्त्वोंमेंपरस्परअंतःक्रियाहोतीहै।"

उपयुक्तउदाहरणदेकरकथनकासमर्थनकरें।दिल्ली 2014

उत्तर:- 1- भौतिकभूगोलमेंप्राकृतिकपर्यावरणजैसेभू-आकृतियाँ, जलवायु, वनस्पतिऔरजीव शामिलहैं।मानवभूगोलमेंमनुष्यऔरभौतिकपर्यावरणकेबीचअंतर-संबंधशामिलहै।

2- मनुष्य, प्रौद्योगिकीकेउपयोगकेमाध्यमसेसामाजिक-सांस्कृतिकवातावरणया सांस्कृतिकपरिदृश्यकानिर्माणकरताहै।येरचनाएँभौतिकएवंमानवभूगोलकेपारस्परिक अन्तःक्रियाकीक्रियाहैं।

उदाहरणकेलिए, उच्चभूमियोंपरस्वास्थ्यरिसॉर्टबनाएजातेहैं, महासागरोंकीसतहपरसमुद्रीमार्गोंकीखोजकीजातीहै, गांवोंऔरशहरोंमेंघरबनाएजातेहैंताकिभौतिकपर्यावरणकाबेहतरतरीकेसेउपयोगकियाजासके।

इनउदाहरणोंसेपताचलताहैकिभौतिकऔरमानवभूगोलकेतत्त्वोंकेबीचपरस्परक्रियाहोतीहै।

प्रश्न. 3 "प्रकृतिऔरमनुष्यअविभाज्यतत्त्वहैं"।उपयुक्तउदाहरणोंसहितकथनकीपुष्टकीजिए।**अथवा**

"प्रकृतिऔरमनुष्यआपसमेंइतनेजटिलरूपसेजुड़ेहुएहैंकिउन्हेंअलगनहींकियाजा

सकता।" व्याख्याकीजिये।

उत्तर:- 1- प्रकृतिऔरमनुष्यअविभाज्यतत्वहैं।मनुष्यनेविभिन्नभूदृश्योंकोआपसमेंजोड़ने,
जोड़नेकेलिएसड़कमार्गऔररेलवेबनाकरभौतिकपर्यावरणकेभीतरहीसामाजिक-

सांस्कृतिकवातावरणकानिर्माणकियाहै।उदाहरणकेलिए, नदियोंकाउपयोगप्राकृतिकजलमार्गकेरूपमेंकियाजाताहै।

2 भौतिक और मानवीय घटनाओं को प्रतीकों का उपयोग करके रूप कों में वर्णित किया गया है मानव शरीर रचना से जैसे पृथ्वी का 'चेहरा', तूफानकी'आंख', 'मुंह'नदी, ग्लेशियर की'नाक', इस्थमस की गर्दन' और मिट्टी की 'प्रोफ़ाइल'।

3-मनुष्यनेगांवों, कस्बों, राज्योंऔरदेशोंकोजीवऔरकेरूपमेंवर्णितकियाहै

परिसंचरणकीधमनियोंकेरूपमेंसड़कोंऔररेलवेकानेटवर्क।इसलिए, प्रकृतिऔरमानवआपसमेंजटिलरूपसेगुंथेहुएहैं।

प्रश्न 4 बताएंकिप्रौद्योगिकीसमाजकेसांस्कृतिकविकासकेस्तरकोकैसेइंगितकरतीहै ?

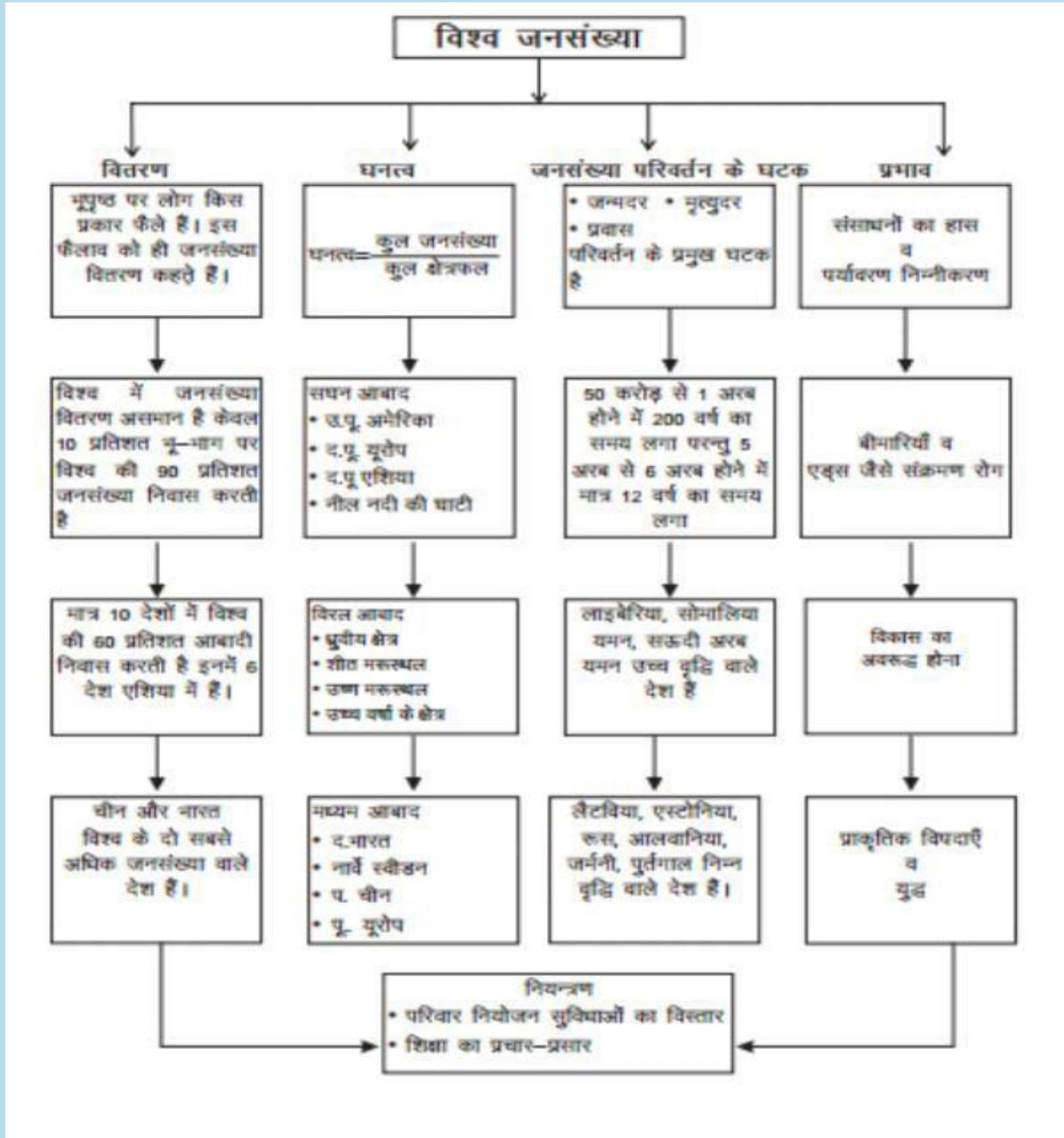
उत्तर:-1- मनुष्य प्रकृति के नियमों को समझकर प्रौद्योगिकी का विकास करता है। प्रकृति के साथ मनुष्यों का संपर्क उन्हें उपयुक्त प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। उदाहरण के लिए, घर्षण और गर्मी के बारे में अवधारणाओं की समझने आग की खोज में मदद की।

2-प्रारंभिकदौरमेंप्रौद्योगिकीकास्तरनिम्नथा।बादमें,

अधिकतकनीकीविकासकेकारणउच्चस्तरकासांस्कृतिकविकासहुआ।

उदाहरणकेलिए, वायु की गति के बारे में ज्ञान ने तेज़ विमानों को विकसित करने में मदद की या डीएनए और आनुवंशिकी के बारे में जानने से कई आनुवंशिक बीमारियों पर काबू पाने में मदद मिली। इस प्रकार, प्रौद्योगिकी के अधिक उपयोग से समाज का अधिक सांस्कृतिक विकास होता है।

पाठ 2 विश्व जनसंख्या वितरण, घनत्व और वृद्धि



मुख्य धारणाएँ

जनसंख्या वितरण

जनसंख्या को प्रभावित करने वाले कारक

जनसंख्या परिवर्तन के घटक

प्रवासन

जनसांख्यिकीय संक्रमण

जनसंख्या नियंत्रण के उपाय

जनसंख्या वितरण का अर्थ क्या है?

- ✓ इससे तात्पर्य है कि लोग धरती की सतह पर कैसे फैले हैं
- * दुनिया की जनसंख्या का 90% लगभग उसके भू-क्षेत्र के 10% में रहता है
- * सबसे अधिक जनसंख्या वाले 10 देशों का योगदान विश्व जनसंख्या का 60% है
- * इन 10 देशों में से 6 देश एशिया में स्थित हैं
- * इसलिए, एशिया दुनिया में सबसे बड़ी जनसंख्या वाला क्षेत्र है

जनसंख्या का घनत्व

- * घनत्व टोटल जनसंख्या को टोटल क्षेत्र से विभाजित करता है
 - * उत्तर पूर्वी अमेरिका, उत्तर पश्चिमी यूरोप, दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में 200 से अधिक व्यक्तियों का जीवन बिता रहा है
 - * दूसरी ओर, उत्तर और दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र, गर्मी और ठंडी रेगिस्तानी क्षेत्र, समकक्षीय क्षेत्रों में प्रति वर्ग किमी कम से कम 1% है
- इन क्षेत्रों में जनसंख्या का घनत्व क्यों कम है?
क्योंकि इन क्षेत्रों में जीवन के लिए आदर्श स्थितियाँ नहीं हैं

जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारक

- * भौगोलिक कारक
- * आर्थिक कारक
- * सामाजिक और सांस्कृतिक कारक

भौगोलिक कारक

- * जल की उपलब्धता
- * भू-रूप
- * जलवायु
- * मृदा

जल की उपलब्धता

- * लोग वहाँ रहना पसंद करते हैं जहाँ पानी आसानी से उपलब्ध हो
- * विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रयुक्त किया जाता है
- * नदी घाटियों में बहुत अधिक जनसंख्या होती है

भू-रूप

- * समतल, पठार और पर्वत
- * पर्वतीय क्षेत्रों में अशुभ स्थितियों के कारण जनसंख्या कम है
- * समतल में अधिक जनसंख्या है
- * खेती के लिए आसान होता है और बुनियादी सुविधाओं को विकसित करने के लिए

जलवायु

- * कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक ठंड और गर्मी के कारण जनसंख्या कम है

* जनसंख्या वहाँ अधिक है जहाँ आदर्श जलवायु मौजूद होती है

* उदाहरण- मध्यसागरीय क्षेत्र

मृदा

* जनसंख्या वहाँ अधिक है जहाँ उर्वर मृदा पाई जाती है

* जनसंख्या कम है जहाँ अनुर्वर मृदा क्षेत्र होते हैं (उदाहरण- रेगिस्तानी क्षेत्र)

आर्थिक कारक

* खनिज उपलब्धता

* शहरीकरण

* औद्योगिककरण

* यह खनन गतिविधियों और उद्योगों के नाम पर रोजगार के अवसर पैदा करता है

* इसलिए कुशल और अकुशल लोग प्रवास करते हैं और क्षेत्र को अधिक घने बना देते हैं (उदाहरण- अफ्रीका के कटांगा जांबिया कॉपर बेल्ट)

सामाजिक और सांस्कृतिक कारक

• धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

• शांति प्रिय क्षेत्रों को लोग आकर्षित करते हैं

जनसंख्या वृद्धि

• यह किसी विशेष अवधि के दौरान क्षेत्र के निवासियों की संख्या में परिवर्तन को संदर्भित करता है

• वृद्धि हमेशा प्रतिशत में व्यक्त की जाती है

जनसंख्या की वृद्धि : क्षेत्र में जनसंख्या का परिवर्तन

जनसंख्या की वृद्धि दर: यह जनसंख्या का परिवर्तन प्रतिशत में व्यक्त करता है

जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि: क्षेत्र के दो समय के जन्म दर और मृत्यु दर के बीच बढ़ती हुई जनसंख्या की दर

जन्म दर - मृत्यु दर = प्राकृतिक वृद्धि

वास्तविक वृद्धि = जन्म - मृत्यु + प्रवास - प्रवास

जनसंख्या की सकारात्मक वृद्धि

जन्म दर दो समय के बीच मृत्यु दर से अधिक है जब

जनसंख्या की नकारात्मक वृद्धि

जब मृत्यु दर जन्म से अधिक है

जनसंख्या परिवर्तन के घटक

कूड जन्म दर: जीवित जन्म की संख्या / वर्ष में 1000 व्यक्तियों में

कूड मृत्यु दर: वर्ष 2015 में 1000 व्यक्तियों के मृत्यु की संख्या

प्रवासन: लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर चलना विभिन्न कारणों के लिए

मूल स्थान: वहां से लोग चलते हैं

गंतव्य स्थान: वह स्थान जहां लोग पहुँचते हैं

आप्रवासन: नए स्थान में चलने वाले प्रवासी

प्रवासन: एक स्थान से बाहर चलने वाले प्रवासी

प्रवासन के दो समूह

अपकर्ष कारक	प्रतिकर्ष कारक
• बेरोजगारी	• रहने की उत्तम सुविधाएँ
• राजनीतिक उथल-पुथल	• जीवन और संपत्ति की सुरक्षा
• प्राकृतिक आपदाएँ और	• बेहतर नौकरी के अवसर
• खराब रहने की शर्तें	• शांति और स्थिरता
• अप्रिय जलवायु	सुहावना जलवायु
• सामाजिक-आर्थिक पिछड़ावा	

विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका

- धारा इंजन ने मानव और पशु ऊर्जा को बदल दिया
- जल और हवा की मेकेनाइज्ड ऊर्जा
- दोनों ने उद्योग और कृषि के विकास की ओर बढ़ाया
- महामारी और अन्य संक्रामक रोगों को चिकित्सा सुविधाओं द्वारा नियंत्रित किया गया
- मृत्यु दर को पूरी तरह से चिकित्सा सुविधाओं द्वारा नियंत्रित किया गया

विश्व जनसंख्या का दुगुना होने का समय

- निम्नलिखित कारणों के कारण विश्व जनसंख्या दोगुनी हुई थी
- स्थायी कृषि
- औद्योगिक क्रांति
- प्रौद्योगिकी की उन्नति
- परिवहन और संचार के विकास

जनसंख्या परिवर्तन का स्थानिक पैटर्न

- विकसित देशों की वृद्धि उनकी तुलना में विकासशील देशों से कम होती है
- आर्थिक विकास और जनसंख्या वृद्धि के बीच नकारात्मक संबंध होता है

प्रश्न

Q1. जनसंख्या का घनत्व क्या है?

उत्तर: भूमि के आकार के लोगों की संख्या के बीच अनुपात। यह अनुपात जनसंख्या का घनत्व होता है। इसे सामान्यतः व्यक्तियों प्रति वर्ग किलोमीटर में मापा जाता है।

Q2. जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि कैसे निर्धारित की जाती है?

उत्तर: जनसंख्या की वास्तविक वृद्धि निम्नलिखित रूप में निर्धारित की जाती है:

जन्म दर - मृत्यु दर + प्रवासन - उत्क्रमण

Q3. जनसंख्या वितरण को कैसे परिभाषित किया जाता है?

उत्तर: जनसंख्या वितरण शब्द उस तरीके से होता है जिस पर लोग पृथ्वी की सतह पर वितरित होते हैं।

Q4. दुनिया के कौन-कौन से क्षेत्रों में जनसंख्या का घनत्व अधिक होता है?

उत्तर: उर्वर प्रदेश जो की शुभक्षेत्र और ऊची और औद्योगिकीकृत क्षेत्र अधिक आबाद होते हैं। उदाहरण उत्तर-पूर्वी भाग के संयुक्त राज्य अमेरिका, उत्तर-पश्चिमी भाग यूरोप, दक्षिण-पूर्वी और पूर्वी एशिया।

Q5. किसे व्यक्तियों प्रति वर्ग किलोमीटर में मापा जाता है?

- a. जनसंख्या की वृद्धि
- b. जनसंख्या की प्रवासन
- c. जनसंख्या का घनत्व
- d. जनसंख्या की उत्क्रमण

उत्तर: c

Q6. दुनिया में कामकाजी जनसंख्या की आयु समूह क्या है?

उत्तर: 15 से 59 वर्ष

Q7. अभिकथन: भारत में वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर 1.6% है।

कारण: कुछ विकसित देश अपनी जनसंख्या को दोगुना करने में 318 वर्ष लगाएंगे।

जवाब: c. अभिकथन सही है और कारण भी सही है, लेकिन अभिकथन के लिए यह सही कारण नहीं है।

Q8. "एशिया में कई जगहें हैं जहां लोग थोड़े हैं और कुछ जगहें हैं जहां लोग बहुत ज्यादा हैं" यह किसने कहा था?

उत्तर: b. जॉर्ज बी. क्रेसी

Q9. किस क्षेत्र ने ऐतिहासिक काल से ही वर्तमान जलवायु के कारण बसे रहने के लिए वस्तुतः अवस्थित था?

उत्तर: d. मेडिटेरेनियन क्षेत्र

मल्टीपल च्वाइस क्वेश्चन्स

1. विश्व की वर्तमान अनुमानित जनसंख्या कितनी है?

- a) 6.5 अरब
- b) 7.5 अरब
- c) 8.5 अरब
- d) 9.5 अरब

2. विश्व की जनसंख्या में सबसे अधिक वृद्धि किस क्षेत्र में हो रही है?

- a) यूरोप
- b) आफ्रिका
- c) एशिया
- d) उत्तर अमेरिका

3. विश्व की अधिकांश जनसंख्या किस क्षेत्र में निवास करती है?

- a) ग्रामीण क्षेत्र
- b) नगरीय क्षेत्र
- c) उपनगरीय क्षेत्र
- d) उद्योग क्षेत्र

4. विश्व की जनसंख्या वृद्धि दर की स्तर कितना है?

- a) 1.5%

- b) 2.0%
- c) 2.5%
- d) 3.0%
5. जनसंख्या वृद्धि की मुख्य वजह क्या है?
- a) जीवन की अधिक अवधारणा
- b) जन्म दर की बढ़ोतरी
- c) महिलाओं की अधिक सामाजिक स्वतंत्रता
- d) स्वास्थ्य सेवाओं की सुधार
6. विश्व जनसंख्या की वृद्धि में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण क्या है?
- a) विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रगति
- b) अनियमित परिवार नियोजन
- c) विश्व स्वास्थ्य सेवाओं का सुधार
- d) आर्थिक विकास की गति
7. जनसंख्या वृद्धि के किस कारण से अधिकांश उत्तरी और पश्चिमी देशों में हो रही है?
- a) गर्भनिरोधकों की कमी
- b) उच्च मृत्यु दर
- c) विकासशील संरचना
- d) उत्तरी और पश्चिमी देशों की जनसंख्या के समृद्धि
8. जनसंख्या नियंत्रण के लिए निम्नलिखित में से क्या एक उपाय नहीं है?
- a) शिक्षा
- b) गर्भनिरोध
- c) स्वच्छता
- d) आत्मनिर्भरता
9. विश्व की जनसंख्या के वृद्धि में अधिक युवा जनसंख्या का क्या प्रभाव हो सकता है?
- a) अधिक आर्थिक विकास
- b) बेरोजगारी की बढ़ोतरी
- c) समाज में उच्च शिक्षा का स्तर
- d) विश्व की जनसंख्या में स्थिरता
10. विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि में अंतर का क्या कारण है?
- a) आर्थिक समृद्धि की स्थिति
- b) जलवायु अनुकूलता
- c) राजनीतिक नीतियों का प्रभाव
- d) सभी विकल्प
11. विश्व की जनसंख्या में वृद्धि के क्या कारण हैं?
- a) जन्म दर की कमी

- b) जीवनकाल की वृद्धि
 - c) महिला शिक्षा की बढ़ोतरी
 - d) दवाओं और चिकित्सा सुविधाओं की सुधार
12. जनसंख्या नियंत्रण की राजनीतिक नीति किसे कहा जाता है?
- a) गर्भनिरोध
 - b) जनसंख्या संरक्षण
 - c) जनसंख्या प्रबंधन
 - d) जनसंख्या नियंत्रण
13. जनसंख्या की बढ़ोतरी के क्या प्रमुख कारण हैं?
- a) अनियमित जन्म दर
 - b) बेरोजगारी की कमी
 - c) उच्च जीवन दर
 - d) उच्च जन्म दर
14. जनसंख्या वृद्धि के क्या प्रमुख प्रभाव होते हैं?
- a) आर्थिक विकास
 - b) वातावरणीय संतुलन का बिगड़ना
 - c) जलवायु परिवर्तन
 - d) सभी उपरोक्त
15. जनसंख्या की वृद्धि के क्या प्रमुख कारण हैं?
- a) विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रगति
 - b) शिक्षा का स्तर
 - c) व्यक्तिगत स्वतंत्रता
 - d) सभी उपरोक्त
16. विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि के बीच अंतर का क्या कारण है?
- a) आर्थिक समृद्धि
 - b) सामाजिक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता
 - c) सांस्कृतिक अभिवृद्धि
 - d) सभी विकल्प
17. जनसंख्या नियंत्रण की सरकारी नीतियों में शामिल नहीं हैं:
- a) बाल की मृत्यु दर कम करना
 - b) जनसंख्या संरक्षण कानून
 - c) गर्भनिरोधक सुविधा प्रदान करना
 - d) सरकारी नौकरियों की संख्या को कम करना
18. विश्व जनसंख्या के क्या कारण हैं?
- a) जीवनकाल की वृद्धि

- b) जन्म दर की कमी
 - c) गर्भनिरोधक सुविधाओं की सुधार
 - d) सभी उपरोक्त
19. विश्व जनसंख्या में वृद्धि का क्या प्रमुख प्रभाव हो सकता है?
- a) आर्थिक विकास का अवसर
 - b) प्राकृतिक संसाधनों की कमी
 - c) सामाजिक दलितीकरण
 - d) धरती का उपग्रही तापमान की वृद्धि
20. जनसंख्या वृद्धि के कारण एक क्षेत्र में बेरोजगारी का क्या प्रभाव हो सकता है?
- a) आर्थिक उत्थान
 - b) सामाजिक असंतुलन
 - c) शिक्षा के स्तर की बढ़ोतरी
 - d) सरकारी योजनाओं का समर्

यहाँ उत्तर दिए जा रहे हैं:

1. b) 7.5 अरब
2. c) एशिया
3. b) नगरीय क्षेत्र
4. c) 2.5%
5. b) जन्म दर की बढ़ोतरी
6. a) विज्ञान और प्रौद्योगिकी की प्रगति
7. a) गर्भनिरोधकों की कमी
8. d) सभी विकल्प
9. b) बेरोजगारी की बढ़ोतरी
10. c) राजनीतिक नीतियों का प्रभाव
11. c) धरातल की अधिक उपयोगिता
12. c) आफ्रिका
13. b) जन्म दर की बढ़ोतरी
14. c) जनसंख्या को संतुलित करना
15. c) 2050
16. b) जीवन की अधिक अवधारणा
17. a) चीन
18. a) चीन
19. d) जापान
20. b) गर्भनिरोध

पाठ 3 मानव विकास

वृद्धि और विकास

□ वृद्धि और विकास कुछ समय में होने वाले परिवर्तनों को कहते हैं, लेकिन वृद्धि और विकास में अंतर यह है कि वृद्धि मात्रात्मक होती है, जबकि विकास गुणात्मक होता है। इसलिए, विकास हमेशा सकारात्मक होता है।

□ विकास तब तक नहीं हो सकता जब तक कि मौजूदा स्थितियों में वृद्धि या वृद्धि न हो, लेकिन विकास सकारात्मक, नकारात्मक या तटस्थ हो सकता है, विकास हमेशा विकास की ओर नहीं ले जाता।

□ विकास तब होता है जब गुणों में सकारात्मक परिवर्तन होता है। पहले आर्थिक विकास और किसी देश के विकास को एक ही माना जाता था, लेकिन अब उनका अलग-अलग अध्ययन किया जाता है।

मानव विकास

इस अवधारणा को 1990 में डॉ. महबूब-उल-हक ने पेश किया था। मानव विकास को इस रूप में वर्णित किया जाता है कि जो लोगों के विकल्पों को बढ़ाता है, उनके जीवन को बेहतर बनाता है, जिससे ऐसी स्थितियाँ बनती हैं जहाँ लोग सार्थक जीवन जी सकते हैं।

इसका मतलब है कि लोग प्रतिभा विकसित करते हैं, समाज में भाग लेते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए स्वतंत्र होते हैं। प्रो. अमर्त्य सेन के अनुसार, विकास का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता में वृद्धि करना है। चुनाव करने की स्वतंत्रता विकास लाती है और सामाजिक और राजनीतिक संस्थाएँ स्वतंत्रता बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाती हैं।

स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों तक समान पहुँच में लोगों की क्षमताओं का निर्माण स्वतंत्रता को बढ़ाता है और विकल्पों को बढ़ाता है।

मानव विकास के चार स्तंभ

मानव विकास का विचार विकास के निम्नलिखित चार स्तंभों की अवधारणाओं द्वारा समर्थित है:

- **समता** इसका तात्पर्य लिंग, नस्ल, आय और जाति के बावजूद सभी के लिए उपलब्ध अवसरों तक समान पहुँच से है।
- **सततपोषणीयता** इसका अर्थ है अवसरों की उपलब्धता में निरंतरता ताकि भविष्य की पीढ़ियाँ भी वर्तमान संसाधनों का उपयोग कर सकें।
- **उत्पादकता** इसका अर्थ है मानव श्रम जिसे लोगों में क्षमताओं का निर्माण करके समृद्ध किया जाना चाहिए।
- **सशक्तिकरण** का अर्थ है स्वतंत्रता और क्षमता को बढ़ाकर विकल्पों को संभव बनाने की शक्ति होना।

मानव विकास के दृष्टिकोण/ उपागम

मानव विकास समस्याओं को देखने या उनसे निपटने के चार तरीके हैं। कुछ महत्वपूर्ण दृष्टिकोण हैं:

- □ **आय** दृष्टिकोण यह दृष्टिकोण विकास को आय से जोड़ता है क्योंकि यह मानता है कि आय व्यक्ति की स्वतंत्रता के स्तर को निर्धारित करती है।
- □ **कल्याण** दृष्टिकोण इस दृष्टिकोण के तहत सरकार लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा और सुख-सुविधाओं जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है।
- □ **बुनियादी ज़रूरतें** दृष्टिकोण इस दृष्टिकोण में, छह बुनियादी ज़रूरतें यानी स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, पानी की आपूर्ति, स्वच्छता और आवास प्रदान करने पर जोर दिया जाता है।

- **क्षमता दृष्टिकोण** यह दृष्टिकोण प्रो. अमर्त्य सेन से जुड़ा है और इसका उद्देश्य मानव विकास को बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों तक पहुँच में मानवीय क्षमताओं का निर्माण करना है।

मानव विकास को मापना

मानव विकास को मापने के तरीके निम्नलिखित हैं:

मानव विकास सूचकांक

मानव विकास को मानव विकास सूचकांक (HDI) के माध्यम से मापा जाता है, जो स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों तक पहुँच के प्रमुख क्षेत्रों में उनके प्रदर्शन के आधार पर देशों को 0 से 1 के बीच रैंक करता है। यह स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों तक पहुँच को दिए गए भारों का योग है। स्वास्थ्य तक पहुँच का संकेतक जन्म के समय जीवन प्रत्याशा है, ज्ञान तक पहुँच का संकेतक वयस्क साक्षरता दर और सकल नामांकन अनुपात है और संसाधनों को क्रय शक्ति के संदर्भ में मापा जाता है।

मानव गरीबी सूचकांक

यह सूचकांक मानव विकास में कमी को मापता है। यह सूचकांक 40 वर्ष तक जीवित न रहने की संभावना, वयस्क साक्षरता दर, स्वच्छ पेयजल तक पहुँच न पाने वाले लोगों और कम वजन वाले बच्चों की संख्या पर आधारित है।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) 1990 से मानव विकास सूचकांक और मानव गरीबी सूचकांक को मापकर मानव विकास रिपोर्ट प्रकाशित करता है।

सकल राष्ट्रीय खुशी

यह सकल राष्ट्रीय खुशी (जीएनएच) है जो मानव विकास तक पहुँचने का एक और उपाय है और भूटान दुनिया का एकमात्र देश है जो जीएनएच के माध्यम से देश की प्रगति को मापता है। जीएनएच विकास के गुणात्मक पहलू को प्रोत्साहित करता है

अंतर्राष्ट्रीय तुलना

विभिन्न देशों के मानव विकास की तुलना करने पर, यह पता चलता है कि क्षेत्र का आकार और प्रति व्यक्ति आय सीधे मानव विकास से संबंधित नहीं हैं। तुलना के लिए, देशों को उनके द्वारा अर्जित मानव विकास स्कोर के आधार पर चार समूहों में वर्गीकृत किया गया है।

मानव विकास का बहुत उच्च स्तर

□ 0.802 से ऊपर स्कोर करने वाले देशों को इसके अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। इस समूह में 49 देश हैं।

□ बहुत उच्च मूल्य सूचकांक वाले शीर्ष दस देश नॉर्वे, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका, न्यूजीलैंड, कनाडा, आयरलैंड, लिक्टेन्स्टीन, जर्मनी और स्वीडन हैं।

□ इस समूह के देश शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा प्रदान करते हैं जो एक महत्वपूर्ण सरकारी प्राथमिकता है और साथ ही सामाजिक क्षेत्र में बहुत अधिक निवेश करते हैं।

मानव विकास का उच्च स्तर

□ 0.702 और 0.801 के बीच स्कोर करने वाले देशों को इसके अंतर्गत रखा गया है। उनकी संख्या 56 है।

□ अच्छे शासन और सामाजिक क्षेत्र में बहुत अधिक निवेश के कारण मानव विकास का उच्च स्तर हासिल हुआ है।

मानव विकास का मध्यम स्तर

□ 0.555 और 0.701 के बीच स्कोर करने वाले देशों को इसके अंतर्गत रखा गया है और इस समूह में 39 देश हैं। „

□ इनमें से कई देश पहले उपनिवेश थे और राजनीतिक अस्थिरता के साथ-साथ उच्च सामाजिक विविधता का सामना कर रहे हैं।

मानव विकास का निम्न स्तर

□ 0.554 से नीचे स्कोर करने वाले देशों को इसके अंतर्गत रखा गया है और इसमें 44 देश हैं। ये देश राजनीतिक उथल-पुथल, सामाजिक अस्थिरता, गृहयुद्ध, अकाल या बीमारियों की उच्च घटनाओं से गुजर रहे हैं। आंतरिक तुलना से पता चलता है कि संस्कृति, धर्म या समुदाय मानव विकास के गैर-निर्धारक हैं। इसके बजाय, सामाजिक क्षेत्र पर सरकारी व्यय का पैटर्न, राजनीतिक वातावरण और लोगों को मिलने वाली स्वतंत्रता की मात्रा और संसाधनों का वितरण मानव विकास के स्तर में निर्णायक भूमिका निभाता है।

MCQs

Q.1 निम्नलिखित में से कौन सा विकास का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

- (a) आकार में वृद्धि
 - (b) आकार में स्थिरता
 - (c) गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन
 - (d) गुणवत्ता में एक साधारण परिवर्तन
- (c) गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन**

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किस विद्वान ने मानव विकास की अवधारणा प्रस्तुत की?

- (a) प्रो. अमर्त्य सेन
- (b) एलेन सी सेम्पल
- (c) डॉ. महबूब-उल-हक
- (d) रैटज़ेल उत्तर:

(c) डॉ. महबूब-उल-हक

प्रश्न 3. मानव विकास के 'समानता' स्तंभ में कौन सी बाधा नहीं है?

- (a) जाति
- (b) नस्ल
- (c) लिंग
- (d) स्वतंत्रता

(d) स्वतंत्रता।

प्रश्न 4. उच्च विकास सूचकांक का स्कोर क्या है?

- (a) 0.9 से ऊपर
 - (b) 0.95 से ऊपर
 - (c) 0.60 से ऊपर
 - (d) 0.80 से ऊपर
- (d) 0.80 से ऊपर**

संक्षिप्त उत्तर

प्रश्न 1 "समानता मानव विकास के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है।" सभी को अवसरों तक समान पहुँच प्रदान करने के लिए आवश्यक किसी भी तीन मानवीय मूल्यों की व्याख्या करें।

उत्तर: समानता का अर्थ है सभी को समान अवसरों की उपलब्धता। यदि सभी को उपलब्ध अवसरों तक समान पहुँच हो, तो गुणवत्तापूर्ण जीवन संभव है। सभी को समान पहुँच प्रदान करने के लिए आवश्यक तीन मानवीय मूल्य इस प्रकार हैं:

□ जाति या नस्ल के किसी भी भेदभाव के बिना समान अवसर प्रदान करना।

□ लिंग के बावजूद समान अवसर उपलब्ध होने चाहिए।

□ आय या वर्ग के किसी भी भेदभाव के बिना समान अवसर।

प्रश्न 2. मानव विकास को मापने के तीन मुख्य क्षेत्रों की व्याख्या करें।

उत्तर: मानव विकास के प्रमुख क्षेत्र स्वास्थ्य, आवास और संसाधनों तक पहुँच हैं। इन्हें इस प्रकार समझाया गया है:

स्वास्थ्य संकेतक - स्वास्थ्य का संकेतक जन्म के समय जीवन प्रत्याशा के माध्यम से मापा जाता है, जो दर्शाता है कि लोगों का जीवन लंबा और स्वस्थ है या नहीं।

शिक्षा संकेतक - शिक्षा का स्तर सकल नामांकन अनुपात और वयस्क साक्षरता दर के माध्यम से देखा जाता है जो ज्ञान तक पहुँच का प्रतिनिधित्व करता है।

संसाधनों तक पहुँच - संसाधनों तक पहुँच का संकेतक अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में क्रय शक्ति है। ये प्रमुख क्षेत्र या संकेतक हैं जिनके माध्यम से मानव विकास को मापा जाता है।

प्रश्न 3. मानव विकास के कल्याण दृष्टिकोण की कोई तीन विशेषताएँ बताएँ)

या

विश्व में मानव विकास के कल्याण दृष्टिकोण की कोई तीन विशेषताएँ बताएँ।

उत्तर: कल्याण दृष्टिकोण की विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

1. मानव विकास का कल्याण दृष्टिकोण एक ऐसा दृष्टिकोण है जो मानव को सभी विकास गतिविधियों के लाभार्थी या लक्ष्य के रूप में देखता है।

2. इस दृष्टिकोण के अनुसार, सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, स्वच्छता आदि जैसे कल्याण पर व्यय बढ़ाकर मानव विकास के स्तर को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है। 3. इस दृष्टिकोण में, लोग मानव विकास के लाभार्थियों के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता हैं, जबकि सरकार उन लाभार्थियों की प्रदाता है।

प्रश्न 4 मानव विकास के स्तंभों के रूप में 'समानता' और 'स्थिरता' की अवधारणा की व्याख्या करें। उत्तर: जिस तरह किसी भी इमारत को स्तंभों द्वारा समर्थित किया जाता है, उसी तरह मानव विकास का विचार समानता और स्थिरता की अवधारणाओं द्वारा समर्थित है। दोनों को नीचे समझाया गया है:

समानता - इसका अर्थ है किसी व्यक्ति को समान अवसरों की उपलब्धता। उपलब्ध अवसरों में लिंग, नस्ल, आय और जाति के आधार पर किसी भी भेदभाव के बिना समान पहुँच है। यदि मानव होने के लिए संसाधनों तक पहुँच प्रदान की जाती है तो गुणवत्तापूर्ण जीवन संभव है।

स्थिरता - यह अवसरों की उपलब्धता में निरंतरता को संदर्भित करता है। मानव विकास तब संभव है जब किसी देश के वर्तमान और भविष्य के लिए अवसर उपलब्ध हों। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अगली पीढ़ी के लिए संसाधन तक समान पहुँच उपलब्ध होनी चाहिए।

दीर्घ उत्तर

प्रश्न 1 "विकास एक गुणात्मक परिवर्तन है, जो हमेशा मूल्य सकारात्मक होता है।" इस कथन का समर्थन किसी भी तीन उपयुक्त तर्कों से करें।

उत्तर: विकास एक गुणात्मक परिवर्तन है, जो हमेशा मूल्य सकारात्मक होता है। इस कथन का समर्थन किसी भी तीन उपयुक्त तर्कों से करें।

उत्तर: विकास का अर्थ है गुणात्मक परिवर्तन जो हमेशा मूल्य सकारात्मक होता है। इसका मतलब है कि विकास तब तक नहीं हो सकता जब तक कि मौजूदा स्थितियों में वृद्धि या वृद्धि न हो। विकास तब होता है जब वृद्धि होती है। दिए गए कथन का समर्थन निम्नलिखित तीन तर्कों से किया जा सकता है:

1. विकास शब्द का अर्थ गुणात्मक बदलाव से है जो हमेशा मूल्य सकारात्मक होता है। यह तब होता है जब एक समय सीमा में गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन होता है। हालाँकि विकास हमेशा वृद्धि से प्रभावित होता है लेकिन केवल सकारात्मक और गुणात्मक वृद्धि के मामले में, जैसे कि अगर कोई बच्चा लंबाई में बढ़ता है लेकिन मानसिक रूप से सक्षम नहीं है, तो विकास के साथ विकास नहीं होता है।

2. बेहतर आर्थिक स्थिति वाले देश अधिक विकसित हैं जबकि गरीब देश कम विकसित हैं। लेकिन कई मामलों में, आर्थिक विकास का लाभ आम आदमी तक नहीं पहुँच पाता है। किसी देश के लोगों के जीवन की गुणवत्ता, उनके पास उपलब्ध अवसर, जीने की स्वतंत्रता आदि विकास के महत्वपूर्ण पहलू हैं। 3. डॉ. महबूब-उल-हक ने मानव विकास को ऐसे विकास के रूप में वर्णित किया जो लोगों की पसंद को बढ़ाता है और जीवन को बेहतर बनाता है। उनका मानना था कि लोग सभी विकास के केंद्र में हैं और विकास का मुख्य उद्देश्य ऐसी स्थिति और वातावरण बनाना है जहाँ लोगों को सार्थक जीवन मिले। सार्थक जीवन का मतलब है ऐसा जीवन जो वस्तुनिष्ठता से भरा हो, जिसमें स्वास्थ्य, सामाजिक मामलों में भागीदारी और लोगों के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करना शामिल हो।

प्रश्न 2 किसी क्षेत्र का आकार और प्रति व्यक्ति आय सीधे मानव विकास से संबंधित नहीं हैं।" उदाहरणों के साथ कथन का समर्थन करें।

उत्तर: मानव विकास लोगों की पसंद और उनके द्वारा प्राप्त की जाने वाली भलाई के स्तर को व्यापक बनाने की प्रक्रिया है। संयुक्त राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम के अनुसार, लंबा और स्वस्थ जीवन, शिक्षा और जीवन का एक सभ्य मानक मानव विकास के सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं। मानव विकास के संकेतक हैं: स्वास्थ्य संकेतक स्वास्थ्य - यह मानव विकास का एक प्रमुख घटक है। इसे जन्म दर और मृत्यु दर के संदर्भ में मापा जाता है।

आर्थिक संकेतक - मानव विकास का एक अनिवार्य हिस्सा आर्थिक उत्पादकता है। किसी अर्थव्यवस्था में विकास और आर्थिक उत्पादकता का आकलन सकल राष्ट्रीय उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय की मदद से किया जा सकता है। जीवन प्रत्याशा घटती जीवन दरों के साथ जन्म की जीवन प्रत्याशा बढ़ गई है क्योंकि यह 1951 में पुरुषों के लिए केवल 37.1 और महिलाओं के लिए 36.2 वर्ष थी। 1996 के दौरान यह क्रमशः 62.30 वर्ष और 65.27% वर्ष तक बढ़ गई है।

सामाजिक संकेतक - शिक्षा को सार्वभौमिक रूप से मानव विकास के एक प्रमुख घटक के रूप में मान्यता प्राप्त है। ऐसे में साक्षरता का न्यूनतम स्तर किसी आबादी के लिए गरीबी के इकाई चक्र से बाहर निकलने के लिए आवश्यक है। किसी देश की आर्थिक संरचना मानव विकास का सबसे महत्वपूर्ण संकेतक है। किसी क्षेत्र का आकार इसमें कोई भूमिका नहीं निभाता है विकसित देशों में प्रति व्यक्ति आय अप्रत्यक्ष रूप से आर्थिक संरचना से संबंधित है और ये सभी संकेतक किसी देश का मानव विकास सूचकांक बनाते हैं। किसी क्षेत्र का आकार और प्रति व्यक्ति आय सीधे मानव विकास से संबंधित नहीं हैं, लेकिन यह कुछ भूमिका निभाते हैं।

प्रश्न 3 मानव विकास क्या है? मानव विकास के चार स्तंभों का विश्लेषण करें।

या

मानव विकास क्या है? मानव विकास के चार स्तंभों की व्याख्या करें।

उत्तर: मानव विकास की परिभाषा के लिए, मानव विकास को विकास के प्रकार के रूप में परिभाषित किया जाता है जो लोगों की पसंद को बढ़ाता है और उनके जीवन को बेहतर बनाता है। मानव विकास में चार अवधारणाएँ हैं जैसे कि

समानता, स्थिरता, उत्पादकता और सशक्तिकरण। ये अवधारणाएँ मानव विकास पर आधारित हैं और इन्हें मानव विकास के स्तंभ कहा जाता है जैसे:

समानता - इसका अर्थ है किसी व्यक्ति को समान अवसरों की उपलब्धता। उपलब्ध अवसरों तक लिंग, नस्ल, आय और जाति के आधार पर बिना किसी भेदभाव के समान पहुँच है। यदि मानव होने के नाते संसाधनों तक पहुँच प्रदान की जाती है तो गुणवत्तापूर्ण जीवन संभव है।

स्थिरता - यह अवसरों की उपलब्धता में निरंतरता को दर्शाता है। मानव विकास तभी संभव है जब किसी देश के वर्तमान और भविष्य के लिए अवसर उपलब्ध हों। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अगली पीढ़ी को किसी संसाधन तक समान पहुँच उपलब्ध हो। उत्पादकता - मानव श्रम उत्पादकता या मानव कार्य के संदर्भ में उत्पादकता मानव विकास के संबंध में उत्पादकता को संदर्भित करती है। एक राष्ट्र को अपने उत्पादक श्रम में निवेश करके उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ, शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए। स्वस्थ और शिक्षित लोग विकास में अस्वस्थ और अशिक्षित लोगों की तुलना में अधिक योगदान दे सकते हैं। सशक्तिकरण - इसका मतलब है चुनाव करने की शक्ति होना। स्वतंत्रता और क्षमताएं चुनाव करने की शक्ति और क्षमता को बढ़ा सकती हैं। सरकार सुशासन और जन-उन्मुख नीतियों के मध्यम से सशक्तिकरण को बढ़ा सकती है।

पाठ 4 प्राथमिक क्रियाकलाप

पाठ का सार-

प्राथमिक गतिविधियाँ हैं-

1. कृषि
2. मछली पकड़ना
3. खनन
4. डेयरी
5. वानिकी आदि।

इन गतिविधियों में लगे लोगों को रेड कॉलर वर्कर कहा जाता है।

ए) आखेट और संग्रहण करना-

- आरंभिक मनुष्यों द्वारा किया गया क्योंकि वे अपने अस्तित्व के लिए पूरी तरह से प्रकृति और उसके संसाधनों पर निर्भर थे, जानवरों का शिकार करते थे और खाद्य पौधों, जड़ों और फलों आदि को खाते थे।
- तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोग मछली पकड़ते थे, उसी तरह पहाड़ों पर रहने वाले लोग वन उत्पादों और जंगली शिकार पर निर्भर थे।
- पत्थरों, टहनियों, तीरों आदि से बने आदिम उपकरणों का उपयोग करते हैं।
- इसलिए, शिकार और संग्रह को सबसे आदिम मानव गतिविधि कहा जाता है।
- संग्रहण का अभ्यास जनजातीय समुदायों द्वारा विशेष रूप से कठोर जलवायु वाले क्षेत्रों में किया जाता है,
- उन्हें बहुत कम पूंजी और प्रौद्योगिकी की आवश्यकता होती है।
- महत्वपूर्ण क्षेत्र कनाडा के पहाड़ी क्षेत्र, दक्षिणी चिली, अमेज़न बेसिन के निचले इलाके, दक्षिण पूर्व एशिया आदि हैं।

बी) पशुचारण और खानाबदोश/चलवासी पशुपालन-

- लोगों ने धीरे-धीरे अपनी ज़रूरतों के लिए जानवरों को पालतू बनाना सीख लिया और उनके उत्पादों जैसे त्वचा, मांस, दूध, फर, हड्डियाँ आदि का उपयोग भी किया।
- इसलिए, मनुष्यों ने देहाती खानाबदोशवाद का अभ्यास किया जिसमें वे अपने जानवरों के लिए चारे और चारागाह भूमि की तलाश में अपने झुंड के साथ घूमते थे।
- मुख्य क्षेत्र उत्तरी अफ्रीका, अरब प्रायद्वीप, मंगोलिया आदि हैं।
- भारत में बकरवाल गद्दी, भोटिया जैसी जनजातियाँ हिमालय पर ट्रांसह्यूमन्स करती हैं, वे सर्दियों के दौरान पहाड़ियों से नीचे आती हैं और गर्मियों में पहाड़ियों पर चली जाती हैं।

सी) वाणिज्यिक पशुधन पालन-

- यह खानाबदोश पशुचारण से बिल्कुल अलग है क्योंकि इसके लिए पूंजी और आधुनिक तरीकों की आवश्यकता होती है जिससे भारी मुनाफा मिलता है।

- उदाहरण के लिए- ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका में पशु फार्म, यहां जानवरों को बहुत सावधानी से पाला जाता है और उनकी देखभाल की जाती है जिसके लिए भारी पूंजी निवेश और मशीनों की आवश्यकता होती है।

घ) कृषि-

- यह फिर से एक प्राथमिक गतिविधि है जो अधिकांश देशों में विभिन्न तरीकों और प्रकारों के साथ प्रचलित है जैसे: निर्वाह कृषि दो प्रकार की होती है,
- आदिम निर्वाह और गहन निर्वाह,
- जो मुख्य रूप से भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश जैसे अल्प विकसित या विकासशील देशों में प्रचलित है, जहां पूरी उपज का उपभोग उनके परिवार द्वारा किया जाता है। आदिम में शामिल हैं **काट कर जलाओ कृषि, भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में झूमिंग, मध्य अमेरिका और मैक्सिको में मिल्पा, मलेशिया और इंडोनेशिया में लदांग।**

गहन निर्वाह फिर से दो प्रकार का होता है,

- एक है आर्द्र धान की खेती, इसमें अधिक मेहनत लगती है, दूसरी है,
- धान के अलावा अन्य फसलें जैसे सोयाबीन, ज्वार आदि।

ई) वृक्षारोपण कृषि-

- इसे मुख्य रूप से यूरोपीय लोगों ने अपने उपनिवेशों जैसे इंडोनेशिया, भारत आदि में पेश किया था।
- उन्होंने चाय, रबर, कॉफी आदि के पौधे लगाए।
- फ्रांसीसियों ने पश्चिम अफ्रीका में कोको की शुरुआत की।
- इस प्रकार की खेती आधुनिक वैज्ञानिक तरीकों से की जाती है जिसमें श्रम के साथ-साथ भारी पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है।

एफ) व्यापक व्यावसायिक अनाज की खेती-

- जौ के अलावा गेहूं मुख्य फसल है, मक्का, जई
- बहुत बड़े खेत में उगाए जाते हैं,
- प्रति हेक्टेयर उपज बहुत अधिक होती है।
- इसका मुख्य उद्देश्य इसे बाजार में बेचकर अधिक मुनाफा कमाना है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया

एफ) मिश्रित खेती-

- कनाडा, इंग्लैंड, फ्रांस जैसे विकसित देशों में अभ्यास किया जाता है।
- खेत आकार में मध्यम होते हैं,
- दोनों खाद्य फसलें जैसे गेहूं और चारा फसलें फसल चक्र के साथ उगाई जाती हैं और अंतर-फसल का अभ्यास किया जाता है। इसमें उच्च पूंजी निवेश की भी आवश्यकता होती है।

जी) डेयरी फार्मिंग-

- यह अत्यधिक पूंजी-गहन मवेशी प्रजनन है जो मुख्य रूप से आधुनिक तरीकों से किया जाता है।
- यह अत्यधिक श्रम प्रधान है और
- इसे कनाडा, न्यूजीलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका आदि में भी प्रचलित किया जाता है
- जिसे वाणिज्यिक डेयरी फार्मिंग भी कहा जाता है।

ज) भूमध्यसागरीय कृषि-

- यह अत्यधिक यंत्रिकृत व्यावसायिक कृषि भी है।
- यूरोप के भूमध्यसागरीय क्षेत्र, उत्तरी एरिका, मध्य चिली, दक्षिण कैलिफोर्निया आदि में प्रचलित है।
- यह क्षेत्र खट्टे फलों के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।
- अंगूर की खेती या अंगूर की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है।

।) बाजार बागवानी और बागवानी-

- फलों, सब्जियों और फूलों की खेती को बागवानी कहा जाता है।
- ये मुख्यतः आस-पास के शहरों में बेचे जाते हैं।
- यह पूंजी और श्रम दोनों गहन है।
- यूरोपीय देशों में ट्रक फार्मिंग सब्जियाँ बेचने के लिए की जाती है।
- उत्तरी अमेरिका में पोल्ट्री उत्पादों को बेचने के लिए फैक्ट्री फार्मिंग भी की जाती है।

ज) सहकारी खेती एवं सामूहिक खेती-

- लोगों का समूह एक पूल या सोसायटी बनाता है और मार्केटिंग के साथ व्यापार शुरू करता है और
- अर्जित लाभ को सामूहिक रूप से साझा किया जाता है।
- अधिकतर डेनमार्क, बेल्जियम में प्रचलित है।
- स्वीडन. रूस में इसे कोलखोज़ कहा जाता है।

K) खनन गतिविधि को प्रभावित करने वाले कारक-

भौतिक और आर्थिक दोनों कारकों में आकार,

- ग्रेड,
- खनन का तरीका और
- आवश्यक प्रौद्योगिकी शामिल हैं,
- बुनियादी ढांचे और
- मांग

खनन के तरीकों में सतही या खुली खदान शामिल हैं और

भूमिगत खनन ड्रिल और खुदाई के साथ गहराई में शाफ्ट का उपयोग करके किया जाता है,

लिफ्ट का उपयोग अफ्रीकी, एशियाई और अमेरिकी देशों की कोयला खदानों में भी किया जाता है।

मानचित्र कार्य-

विश्व मानचित्र में निम्नलिखित का पता लगाएँ-

1. अफ्रीका में मिश्रित खेती का क्षेत्र.
2. ऑस्ट्रेलिया में डेयरी फार्मिंग का क्षेत्र.
3. यूरोप में व्यावसायिक अनाज खेती का क्षेत्र।
4. उत्तरी अमेरिका में व्यावसायिक पशुधन पालन का क्षेत्र।
5. एशिया में खानाबदोश पशुचारण का क्षेत्र।

एमसीक्यू के साथ पिछले पांच साल के प्रश्न-

Q1. ट्रांसह्यूमन्स के लिए निम्नलिखित में से कौन सा सही नहीं है?

a- हिमालय में, गुज्जर, बकरवाल, गद्दी और भोटिया मैदानी इलाकों से पहाड़ों की ओर पलायन करते हैं।

ख- टुंड्रा क्षेत्रों में खानाबदोश चरवाहे गर्मियों में दक्षिण से उत्तर की ओर चले जाते हैं।

सी- उपरोक्त में से कोई नहीं

डी- ए और बी दोनों

Q2. निम्नलिखित में से कौन सा संग्रहण से संबंधित नहीं है?

a- संग्रहण का अभ्यास कठोर जलवायु परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में किया जाता है।

ख- लोग भोजन, आश्रय और कपड़ों की अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पौधों और जानवरों दोनों का खनन करते हैं।

c- मध्य अक्षांश क्षेत्र में संग्रहण का अभ्यास किया जाता है

घ- आधुनिक समय में कुछ सभाएँ बाजारोन्मुख हैं।

Q3. ट्रांसह्यूमन्स क्या है?

क- मैदान से पहाड़ों पर चरागाहों की ओर मौसमी प्रवास की प्रक्रिया, इसके विपरीत।

ख- अधिक ऊंचाई पर शिकार करने की प्रक्रिया

ग- ऊँचे पर्वत पर एकत्रित होने की प्रक्रिया

घ- पहाड़ों पर शहरी क्षेत्र से ग्रामीण क्षेत्र की ओर प्रवासन

Q4. वाणिज्यिक पशुधन पालन के लिए निम्नलिखित में से कौन सा सही नहीं है?

a- वाणिज्यिक पशुधन पालन अधिक संगठित और पूंजी गहन है।

बी- मांस और ऊन जैसे उत्पादों को संसाधित किया जाता है।

c- न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया आदि में इसका प्रचलन है।

घ-केवल एक प्रकार के महत्वपूर्ण जानवर जैसे भेड़, मवेशी, बकरी और घोड़े ही नहीं पाले जाते हैं।

Q5. गहन निर्वाह कृषि के लिए कौन सा सही नहीं है?

a- मशीनरी का उपयोग सीमित है

ख- अधिकतर मानव श्रम द्वारा किया जाता है

सी- भूमि जोत मध्यम आकार में है

d- जनसंख्या का घनत्व अधिक है

Q6. निम्नलिखित में से किस देश में धान के अलावा अन्य फसलों पर आधारित गहन निर्वाह कृषि की जाती है?

a- उत्तर कोरिया और जापान

b- इंडोनेशिया और मलेशिया

c- भारत और बांग्लादेश

डी- श्रीलंका और म्यांमार

Q7. वृक्षारोपण कृषि के लिए निम्नलिखित में से कौन सा सही नहीं है?

a- बड़े पूंजी निवेश की आवश्यकता है

ख- खेती की वैज्ञानिक विधि

c- कुशल और सस्ते मजदूरों की आवश्यकता है

घ- प्रति एकड़ कम उपज लेकिन प्रति व्यक्ति अधिक उपज

Q8. निम्नलिखित में से कौन सा बागान अंग्रेजों द्वारा स्थापित नहीं किया गया था?

a- श्रीलंका और भारत में चाय बागान

बी- पश्चिम अफ्रीका में कॉफी बागान

c- मलेशिया में रबर बागान

डी- वेस्ट इंडीज में गन्ना और केले के बागान

Q9. निम्नलिखित में से किसे व्यापक वाणिज्यिक अनाज खेती में प्रमुख फसल कहा जाता है?

ए- मकई

ख- गेहूँ

सी- चावल

डी- जौ

Q10. निम्नलिखित में से किस देश में डेयरी फार्मिंग नहीं की जाती है?

ए- पूर्वी यूरोप

बी- दक्षिण पूर्व ऑस्ट्रेलिया

सी- न्यूजीलैंड

डी- तस्मानिया

उत्तर कुंजी-

1. सी- उपरोक्त में से कोई नहीं

2. सी- मध्य अक्षांश क्षेत्र में संग्रहण का अभ्यास किया जाता है

3. ए- मैदान से पहाड़ों पर चरागाहों तक मौसमी प्रवास की प्रक्रिया।

4. घ- केवल एक प्रकार के महत्वपूर्ण जानवर जैसे भेड़, मवेशी, बकरी और घोड़े ही नहीं पाले जाते हैं।
5. सी- भूमि जोत मध्यम आकार में है
6. a- उत्तर कोरिया और जापान
7. डी- प्रति एकड़ कम उपज लेकिन प्रति व्यक्ति अधिक उपज
8. बी- पश्चिम अफ्रीका में कॉफी बागान
9. ख- गेहूँ
10. ए- पूर्वी यूरोप

पाठ 5 द्वितीयक क्रियाकलाप

अध्याय का सार

-**परिभाषा:** माध्यमिक गतिविधियों में विनिर्माण, प्रसंस्करण और निर्माण उद्योग शामिल हैं जो कच्चे माल को उच्च मूल्य के तैयार उत्पादों में बदलते हैं।

-**उद्देश्य:** वे प्राकृतिक संसाधनों में मूल्य जोड़कर आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इस प्रकार उपभोक्ता और औद्योगिक उद्देश्यों के लिए उनके उपयोग को सुविधाजनक बनाते हैं।

-**विशेषताएँ:** माध्यमिक गतिविधियों में उत्पादन प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने और दक्षता बढ़ाने के लिए मशीनीकरण, विशेषज्ञता और तकनीकी नवाचार शामिल हैं।

- स्थान को प्रभावित करने वाले कारक:

- उद्योग का स्थान बाजारों तक पहुंच,
- कच्चे माल की उपलब्धता,
- श्रम आपूर्ति,
- ऊर्जा स्रोत,
- कुशल परिवहन और संचार नेटवर्क और
- क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने वाली सरकारी नीतियों से प्रभावित होता है।

-विनिर्माण की श्रेणियाँ: उद्योगों को आकार (घरेलू/कुटीर, छोटे पैमाने पर, बड़े पैमाने पर),

इनपुट/कच्चे माल (कृषि-आधारित, खनिज-आधारित, रसायन-आधारित, आदि), और

आउटपुट/उत्पादों के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है। (कच्चे माल के लिए बुनियादी उद्योग बनाम उपभोक्ता सामान उद्योग)।

-विशेष उद्योग: उच्च तकनीक वाले उद्योग उन्नत प्रौद्योगिकियों और अनुसंधान पर भरोसा करते हैं, जबकि फुटलूज उद्योग संसाधन निर्भरता के बजाय तार्किक विचारों के कारण स्थान में लचीले होते हैं।

- वैश्विक और क्षेत्रीय प्रभाव: औद्योगिक गतिविधियाँ उन्नत बुनियादी ढांचे और बड़े उपभोक्ता बाजारों के साथ विकसित क्षेत्रों में केंद्रित हैं, जबकि विकासशील देश आर्थिक क्षेत्रों और श्रम-केंद्रित विनिर्माण के माध्यम से उद्योगों को आकर्षित करते हैं।

अध्याय का सारांश

-परिभाषा: माध्यमिक गतिविधियों में विनिर्माण, प्रसंस्करण और निर्माण उद्योग शामिल होते हैं जो कच्चे माल को तैयार उत्पादों में बदलकर उनका मूल्य जोड़ते हैं।

-उद्देश्य: वे उच्च मूल्य के उत्पाद बनाकर और प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को सुविधाजनक बनाकर आर्थिक विकास में योगदान करते हैं।

1. परिभाषा और उद्देश्य:

- माध्यमिक गतिविधियों में विनिर्माण, प्रसंस्करण और निर्माण उद्योग शामिल हैं।

- वे उपयोग योग्य उत्पादों में परिवर्तन के माध्यम से कच्चे माल के आर्थिक मूल्य को बढ़ाते हैं।

2. विशेषताएँ:

- कच्चे माल का मूल्य बढ़ाने पर ध्यान दें।

- मशीनीकरण, विशेषज्ञता और तकनीकी प्रगति का उपयोग।

3. औद्योगिक स्थान को प्रभावित करने वाले कारक:

- बाजारों तक पहुंच: उपभोक्ताओं से निकटता और क्रय शक्ति।
- कच्चे माल तक पहुंच: स्रोतों की निकटता से परिवहन लागत कम हो जाती है।
- श्रम आपूर्ति: कुशल और अकुशल श्रमिकों की उपलब्धता।
- ऊर्जा स्रोत: ऊर्जा आपूर्ति से निकटता उद्योग के स्थान को प्रभावित करती है।
- परिवहन और संचार: वितरण के लिए कुशल नेटवर्क महत्वपूर्ण हैं।
- सरकारी नीतियां: प्रोत्साहन और नियम औद्योगिक स्थान निर्णयों को प्रभावित करते हैं।

4. विनिर्माण उद्योगों की श्रेणियाँ:

- आकार के आधार पर: घरेलू/कुटीर उद्योग, लघु-स्तरीय और बड़े पैमाने के उद्योग।
- इनपुट/कच्चे माल पर आधारित: कृषि-आधारित, खनिज-आधारित, रसायन-आधारित, आदि।
- आउटपुट/उत्पादों पर आधारित: बुनियादी उद्योग (कच्चा माल) बनाम उपभोक्ता सामान उद्योग।

5. विशिष्ट उद्योग:

- उच्च तकनीक उद्योग: उन्नत प्रौद्योगिकियों और अनुसंधान एवं विकास पर भरोसा करें।
- फुटलूज उद्योग: संसाधनों के बजाय रसद के कारण स्थान में लचीले।

6. वैश्विक और क्षेत्रीय निहितार्थ:

- उन्नत बुनियादी ढांचे के साथ विकसित क्षेत्रों में उद्योग क्लस्टर।
- विकासशील देश आर्थिक क्षेत्रों और श्रम-गहन विनिर्माण के माध्यम से उद्योगों को आकर्षित करते हैं।

निष्कर्ष:

- आर्थिक विकास के लिए माध्यमिक गतिविधियाँ महत्वपूर्ण हैं।
- वे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को आकार देते हैं और वैश्विक औद्योगिक पैटर्न में योगदान करते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन-सा द्वितीयक गतिविधि का उदाहरण है?

- A) खनन
- B) कृषि
- C) विनिर्माण
- D) मछली पकड़ना

2. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता आधुनिक बड़े पैमाने पर विनिर्माण से जुड़ी नहीं है?

- A) कौशल का विशेषज्ञता
- B) अद्वितीय वस्तुओं का हस्तशिल्प

- C) उन्नत मशीनरी का उपयोग
- D) मानकीकृत उत्पादों का बड़े पैमाने पर उत्पादन
3. उद्योगों के स्थान को प्रभावित करने वाला प्राथमिक कारक क्या है?
- A) स्कूलों से निकटता
- B) बाजारों तक पहुँच
- C) मनोरंजक सुविधाओं की उपलब्धता
- D) जलवायु परिस्थितियाँ
4. निम्नलिखित में से कौन-सा उद्योग कच्चे माल की भार-घटाने वाली प्रकृति के कारण कच्चे माल के स्रोतों के निकट स्थित होने की संभावना है?
- A) कपड़ा उद्योग
- B) इस्पात उद्योग
- C) सॉफ्टवेयर उद्योग
- D) वित्तीय सेवाएँ
5. घरेलू उद्योगों के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
- A) उन्हें महत्वपूर्ण पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है
- B) वे उन्नत मशीनरी का उपयोग करते हैं
- C) वे आमतौर पर शहरी क्षेत्रों में स्थित होते हैं
- D) वे स्थानीय कच्चे माल और सरल उपकरणों का उपयोग करते हैं
6. फुटलूज उद्योगों की विशेषता है:
- A) विशिष्ट कच्चे माल पर उच्च निर्भरता
- B) बड़े पैमाने पर उत्पादन
- C) स्थान में लचीलापन
- D) प्रदूषण का उच्च स्तर
7. निम्नलिखित में से कौन सा उद्योग खनिज आधारित उद्योग का उदाहरण है?
- A) कपड़ा उद्योग
- B) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग
- C) सीमेंट उद्योग
- D) पर्यटन उद्योग
8. निम्नलिखित में से कौन सी उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों की विशेषता नहीं है?
- A) रोबोटिक्स और कंप्यूटर-सहायता प्राप्त डिज़ाइन का उपयोग
- B) अकुशल श्रम पर उच्च निर्भरता
- C) गहन अनुसंधान और विकास
- D) कम, आधुनिक कार्यालय-संयंत्र-प्रयोगशाला भवन
9. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों की विशेषता है:
- A) व्यक्तिगत निवेशकों द्वारा स्वामित्व

- B) निजी संगठनों द्वारा प्रबंधन
 C) सरकारों द्वारा स्वामित्व और प्रबंधन
 D) छोटे पैमाने पर उत्पादन पर विशेष ध्यान
10. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?
 A) खराब होने वाले कच्चे माल को उनके स्रोत के करीब संसाधित किया जाना चाहिए।
 B) उच्च तकनीक वाले उद्योगों को बड़ी अकुशल श्रम शक्ति की आवश्यकता होती है।
 C) मनोरंजन उद्योग एक विनिर्माण उद्योग है।
 D) परिवहन की लागत औद्योगिक स्थान को प्रभावित नहीं करती है।
11. निम्नलिखित में से कौन सा कथन द्वितीयक गतिविधियों का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
 A) कच्चे माल प्राप्त करने में शामिल गतिविधियाँ।
 B) कच्चे माल को मूल्यवान उत्पादों में बदलने वाली गतिविधियाँ।
 C) उपभोक्ताओं को सेवाएँ प्रदान करने वाली गतिविधियाँ।
 D) सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित गतिविधियाँ।
12. आधुनिक बड़े पैमाने के विनिर्माण की एक विशेषता क्या है?
 A) मैनुअल उत्पादन विधियाँ
 B) विशेषज्ञता के कारण कम उत्पादन लागत
 C) कृषि इनपुट पर उच्च निर्भरता
 D) बिखरी हुई और छोटी उत्पादन इकाइयाँ
13. बड़े पैमाने के उद्योगों के स्थान का निर्धारण करते समय आमतौर पर किस कारक पर विचार नहीं किया जाता है?
 A) कच्चे माल तक पहुँच
 B) बाज़ार से निकटता
 C) जलवायु परिस्थितियाँ
 D) सरकारी नीति
14. निम्नलिखित में से कौन सा उद्योग कृषि आधारित उद्योग का उदाहरण है? A) लोहा और इस्पात
 B) पेट्रोकेमिकल्स
 C) खाद्य प्रसंस्करण
 D) इलेक्ट्रॉनिक्स
15. 'फुट लूज उद्योग' का क्या अर्थ है?
 A) ऐसे उद्योग जिन्हें विशिष्ट कच्चे माल की आवश्यकता होती है
 B) ऐसे उद्योग जो विभिन्न स्थानों पर स्थित हो सकते हैं
 C) ऐसे उद्योग जिनमें बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं
 D) ऐसे उद्योग जो अत्यधिक प्रदूषण करते हैं
16. निम्न में से कौन सी उच्च-प्रौद्योगिकी उद्योगों की मुख्य विशेषता है?
 A) शारीरिक श्रम पर निर्भरता
 B) उन्नत वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग ज्ञान का उपयोग

C) स्वचालन का सीमित उपयोग

D) ग्रामीण क्षेत्रों में संकेन्द्रण

17. घरेलू या कुटीर उद्योगों के संबंध में कौन सा कथन सत्य है?

A) वे बड़ी संख्या में श्रम शक्ति को रोजगार देते हैं।

B) वे उन्नत मशीनरी और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हैं।

C) वे मुख्य रूप से सरल उपकरणों का उपयोग करके स्थानीय बाजारों के लिए माल का उत्पादन करते हैं।

D) उन्हें महत्वपूर्ण पूंजी निवेश की आवश्यकता होती है।

18. छोटे पैमाने के विनिर्माण को घरेलू उद्योगों से क्या अलग करता है? A) स्थानीय कच्चे माल का उपयोग

B) परिवार के सदस्यों का रोजगार

C) उत्पादन तकनीक और स्थान

D) कम वाणिज्यिक महत्व

19. किस प्रकार का उद्योग खनिजों का उपयोग कच्चे माल के रूप में करता है?

A) कृषि आधारित उद्योग

B) रसायन आधारित उद्योग

C) खनिज आधारित उद्योग

D) पशु आधारित उद्योग

20. कौन सा उद्योग सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योग का उदाहरण नहीं है?

A) राज्य के स्वामित्व वाली रेलवे

B) निजी आईटी कंपनी

C) राष्ट्रीयकृत बैंक

D) सरकारी स्वामित्व वाली पेट्रोलियम कंपनी

अभिकथन और तर्क प्रश्न

प्रश्न 1

अभिकथन (A): द्वितीयक गतिविधियाँ कच्चे माल को मूल्यवान उत्पादों में बदलकर प्राकृतिक संसाधनों का मूल्य बढ़ाती हैं।

कारण (R): कपास का उपयोग सीमित है, लेकिन इसे धागे में बदलने के बाद, यह अधिक मूल्यवान हो जाता है और इसका उपयोग कपड़े बनाने के लिए किया जा सकता है।

विकल्प:

a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: द्वितीयक गतिविधियाँ वास्तव में कच्चे माल को अधिक उपयोगी और मूल्यवान उत्पादों में बदलकर प्राकृतिक संसाधनों का मूल्य बढ़ाती हैं। कपास का धागे में बदलना इस प्रक्रिया का उदाहरण है, जो कारण को अभिकथन के लिए सही स्पष्टीकरण बनाता है।

प्रश्न 2

अभिकथन (A): बड़े पैमाने के उद्योग लाभ को अधिकतम करने के लिए विभिन्न कारकों के आधार पर विभिन्न स्थानों का चयन करते हैं।

कारण (R): उद्योग ऐसे स्थानों पर स्थित होते हैं जहाँ उत्पादन लागत न्यूनतम होती है, जिसमें कच्चे माल, श्रम और बाजारों तक पहुँच जैसे कारक शामिल होते हैं।

विकल्प:

- a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
- b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
- c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
- d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: बड़े पैमाने के उद्योग वास्तव में उन कारकों के आधार पर अपने स्थान चुनते हैं जो उत्पादन लागत को कम करने में मदद करते हैं, इस प्रकार लाभ को अधिकतम करते हैं। दिया गया कारण कथन को सही ढंग से समझाता है।

प्रश्न 3

कथन (A): फुटलूज उद्योग कई तरह के स्थानों पर स्थित हो सकते हैं।

कारण (R): फुटलूज उद्योग विशिष्ट कच्चे माल पर निर्भर होते हैं और उन्हें बड़ी श्रम शक्ति की आवश्यकता होती है।

विकल्प:

- a) A और R दोनों सत्य हैं, तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।
- b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
- c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
- d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

स्पष्टीकरण: फुटलूज उद्योग वास्तव में विभिन्न स्थानों पर स्थित हो सकते हैं क्योंकि वे विशिष्ट कच्चे माल पर निर्भर नहीं होते हैं या उन्हें बड़ी श्रम शक्ति की आवश्यकता नहीं होती है। दिया गया कारण गलत है क्योंकि फुटलूज उद्योग वास्तव में विशिष्ट कच्चे माल पर निर्भर नहीं होते हैं और आमतौर पर उन्हें बड़ी श्रम शक्ति की आवश्यकता नहीं होती है।

प्रश्न 4

अभिकथन (A): उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों की विशेषता उच्च स्तर का अनुसंधान और विकास है।

कारण (R): उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग व्हाइट-कॉलर श्रमिकों की तुलना में बड़ी संख्या में ब्लू-कॉलर श्रमिकों को रोजगार देते हैं।

विकल्प:

- a) A और R दोनों सत्य हैं, तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।

b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

d) A गलत है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

स्पष्टीकरण: उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों में वास्तव में उच्च स्तर के अनुसंधान और विकास की विशेषता होती है, लेकिन वे आमतौर पर ब्लू-कॉलर श्रमिकों की तुलना में अधिक सफेदपोश श्रमिकों (अत्यधिक कुशल विशेषज्ञ) को रोजगार देते हैं। इसलिए, प्रदान किया गया कारण गलत है।

प्रश्न 5

अभिकथन (A): उद्योगों के विकास के लिए परिवहन और संचार सुविधाओं तक पहुँच महत्वपूर्ण है।

कारण (R): आधुनिक उद्योग परिवहन प्रणालियों से अविभाज्य रूप से जुड़ा हुआ है और परिवहन में सुधार से एकीकृत आर्थिक विकास होता है।

विकल्प:

a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: अभिकथन और कारण दोनों सही हैं, और कारण सटीक रूप से बताता है कि औद्योगिक विकास के लिए परिवहन और संचार सुविधाओं तक पहुँच क्यों महत्वपूर्ण है। परिवहन में सुधार वास्तव में एकीकृत आर्थिक विकास और विनिर्माण के क्षेत्रीय विशेषज्ञता की ओर ले जाता है।

प्रश्न 6

अभिकथन (A): आधुनिक विनिर्माण में जटिल मशीनरी का उपयोग करके बड़ी मात्रा में मानकीकृत उत्पादों का उत्पादन शामिल है।

कारण (R): आधुनिक विनिर्माण उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रकार के कार्य करने वाले कुशल श्रमिकों पर निर्भर करता है।

विकल्प:

a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।

व्याख्या: आधुनिक विनिर्माण में जटिल मशीनरी का उपयोग करके बड़ी मात्रा में मानकीकृत उत्पादों का उत्पादन शामिल है। हालाँकि, यह अत्यधिक विशेषज्ञता और श्रम विभाजन पर निर्भर करता है जहाँ प्रत्येक कार्यकर्ता विभिन्न कार्यों के बजाय एक विशिष्ट कार्य को बार-बार करता है।

प्रश्न 7 अभिकथन (A): उच्च तकनीक वाले उद्योगों में उत्पादन श्रमिकों की तुलना में पेशेवर श्रमिकों की एक महत्वपूर्ण संख्या होती है।

कारण (R): उच्च तकनीक वाले उद्योग पारंपरिक उद्योगों की तुलना में अनुसंधान और विकास (R&D) पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

विकल्प:

- a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
- b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
- c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
- d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: उच्च तकनीक वाले उद्योगों में वास्तव में उत्पादन (नीली कॉलर) श्रमिकों की तुलना में पेशेवर (सफेदपोश) श्रमिकों का एक बड़ा अनुपात होता है, और ऐसा इसलिए होता है क्योंकि ये उद्योग उन्नत वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग उत्पादों को विकसित करने के लिए R&D पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

प्रश्न 8

अभिकथन (A): उद्योगों का स्थान मुख्य रूप से कच्चे माल की उपलब्धता से प्रभावित होता है। कारण (R): भारी और वजन कम करने वाली सामग्रियों पर आधारित उद्योग इन सामग्रियों के स्रोत के करीब स्थित होते हैं।

विकल्प:

- a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
- b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
- c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
- d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: कच्चे माल की उपलब्धता उद्योगों के स्थान में एक महत्वपूर्ण कारक है, विशेष रूप से वे जो अयस्कों जैसे भारी और वजन कम करने वाली सामग्रियों का उपयोग करते हैं, जो उनके स्रोत के करीब संसाधित होने पर परिवहन के लिए सस्ते और अधिक कुशल होते हैं।

प्रश्न 9

अभिकथन (A): विनिर्माण में मशीनीकरण और स्वचालन ने मानव श्रम पर निर्भरता बढ़ा दी है।

कारण (R): स्वचालन में मशीनों का उपयोग शामिल है जो विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान मानव हस्तक्षेप के बिना काम कर सकते हैं।

विकल्प:

- a) A और R दोनों सत्य हैं, तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।
- b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
- c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
- d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

स्पष्टीकरण: मशीनीकरण और स्वचालन ने मानव श्रम पर निर्भरता को कम कर दिया है क्योंकि मशीनें न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ कार्य कर सकती हैं। स्वचालन उन्नत मशीनीकरण को संदर्भित करता है जहाँ मशीनें स्वतंत्र रूप से काम कर सकती हैं।

प्रश्न 10

अभिकथन (A): आधुनिक बड़े पैमाने पर विनिर्माण भौगोलिक रूप से दुनिया के 10% से भी कम भूमि क्षेत्र में केंद्रित है।
कारण (R): विशिष्ट क्षेत्रों में विनिर्माण की एकाग्रता विशाल पूंजी और जटिल मशीन प्रौद्योगिकी की आवश्यकता के कारण है।

विकल्प:

- a) A और R दोनों सत्य हैं, तथा R, A का सही स्पष्टीकरण है।
- b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
- c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
- d) A गलत है, लेकिन R सही है।

उत्तर: a) A और R दोनों सही हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: आधुनिक बड़े पैमाने पर विनिर्माण वास्तव में दुनिया के 10% से भी कम भूमि क्षेत्र में केंद्रित है, और ऐसा इसलिए है क्योंकि इस तरह के विनिर्माण के लिए महत्वपूर्ण पूंजी निवेश और जटिल मशीन प्रौद्योगिकी तक पहुंच की आवश्यकता होती है, जो आमतौर पर आर्थिक रूप से उन्नत क्षेत्रों में उपलब्ध होती है।

प्रश्न 11

अभिकथन (A): उपभोक्ता वस्तु उद्योग ऐसे सामान का उत्पादन करते हैं जिनका उपभोग सीधे अंतिम उपयोगकर्ता करते हैं। कारण (R): इन उद्योगों को गैर-बुनियादी उद्योग माना जाता है क्योंकि उनके उत्पादों का उपयोग अन्य उद्योगों के लिए कच्चे माल के रूप में नहीं किया जाता है।

विकल्प:

- a) A और R दोनों सही हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।
- b) A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
- c) A सही है, लेकिन R गलत है।
- d) A गलत है, लेकिन R सही है।

उत्तर: a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: उपभोक्ता वस्तु उद्योग ब्रेड, बिस्कुट और टॉयलेटरीज़ जैसी वस्तुओं का उत्पादन करते हैं, जिनका अंतिम उपयोगकर्ता सीधे उपभोग करते हैं और अन्य उत्पादन प्रक्रियाओं में कच्चे माल के रूप में उपयोग नहीं किया जाता है, इस प्रकार उन्हें गैर-बुनियादी उद्योगों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

केस आधारित प्रश्न

केस 1: द्वितीयक गतिविधियाँ और विनिर्माण की अवधारणा

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

"द्वितीयक गतिविधियाँ कच्चे माल को मूल्यवान उत्पादों में बदलकर प्राकृतिक संसाधनों में मूल्य जोड़ती हैं। कपास का उपयोग सीमित है, लेकिन इसे सूत में बदलने के बाद, यह अधिक मूल्यवान हो जाता है और इसका उपयोग कपड़े बनाने के लिए किया जा सकता है। लौह अयस्क का उपयोग सीधे खदानों से नहीं किया जा सकता है, लेकिन स्टील में परिवर्तित होने के बाद, इसका मूल्य बढ़ जाता है और इसका उपयोग कई मूल्यवान मशीनें, उपकरण आदि बनाने के लिए किया जा सकता है। खेत, जंगल, खदान और समुद्र से प्राप्त अधिकांश सामग्रियों के लिए भी यही सच है। इसलिए, द्वितीयक गतिविधियाँ विनिर्माण, प्रसंस्करण और निर्माण (बुनियादी ढाँचा) उद्योगों से संबंधित हैं।"

1. द्वितीयक गतिविधियों का प्राथमिक कार्य क्या है?

उत्तर: द्वितीयक गतिविधियों का प्राथमिक कार्य विनिर्माण, प्रसंस्करण और निर्माण उद्योगों के माध्यम से कच्चे माल को मूल्यवान उत्पादों में बदलकर प्राकृतिक संसाधनों में मूल्य जोड़ना है।

2. द्वितीयक गतिविधियों के माध्यम से कच्चे माल का मूल्य कैसे बढ़ता है, इसका एक उदाहरण दें।

उत्तर: कपास एक उदाहरण है, जिसका कच्चे रूप में सीमित उपयोग होता है, लेकिन धागे में परिवर्तित होने पर यह अधिक मूल्यवान हो जाता है, जिसका उपयोग कपड़े बनाने के लिए किया जा सकता है।

3. खदानों से सीधे लौह अयस्क का उपयोग क्यों नहीं किया जा सकता है?

उत्तर: लौह अयस्क का उपयोग खदानों से सीधे नहीं किया जा सकता है क्योंकि इसे मूल्य प्राप्त करने और मशीनों, उपकरणों और अन्य उत्पादों को बनाने के लिए उपयोग करने योग्य बनाने के लिए स्टील में परिवर्तित करने की आवश्यकता होती है।

केस 2: आधुनिक बड़े पैमाने पर विनिर्माण की विशेषताएँ

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

"आधुनिक बड़े पैमाने पर विनिर्माण में निम्नलिखित विशेषताएँ हैं: उत्पादन के कौशल/तरीकों का विशेषज्ञता, मशीनीकरण, तकनीकी नवाचार, संगठनात्मक संरचना और स्तरीकरण, और असमान भौगोलिक वितरण। ये कारक मानकीकृत भागों की बड़ी मात्रा का कुशल उत्पादन सुनिश्चित करते हैं, जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता एक कार्य को बार-बार करता है।"

1. आधुनिक बड़े पैमाने पर विनिर्माण की तीन विशेषताएँ सूचीबद्ध करें।

उत्तर:

- उत्पादन के कौशल/तरीकों का विशेषज्ञता
- मशीनीकरण
- तकनीकी नवाचार

2. आधुनिक विनिर्माण के 'असमान भौगोलिक वितरण' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर: असमान भौगोलिक वितरण का अर्थ है कि आधुनिक विनिर्माण विशिष्ट क्षेत्रों में केंद्रित है जो दुनिया के 10 प्रतिशत से भी कम भूमि क्षेत्र को कवर करते हैं, जिसके कारण ये क्षेत्र आर्थिक और राजनीतिक शक्ति के केंद्र बन जाते हैं।

3. मशीनीकरण आधुनिक विनिर्माण को कैसे प्रभावित करता है?

उत्तर: मशीनीकरण कार्यों को पूरा करने के लिए गैजेट का उपयोग करके आधुनिक विनिर्माण को प्रभावित करता है, जो स्वचालन में विकसित हो सकता है जहाँ मशीनें न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ काम करती हैं, जिससे दक्षता और उत्पादन आउटपुट बढ़ता है।

केस 3: औद्योगिक स्थान को प्रभावित करने वाले कारक

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें:

"उद्योग लागत कम करके लाभ को अधिकतम करते हैं। इसलिए, उद्योगों को ऐसे स्थानों पर स्थित होना चाहिए जहाँ उत्पादन लागत न्यूनतम हो। औद्योगिक स्थानों को प्रभावित करने वाले कुछ कारकों में बाजार तक पहुँच, कच्चा माल, श्रम आपूर्ति, ऊर्जा के स्रोत, परिवहन और संचार सुविधाएँ, सरकारी नीति और समूह अर्थव्यवस्थाएँ शामिल हैं।"

1. उद्योग स्थान चुनते समय उत्पादन लागत को कम करने का प्रयास क्यों करते हैं?

उत्तर: उद्योग अपने लाभ को अधिकतम करने के लिए स्थान चुनते समय उत्पादन लागत को कम करने का प्रयास करते हैं।

2. उद्योगों के स्थान को प्रभावित करने वाले दो कारकों के नाम बताएँ और उनके महत्व की व्याख्या करें।

उत्तर:

- कच्चे माल तक पहुँच: उत्पादन के लिए आवश्यक इनपुट की स्थिर और लागत प्रभावी आपूर्ति सुनिश्चित करता है।
- बाजार तक पहुँच: निर्मित वस्तुओं को खरीदने के लिए क्रय शक्ति के साथ ग्राहक आधार प्रदान करता है।

3. परिवहन और संचार सुविधाएँ औद्योगिक स्थान को कैसे प्रभावित करती हैं?

उत्तर: परिवहन और संचार सुविधाएँ कारखानों में कच्चे माल और बाजारों में तैयार माल की कुशल आवाजाही को सक्षम करके औद्योगिक स्थान को प्रभावित करती हैं, साथ ही सूचना के आदान-प्रदान और प्रबंधन को सुविधाजनक बनाती हैं, जो औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक हैं।

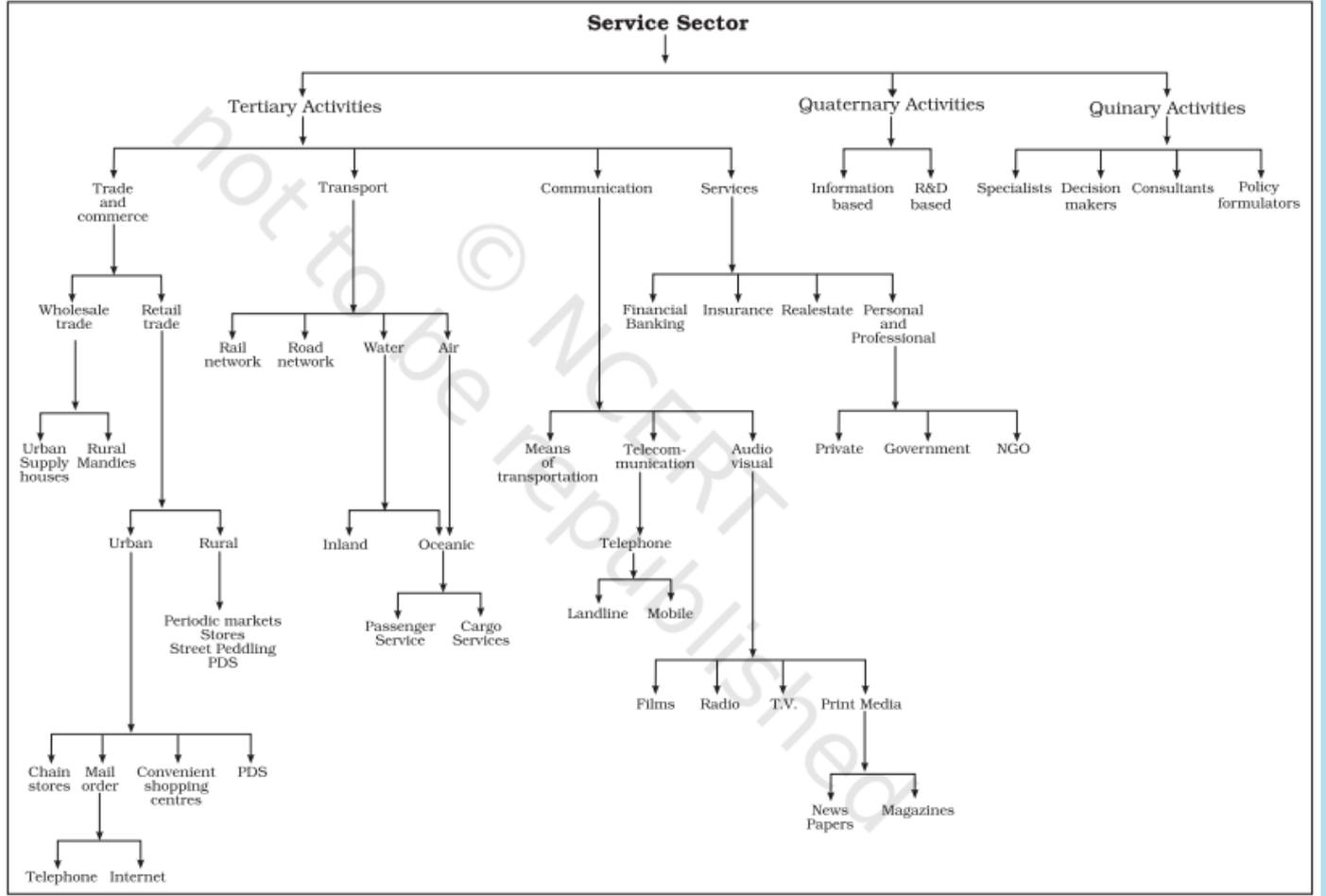
उत्तर:

1. c) विनिर्माण
2. b) अद्वितीय वस्तुओं का हस्तशिल्प
3. b) बाजारों तक पहुँच
4. b) इस्पात उद्योग
5. d) वे स्थानीय कच्चे माल और सरल उपकरणों का उपयोग करते हैं
6. c) स्थान में लचीलापन
7. c) सीमेंट उद्योग
8. b) अकुशल श्रम पर उच्च निर्भरता
9. c) सरकारों द्वारा स्वामित्व और प्रबंधन
10. a) खराब होने वाले कच्चे माल को उनके स्रोत के करीब संसाधित किया जाना चाहिए
11. B) ऐसी गतिविधियाँ जो कच्चे माल को मूल्यवान उत्पादों में बदल देती हैं
12. B) विशेषज्ञता के कारण कम उत्पादन लागत
13. C) जलवायु परिस्थितियाँ
14. C) खाद्य प्रसंस्करण
15. B) ऐसे उद्योग जो विभिन्न स्थानों पर स्थित हो सकते हैं
16. B) उन्नत वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग ज्ञान का उपयोग
17. C) वे मुख्य रूप से सरल उपकरणों का उपयोग करके स्थानीय बाजारों के लिए सामान बनाते हैं
18. C) उत्पादन तकनीक और स्थान
19. C) खनिज आधारित उद्योग
20. B) निजी आईटी कंपनी

पाठ 6 तृतीयक एवं चतुर्थक क्रियाकलाप

- आर्थिक गतिविधियों को प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक गतिविधियों में विभाजित किया जा सकता है।
- तृतीयक गतिविधियाँ सेवा क्षेत्र से संबंधित हैं।

तृतीयक क्रियाओं के प्रकार



- सेवा क्षेत्र को तृतीयक, चतुर्थक और पंचम गतिविधियों की तीन व्यापक श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है।

व्यापार और वाणिज्य

- तृतीयक गतिविधियों में व्यापार और वाणिज्य, परिवहन, संचार और सेवाएँ शामिल हैं।
- चतुर्थ गतिविधियों में ऐसी गतिविधियाँ शामिल होती हैं, जो सूचना आधारित और अनुसंधान एवं विकास आधारित होती हैं।
- दूसरी ओर, क्विनरी गतिविधियों में विशेषज्ञ, निर्णय निर्माता, सलाहकार और नीति निर्माता शामिल होते हैं।
- ऐसे कई पेशेवर हैं जो अपने शुल्क का भुगतान करके अपनी सेवाएँ प्रदान करते हैं। इस प्रकार, सभी प्रकार की सेवाएँ भुगतान के बदले प्रदान की जाने वाली विशेष कौशल हैं।
- इसलिए, तृतीयक गतिविधियों में मूर्त वस्तुओं के उत्पादन के बजाय सेवाओं का वाणिज्यिक उत्पादन शामिल होता है। जैसे तृतीयक क्षेत्र में काम करने वाले लोग तकनीशियन, धोबी, नाई, दुकानदार, ड्राइवर, खजांची, शिक्षक, डॉक्टर, वकील आदि हैं।

➤ स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून, शासन और मनोरंजन आदि के लिए पेशेवर कौशल की आवश्यकता होती है। इन सेवाओं के लिए अन्य सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। तृतीयक गतिविधियाँ सेवा क्षेत्र से संबंधित हैं।

➤ जनशक्ति सेवा क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण घटक है क्योंकि अधिकांश तृतीयक गतिविधियाँ कुशल श्रमिकों, पेशेवर रूप से प्रशिक्षित विशेषज्ञों और सलाहकारों द्वारा की जाती हैं।

➤ तृतीयक गतिविधियों में उत्पादन और विनिमय दोनों शामिल हैं। उत्पादन को अप्रत्यक्ष रूप से मजदूरी और वेतन के रूप में मापा जाता है।

➤ इसलिए, तृतीयक गतिविधियों में मूर्त वस्तुओं के उत्पादन के बजाय सेवाओं का वाणिज्यिक उत्पादन शामिल होता है। वे भौतिक कच्चे माल के प्रसंस्करण में सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं।

➤ इस प्रकार, व्यापार, परिवहन, संचार और सेवाएँ कुछ महत्वपूर्ण तृतीयक गतिविधियाँ हैं।

➤ व्यापार मूलतः अन्यत्र उत्पादित वस्तुओं की खरीद-फरोख्त है। यह सारा काम कस्बों और शहरों में होता है जिन्हें व्यापारिक केंद्र भी कहा जाता है।

➤ **व्यापारिक केन्द्रों को ग्रामीण एवं शहरी विपणन केन्द्रों में विभाजित किया जा सकता है।** ग्रामीण विपणन केंद्र आस-पास की बस्तियों की जरूरतों को पूरा करते हैं। ये अर्ध-शहरी केंद्र हैं। वे सबसे प्रारंभिक प्रकार के व्यापारिक केंद्रों के रूप में कार्य करते हैं।

➤ **शहरी विपणन केंद्र** कई विशिष्ट वस्तुओं और सेवाओं के साथ-साथ सामान्य सामान और सेवाएँ भी प्रदान करते हैं। शहरी विपणन केंद्र कई विशिष्ट बाजारों के विकास का भी नेतृत्व करते हैं, जैसे, श्रम, आवास, अर्ध या तैयार उत्पादों के लिए बाजार। इन विपणन केंद्रों में शैक्षणिक संस्थानों और शिक्षकों, वकीलों आदि जैसे पेशेवरों की सेवाएँ उपलब्ध हैं।

खुदरा व्यापार

➤ आवधिक बाजार वहां पाए जाते हैं जहां नियमित बाजार नहीं होते हैं। इन्हें साप्ताहिक या द्विसाप्ताहिक बाजारों जैसे विभिन्न अस्थायी अंतरालों पर आयोजित किया जाता है। समय-समय पर बाजार निर्दिष्ट तिथियों पर आयोजित होते हैं और एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते हैं। इन बाजारों में दुकानदार पूरे दिन व्यस्त रहते हैं जबकि एक बड़े क्षेत्र में उनकी सेवा होती है।

थोक व्यापार

➤ थोक व्यापार सेवाएँ कई मध्यस्थ व्यापारियों और आपूर्ति घरों के माध्यम से थोक व्यापार का गठन करती हैं। बड़े स्टोर निर्माताओं से सीधे खरीदारी करने में सक्षम हैं। थोक विक्रेता अक्सर खुदरा दुकानों को ऋण देते हैं। खुदरा विक्रेता थोक विक्रेता की पूंजी पर काम करता है।

परिवहन

➤ परिवहन एक संगठित उद्योग है जो मनुष्य की गतिशीलता की बुनियादी आवश्यकता को पूरा करने के लिए बनाया गया है। आधुनिक समाज को वस्तुओं के उत्पादन, वितरण और उपभोग में सहायता के लिए त्वरित और कुशल परिवहन प्रणालियों की आवश्यकता है।

➤ संचार सेवाओं में शब्दों और संदेशों, तथ्यों और विचारों का प्रसारण शामिल है।

➤ जहां परिवहन नेटवर्क कुशल है, वहां संचार आसानी से प्रसारित होता है।

➤ आइसोक्रोन वे आकृतियाँ हैं जो उस दूरी को दर्शाती हैं जिसे किसी निश्चित समय के भीतर किसी विशेष स्थान से तय किया जाना संभव है।

दूरसंचार

- दूरसंचार का उपयोग विद्युत प्रौद्योगिकी के विकास से जुड़ा है।
- टेलीग्राफ, मोर्स कोड और टेलेक्स लगभग अतीत की बातें बन गए हैं।
- रेडियो, टेलीविजन, चित्र, टेलीफोन, समाचार पत्र और इंटरनेट ने वास्तव में वैश्विक संचार प्रणाली में क्रांति ला दी है।
- सेवाएँ व्यक्ति विशेष को प्रदान की जाती हैं जो उपभोक्ता इनके लिए भुगतान कर सकते हैं।
- निम्न-ऑर्डर सेवाएँ, जैसे कि किराने की दुकानें और लॉन्ड्री, उच्च-ऑर्डर सेवाओं या एकाउंटेंट, सलाहकारों और चिकित्सकों जैसी अधिक विशिष्ट सेवाओं की तुलना में अधिक सामान्य और व्यापक हैं। लोगों को दैनिक जीवन में उनके काम को सुविधाजनक बनाने के लिए व्यक्तिगत सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

कुछ चयनित उदाहरण

- कुल पंजीकृत नौकरियों (250 मिलियन) और कुल राजस्व (कुल सकल घरेलू उत्पाद का 40 प्रतिशत) के मामले में पर्यटन दुनिया की सबसे बड़ी तृतीयक गतिविधि बन गई है।
- कुछ क्षेत्रों में, पर्यटन मौसमी है क्योंकि छुट्टियों की अवधि अनुकूल मौसम की स्थिति पर निर्भर करती है, लेकिन कई क्षेत्र पूरे वर्ष पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।
- पर्यटन बुनियादी ढांचे उद्योगों, खुदरा व्यापार और शिल्प उद्योगों (स्मारिका) के विकास को बढ़ावा देता है।
- अनौपचारिक या गैर-औपचारिक क्षेत्र व्यक्तिगत सेवाओं का गठन करता है जो लोगों को दैनिक जीवन में उनके काम को सुविधाजनक बनाने के लिए उपलब्ध कराया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन करने वाले श्रमिक अकुशल होते हैं। वे घरेलू सेवाओं में हाउसकीपर, माली आदि के रूप में कार्यरत होते हैं। श्रमिकों का यह वर्ग असंगठित है।
- ऐसे लोग हैं जो सेवा क्षेत्र के एक ऐसे क्षेत्र में काम करते हैं जो ज्ञान उन्मुख है। इस क्षेत्र को चतुर्थ और पंचम गतिविधियों में विभाजित किया जा सकता है।

चतुर्थ गतिविधिया

- चतुर्थ गतिविधियों में अनुसंधान और विकास शामिल है और इसे विशेष ज्ञान, तकनीकी कौशल और प्रशासनिक क्षमता से युक्त सेवाओं के एक उन्नत रूप के रूप में देखा जा सकता है।
- कार्यालयों, भवनों, प्राथमिक विद्यालयों और विश्वविद्यालय कक्षाओं, अस्पतालों और डॉक्टरों के कार्यालयों, थिएटरों, लेखा और ब्रोकरेज फर्मों में काम करने वाले कार्मिक, सभी इस श्रेणी की सेवाओं से संबंधित हैं।
- तृतीयक क्षेत्र के साथ-साथ चतुर्थ क्षेत्र ने आर्थिक विकास के आधार के रूप में सभी प्राथमिक और माध्यमिक रोजगार को प्रतिस्थापित कर दिया है।
- उच्चतम स्तर के निर्णय-निर्माता या नीति-निर्माता पंचम गतिविधियाँ करते हैं।

पंचम गतिविधियाँ

- क्विनरी गतिविधियाँ ऐसी सेवाएँ हैं जो नए और मौजूदा विचारों के निर्माण, पुनर्व्यवस्था और व्याख्या पर ध्यान केंद्रित करती हैं; डेटा व्याख्या और नई प्रौद्योगिकियों का उपयोग और मूल्यांकन अक्सर 'गोल्ड कॉलर' व्यवसायों के रूप में जाना जाता है, वे तृतीयक क्षेत्र के एक अन्य उपखंड का प्रतिनिधित्व करते हैं जो वरिष्ठ व्यावसायिक अधिकारियों, सरकारी अधिकारियों, अनुसंधान वैज्ञानिकों, वित्तीय और कानूनी सलाहकारों आदि के विशेष और उच्च भुगतान वाले कौशल का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- दक्षता में सुधार और लागत कम करने के लिए किसी बाहरी एजेंसी को काम देना आउटसोर्सिंग या कॉन्ट्रैक्टिंग है।
- जब आउटसोर्सिंग में काम को विदेशी स्थानों पर स्थानांतरित करना शामिल होता है, तो इसे ऑफ-शोरिंग शब्द द्वारा वर्णित किया जाता है।

- जिन व्यावसायिक गतिविधियों को आउटसोर्स किया जाता है उनमें सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), मानव संसाधन, ग्राहक सहायता और कॉल सेंटर सेवाएं और कभी-कभी विनिर्माण और इंजीनियरिंग भी शामिल हैं।
- आउटसोर्सिंग उन देशों में आ रही है जहां सस्ते और कुशल श्रमिक उपलब्ध हैं। ये भी प्रवासी देश हैं।
- जब चिकित्सा उपचार को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गतिविधि के साथ जोड़ दिया जाता है, तो यह स्वयं को चिकित्सा पर्यटन के रूप में जाना जाता है।
- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित विकास से उभरने वाले अवसर दुनिया भर में असमान रूप से वितरित हैं।

डिजिटल डिवाइड

➤ डिजिटल डिवाइड डिजिटल प्रौद्योगिकियों और सेवाओं का असमान वितरण है। यह उन लोगों और जिनके पास डिजिटल प्रौद्योगिकियों तक पहुंच नहीं है, के बीच का अंतर है। देशों के बीच, साथ ही देशों के भीतर भी डिजिटल विभाजन मौजूद हैं। उदाहरण के लिए, भारत या रूस जैसे बड़े देश में, यह अपरिहार्य है कि कुछ क्षेत्रों में परिधीय ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में डिजिटल दुनिया तक बेहतर कनेक्टिविटी और पहुंच हो। देशों के बीच व्यापक आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक मतभेदों के कारण असमान वितरण होता है।

1. बहुविकल्पीय प्रश्न

- (i) निम्नलिखित में से कौन सी तृतीयक गतिविधि है?
 - (ए) खेती (बी) व्यापार (सी) बुनाई (डी) शिकार
- (ii) निम्नलिखित में से कौन सी गतिविधि चतुर्थ क्षेत्र से संबंधित है?
 - (ए) कंप्यूटर विनिर्माण (सी) कागज और कच्चे गूदे का उत्पादन
 - (बी) विश्वविद्यालय शिक्षण (डी) किताबें छापना

अभिकथन और कारण

- (i) दावा (ए) विश्व की सकल घरेलू उत्पाद का 40% से अधिक पर्यटन से उत्पन्न होता है।
कारण (आर) जैसे-जैसे कोई देश विकसित होता है, प्राथमिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की संख्या घट जाती है जबकि तृतीयक क्षेत्र में काम करने वालों की संख्या बढ़ जाती है।
(ए) ए और आर दोनों सत्य हैं और आर, ए का सही स्पष्टीकरण है
(बी) ए और आर दोनों सत्य हैं, लेकिन आर, ए का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(सी) ए सत्य है, लेकिन आर गलत है
(डी) ए गलत है, लेकिन आर सच है

रिक्त स्थान भरें

- (i) दक्षता में सुधार और परिचालन लागत को कम करने के लिए किसी बाहरी एजेंसी को काम देना के रूप में जाना जाता है।
उत्तर आउटसोर्सिंग.
- (ii) यदि चिकित्सा उपचार को पर्यटक गतिविधियों के साथ जोड़ा जाता है, तो इसे के रूप में जाना जाता है।
उत्तर. चिकित्सा पर्यटन।

स्रोत आधारित

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें और प्रश्नों का उत्तर ध्यानपूर्वक दें।

सेवाएँ कई अलग-अलग स्तरों पर होती हैं। कुछ उद्योग के लिए तैयार हैं, कुछ लोगों के लिए, और कुछ उद्योग और लोगों दोनों के लिए, जैसे। परिवहन प्रणालियाँ, निम्न-क्रम वाली सेवाएँ, जैसे किराने की दुकानें और लॉन्ड्री, उच्च-क्रम की तुलना में अधिक सामान्य और व्यापक हैं अकाउंटेंट, सलाहकार और चिकित्सकों जैसी अधिक विशिष्ट सेवाएं। सेवाएँ व्यक्तिगत उपभोक्ताओं को प्रदान की जाती हैं जो उनके लिए भुगतान कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, माली, धोबी और नाई मुख्य रूप से शारीरिक श्रम करते हैं। शिक्षक, वकील, चिकित्सक, संगीतकार और अन्य लोग मानसिक श्रम करते हैं। कई सेवाओं को अब विनियमित कर दिया गया है, राजमार्गों और पुलों को बनाना और बनाए रखना, अग्निशमन विभागों को बनाए रखना और शिक्षा और ग्राहक-देखभाल की आपूर्ति या पर्यवेक्षण करना उन महत्वपूर्ण सेवाओं में से एक है जो अक्सर सरकारों या कंपनियों द्वारा पर्यवेक्षित या निष्पादित की जाती हैं। राज्य और संघ विधान ने परिवहन, दूरसंचार, ऊर्जा और जल आपूर्ति जैसी सेवाओं के विपणन की निगरानी और नियंत्रण के लिए निगमों की स्थापना की है। व्यावसायिक सेवाएँ मुख्य रूप से स्वास्थ्य देखभाल, इंजीनियरिंग, कानून और प्रबंधन हैं। मनोरंजन और मनोरंजन सेवाओं का स्थान बाज़ार पर निर्भर करता है। मल्टीप्लेक्स और रेस्तरां को सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट (सीबीडी) के भीतर या उसके पास स्थान मिल सकता है, जबकि गोल्फ कोर्स ऐसी जगह का चयन करेगा जहां जमीन की लागत सीबीडी की तुलना में कम हो।

(i) निम्नलिखित में से कौन सी उच्च स्तरीय सेवा है?

(ए) धोबी (बी) नाई (सी) शिक्षण (डी) माली

उत्तर (सी) शिक्षण

(ii) इनमें से किस गतिविधि की देखरेख सरकार द्वारा की जाती है?

(ए) अग्निशमन (बी) इंजीनियरिंग (सी) शिक्षण (डी) रेस्तरां

उत्तर (ए) अग्निशमन

(iii) निम्नलिखित में से कौन सी सेवाएँ सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट के पास स्थित हैं?

(ए) फार्म हाउस (बी) गोल्ड कोर्स (सी) मल्टीप्लेक्स (डी) ये सभी

उत्तर (बी) मल्टीप्लेक्स

(iv) निम्नलिखित में से किस सेवा के लिए मानसिक श्रम की आवश्यकता होती है?

(ए) वकील (बी) शिक्षक (सी) चिकित्सक (डी) ये सभी

उत्तर (डी) ये सभी

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. दूरसंचार क्या है? यह महत्वपूर्ण क्यों है?

उत्तर. दूरसंचार इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से महत्वपूर्ण दूरी पर सूचनाओं का आदान-प्रदान है। दूरसंचार के महत्व हैं:-

- आधुनिक तकनीक ने संचार के पुराने पैटर्न को बदल दिया है। इसने संचार को परिवहन से स्वतंत्र बना दिया है।
- मोबाइल फोन और इंटरनेट के उपयोग ने आधुनिक संचार में क्रांति ला दी है।
- इससे गंतव्य तक संदेश भेजने की गति कम हो गई है। इसने संचार समय को हफ्तों से घटाकर मिनटों में कर दिया है।
- इसने स्थान की परवाह किए बिना किसी भी समय और कहीं से भी संचार को सीधा और तात्कालिक बना दिया है।
- अब रेडियो, टेलीविजन या इंटरनेट के माध्यम से दुनिया भर में दर्शकों की एक विस्तृत श्रृंखला को पूरा करना आसान हो गया है।

2. विश्व में पर्यटन को प्रभावित करने वाले दो कारक कौन से हैं? प्रत्येक कारक को उदाहरण सहित समझाइये उत्तर. विश्व में पर्यटन को प्रभावित करने वाले दो कारक इस प्रकार हैं:

(i) **मांग:** यह पर्यटन को प्रभावित करने वाला प्रमुख कारक है। पिछली कुछ शताब्दियों से मनोरंजन एवं मनोरंजन संबंधी गतिविधियों की मांग काफी बढ़ गई है। लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है और उन्हें अपने काम की प्रकृति के कारण अधिक खाली समय की आवश्यकता है। इस प्रकार, पर्यटन की मांग बढ़ रही है।

(ii) **परिवहन:** पर्यटन क्षेत्र को प्रभावित करने वाला दूसरा महत्वपूर्ण कारक परिवहन है। परिवहन क्षेत्र में विकास से पर्यटन की मांग बढ़ती है। पर्यटन स्थलों और स्थानों तक आसान पहुंच लोगों को वहां जाने या वहां जाने के लिए प्रोत्साहित करती है। पिछले दशक में हवाई और रेल नेटवर्क के विस्तार ने पर्यटकों की संख्या में वृद्धि में पर्यटन को प्रभावित किया है। इसके अलावा पर्यटन स्थलों पर बुनियादी ढांचे में सुधार से भी पर्यटन की मांग में वृद्धि हुई है।

3. आउटसोर्सिंग शब्द को परिभाषित करें। आउटसोर्सिंग के परिणाम क्या हैं?

उत्तर. आउटसोर्सिंग या कॉन्ट्रैक्टिंग का मतलब दक्षता में सुधार और लागत कम करने के लिए किसी बाहरी एजेंसी को काम देना है। आउटसोर्स की गई व्यावसायिक गतिविधियों में आईटी, मानव संसाधन, ग्राहक सहायता और कॉल सेंटर सेवाएं शामिल हैं। कभी-कभी इसमें विनिर्माण और इंजीनियरिंग भी शामिल होती है।

आउटसोर्सिंग के परिणाम हैं:

- इसके परिणामस्वरूप भारत, चीन, पूर्वी यूरोप, इज़राइल, फिलीपींस और कोस्टा रिका में बड़ी संख्या में सहायता कॉल सेंटर खुल गए हैं। इस प्रकार, यह नई नौकरियाँ पैदा करने में मदद करता है।

- इससे प्रवासी देशों में प्रवासन को कम करने में मदद मिली है जहां प्रचुर मात्रा में सस्ते और कुशल श्रमिक उपलब्ध हैं।

- इससे आउटसोर्सिंग देशों में नौकरी चाहने वाले युवाओं को विरोध का सामना करना पड़ा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. चतुर्थ सेवाएँ तृतीयक सेवाओं से किस प्रकार भिन्न हैं? तीन कारण बताएं कि विकासशील और विकसित देशों में सेवा क्षेत्र विनिर्माण क्षेत्र की तुलना में तेजी से क्यों बढ़ रहा है?

उत्तर. ज्ञान से संबंधित गतिविधियाँ जैसे शिक्षा, सूचना, अनुसंधान और विकास और अधिक बौद्धिक गतिविधियाँ जहाँ प्रमुख कार्य सोचना, अनुसंधान करना और विचारों को विकसित करना है, चतुर्थ गतिविधियाँ हैं। उदाहरण के लिए, एक मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन और एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के सीईओ के रूप में क्वाटरनरी सेक्टर के तहत काम करते हैं। तृतीयक गतिविधियाँ सेवा क्षेत्र से संबंधित हैं। इन गतिविधियों में अर्थव्यवस्था का वह खंड शामिल है जो उपभोक्ताओं को परिवहन, संचार, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि जैसी सेवाएं प्रदान करता है। यहां कुशल लोगों की आवश्यकता है ईडी जो फीस के भुगतान पर लोगों को सेवाएं प्रदान करते हैं। जैसे डॉक्टर, वकील, प्रकाशक, इलेक्ट्रीशियन, तकनीशियन इत्यादि। विकासशील और विकसित देशों में सेवा क्षेत्र निम्नलिखित कारणों से विनिर्माण क्षेत्र की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है।

- विकसित और विकासशील दोनों देशों में बढ़ती प्रति व्यक्ति आय ने व्यापार, परिवहन, रियल एस्टेट वित्तीय बैंकिंग आदि जैसी कई प्रकार की सेवाओं में आनुपातिक रूप से बड़ी वृद्धि उत्पन्न की है।

- कार्यस्थल पर साक्षरता और कंप्यूटर कौशल की मांग में वृद्धि के साथ सभी स्तरों पर शैक्षिक सेवाओं की भी मांग है।

- लोगों के बढ़ते जीवन स्तर के परिणामस्वरूप परिवहन, पर्यटन, खेल आदि जैसी सेवाओं की मांग बढ़ रही है।

उत्तरमाला –

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. व्यापार
2. विश्वविद्यालय शिक्षण

अभिकथन और कारण

1.ए और आर दोनों सत्य हैं, लेकिन आर, ए का सही स्पष्टीकरण नहीं है

पाठ 7 परिवहन और संचार

-परिवहन व्यक्तियों और वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान तक वहन करने की सेवा या सुविधा को कहते हैं जिसमें मनुष्यों, पशुओं तथा विभिन्न प्रकार की गाड़ियों का प्रयोग किया जाता है ऐसा गमनागमन स्थल, जल एवं वायु में होता है सड़क और रेल मार्ग स्थलीय परिवहन का भाग है, जबकि नौपरिवहन तथा जल मार्ग एवं वायु मार्ग परिवहन के अन्य दो प्रकार हैं। पाइपलाइन, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और तरल अवस्था में अयस्कों जैसे पदार्थों का परिवहन करती है।

- एक पैटर्न बनाने के लिए मार्गों (लिंक) की एक श्रृंखला द्वारा एक साथ जुड़े कई स्थान (नोड्स) एक परिवहन नेटवर्क(जाल) हैं।

परिवहन के विधाएँ-

- विश्व परिवहन के प्रमुख साधन स्थल, जल, वायु और पाइपलाइन हैं।
- माल की अंतर्राष्ट्रीय आवाजाही समुद्री मालवाहक जहाजों द्वारा नियंत्रित की जाती है। घर-घर सेवाओं के लिए कम दूरी की तुलना में सड़क परिवहन सस्ता और तेज़ है। किसी देश के भीतर लंबी दूरी तक बड़ी मात्रा में भारी सामग्री के लिए रेलवे सबसे उपयुक्त है। उच्च मूल्य, हल्के और खराब होने वाले सामानों को वायुमार्ग द्वारा सबसे अच्छा ले जाया जाता है।

सड़क परिवहन

- अधिकांश वस्तुओं एवं सेवाओं का संचलन स्थल पर होता है।
- पहिये के आविष्कार के साथ, गाड़ियों और वैगनों का उपयोग महत्वपूर्ण हो गया। अठारहवीं शताब्दी में भाप इंजन के आविष्कार के बाद परिवहन में क्रांति आई।
- पहली सार्वजनिक रेलवे लाइन 1825 में उत्तरी इंग्लैंड में स्टॉकटन और डार्लिंगटन के बीच खोली गई थी और उसके बाद रेलवे उन्नीसवीं सदी में परिवहन का सबसे लोकप्रिय और सबसे तेज़ रूप बन गया।
- अंतर्देशीय परिवहन के नए विकासों में पाइपलाइन, रोपवे और केबलवे शामिल हैं। खनिज तेल, पानी, कीचड़ और सीवर जैसे तरल पदार्थों का परिवहन पाइपलाइनों द्वारा किया जाता है।

सड़कें-

- रेलवे की तुलना में कम दूरी के लिए सड़क परिवहन सबसे किफायती है।
- सड़क मार्ग से माल परिवहन का महत्व बढ़ रहा है क्योंकि यह घर-घर तक सेवा प्रदान करता है।
- बरसात के मौसम के दौरान, कच्ची सड़कें चलने योग्य नहीं रह जाती हैं और यहां तक कि भारी बारिश और बाढ़ के दौरान पक्की सड़कें भी गंभीर रूप से प्रभावित हो जाती हैं।
- विश्व की कुल मोटर वाहन योग्य सड़क की लंबाई केवल लगभग 150 लाख किमी है, जिसमें से उत्तरी अमेरिका की हिस्सेदारी 33 प्रतिशत है।
- जब सड़क नेटवर्क यातायात की मांगों का सामना नहीं कर पाता, तो संकुलन बढ़ जाता है। शहर की सड़कें दीर्घकालिक संकुलता से ग्रस्त हैं। दिन के विशेष समय में सड़कों पर यातायात प्रवाह के शिखर (उच्च बिंदु) और गर्त (निम्न बिंदु) देखे जा सकते हैं।

महामार्ग-

- महामार्ग दूर-दराज के स्थानों को जोड़ने वाली पक्की सड़कें हैं। इन्हें अबाधित वाहनों की आवाजाही के लिए इस तरह से बनाया गया है।
- ये 80 मीटर चौड़े हैं, जिनमें निर्बाध यातायात प्रवाह की सुविधा के लिए अलग-अलग ट्रैफिक लेन, पुल, फ्लाईओवर और दोहरी गाड़ी के रास्ते हैं।
- विकसित देशों में, प्रत्येक शहर और बंदरगाह शहर महामार्ग के माध्यम से जुड़े हुए हैं
उत्तरी अमेरिका में, महामार्ग घनत्व अधिक है, लगभग 0.65 किमी प्रति वर्ग किमी। प्रशांत तट (पश्चिम) पर स्थित शहर अटलांटिक तट (पूर्व) के साथ अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं।
इसी तरह, उत्तर में कनाडा के शहर मेक्सिको के शहरों के साथ दक्षिण में जुड़े हुए हैं। कनाडाई महामार्ग **वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया (पश्चिमी तट) से नई भूमि (पूर्वी तट) में सेंट जॉन्स सिटी तक और अलास्का महामार्ग एडमॉन्टन (कनाडा) को एंकोरेज (अलास्का) से जोड़ता है।**
- **ट्रांस-कॉन्टिनेंटल स्टुअर्ट हाईवे ऑस्ट्रेलिया** में टेनेंट क्रीक और ऐलिस स्प्रिंग्स के माध्यम से डार्विन (उत्तरी तट) और मेलबर्न को जोड़ता है।
- यूरोप में वाहनों की बड़ी संख्या और एक अच्छी तरह से विकसित महामार्ग नेटवर्क है।
- **रूस में**, मास्को को केंद्र बनाकर यूराल के पश्चिम में औद्योगिकीकृत क्षेत्र में सघन राजमार्ग नेटवर्क विकसित किया गया है। महत्वपूर्ण **मास्को-व्लादिवोस्तोक** राजमार्ग पूर्व में इस क्षेत्र की सेवा करता है।
- **चीन में**, देश के सभी प्रमुख शहरों जैसे **त्सुंगत्सो** (वियतनाम सीमा के पास), **शंघाई** (मध्य चीन), **गुआंगज़ौ** (दक्षिण) और **बीजिंग** (उत्तर) को जोड़ने वाले महामार्ग क्रिस-कोर्स के एआरटीई है।
- **अफ्रीका में**, एक महामार्ग उत्तर में **अल्जीयर्स से कोनाक्री** में गिनी से जुड़ता है।
- भारत में, प्रमुख कस्बों और शहरों को जोड़ने वाले कई महामार्ग हैं।
→ वाराणसी को कन्याकुमारी से जोड़ने वाला राष्ट्रीय महामार्ग **संख्या 7 (NH7) देश में सबसे लंबा है।**
→ चार महानगरीय शहरों - नई दिल्ली, मुंबई, बेंगलोर, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद को जोड़ने के लिए **स्वर्णिम चतुर्भुज (जीक्यू)** या सुपर एक्सप्रेसवे का काम चल रहा है।

सीमा सड़कें

- अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर बनी सड़कों को सीमा सड़कें कहा जाता है। वे दूरदराज के इलाकों में लोगों को प्रमुख शहरों के साथ एकीकृत करने और रक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- लगभग सभी देशों में ऐसी सड़कें, परिवहन, सामान, सीमा, गांव और सैन्य शिविर हैं।

रेलवे-

- रेलवे लंबी दूरी तक स्थूल वस्तुओं और यात्रियों के लिए भूमि परिवहन का एक साधन है।
- यूरोप दुनिया के सबसे घने रेल नेटवर्कों में से एक है। बेल्जियम में प्रत्येक 6.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के लिए 1 किमी रेलवे का घनत्व सबसे अधिक है।
इनमें से कई देशों में माल ढुलाई की तुलना में यात्री परिवहन अधिक महत्वपूर्ण है। लंदन और पेरिस में भूमिगत रेलवे महत्वपूर्ण हैं।
- **चैनल टनल, इंग्लैंड के माध्यम से यूरो टनल समूह द्वारा संचालित, लंदन को पेरिस से जोड़ता है।**

ट्रांस-कॉन्टिनेंटल रेलवे लाइनों ने अब वायुमार्गों और सड़क मार्गों की त्वरित और अधिक लचीली परिवहन प्रणालियों के लिए अपना महत्व खो दिया है।

- रूस में, रेलवे देश के कुल परिवहन का लगभग 90 प्रतिशत यूराल के पश्चिम में बहुत घने नेटवर्क रखता है।
- उत्तरी अमेरिका सबसे व्यापक रेल नेटवर्कों में से एक है, जो दुनिया के कुल का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है।
- सबसे सघन रेल नेटवर्क पूर्वी मध्य अमेरिका और उससे सटे कनाडा के अत्यधिक औद्योगिक और शहरीकृत क्षेत्र में पाया जाता है।
- कनाडा में, रेलवे सार्वजनिक क्षेत्र में है और कम आबादी वाले सभी क्षेत्रों में वितरित है।
- पश्चिम-पूर्व ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय रेलवे लाइन पर्थ से सिडनी तक पूरे देश में चलती है।
- न्यूज़ीलैंड के रेलवे मुख्य रूप से कृषि क्षेत्रों की सेवा के लिए उत्तरी द्वीप में हैं।
- दक्षिण अमेरिका में, रेल नेटवर्क दो क्षेत्रों में सबसे सघन है, अर्थात् अर्जेन्टीना का पम्पास और ब्राज़ील का कॉफ़ी उत्पादक क्षेत्र, जो कुल मिलाकर दक्षिण अमेरिका की कुल मार्ग लंबाई का 40 प्रतिशत है।
- पेरू, बोलीविया, इक्वाडोर, कोलंबिया और वेनेजुएला में बंदरगाहों से आंतरिक तक छोटी एकल ट्रैक रेल लाइनें हैं, जिनमें कोई अंतर-कनेक्टिंग लिंक नहीं है।
- एशिया में, जापान, चीन और भारत के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में रेल नेटवर्क सबसे अधिक सघन है। अन्य देशों में अपेक्षाकृत कम रेल मार्ग हैं।
- अफ्रीका महाद्वीप, दूसरा सबसे बड़ा होने के बावजूद, सोने, हीरे और तांबे की खनन गतिविधियों की सघनता के कारण केवल 40,000 किमी का रेलवे है, जबकि अकेले दक्षिण अफ्रीका में 18,000 किमी का रेलवे है।

ट्रांस-कॉन्टिनेंटल रेलवे-

- ट्रांस-कॉन्टिनेंटल रेलवे पूरे महाद्वीप में चलती है और इसके दो सिरों को जोड़ती है। इन्हें अलग-अलग दिशाओं में लंबे समय तक चलने की सुविधा के लिए आर्थिक और राजनीतिक कारणों से बनाया गया था।

इनमें से निम्नलिखित सबसे महत्वपूर्ण हैं:

रूस का एक ट्रांस-साइबेरियाई रेलवे- प्रमुख रेल मार्ग पश्चिम में सेंट पीटर्सबर्ग से पूर्व में प्रशांत तट पर व्लादिवोस्तोक तक मास्को, ऊफ़ा, नोवोसिबिर्स्क, इरकुत्स्क, चिता और खाबरोवस्क से होकर गुजरता है। यह एशिया में सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है और सबसे लंबा (9,332 किमी) डबल-ट्रैक और विद्युतीकृत ट्रांस- दुनिया में महाद्वीपीय रेलवे।

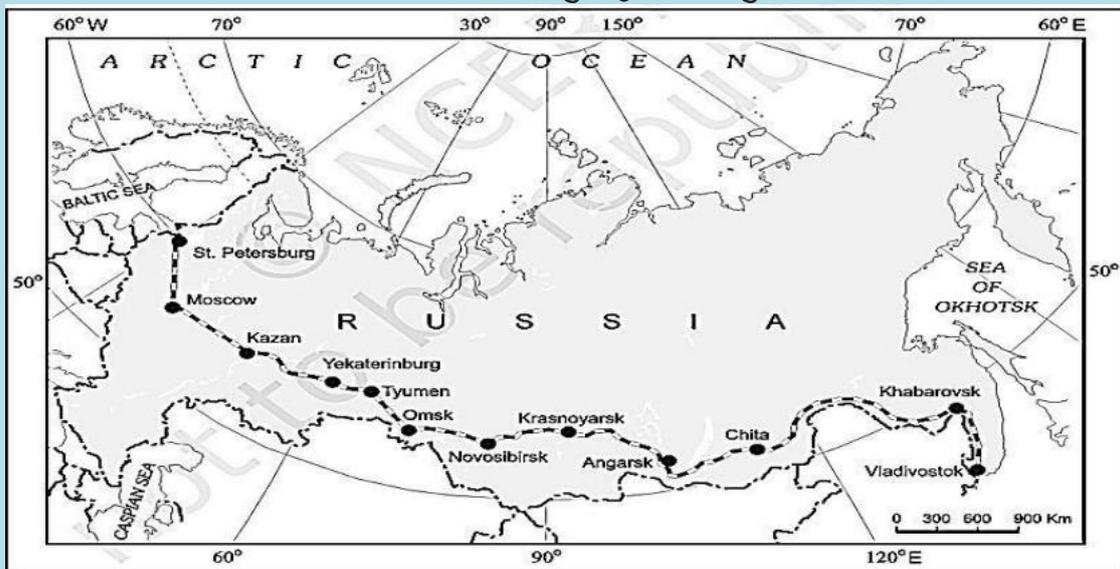


Fig. 8.5: Trans-Siberian Railway

ट्रांस-कैनेडियन रेलवे कनाडा में 7,050 किमी लंबी रेल-लाइन है जो पूर्व में हैलिफ़ैक्स से मॉन्ट्रियल, ओटावा, विन्निपेग और कैलगरी से गुजरते हुए प्रशांत तट पर वैंकूवर तक चलती है, इसका निर्माण 1886 में किया गया था। यह क्यूबेक-मॉन्ट्रियल औद्योगिक क्षेत्र को प्रेयरी क्षेत्र के व्हीट बेल्ट और उत्तर में शंकुधारी वन क्षेत्र से जोड़ता था।

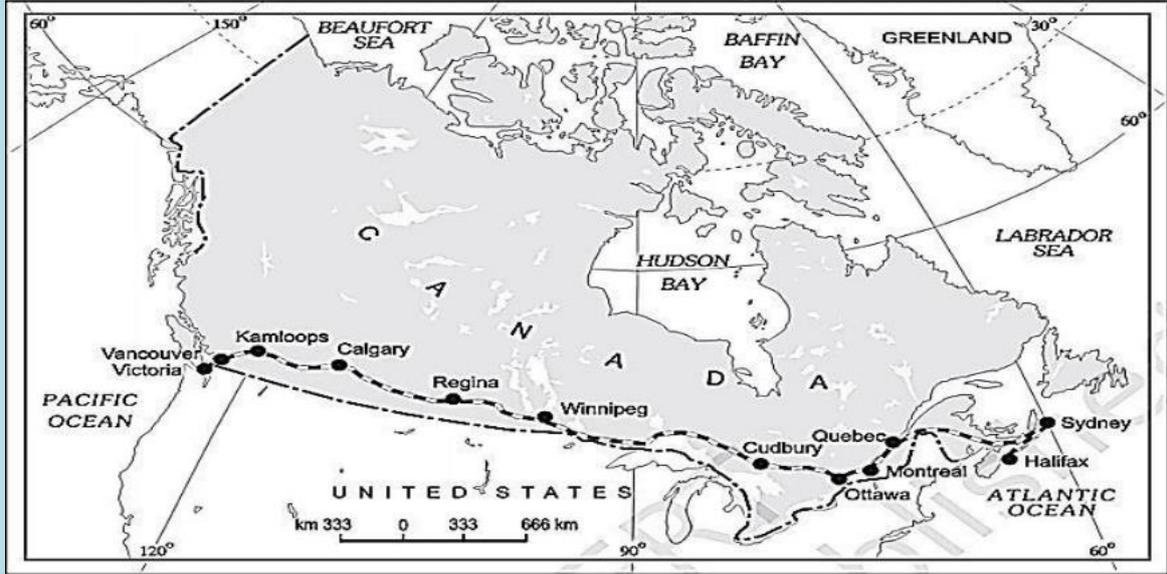


Fig. 8.6: Trans-Canadian Railway

→यूनियन एंड पैसिफिक रेलवे क्लीवलैंड, शिकागो, ओमाहा, इवांस, ओगडेन और सैक्रामेंटो से गुजरते हुए न्यूयॉर्क, अटलांटिक तट से सैन फ्रांसिस्को, प्रशांत तट को जोड़ता है। इस मार्ग पर सबसे मूल्यवान निर्यात अयस्क, अनाज, कागज, रसायन और मशीनरी हैं।

→ ऑस्ट्रेलियाई ट्रांस-कॉन्टिनेंटल रेलवे- पश्चिम-पूर्व में महाद्वीप के दक्षिणी भाग पर्थॉन, पश्चिमी तट से लेकर पूर्वी तट पर सिडनी तक, कलगोर्ली, ब्रोकन हिल और पोर्ट ऑगस्टा से होकर गुजरती है। एक अन्य प्रमुख उत्तर-दक्षिण लाइन एडिलेड और ऐलिस स्प्रिंग को जोड़ती है और आगे डार्विन-बर्डम लाइन से जुड़ती है।

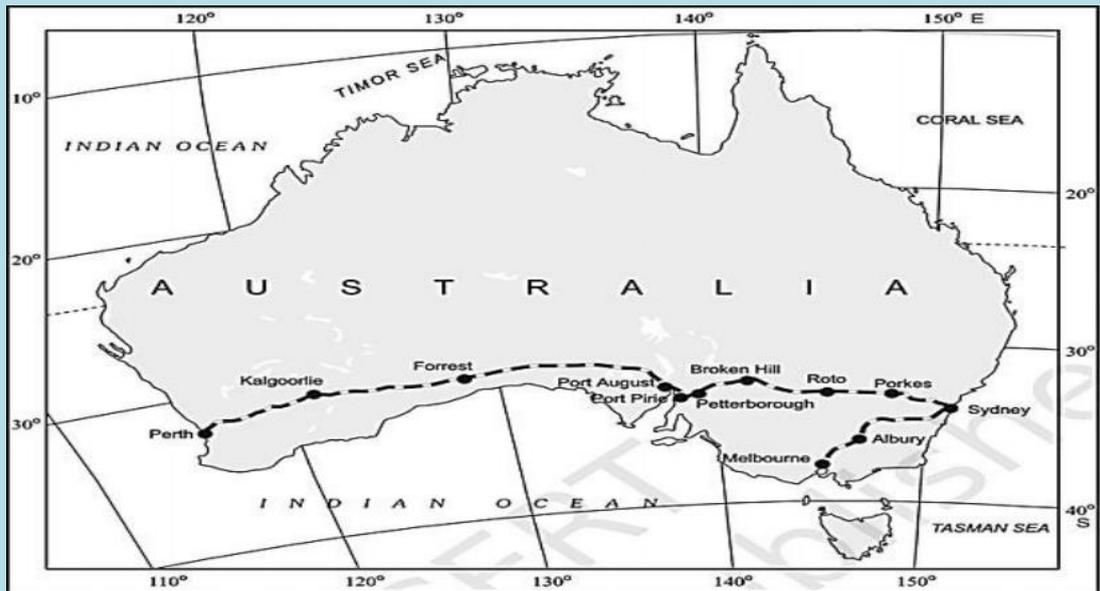


Fig. 8.7: Australian Trans-Continental Railway

→ **ओरिएंट एक्सप्रेस**- पेरिस से इस्तांबुल तक चलती है जो स्ट्रासबर्ग, म्यूनिख, वियना, बुडापेस्ट और बेलग्रेड से होकर गुजरती है। इस रेल मार्ग पर मुख्य निर्यात पनीर, बेकन, जई, शराब, फल और मशीनरी है।

जल परिवहन

- महासागर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और विभिन्न आकारों के जहाजों के साथ बातचीत संभव है।
- जल परिवहन की ऊर्जा लागत कम है। जल परिवहन को समुद्री मार्गों और अंतर्देशीय जलमार्गों में विभाजित किया गया है।

समुद्री मार्ग

- महासागर बिना किसी रखरखाव लागत के सभी दिशाओं में चलने योग्य सुगम राजमार्ग प्रदान करते हैं।
- आधुनिक यात्री लाइनर (जहाज) और मालवाहक जहाज रडार, वायरलेस और अन्य नेविगेशन सहायता से सुसज्जित हैं।
- नाशवान वस्तुओं, टैंकरों और विशेष जहाजों के लिए प्रशीतित कक्षों के विकास से कार्गो परिवहन में भी सुधार हुआ है। कंटेनरों के उपयोग ने दुनिया के प्रमुख बंदरगाहों पर कार्गो प्रबंधन को आसान बना दिया है।

महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग

- **उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग:** यह उत्तर-पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका और उत्तर-पश्चिमी यूरोप, दुनिया के दो औद्योगिक रूप से विकसित क्षेत्रों को जोड़ता है। विश्व का एक चौथाई विदेशी व्यापार इसी मार्ग पर चलता है। इसलिए, यह दुनिया का सबसे व्यस्त मार्ग है और इसे बिग ट्रंक रूट कहा जाता है।
- **भूमध्यसागरीय-हिन्द महासागर समुद्री मार्ग:** यह समुद्री मार्ग पुरानी दुनिया के हृदय से होकर गुजरता है। पोर्ट सईद, अदन, मुंबई, कोलंबो और सिंगापुर इस मार्ग पर कुछ महत्वपूर्ण बंदरगाह हैं।
- **केप ऑफ गुड होप समुद्री मार्ग:** यह व्यापार मार्ग अत्यधिक औद्योगिकीकृत पश्चिमी यूरोपीय क्षेत्र को पश्चिम अफ्रीका, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया और ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की वाणिज्यिक कृषि और पशुधन अर्थव्यवस्थाओं से जोड़ता है।
- **दक्षिणी अटलांटिक समुद्री मार्ग:** अटलांटिक महासागर के पार एक और महत्वपूर्ण मार्ग जो पश्चिमी यूरोप और पश्चिमी अफ्रीकी देशों को दक्षिण अमेरिका में ब्राजील, अर्जेंटीना और उरुग्वे से जोड़ता है। दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका में सीमित विकास और जनसंख्या के कारण इस मार्ग पर यातायात बहुत कम है।
- **उत्तरी प्रशांत समुद्री मार्ग:** यह समुद्री मार्ग उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी तट पर स्थित बंदरगाहों को एशिया के बंदरगाहों से जोड़ता है। ये अमेरिकी पक्ष में वैंकूवर, सिएटल, पोर्टलैंड, सैन फ्रांसिस्को और लॉस एंजिल्स हैं और एशियाई पक्ष में योकोहामा, कोबे, शंघाई, हांगकांग, मनीला और सिंगापुर हैं।
- **दक्षिण प्रशांत समुद्री मार्ग:** यह समुद्री मार्ग पश्चिमी यूरोप और उत्तरी अमेरिका को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और पनामा नहर के माध्यम से बिखरे हुए प्रशांत द्वीपों से जोड़ता है। इस मार्ग का उपयोग हांगकांग, फिलीपींस और इंडोनेशिया तक पहुंचने के लिए भी किया जाता है।
- **तटीय शिपिंग:** तटीय शिपिंग लंबी तटरेखाओं के साथ परिवहन का एक सुविधाजनक तरीका है, उदाहरण के लिए। यू.एस.ए., चीन और भारत। यूरोप में शेन्जेन राज्य तटीय शिपिंग के लिए सबसे उपयुक्त स्थान पर हैं एक सदस्य को दूसरे के साथ जोड़ना।

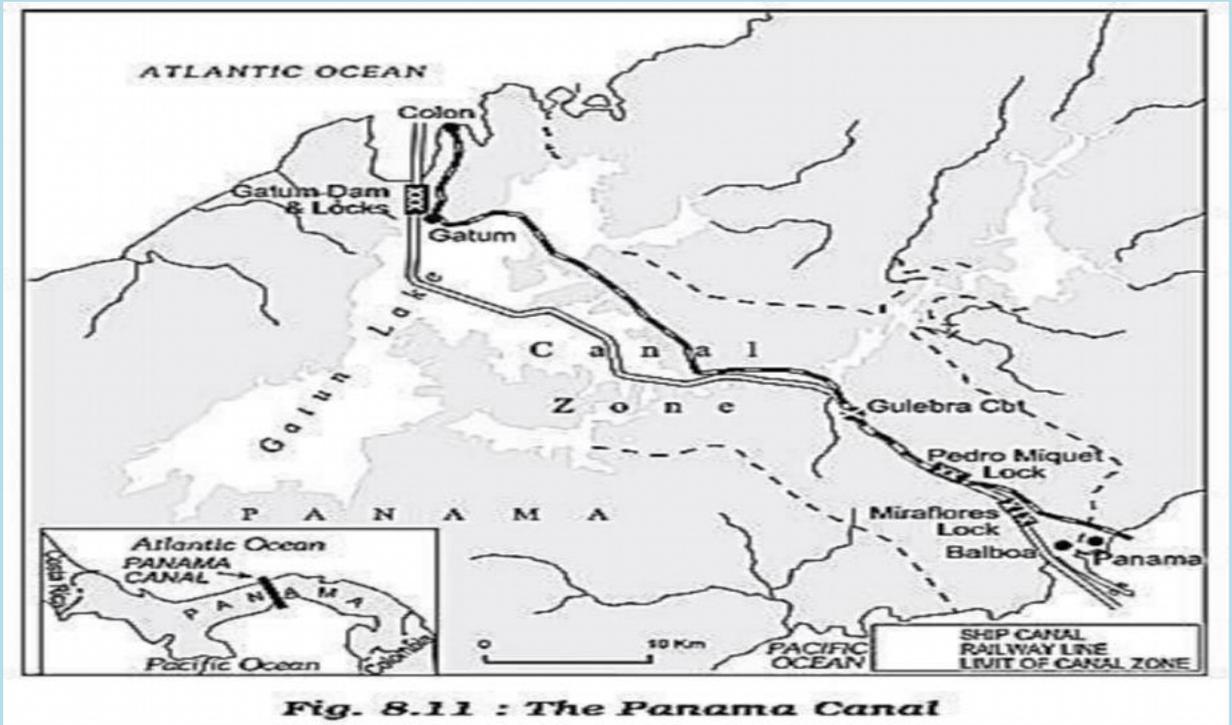


Fig. 8.11 : The Panama Canal

- नदियाँ, नहरें, झीलें और तटीय क्षेत्र प्राचीन काल से ही महत्वपूर्ण जलमार्ग रहे हैं। अंतर्देशीय जलमार्गों का विकास नौवहन क्षमता, चैनल की चौड़ाई, जल प्रवाह में निरंतरता और उपयोग में आने वाली परिवहन प्रौद्योगिकी पर निर्भर करता है।

- रेलवे से प्रतिस्पर्धा, सिंचाई के लिए पानी की कमी और उनके खराब रखरखाव के कारण नदी मार्गों का महत्व कम हो गया है।

अंतर्निहित सीमाओं के बावजूद, कई नदियों को ड्रेजिंग, नदी तटों को स्थिर करने और पानी के प्रवाह को विनियमित करने के लिए बांधों और बैराजों का निर्माण करके उनकी नेविगेशन क्षमता को बढ़ाने के लिए संशोधित किया गया है।

राइन वाटरवेज़

- राइन जर्मनी और नीदरलैंड से होकर बहती है। यह नीदरलैंड में रॉटरडैम के मुहाने पर स्थित स्विट्जरलैंड के बेसल तक 700 किमी तक नौगम्य है।

- रुहर नदी पूर्व से राइन से जुड़ती है। इस क्षेत्र के लिए डसेलडोर्फ राइन बंदरगाह है।

- यह जलमार्ग दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। यह स्विट्जरलैंड, जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम और नीदरलैंड के औद्योगिक क्षेत्रों को उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग से जोड़ता है।

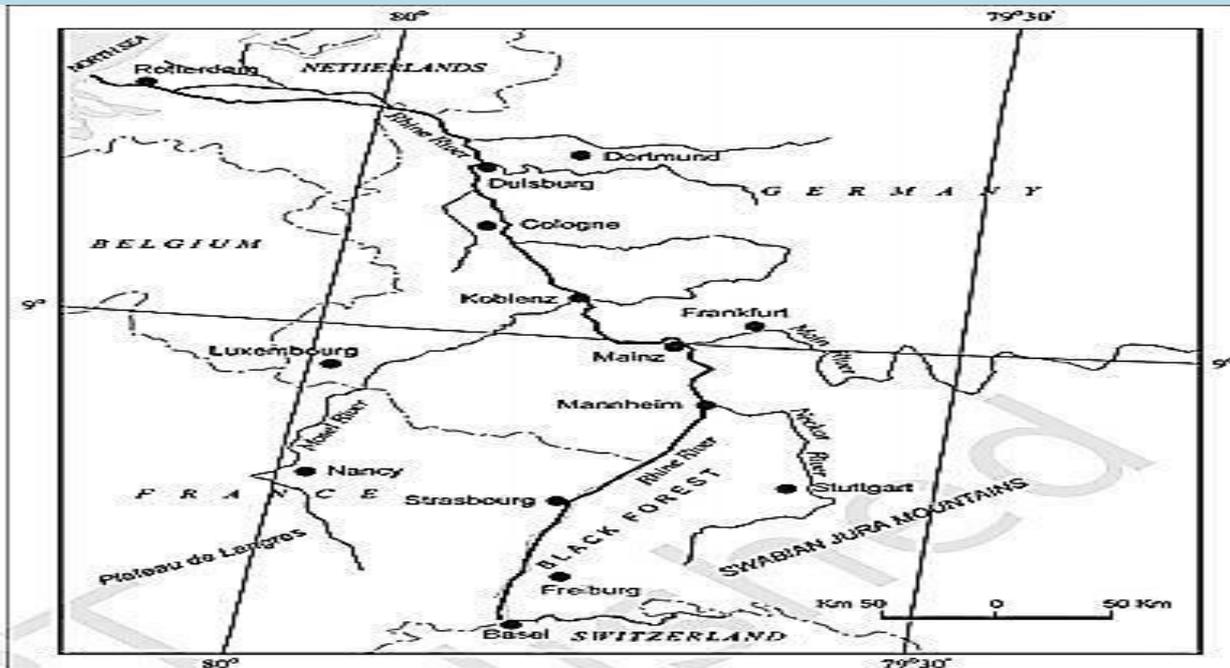


Fig. 8.14 : Rhine Waterway

डेन्यूब जलमार्ग-

- यह महत्वपूर्ण अंतर्देशीय जलमार्ग पूर्वी यूरोप की सेवा करता है।
- डैनुबेरी नदी काले जंगल में उगती है और कई देशों से होकर पूर्व की ओर बहती है। यह टॉर्ना सेवेरिन तक नौगम्य है। मुख्य निर्यात वस्तुएं गेहूं, मक्का, लकड़ी और मशीनरी हैं

वोल्गा जलमार्ग-

- रूस में बड़ी संख्या में विकसित जलमार्ग हैं, जिनमें से वोल्गा सबसे महत्वपूर्ण है।
- यह 11,200 किमी का नौगम्य जलमार्ग प्रदान करता है और कैस्पियन सागर में गिरता है।
- वोल्गा-मास्को नहर मास्को क्षेत्र से और वोल्गा-डॉन नहर काला सागर से जुड़ती है।

द ग्रेटलेक्स-सेंट लॉरेंस सीवे

- उत्तरी अमेरिका सुपीरियर, ह्यूरन एरी और ऑंटारियो की महान झीलें एक अंतर्देशीय जलमार्ग बनाने के लिए सूकाना और वेलैंड नहर से जुड़ी हुई हैं।
- इस मार्ग पर डुलुथ और बफेलो जैसे बंदरगाह समुद्री बंदरगाहों की सभी सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

मिसिसिपी जलमार्ग

- मिसिसिपी-ओहियो जलमार्ग अमेरिका के आंतरिक भाग को मैक्सिको की खाड़ी से दक्षिण में जोड़ता है। बड़े स्टीमर इस मार्ग से मिनियापोलिस तक जा सकते हैं।

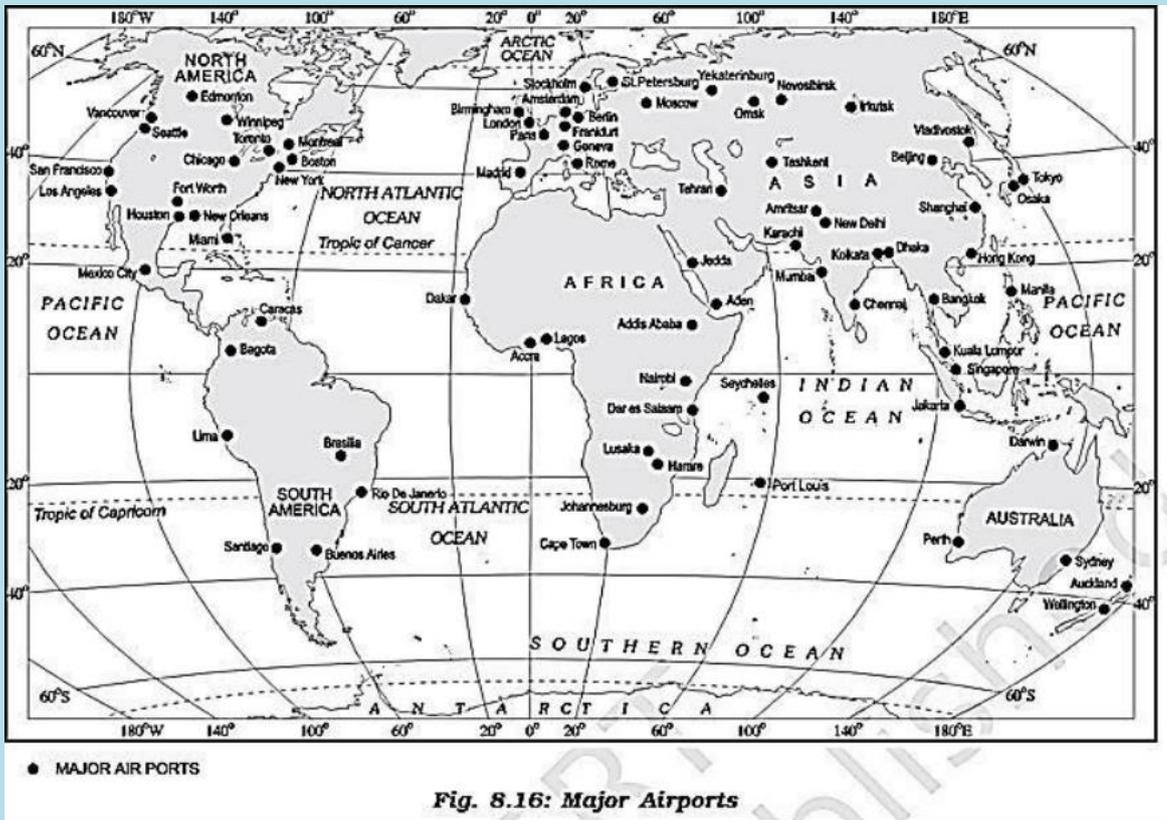
वायु परिवहन

- हवाई परिवहन परिवहन का सबसे तेज़ साधन है, लेकिन यह बहुत महंगा है, इसलिए लंबी दूरी की यात्रा के लिए यात्री इसे पसंद करते हैं।
- इसका एकमात्र साधन दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचना है।
- विमानों के निर्माण और उनके संचालन के लिए विमानों के लिए हैंगर, लैंडिंग, ईंधन भरने और रखरखाव सुविधाओं जैसे विस्तृत बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होती है।

- हवाई अड्डों का निर्माण भी बहुत महंगा है और अत्यधिक औद्योगिक देशों में अधिक विकसित हुआ है जहां बड़ी मात्रा में यातायात है।
- आज, 250 से अधिक वाणिज्यिक एयरलाइंस दुनिया के विभिन्न हिस्सों को नियमित सेवाएं प्रदान करती हैं।
- सुपरसोनिक विमान, लंदन और न्यूयॉर्क के बीच की दूरी साढ़े तीन घंटे में तय करता है।

अंतर-महाद्वीपीय हवाई मार्ग-

- मांग के कारण उत्तरी गोलार्ध में अंतर-महाद्वीपीय हवाई मार्गों ने विशिष्ट मार्ग विकसित किए हैं। यातायात का 60% हिस्सा संयुक्त राज्य अमेरिका का है। हवाई मार्गों के लिए न्यूयॉर्क, लंदन, पेरिस, एम्स्टर्डम, फ्रैंकफर्ट, रोम, मॉस्को, दुबई, दोहा, टोक्यो, सैन फ्रांसिस्को, दिल्ली, मुंबई, सिंगापुर, सिडनी, शिकागो एरेनोडल पॉइंट।
- अफ्रीका, रूस का एशियाई हिस्सा और दक्षिण अमेरिका हवाई सेवाएँ।



पाइपलाइन-

- निर्बाध प्रवाह के लिए पानी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे तरल पदार्थ और गैसों के परिवहन के लिए पाइपलाइनों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में उत्पादन क्षेत्र से उपभोग क्षेत्र तक तेल पाइपलाइनों का सघन नेटवर्क है।
- बिग इंच एक ऐसी प्रसिद्ध पाइपलाइन है, जो मैक्सिको की खाड़ी के तेल कुओं से उत्तर-पूर्वी राज्यों तक पेट्रोलियम ले जाती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में पाइपलाइनों के माध्यम से लगभग 17 प्रतिशत गिरावट वाले माल ढुलाई प्रतिटन-किमी. का परिवहन किया जाता है।

• यूरोप, रूस, पश्चिम एशिया और भारत में पाइपलाइनों का उपयोग तेल के कुओं के भंडार, और बंदरगाहों या घरेलू बाजारों को जोड़ने के लिए किया जाता है।

संचार

• मानव ने लंबी दूरी के संचार के लिए विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल किया है जिनमें से टेलीग्राफ और टेलीफोन महत्वपूर्ण थे।

• आज ऑप्टिकफाइबरकेबल्स (ओएफसी)

के उपयोग के कारण अभूतपूर्व विकास संभव हो गया है। वे बड़ी मात्रा में डेटा को तेजी से, सुरक्षित रूप से प्रसारित करने की अनुमति देते हैं और वस्तुतः त्रुटि मुक्त होते हैं।

• 1990 के दशक में सूचना के डिजिटलीकरण के साथ, दूरसंचार धीरे-धीरे कंप्यूटर के साथ जुड़कर एकीकृत नेटवर्क बना, जिसे इंटरनेट कहा जाता है।

उपग्रह संचार-

• इंटरनेट सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क है। अमेरिका के बाद 1970 के दशक से यह रूप महत्वपूर्ण हो गया और तत्कालीन यूएसएसआर ने अंतरिक्ष अनुसंधान का बीड़ा उठाया।

• कृत्रिम उपग्रह विश्व के सुदूर कोनों को जोड़ते हैं। इसने दूरी के संदर्भ में संचार की इकाई लागत और समय को अपरिवर्तनीय बना दिया है - और लागत में कमी ला दी है।

• भारत ने उपग्रह विकास में भी शानदार प्रगति की है:

→ आर्यभट्ट को 19 अप्रैल 1979 में, भास्कर-1 को 1979 में और रोहिणी को 1980 में लॉन्च किया गया था।

→ 18 जून 1981 को, APPLE (एरियन पैसेंजर पेलोड प्रयोग) को एरियन रॉकेट के माध्यम से लॉन्च किया गया था।

→ भास्कर, चैलेंजर और इनसैट-1-भाव ने लंबी दूरी का संचार (टी.वी.रेडियो) भारत में बहुत प्रभावी बनाया।

साइबरस्पेस-इंटरनेट-

• साइबरस्पेस इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटरीकृत अंतरिक्ष की दुनिया है।

• यह प्रेषक और रिसीवर की भौतिक गतिविधि के बिना कंप्यूटर नेटवर्क पर संचार करने या जानकारी तक पहुंचने के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल दुनिया है।

• चूंकि हर साल अरबों लोग इंटरनेट का उपयोग करते हैं, साइबरस्पेस ई-मेल, ई-कॉमर्स, ई-लर्निंग और ई-गवर्नेंस के माध्यम से मनुष्यों के समकालीन आर्थिक और सामाजिक स्थान का विस्तार करेगा।

• फैंक्स, टेलीविजन और रेडियो के साथ-साथ इंटरनेट, स्थान और समय के अलावा अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच योग्य होगा।

बहुविकल्पात्मक प्रश्न

1. निम्नलिखित में से कौन सी पंक्ति 'परिवहन' शब्द को अच्छी तरह से परिभाषित करती है?

अ. यह लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने की सुविधा है

बी. यह तैयार उत्पादों को उत्पादक केंद्रों से बाजारों तक पहुंचाने की सुविधा है

सी. यह सामान और लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने की सुविधा है

डी. इनमें से कोई भी नहीं

Ans. (c)

2. परिवहन के साधन का महत्व निर्भर करता है-

ए. परिवहन की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं का प्रकार

बी. परिवहन की लागत और उपलब्ध साधन

सी.परिवहन किये गये यात्रियों की संख्या

डी. केवल (ए) और (बी)

उत्तर. (डी)

3.रेलवे की तुलना में सड़क मार्गों के कम महत्व के लिए निम्नलिखित में से कौन सा कारण जिम्मेदार है?

ए.विशाल औद्योगिक क्षेत्र

बी. विशाल भौगोलिक क्षेत्र

सी.घनी आबादी

डी. राजमार्गों की कम संख्या और सड़कों की निम्न गुणवत्ता

उत्तर. (बी)

4.दक्षिण अमेरिका के निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में सघन रेल नेटवर्क पाया जाता है?

ए. अर्जेंटीना के पम्पास

बी. ब्राज़ील का

काँफ़ी उत्पादक क्षेत्र

सी.चिली के खनन क्षेत्र

डी. केवल (ए) और (बी)

उत्तर (डी)

5.निम्नलिखित में से किस रेलवे लाइन के कारण लंदन से इस्तांबुल तक की यात्रा का समय समुद्री मार्ग की तुलना में बहुत कम हो गया है?

ए. ट्रांस-साइबेरियन रेलवे

बी. ओरियन्ट एक्सप्रेस

सी. यूनियन और पेसिफिक रेलवे

डी. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर. (बी)

6. निम्नलिखित में से किस कारण से जल परिवहन अधिक लाभप्रद है?

ए. यह बहुत सस्ता है क्योंकि पानी का घर्षण ज़मीन की तुलना में बहुत कम है

बी. इसमें मार्ग निर्माण की आवश्यकता नहीं है

सी. महासागर एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और इनमें विभिन्न आकार के जहाज चल सकते हैं

डी. ऊपर के सभी

उत्तर. (डी)

7.निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें।

1. हिमालय क्षेत्र में अक्सर भूस्खलन, हिमस्खलन या भारी बर्फबारी के कारण मार्ग बाधित हो जाते हैं।

2. ऐसी जगहों तक पहुंचने के लिए हवाई यात्रा ही एकमात्र विकल्प है।

विकल्प

ए. केवल कथन 1 सही है

बी. केवल कथन 2 सही है

सी. 1 और 2 दोनों सही हैं

डी. 1 और 2 दोनों गलत हैं

उत्तर. (सी)

8.हाल ही में इसरो द्वारा किस उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया और भारत में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को एक नई राह दी गई?

ए. आर्यभट्ट 2 बी. चन्द्रयान 1

सी. चंद्रयान 3 डी. भास्कर 1
उत्तर. (सी)

पाठ 8 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कम से कम दो अलग-अलग देशों के बीच किसी वस्तु या सेवा से जुड़ा विनिमय है। ये विनिमय आयात या निर्यात हो सकते हैं। आयात से तात्पर्य घरेलू देश में लाई गई वस्तु या सेवा से है।

राष्ट्रीय व्यापार - राष्ट्रीय व्यापार समझौते राज्यों या देशों के बीच की व्यवस्थाएं हैं जो व्यापार और वाणिज्यिक संस्थाओं के साथ उनके संबंधों को विनियमित या रेखांकित करती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का इतिहास

1. चोरी के कारण व्यापार छोटी दूरी तक ही सीमित था
2. लोग अपनी तात्कालिक सुविधाओं को पूरा करने के लिए इसका उपयोग करते थे
3. केवल अमीर लोग ही आभूषण और अन्य आभूषण लाते थे
4. रेशम मार्ग चीन और रोम से जुड़ने का एक उदाहरण है
5. ऊन, रेशम, कीमती पत्थर; व्यापार थे
6. रोम के विघटन के बाद इसे महत्व नहीं दिया गया
7. उपनिवेशीकरण के साथ दास व्यापार शुरू हुआ
8. औद्योगिक क्रांति के बाद कच्चे माल और तैयार उत्पादों को महत्व दिया गया
9. विश्व युद्धों के दौरान कई देशों ने कर लगाए
10. विश्व युद्ध के बाद GATT का गठन किया गया

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार क्यों मौजूद है

1. उत्पादन में विशेषज्ञता
2. श्रम का विभाजन
3. तुलनात्मक लाभ
4. वस्तुओं, सेवाओं की पूरकता और हस्तांतरणीयता
5. पारस्परिक लाभ
6. विदेश नीति
7. विकसित परिवहन और संचार

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार

1. राष्ट्रीय संसाधनों में अंतर
 - A. भूवैज्ञानिक संरचना
 - B. खनिज संसाधन
 - C. जलवायु
2. जनसंख्या कारक
 - a. सांस्कृतिक कारक
 - b. जनसंख्या का आकार
3. आर्थिक विकास का चरण
4. विदेशी निवेश की सीमा

5. परिवहन

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के महत्वपूर्ण पहलू

1. व्यापार की मात्रा
2. व्यापार की संरचना
3. व्यापार की दिशा
4. व्यापार का संतुलन

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार

1. द्विपक्षीय व्यापार - द्विपक्षीय व्यापार यह दो देशों के बीच होता है जब वे कुछ वस्तुओं के व्यापार के लिए समझौता करते हैं जिसमें वे विशेषज्ञ होते हैं।
2. बहुपक्षीय व्यापार- यह एक ही समय में कई व्यापारिक देशों के साथ उन वस्तुओं के व्यापार के लिए किया जाता है जिनमें वे विशेषज्ञ होते हैं। देश कुछ व्यापारिक साझेदारों को सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र (MNF) का दर्जा भी दे सकता है।

WTO

1. GATT का गठन 1948 में हुआ !
2. GATT को 1.1.1995 को WTO में बदल दिया गया
3. यह राष्ट्रों के बीच वैश्विक नियमों को बनाए रखता है
4. यह व्यापार से संबंधित राष्ट्रों के बीच विवादों को सुलझाता है
5. इसमें व्यापार सेवाएँ, दूरसंचार और बैंकिंग, बौद्धिक अधिकार शामिल हैं
6. यह अमीर देशों को महत्व देता है
7. यह गरीब देशों के पक्ष में नहीं है

क्षेत्रीय व्यापार ब्लॉक

आसियान, सीआईएस, ईयू, लाइआ, नाफ्टा, ओपेक, साफ्टा

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित चिंताएँ

1. क्षेत्रीय विशेषज्ञता
2. उत्पादन का उच्च स्तर
3. बेहतर जीवन स्तर
4. वस्तुओं और सेवाओं की विश्वव्यापी उपलब्धता
5. कीमतों और मजदूरी का समानीकरण
6. ज्ञान और संस्कृति का प्रसार
7. निर्भरता की ओर ले जाता है
8. विकास का असमान स्तर
9. शोषण
10. वाणिज्यिक मौज-मस्ती युद्धों की ओर ले जाती है
11. जीवन को प्रभावित करती है
12. संसाधनों का उत्पादन और उपयोग
13. संसाधनों की कमी

14. अधिक प्रदूषण

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बंदरगाहों के प्रवेश द्वार

1. माल और यात्रियों को सुविधाएँ प्रदान करना
2. माल के लिए डॉकिंग, लोडिंग अनलोडिंग, भंडारण सुविधाएँ प्रदान करना
3. नौगम्य चैनल बनाए रखना
4. टग और बार्ज की व्यवस्था करना, श्रम प्रबंधकीय सुविधाएँ प्रदान करना सेवाएँ
5. बंदरगाह द्वारा संभाले जाने वाले कार्गो की मात्रा उसके भीतरी इलाकों के विकास के स्तर का सूचक है

बंदरगाह के प्रकार

संभाले जाने वाले कार्गो के आधार पर

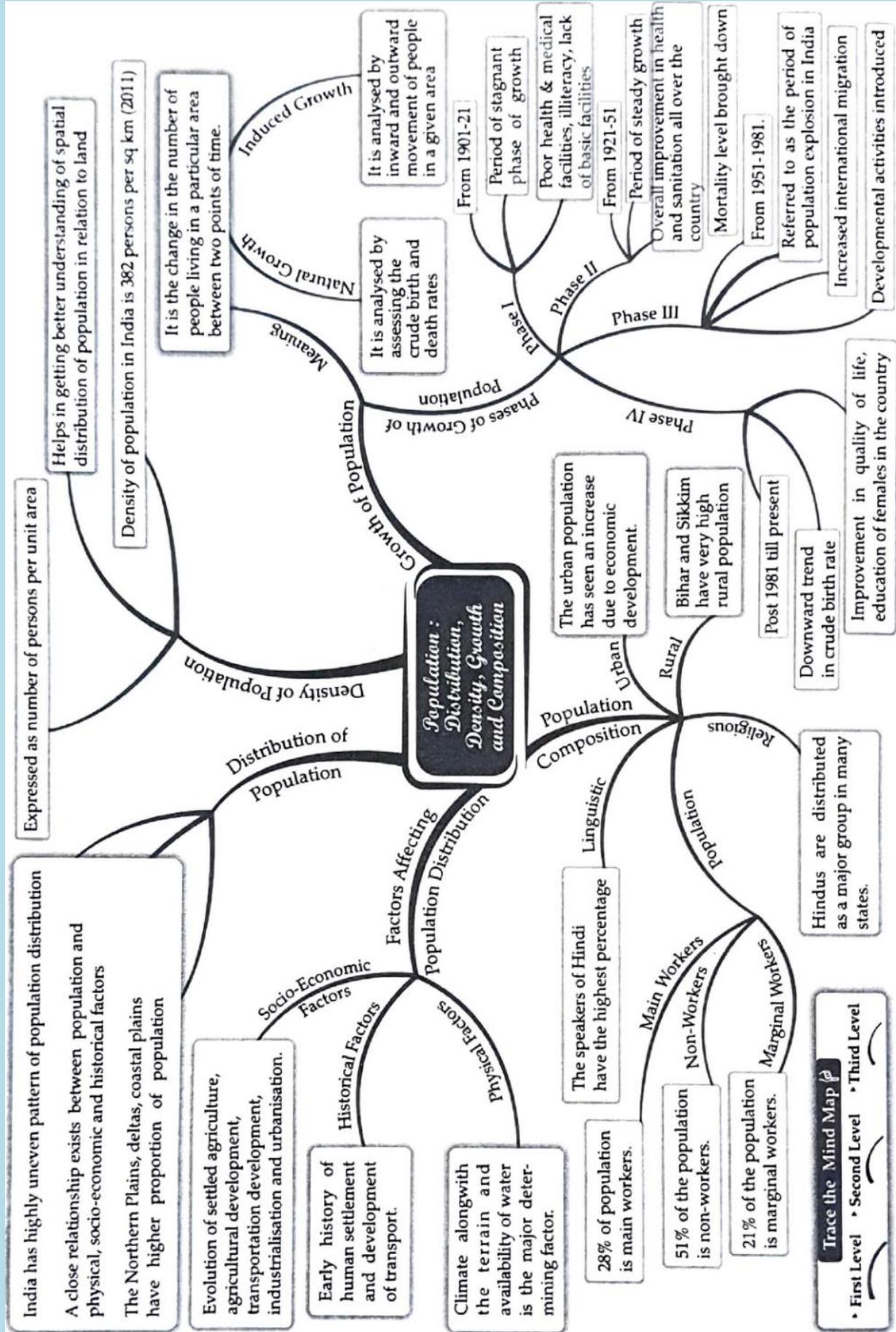
1. औद्योगिक बंदरगाह
2. वाणिज्यिक बंदरगाह
3. व्यापक

स्थान के आधार पर

1. अंतर्देशीय बंदरगाह
2. बाहरी बंदरगाह

विशेष कार्य के आधार पर

1. तेल बंदरगाह
2. कॉल के बंदरगाह
3. पैकेट स्टेशन
4. एंटे पॉट बंदरगाह
5. नौसेना बंदरगाह



जनसंख्या का वितरण

- विश्व कि तरह भारत में भी जनसंख्या असमानरूप से वितरित है। उत्तरप्रदेश में सबसे अधिक जनसंख्या है, इसके बाद महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिमबंगाल, आंध्रप्रदेश और मध्यप्रदेश हैं।
- उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिमबंगाल, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात में 76% आबादी रहती है।
- अरुणाचलप्रदेश में भारत की कुल जनसंख्या का 0.11% और उत्तराखंड में 0.83% हिस्सा रहता है।

असमान वितरण के लिए उत्तरदायी कारक

- 1- **भौतिक कारक** : जलवायु, जल, भूभाग, मिट्टी।
- 2- **सामाजिक आर्थिक कारक** : व्यवस्थित कृषि, कृषि विकास करना, मानव बस्तियों का पैटर्न, परिवहन, उद्योग, शहरीकरण, धर्म, जाति किसी अन्य उपयुक्त बिंदु पर आवश्यकतानुसार चर्चा की जा सकती है।
- 3- ऐतिहासिक कारक: अंग्रेजों द्वारा मुंबई, कोलकाता, चेन्नई जैसे शहरों का विकास

जनसंख्या का घनत्व

- प्रति इकाई (किमी) क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या, जनसंख्या का घनत्व (2011) 382 व्यक्ति/वर्ग किमी है।
- अरुणाचलप्रदेश में सबसे कम जनसंख्या घनत्व: 17व्यक्ति/प्रतिवर्गकिमी।
- सबसे अधिक जनसंख्या घनत्व बिहार में है, इसके बाद पश्चिमबंगाल, केरल और उत्तरप्रदेश हैं
- हिमालयी राज्यों और उत्तर पूर्व में घनत्व कम है जबकि गंगा के मैदान में घनत्व सबसे अधिक है और अन्य राज्यों में जनसंख्या मध्यम है

शारीरिक घनत्व = कुल जनसंख्या / शुद्ध खेतीयोग्य क्षेत्र

कृषि घनत्व = कुल कृषि जनसंख्या/शुद्ध खेती योग्य क्षेत्र

जनसंख्या की वृद्धि

दो समय बिंदुओं के बीच किसी विशेष क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या में परिवर्तन, इसे प्रतिशत(%) में व्यक्त किया जाता है.

जनसंख्या की वृद्धि को प्रभावित करने वाले दो घटक: 1. प्राकृतिक 2. वास्तविक

प्राकृतिक विकास का विश्लेषण अपरिष्कृत जन्मदर और अपरिष्कृत मृत्यु दर द्वारा किया जाता है

वास्तविक वृद्धि की गणना आप्रवासन-प्रवासन से की जाती है। वार्षिक वृद्धि 1.7% जनगणना (2001-11) है।

भारत में जनसंख्या वृद्धि के चरण

भारत के जनसांख्यिकीय इतिहास में निम्नलिखित चार चरणों को व्यक्त किया है: -

चरण-I: 1901 -1921 स्थिर विकास, धीमी विकास दर, बी आर और डी आर उच्च थे, खराब चिकित्सा सुविधाएं, कम साक्षरता दर, भोजन और बुनियादी सुविधाओं का अप्रभावी वितरण। जनसांख्यिकी की आईसी विभाजन;

चरण-II: 1921-51: स्थिर विकास, स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार, कम मृत्युदर। बेहतर परिवहन सुविधाएँ, उच्च जन्मदर और मृत्युदर में गिरावट। विश्वयुद्ध और आर्थिक मंदी के प्रभाव ने प्रभावित किया, मृत्यु दर ने विकास को प्रेरित किया

चरण-III: 1951-81: जनसंख्या विस्फोट, मृत्युदर में तेजी से गिरावट, उच्च प्रजननदर, पंचवर्षीय योजनाओं की शुरुआत, रहने की स्थिति में सुधार, प्रवासन में वृद्धि। प्रजनन प्रेरित विकास

चरण-IV: 1981से आगे: विकास दर में गिरावट आई, विवाह की आयु में वृद्धि, जीवन और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के कारण अपरिष्कृत जन्मदर में गिरावट आई।

किशोर जनसंख्या की विशेषताएं: उच्चक्षमता,

किशोरों के बारे में समाज के समक्ष चुनौतियाँ

- विवाह की कम उम्र
- निरक्षरता
- महिला अशिक्षा
- स्कूल छोड़ना
- पोषक तत्वों का कम सेवन
- किशोर माताओं की मातृ मृत्युदर की उच्चदर,
- एचआईवीएड्स की उच्चदर
- शारीरिक एवं मानसिक विकलांगता
- नशीलीदवाओं का दुरुपयोग शराबखोरी
- बालअपराध

वयस्कों को समाज के प्रति प्रेरित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम

- राष्ट्रीय युवा नीति
- समाज के रचनात्मक विकास के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करना
- देशभक्ति और जिम्मेदार नागरिकों में सुधार के लिए रचनात्मक योजनायें
- युवासशक्तिकरण
- युवाओं के स्वास्थ्य, खेल और मनोरंजन को महत्व देना
- विज्ञान के क्षेत्र में नवाचार

जनसंख्या संरचना

- 1 – आयु और लिंग,
- 2- निवास स्थान
- 3 – जातीय विशेषताएँ
- 4-भाषा
- 5-धर्म
- 6-वैवाहिक स्थिति
- 7-साक्षरता
- 8-शिक्षा
- 9-व्यवसाय

ग्रामीण शहरी संरचना

- 68 % से अधिक जनसंख्या गाँवों में रहती है ,2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 638588 गाँव हैं । हिमाचलप्रदेश, बिहार और सिक्किम में ग्रामीण आबादी का प्रतिशत बहुत अधिक है ।
- गोवा, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में ग्रामीण आबादी कम है ।
- दादरा और नगर हवेली को छोड़कर केंद्रशासित प्रदेशों में ग्रामीण आबादी कम है।

गाँवों का आकार एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न-भिन्न होता है।

➤ उत्तर-पूर्व भारत और राजस्थान में यह 200 व्यक्तियों से कम है जबकि केरल में अधिक है

शहरी आबादी संरचना

यह केवल 31.16 % के बराबर है जो कि काफी कम है।

❖ आर्थिक विकास, स्वास्थ्य में सुधार, स्वच्छता स्थितियों के कारण इस में वृद्धि हुई है।

भाषाई संरचना

ग्रियर्सन के अनुसार 179 भाषाएँ 544 बोलियाँ हैं, लगभग 22 अनुसूचित भाषाएँ हैं

हिंदीभाषी 40.42% हैं सबसे छोटी भाषा कश्मीरी 0.01 0/0 है।

भाषा परिवार

ऑस्ट्रिक (निषाद) 1.38% मोन-खेमर- मेघालय निकोबार, पश्चिमबंगाल, झारखंड, ओडिशा, असम, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, द्रविड़ (20%) द्रविड़ - तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, आंध्रप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, तिब्बत-म्यांमार जम्मू और कश्मीर, हिमाचलप्रदेश। सिक्किम अरुणाचलप्रदेश, नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा।

इंडो-यूरोपियन-उत्तरपश्चिमी, मध्य और उत्तरभारत (73%) –

इंडोआर्यन

धार्मिक संरचना

❖ भारत-बांग्लादेश सीमा, जम्मू और कश्मीर, उत्तर-पूर्व राज्यों के जिलों को छोड़कर सभी राज्यों में हिंदू वितरित हैं।

❖ मुसलमान जम्मू-कश्मीर, पश्चिमबंगाल, केरल, उत्तरप्रदेश में केंद्रित हैं।

❖ ईसाई आबादी मुख्यरूप से पश्चिमी तट और पूर्वोत्तर राज्यों, लक्षद्वीप में केंद्रित है।

❖ सिख पंजाब, उत्तरी पश्चिमी हरियाणा, चंडीगढ़ में केंद्रित हैं

❖ जैन और बौद्ध राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात में केंद्रित हैं।

❖ जनजातियाँ उत्तरपूर्व और मध्य भारत में स्थित हैं

हिंदू - 80.5% मुस्लिम - 13.55% ईसाई - 2.3% सिखा .9% बौद्ध - 0.95 जैन - 0.45 अन्य - 0.6% .

कामकाजी आबादी की संरचना

❖ मुख्यश्रमिक : 183 दिन से अधिक कार्य

❖ सीमांत श्रमिक : 183 दिन से कम

❖ 39% श्रमिक 61% गैर-श्रमिक

➤ गोवा में 25% कामकाजी आबादी है।

➤ मिजोरम में 53% व्यावसायिक श्रेणियाँ हैं

1-किसान

2.खेतिहरमजदूर

3.घरेलू औद्योगिक श्रमिक

4.अन्यकर्मचारी

कामकाजी भागीदारी में स्थानिक भिन्नता

1-हिमाचलप्रदेश और नागालैंड में कृषकों का अनुपात अधिक है।

2. आंध्रप्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, पश्चिमबंगाल में कृषि श्रमिकों का अनुपात अधिक है |
3. शहरी केन्द्रों में सेवाओं का उच्च अनुपात |
4. भूमिकी अनुपलब्धता तथा उद्योगों की उपस्थिति श्रमिकों को प्रोत्साहित करती है

एक अंक वाले प्रश्न

Q1- विकास दर से आप क्या समझते हैं?

उत्तर. दो बिंदुओं के बीच जनसंख्या के आकार में शुद्ध परिवर्तन को विकास दर कहते हैं |

Q 2-सर्वाधिक एवं न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि दर वाले राज्य का नाम बताएं ?

उत्तर. उच्चतम विकास दर- बिहार

न्यूनतम विकास दर - नागालैंड (0.5)

संक्षिप्त उत्तर वाले प्रश्न

Q1 .भारत में जनसंख्या का असमान वितरण क्यों है?

उत्तर. (i) जलवायु

(ii) जलआपूर्ति

(iii) मिट्टी की उर्वरता

(iv) कृषि उत्पादकता

(v) परिवहन नेटवर्क का विकास

(vi) औद्योगीकरण और शहरीकरण।

पांच अंक के प्रश्न

Q1 .जनसंख्या वृद्धि से आप क्या समझते हैं? जनसंख्या वृद्धि के घटकों के नाम

लिखिए। 1901-2001की अवधि के दौरान पहचाने गए विकास के चार अलग-अलग चरणों की व्याख्या करें ।

उत्तर. जनसंख्या की वृद्धि दो समय बिंदुओं के बीच किसी विशेष क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या में परिवर्तन है । जनसंख्या वृद्धि के दो घटक हैं- प्राकृतिक और प्रेरित । प्राकृतिक वृद्धि का विश्लेषण अपरिष्कृत जन्म और मृत्यु दर का आकलन करके किया जाता है, प्रेरित घटकों को किसी भी क्षेत्र में लोगों के आवक और जावक आंदोलन की मात्रा से समझाया जाता है।

चरण	अवधि	जनसंख्यावृद्धि	कारण
1	1901-1921	रुका हुआ विकास	खराब,चिकित्सासुविधाएं,अशिक्षा,बुनियादीआवश्यकताओं का अकुशल वितरण
2	1921-1951	स्थिर वृद्धि	स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, परिवहन एवं संचार में सुधार
3	1951-1981	जन्संख्य विस्फोट	देश में विकास गतिविधियाँ शुरू की गईं, अर्थव्यवस्था में सुधार
4	After 1981	विकास में गिरावट का दौर	विवाह की औसत आयु में वृद्धि, जीवन की गुणवत्ता में सुधार, शिक्षा स्तर में सुधार से अपरिष्कृत जन्म दर प्रभावित हुई

1901-2001 की अवधि के दौरान विकास के चार अलग-अलग चरणों की पहचान की गई ।

अभ्यास के लिए अतिरिक्त प्रश्नोत्तर

Q-1 भारत में पहली जनसंख्या जनगणना आयोजित की गई थी?

(ए) 901 (बी) 1 872 (सी) 1857 (डी) 1906।

उत्तर- 1872 .

Q-2 इनमें से किस राज्य/केंद्र शासित प्रदेश का जनसंख्या घनत्व भारत में सबसे कम है?

(ए) असम (बी) हिमाचल प्रदेश (सी) अरुणाचल प्रदेश (डी) जम्मू और कश्मीर।

उत्तर- अरुणाचल प्रदेश।

Q-3 राष्ट्रीय युवा नीति 2014 ने किस आयु वर्ग में "युवा" को परिभाषित किया है -

(ए) 16-24 वर्ष। (बी) 15-29 वर्ष। (सी) 10-19 वर्ष। (डी) 12-14 वर्ष।

उत्तर- 15-29 वर्ष।

Q-4 निम्नलिखित में से किस काल में जनसंख्या में तीव्र वृद्धि देखी गई?

(ए) 1921 से पहले। (बी) 1921-1951। (सी) 1951-1981। (डी) 1981 के बाद।

उत्तर- 1951-1981।

Q-5 भारत में जनसंख्या के असमान वितरण के लिए निम्नलिखित में से कौन सा कारक जिम्मेदार है?

(ए) जलवायु और इलाके। (बी) परिवहन नेटवर्क का विकास। (सी) प्राकृतिक संसाधनों की एकाग्रता।

कोड- (ए) 1 और 2. (बी) 1,2 और 3. (सी) 1 और 3.

उत्तर- 1,2 और 3.

प्रश्न-6 भारत का जनसंख्या घनत्व 117 व्यक्ति/वर्ग किमी से बढ़ गया। 1951 में -----व्यक्ति/वर्ग. किमी. 2011 में।

(ए) 361. (बी) 203. (सी) 382. (डी) 403.

उत्तर- 382.

प्रश्न-7 विश्व की कितनी प्रतिशत जनसंख्या भारत में निवास करती है?

(ए) 10.7%। (बी) 12.7% (सी) 16.7% (डी) 18.7%

उत्तर- (सी) 16.7%

Q-8 भारत में सबसे अधिक लिंगानुपात किस राज्य में है?

(ए) केरल (बी) तमिलनाडु (सी) हिमाचल प्रदेश (डी) पंजाब

उत्तर: (ए) केरल

प्रश्न-9 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में साक्षरता दर क्या है?

(ए) 55% (बी) 60% (सी) 74% (डी) 67%

उत्तर: (सी) 74%

Q-10 भारत में सबसे कम जनसंख्या किस राज्य की है?

(ए) सिक्किम (बी) मिजोरम (सी) गोवा (डी) अरुणाचल प्रदेश

उत्तर: (ए) सिक्किम।

सही या गलत

1: भारत का जनसंख्या घनत्व वैश्विक औसत से अधिक है।

उत्तर:- सत्य.

2: भारत में जनसंख्या वृद्धि दर 1980 के दशक से लगातार बढ़ रही है।

उत्तर- असत्य।

3: उत्तर प्रदेश भारत का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है।

उत्तर- सत्य

4: भारत के दक्षिणी राज्यों में आम तौर पर उत्तरी राज्यों की तुलना में जनसंख्या घनत्व कम है।

उत्तर- असत्य।

Q5: भारत में शहरीकरण के कारण ग्रामीण आबादी में कमी आई है।

उत्तर- सत्य

रिक्त स्थान भरें

प्रश्न- 1: 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की जनसंख्या लगभग _____ बिलियन थी।

उत्तर-1.21.

प्रश्न- 2: भारत में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य _____ है

उत्तर- बिहार

प्रश्न-3: भारत में _____ राज्य का जनसंख्या घनत्व सबसे कम है।

उत्तर-अरुणाचल प्रदेश

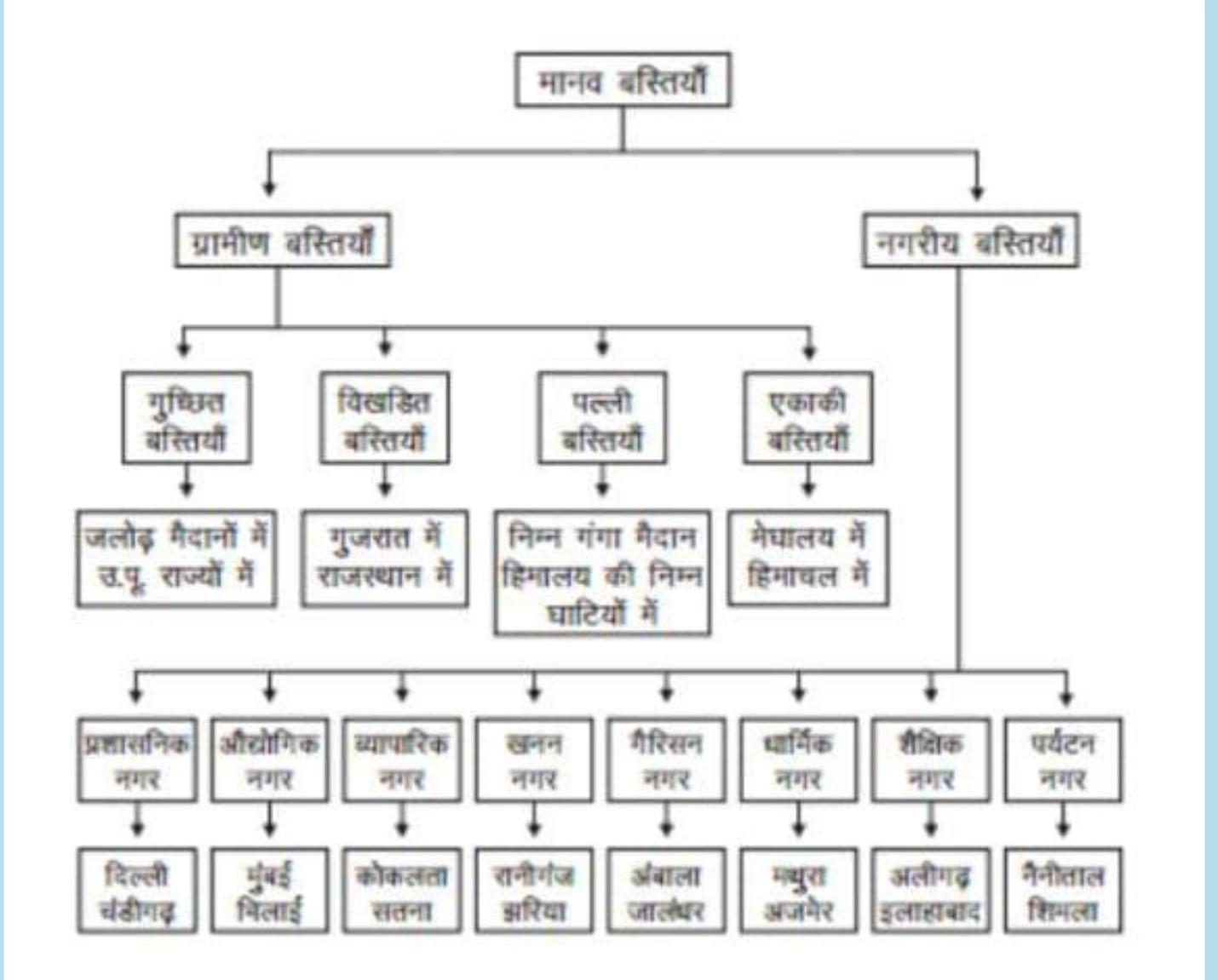
प्रश्न- 4: 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की वार्षिक जनसंख्या वृद्धि दर लगभग _____ प्रतिशत थी।

1.64%

प्रश्न-5: भारत में सर्वाधिक शहरी जनसंख्या प्रतिशत वाला क्षेत्र _____ है।

उत्तर- दिल्ली

पाठ 2 मानव बस्तियाँ



अवधारणा और विशेषताएँ: मानव बस्ती एक ऐसा समूह होता है जिसमें लोगों के निवास के लिए किसी भी प्रकार या आकार के घरों का समूह होता है।

मानव बस्तियों की कुछ महत्वपूर्ण विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

मानव बस्तियों का आकार विभिन्न होता है हेमलेट से महानगरीय शहरों तक और छोटे से बड़े, समूहीत या अंतरालित, और ये अर्थव्यवस्था के गतिविधियों के दृष्टिकोण से भी भिन्न हो सकते हैं।

-विशेष रूप से अंतरालित छोटे बसे हुए गाँव को अर्थव्यवस्था या अन्य प्राथमिक गतिविधियों में विशेषज्ञ गाँव कहा जाता है।

-दूसरी ओर, कुछ कम लेकिन बड़े बस्ती जिन्हें शहरी बस्तियाँ कहा जाता है, सेकेंडरी और तृतीयक गतिविधियों में विशेषज्ञ होते हैं।

ग्रामीण और शहरी बस्तियों के बीच अंतर:

-ग्रामीण बस्तियों में अधिकांश लोग प्राथमिक व्यवसाय में लगे होते हैं, जबकि शहरी बस्तियों में अधिकांश लोग प्राथमिक गतिविधियों के बाहर के गतिविधियों में लगे होते हैं।

-ग्रामीण बस्तियां छोटे आकार की जनसंख्या का समर्थन करते हैं, जबकि शहरी बस्तियों में बड़े आकार की जनसंख्या होती है।

ग्रामीण लोग कम चलने वाले होते हैं और इसलिए उनके बीच सामाजिक संबंध घनिष्ठ होते हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में जीवन की शैली जटिल और गतिशील होती है और सामाजिक संबंध औपचारिक होते हैं।

विभिन्न प्रकार के ग्रामीण बस्ती:

1. **गुच्छित** बस्तिया बस्ती :इन बस्तियों में घर संकुल होते हैं, गहरी गलियाँ होती हैं। ये बस्तियां सामान्यतः उर्वर प्रदेश और नदी घाटियों में विकसित होते हैं।
2. **अर्ध गुच्छित** बस्तिया - : ये बस्ती अन्य विकसित बस्तियों के प्रति अनुकूलता के कारण विकसित होते हैं। ये बस्ती में विभाजन या फिर बड़े बस्तियों के बाहर के लोगों को अलग-अलग जीना पड़ सकता है।
3. **पल्लि बस्तिया** ; ये बस्ती कई इकाइयों में विभाजित होते हैं और वे आपस में एक दुसरे से प्रथक अनेक इकाइयो मे बंते होती होते लेकिन उनमें एक साझा नाम होता है। इन्हें स्थानीय भागों मे पारा, पल्ली, धानी, नगला आदि कहा जाता है।
4. **एकाकी बस्ती** :ये बस्ती उच्चभूमि और अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों में विकसित होते हैं। इसके कारण जनसंख्या का घनत्व कम होता है और घर छितरे और फैले होते हैं।मेघलय,उत्तरांचल,हिमचल प्रदेश और केरल के अनेक भगो मेबस्ति का ये प्रारूप पाया जाता है

शहरी बस्तियां : अर्थ, अवधारणा और विशेषताएँ:

- ये सन्हत और विशाल आकार कि बस्तिया होते हैं जिन्हें शहरी बस्तियां कहा जाता है और ये द्वितीय और तृतीयक गतिविधियों में विशेषज्ञ होते हैं तथा आर्थिक एवम प्रसाशकिय कार्यों मे संलग्न होति है।

नगरों का विकास:

- नगर इतिहासकारों के अनुसार, भारतीय शहरों को उनके विकास के आधार पर तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

- **प्राचीन** नगर: इन नगरों का विकास कम से कम 2000 वर्षों से अधिक के लिए हो चुका है। अधिकांश धार्मिक और सांस्कृतिक नगर प्राचीन काल में विकसित हुए थे। प्रयाग ,पात्लिपुत्र,मदुरै इन नगरों के प्रमुख उदाहरन है

मध्यकालीन नगर: इन नगरों का विकास मध्यकालीन काल में हुआ। अधिकांश मध्यकालीन नगरों का विकास राज्यों और साम्राज्यों के मुख्यालय के रूप में हुआ है। लगभग 100 नगरों क विकास इतिहस के मध्यकाल से जुद्रा है। ऐसे नगरों मे दिल्ली,लखनऊआगरा है

आधुनिक नगर:इसके विकास में ब्रिटिश और अन्य यूरोपीय देशों ने भारत में कई नगर विकसित किए हैं। इन नगरों को मुख्य रूप से प्रशासनिक केंद्र के रूप में विकसित किया गया था और कुछ नगर खासकर व्यापारिक नगरों के रूप में विकसित हुए थे।उदाहरन सूरत,गोवा, दमन , पॉदिचेरि आदि रहे है

भारत में शहरीकरण:

- शहरीकरण का स्तर शहरी आबादी के कुल आबादी के प्रतिशत के रूप में मापा जाता है।

- 2011 में भारत में शहरीकरण का स्तर 31.16 प्रतिशत था, जो विकसित देशों के मुकाबले काफी कम है।

स्मार्ट सिटीज मिशन: उद्देश्य और विशेषताएँ

- स्मार्ट सिटीज मिशन के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

1. तकनीक का उपयोग करके स्थानीय क्षेत्र विकास को संभव बनाना और लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना।
2. इन स्मार्ट समाधानों के अनुप्रयोग से शहरों को प्रौद्योगिकी, सूचना और डेटा का उपयोग करके बुनियादी ढांचा और सेवाओं में सुधार करने की क्षमता प्राप्त होगी।
3. यह समग्र विकास जीवन की गुणवत्ता में सुधार, रोजगार सृजन और समाज के गरीब और असामाजिक वर्गों की आय में वृद्धि करेगा।

नगरों के प्रकार्यात्मक वर्गीकरण:

नगर का कार्य केंद्रीय या नोडल स्थानों के रूप में उनकी भूमिका के अलावा, कई नगर और शहर विशेष क्षेत्रीय सेवाओं में विशेषज्ञ होते हैं।

कुछ नगर और शहर विशिष्ट गतिविधियों, उत्पादों या सेवाओं के लिए प्रसिद्ध होते हैं, हालांकि प्रत्येक नगर कई गतिविधियों करता है।

प्रशासकीय नगर: प्रशासनिक मुख्यालय वाले शहरों को प्रशासन नगर कहते हैं जैसे कि चंडीगढ़ नई दिल्ली, भोपाल, शिलोंग, इम्फाल, जएपुर, चेन्नै, गांधी नगर, श्रीनगर आदि।

परिवहन नगर

ये पत्तन नगर जो मुख्यतः आयात और निर्यात कार्यों में स रहते हैं, जैसे- कांडला, कोच्चि, कोझीकोड, विशाखापन इत्यादि अथवा आंतरिक परिवहन की धुरियाँ जैसे धुं मुगलसराय, इटारसी, कटनी इत्यादि हो सकते हैं।

वाणिज्यिक नगर

व्यापार और वाणिज्य में विशिष्टता प्राप्त शहरों और नगर इस वर्ग में रखा जाता है। कोलकाता, सहारनपुर, सतना इत कुछ उदाहरण हैं।

खनिज नगर

ये नगर खनिज समृद्ध क्षेत्रों में विकसित हुए हैं जैसे रानीम झरिया, डिगबोई, अंकलेश्वर, सिंगरौली इत्यादि।

गैरिसन (छावनी) नगर

इन नगरों का उदय गैरिसन नगरों के रूप में हुआ है, ज अंबाला, जालंधर, महू, बबीना, उधमपुर इत्यादि।

धार्मिक सांस्कृतिक नगर:

- ये नगर आमतौर पर नदी के किनारे, समुद्री बंदरगाहों और पहाड़ी क्षेत्रों में विकसित होते हैं।

- पुरी, द्वारका, पुष्कर, अजमेर, गया, वाराणसी, प्रयाग, मदुरै, तिरुपति इनके उदाहरण हैं।

औद्योगिक नगर

भारत में कुछ नगर उद्योगों के विकास के परिणाम स्वरूप हुआ है जैसे-जैसे उद्योगों का विकास होता गया और नगरों का भी विकास होता गया। मुंबई सलाम कोयंबटूर मोदीनगर जमशेदपुर हुगली भिलाई इत्यादि की विकास का प्रमुख कारक उद्योगों का विकास ही रहा है

पर्यटन नगर:

- नैनीताल, मसूरी, शिमला, पचमढ़ी, जोधपुर, जैसलमेर, ऊदगमांदलम (ऊटी), माउंट आबू इनमें से कुछ पर्यटन स्थल हैं और इन्हें पर्यटन नगर के रूप में माना जाता है।

MCQ

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से कौन अभियान्तिक शहर नहीं है?

- a. वाराणसी
- b. हड़प्पा
- c. पाटलिपुत्र
- d. मदुरई

उत्तर: b

प्रश्न 2. निम्नलिखित को मिलाएं

- 1. खानी शहर A. कोयंबटूर
- 2. औद्योगिक शहर B. अंबाला
- 3. सैन्य शहर C. डिगबोई
- 4. शिक्षण शहर D. वाराणसी

- a. 1A, 2C, 3D, 4B
- b. 1C, 2A, 3B, 4D
- c. 1B, 2C, 3A, 4D
- d. 1C, 2B, 3D, 4A

उत्तर: b

प्रश्न 3. विकर्षित ग्रामीण बसे यह हैं:

- a. करीब बिल्टअप हाउसेस
- b. बोकसली बिल्टअप हाउसेस
- c. छितरे हाउसेस
- d. अनंत बिल्टअप हाउसेस

उत्तर: a

प्रश्न 4. जिन शहरों की आबादी 5 मिलियन से अधिक है, उन्हें क्या कहा जाता है?

- a. महानगरीय शहर
- b. मेगा शहर
- c. कक्षा I शहर
- d. मिलियन शहर

उत्तर: b

प्रश्न 5. सैन्य बेस वाले शहर को क्या कहा जाता है?

- a. डिफेंस टाउन
- b. मिलिट्री टाउन
- c. गैरिसन टाउन
- d. फोर्ट टाउन

उत्तर: c

प्रश्न 6. गाजियाबाद, रोहतक, गुरुग्राम के उदाहरण हैं

- a. पोर्ट टाउन
- b. गैरिसन टाउन
- c. सैटेलाइट टाउन
- d. ट्रांसपोर्ट टाउन

उत्तर: c

प्रश्न 7. नैनीताल, मसूरी, शिमला क्या हैं

- a. ट्रांसपोर्ट टाउन
- b. रिक्रेशनल टाउन
- c. टूरिस्ट टाउन
- d. हॉलिडे टाउन उत्तर: c

प्रश्न 8. निम्नलिखित में से कौन सा एक मध्यकालीन शहर नहीं है?

- a. दिल्ली
- b. हैदराबाद
- c. जयपुर
- d. मदुरई उत्तर: d

प्रश्न 9. नागालैंड एक ऐसा राज्य है जिसमें न्यूक्लियेटेड बसे हैं। इसके पीछे का कारण पहचाने

- a. जनजातीय परंपरा
- b. सुरक्षा कारण
- c. पानी की कमी
- d. जाति उत्तर: b

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किस एक वातावरण में विकर्षित ग्रामीण बसों की उपस्थिति की उम्मीद नहीं है?

- a. गंगा के सभीवाल मैदान
- b. भारत के वन क्षेत्र
- c. राजस्थान के मरुस्थल क्षेत्र
- d. पूर्वोत्तर के पहाड़ी क्षेत्र

उत्तर: a

प्रश्न 11. निम्नलिखित कथनों को विचार करें और सही उत्तर चुनें:

- I. ग्रामीण और शहरी बस्तियां सामाजिक संबंधों, दृष्टिकोण और दृष्टिकोण में भिन्न होते हैं।
- II. ग्रामीण लोग कम चलते हैं और उनके बीच सामाजिक संबंध घनिष्ठ होते हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में जीवन की शैली जटिल होती है और सामाजिक संबंध औपचारिक होते हैं।

उत्तर: d

प्रश्न 12. कथन (A): भारत में कई नगर हैं जिनका ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 2000 वर्षों से अधिक का है

कारण (आर): ये नगर ब्रिटिश और यूरोपीय देशों द्वारा विकसित किए गए हैं।

- a. केवल कथन सही है।
- b. केवल कारण सही है।

- c. दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण कथन का सही व्याख्यान करता है।
- d. दोनों कथन और कारण सही हैं लेकिन कारण कथन क सही व्याख्यान नहीं है।

उत्तर: a

प्रश्न 13. निम्नलिखित कथनों को विचार करें और सही उत्तर चुनें:

- I. विक्षिप्त ग्रामीण बसों को भिन्न-भिन्न इकाइयों में भागा गया है जो एक नाम धारण करते हैं।
 - II. विभिन्न देशों के विभागों में ये इकाइयां स्थानीय रूप से पन्ना, परा, पल्ली, नगला, धानी आदि के नाम से जानी जाती हैं।
- a. केवल कथन सही है।
 - b. केवल कारण सही है।
 - c. दोनों कथन और कारण सही हैं और कारण कथन का सही व्याख्यान करता है।
 - d. दोनों कथन और कारण सही हैं लेकिन कारण कथन क सही व्याख्यान नहीं है।

उत्तर;द

पाठ 3 भूमि संसाधन एवं कृषि

भारत में भूमि उपयोग में परिवर्तन - तीन प्रकार के परिवर्तन:

1. अर्थव्यवस्था का आकार: (अर्थव्यवस्था में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य के संदर्भ में मापा जाता है) समय के साथ बढ़ता है; आय स्तर में परिवर्तन, सीमांत भूमि उपयोगी हो जाएगी।
2. अर्थव्यवस्था की संरचना: द्वितीयक और तृतीयक प्राथमिक गतिविधियों विशेष रूप से कृषि की तुलना में बहुत तेजी से बढ़े।
3. समय के साथ कृषि गतिविधियों का योगदान कम होता जाता है। कृषि का हिस्सा कम हुआ है। कृषि से भोजन प्राप्त करने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है।

तीन श्रेणियों में वृद्धि

1. वन
2. गैर-कृषि उपयोग के तहत क्षेत्र
3. वर्तमान परती भूमि
4. शुद्ध बोया गया क्षेत्र

चार क्षेत्रों में कमी आई

1. बंजर और बंजर भूमि
2. खेती योग्य बंजर भूमि
3. चारागाह और वृक्ष फसलों के तहत क्षेत्र
4. परती भूमि।

साझा संपत्ति संसाधन

1. सीपीआर का उपयोग राज्य के स्वामित्व वाले एक सामान्य उद्देश्य/सोसायटी द्वारा किया जाता है
2. पशुओं के लिए चारा और घरों के लिए ईंधन उपलब्ध कराना
3. फलों, मेवों, फाइबर और औषधीय पौधों जैसे छोटे वन उत्पादों का उत्पादन करना
4. प्रत्येक सदस्य को उपयोग करने का अधिकार है

भारत में कृषि भूमि उपयोग

1. कृषि उपयोग में भूमि का योगदान अधिक महत्वपूर्ण है
2. भूमि तक पहुँच की कमी से गरीबी बढ़ती है
3. उत्पादकता भूमि की गुणवत्ता पर निर्भर करती है
4. ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि स्वामित्व का सामाजिक महत्व है:
 - चूँकि कोई अतिरिक्त भूमि उपलब्ध नहीं है, इसलिए केवल उच्च उपज देने वाली किस्में ही उत्पादकता बढ़ा सकती हैं

- सिंचाई प्रदान करके भूमि की संख्या बढ़ाई जा सकती है फसल की तीव्रता बढ़ाई जा सकती है

खेती के प्रकार

सुरक्षात्मक सिंचाई वर्षा के अलावा पानी के पूरक स्रोत के रूप में कार्य करती है। इस तरह की सिंचाई की रणनीति अधिकतम संभव क्षेत्र में मिट्टी की नमी प्रदान करना है।

- उत्पादक सिंचाई का मतलब उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए फसल के मौसम में पर्याप्त मिट्टी की नमी प्रदान करना है।
- शुष्क भूमि खेती बड़े पैमाने पर उन क्षेत्रों तक ही सीमित है जहाँ वार्षिक वर्षा 75 सेमी से कम होती है।
- आर्द्रभूमि खेती में, वर्षा ऋतु के दौरान पौधों की मिट्टी की नमी की आवश्यकता से अधिक वर्षा होती है। ऐसे क्षेत्रों में बाढ़ और मिट्टी के कटाव का खतरा हो सकता है।

खाद्यान्न – अनाज:

चावल

- उष्णकटिबंधीय आर्द्र क्षेत्रों की फसल, समुद्र तल से 2000 मीटर की ऊँचाई पर उगाई जाती है, 3000 किस्में उगाई जाती हैं
- पश्चिम बंगाल में तीन मौसमों में उगाया जाता है - ऑस्ट्रेलिया, अमन और बोरो
- देश के हिमालय और उत्तर-पश्चिमी भागों में, इसे दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम में खरीफ की फसल के रूप में उगाया जाता है।
- भारत में चावल उत्पादन का 22%, चीन के बाद दूसरे स्थान पर, ¼ क्षेत्र चावल की खेती के अंतर्गत है, अग्रणी राज्य-पश्चिम बंगाल, पीयूएन यूपी
- पंजाब, तमिलनाडु, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और केरल में उपज का स्तर उच्च है।

गेहूँ:

- दूसरी सबसे महत्वपूर्ण फसल, उत्पादन का 12% भारत से है, यह मुख्य रूप से समशीतोष्ण क्षेत्रों की फसल है।
- आम तौर पर, सर्दियों में उगाया जाता है। यानी रबी का मौसम।
- देश के उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में केंद्रित है यानी सिंधु-गंगा के मैदान, मालवा पठार और हिमालय 2,700 मीटर की ऊँचाई तक।
- उत्तर और मध्य भारत में उगाया जाता है - सिंचाई आवश्यक है, हिमालयी क्षेत्र में वर्षा आधारित फसलें।
- 14% क्षेत्र में गेहूँ की खेती होती है।
- प्रमुख उत्पादक - यूपी, पुणे, हरियाणा, राजस्थान और एमपी

ज्वार:

- 5.3% फसल क्षेत्र इस फसल के अंतर्गत आता है,
- मध्य और दक्षिणी भारत के अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में मुख्य खाद्य फसल।

- अकेले महाराष्ट्र उत्पादन का आधा हिस्सा पैदा करता है,
- अन्य राज्य हैं केके, एमपी, एपी और तेलंगाना

बाजरा:

- देश के उत्तर-पश्चिमी और पश्चिमी भागों में गर्म और शुष्क जलवायु परिस्थितियाँ।
- सूखा प्रतिरोधी फसलों के रूप में उगाया जाता है,
- इसे अकेले या मिश्रित फसलों के रूप में उगाया जाता है,
- कुल फसली क्षेत्र का 5.2%।
- प्रमुख उत्पादक - महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा

मक्का:

- किसी भी प्रकार की भूमि पर उगाया जा सकता है।
- यह एक खाद्य और चारा फसल है,
- कुल फसल क्षेत्र का 3.6%, पूरे भारत में उगाया जाता है,
- प्रमुख उत्पादक - मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, राजस्थान और उत्तर प्रदेश

दालें:

- प्रोटीन का समृद्ध स्रोत
- प्राकृतिक उर्वरता बढ़ाती हैं।
- फसल चक्र में उपयोग की जाती हैं,
- भारत दालों का अग्रणी उत्पादक है।
- शुष्क भूमि में केंद्रित,
- कुल फसल क्षेत्र का 11%।
- चना, अरहर प्रमुख फसलें हैं

चना

- उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगाया जाता है,
- रबी सीजन- वर्षा आधारित फसल - देश के मध्य, पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी भागों में।
- कुल फसली क्षेत्र का 2.8%,
- प्रमुख उत्पादक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और राजस्थान हैं

तुअर (अरहर)

- दूसरी महत्वपूर्ण दलहनी फसल,
- इसे लाल चना या कबूतर मटर भी कहा जाता है,
- वर्षा आधारित फसलें,

- कुल फसल क्षेत्र का 2%,
- अकेले महाराष्ट्र तुअर के कुल उत्पादन का लगभग एक तिहाई योगदान देता है।
- अन्य प्रमुख उत्पादक उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, गुजरात और मध्य प्रदेश हैं

तिलहन

- खाद्य तेल निकालना।
- मालवा पठार, मराठवाड़ा, गुजरात, राजस्थान, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश के रायलसीमा क्षेत्र और कर्नाटक पठार की शुष्क भूमि भारत का एक बढ़ता हुआ क्षेत्र है।
- देश के कुल फसली क्षेत्र का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा घेरता है।

मूंगफली

- दुनिया के कुल उत्पादन का 18.8% भारत में होता है
- वर्षा आधारित,
- खरीफ मौसम में उत्पादित,
- कुल फसली क्षेत्र का 3.6%,
- प्रमुख उत्पादक गुजरात, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र हैं

सरसों (रेप सीड्स)

- इसमें राई, सरसों, तोरिया और तारामीरा शामिल हैं
- ये उपोष्णकटिबंधीय फसलें हैं, जो रबी मौसम में उगाई जाती हैं, ये पाले के प्रति संवेदनशील हैं, ये सिंचित फसलें हैं,
- 2.5% फसल क्षेत्र इस फसल के अंतर्गत आता है।
- प्रमुख उत्पादक राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश हैं

अन्य तिलहन

- सोयाबीन मुख्यतः मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में उगाया जाता है
- सूरजमुखी की खेती कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र के आस-पास के क्षेत्रों में केंद्रित है

रेशदार फसलें

कपास:

- खरीफ मौसम में उगाया जाता है, अर्ध-शुष्क क्षेत्र, छोटी और लंबी फसलें उगाई जाती हैं, काली मिट्टी उपयुक्त होती है,
- भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है। चीन, अमेरिका और पाकिस्तान के बाद।
- विश्व उत्पादन का 8.3%; कुल फसल क्षेत्र का 4.7%।
- तीन कपास उगाने वाले क्षेत्र, यानी उत्तर-पश्चिम में पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान के कुछ हिस्से, पश्चिम में गुजरात और महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु के पठार

- इस फसल के प्रमुख उत्पादक महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, पंजाब और हरियाणा हैं

जूट:

- इसका उपयोग पैकिंग सामग्री और नकदी फसलों के लिए किया जाता है - पश्चिम बंगाल और देश के आस-पास के पूर्वी भागों में।
- भारत दुनिया के उत्पादन का 3/5 उत्पादन करता है, कुल फसल क्षेत्र का 0.5% इस फसल के अंतर्गत आता है
- पश्चिम बंगाल देश में उत्पादन का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा पैदा करता है। बिहार और असम अन्य जूट उत्पादक क्षेत्र हैं।

अन्य फसलें

गन्ना

- यह एक उष्णकटिबंधीय फसल है, जो उप-आर्द्र क्षेत्रों में उगाई जाती है, एक सिंचित फसल है,
- भारत इसका दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, दुनिया के उत्पादन का 23% भारत से आता है।
- प्रमुख उत्पादक उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश हैं

चाय

- बागानों में उगाई जाने वाली फसल, चाय की पत्तियों में कैफीन और टैनिन की मात्रा अधिक होती है।
- पहाड़ी क्षेत्रों में उगाई जाने वाली, भारी वर्षा की आवश्यकता होती है, इसकी शुरुआत 1840 में अंग्रेजों ने असम में की थी।
- दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, नीलगिरी और पश्चिमी घाट में उगाई जाने वाली,
- विश्व उत्पादन का 28% भारत से आता है; भारत श्रीलंका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है।
- कुल फसल क्षेत्र का 53.2% इस फसल के अंतर्गत आता है।
- प्रमुख उत्पादक पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु हैं

काँफ़ी

- तीन किस्में अरेबिका, रोबस्टा, लिबेरिका,
- विश्व उत्पादन का 4.3% भारत से आता है।
- ब्राज़ील, वियतनाम, कोलंबिया, इंडोनेशिया, मैक्सिको के बाद छठा स्थान।
- प्रमुख उत्पादक कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल हैं

विकास की रणनीति

भारत सरकार ने उत्पादन बढ़ाने के लिए कदम उठाए

1. नकदी फसलों से खाद्यान्न की ओर रुख करना
2. फसल सघनता बढ़ाना
3. खेती के क्षेत्र में वृद्धि
4. सिंचाई में सुधार

5. गहन कृषि जिला कार्यक्रम और गहन कृषि क्षेत्र कार्यक्रम शुरू किए गए
6. HYV बीज, उर्वरक, सिंचाई, कीटनाशकों का उपयोग
7. हरित क्रांति की शुरुआत
8. बड़े कृषि इनपुट

कृषि उत्पादन और प्रौद्योगिकी का विकास

1. उत्पादन और उपज में वृद्धि (गेहूं, चावल, तिलहन, गन्ना, चाय दालें, मवेशी, दूध और मूंगफली)
2. सिंचित क्षेत्र का विस्तार।
3. HYV बीजों का उपयोग
4. आधुनिक कृषि तकनीक का उपयोग
5. रासायनिक उर्वरकों की खपत में वृद्धि

हरित क्रांति

हरित क्रांति की उपलब्धियाँ:

1. कृषि उत्पादन और उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
2. देश खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बन गया है।
3. किसानों की आय में वृद्धि हुई है और उनके जीवन स्तर में भी सुधार हुआ है।
4. गेहूँ का उत्पादन छह गुना या 562% बढ़ा
5. चावल के उत्पादन में तीन गुना वृद्धि हुई।
6. गन्ना, कपास आदि जैसे उद्योगों को कच्चे माल की आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।
7. खाद्य सुरक्षा ने राष्ट्र को राष्ट्रों की वस्तु के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए अन्य नीतियों को आगे बढ़ाने में मदद की।
8. आय के स्तर में वृद्धि ने गाँवों को लोगों के जीवन के अन्य क्षेत्रों में अधिक सक्रिय बना दिया।
9. कृषि उत्पादों में बहुत विविधता आई और परिणामस्वरूप कीमत में बहुत अधिक वृद्धि नहीं हुई।
10. किसानों की सोच प्रक्रिया में परिवर्तन आया।

भारतीय कृषि की समस्याएँ

1. अनियमित मानसून पर निर्भरता
2. कम उत्पादकता
3. वित्तीय संसाधनों की कमी और ऋणग्रस्तता
4. भूमि सुधारों का अभाव
5. भूमि जोत का विखंडन
6. व्यावसायीकरण का अभाव
7. बड़े पैमाने पर बेरोजगारी

8. कृषि योग्य भूमि का क्षरण।

अभ्यास

सही विकल्प चुनें:

प्रश्न 1. इनमें से कौन बंजर और बंजर भूमि को सही ढंग से परिभाषित करता है?

- a) वह भूमि जो 5 वर्षों से अधिक समय तक बिना खेती के छोड़ी जाती है
- b) वह भूमि जिसे वर्तमान तकनीक के उपयोग से खेती के अंतर्गत नहीं लाया जा सकता
- c) उस भूमि की भौतिक सीमा जिस पर फसलें बोई जाती हैं
- d) बागों और फलों के पेड़ों के नीचे की भूमि

प्रश्न 2. किस प्रकार के भूमि उपयोग का स्वामित्व ग्राम पंचायत या सरकार के पास है?

- a) गैर-कृषि उपयोगों के लिए रखी गई भूमि
- b) वन
- c) स्थायी चरागाह और चरागाह भूमि के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र
- d) खेती योग्य बंजर भूमि

प्रश्न 3. कोई भी भूमि जो 5 वर्षों से अधिक समय तक बंजर छोड़ी जाती है, उसे भूमि उपयोग की किस श्रेणी में शामिल किया जाता है?

- a) वर्तमान परती
- b) खेती योग्य बंजर भूमि
- c) शुद्ध बोया गया क्षेत्र
- d) वर्तमान परती के अलावा परती

प्रश्न 4. भारतीय कृषि इनमें से किन समस्याओं का सामना कर रही है

- a) कम उत्पादकता
- b) मानसून पर अत्यधिक निर्भरता
- c) बहुत छोटी जोत
- d) उपरोक्त सभी

प्रश्न 5. भूमि की वह भौतिक सीमा जिस पर फसलें बोई और काटी जाती हैं, उसे क्या कहते हैं?

- a) वर्तमान परती
- b) खेती योग्य बंजर भूमि
- c) शुद्ध बोया गया क्षेत्र
- d) वर्तमान परती के अलावा परती

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्न का उत्तर दें:

चावल भारत की अधिकांश आबादी का मुख्य भोजन है। हालांकि यह उष्णकटिबंधीय आर्द्र क्षेत्रों में एक फसल है, लेकिन इसकी लगभग 3,000 किस्में हैं जो विभिन्न कृषि-जलवायु क्षेत्रों में उगाई जाती हैं। इन्हें समुद्र तल से लगभग 2,000 मीटर की ऊँचाई तक और पूर्वी भारत के आर्द्र क्षेत्रों से लेकर पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तरी राजस्थान के शुष्क लेकिन सिंचित क्षेत्रों में सफलतापूर्वक उगाया जाता है। दक्षिणी राज्यों और पश्चिम बंगाल में। जलवायु

परिस्थितियाँ एक कृषि वर्ष में चावल की दो या तीन फसलों की खेती की अनुमति देती हैं। पश्चिम बंगाल में किसान चावल की तीन फसलें उगाते हैं जिन्हें 'औस', 'अमन' और 'बोरो' कहा जाता है। लेकिन देश के हिमालय और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में इसे दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम में खरीफ की फसल के रूप में उगाया जाता है। भारत दुनिया में चावल के उत्पादन में 21.6 प्रतिशत का योगदान देता है 2009-10 में पश्चिम बंगाल, पंजाब और उत्तर प्रदेश देश में चावल उत्पादन में अग्रणी राज्य थे। पंजाब, तमिलनाडु, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और केरल में चावल की पैदावार का स्तर उच्च है। इनमें से पहले चार राज्यों में चावल की खेती के अंतर्गत आने वाली लगभग पूरी भूमि सिंचित है। पंजाब और हरियाणा पारंपरिक चावल उगाने वाले क्षेत्र नहीं हैं। पंजाब और हरियाणा के सिंचित क्षेत्रों में चावल की खेती हरित क्रांति के बाद 1970 के दशक में शुरू की गई थी। बीज की आनुवंशिक रूप से उन्नत किस्में, उर्वरकों और कीटनाशकों का अपेक्षाकृत अधिक उपयोग और शुष्क जलवायु परिस्थितियों के कारण फसल की कम संवेदनशीलता इस क्षेत्र में चावल की अधिक उपज के लिए जिम्मेदार हैं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के वर्षा आधारित क्षेत्रों में इन फसलों की उपज बहुत कम है।

i) दुनिया में चावल उत्पादन के मामले में भारत का स्थान क्या है?

- दूसरा
- तीसरा
- पहला
- चौथा

ii) हिमालयी क्षेत्र और देश के उत्तर-पश्चिमी भागों में चावल निम्नलिखित में से किस राज्य में उगाया जाता है?

- ग्रीष्म ऋतु
- सर्दियाँ
- मानसून
- वसंत ऋतु

iii) चावल की पैदावार निम्नलिखित में से किस राज्य में अधिक होती है?

- छत्तीसगढ़
- ओडिशा
- पंजाब
- मध्य प्रदेश

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें

भारतीय कृषि के सामने आने वाली समस्याओं की प्रकृति इसके विभिन्न क्षेत्रों के कृषि-पारिस्थितिक और ऐतिहासिक अनुभवों के अनुसार बदलती रहती है। इसलिए, देश में अधिकांश कृषि समस्याएँ क्षेत्र-विशिष्ट हैं। फिर भी, कुछ सामान्य समस्याएँ भौतिक बाधाओं से लेकर संस्थागत बाधाओं तक होती हैं। भारत में सिंचाई केवल लगभग 33 प्रतिशत खेती वाले क्षेत्र को कवर करती है। शेष खेती की गई भूमि में फसल उत्पादन सीधे वर्षा पर निर्भर करता है। दक्षिण-पश्चिम मानसून का खराब प्रदर्शन भी सिंचाई के लिए नहर के पानी की आपूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। दूसरी ओर, राजस्थान और अन्य सूखाग्रस्त क्षेत्रों में वर्षा बहुत कम और अत्यधिक अविश्वसनीय है। यहाँ तक कि उच्च वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्रों में भी काफी उतार-चढ़ाव का अनुभव होता है। यह उन्हें सूखे और बाढ़ दोनों के प्रति संवेदनशील बनाता है। कम वर्षा वाले क्षेत्रों में सूखा एक सामान्य घटना है, जिसमें कभी-कभार बाढ़ भी आ सकती है देश में फसलों की

पैदावार अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तुलना में कम है। भारत में चावल, गेहूँ, कपास और तिलहन जैसी अधिकांश फसलों का प्रति हेक्टेयर उत्पादन अमेरिका, रूस और जापान की तुलना में बहुत कम है। भूमि संसाधनों पर बहुत अधिक दबाव के कारण, भारतीय कृषि में श्रम उत्पादकता भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तुलना में बहुत कम है। देश के विशाल वर्षा आधारित क्षेत्र, विशेष रूप से शुष्क भूमि जहाँ ज्यादातर मोटे अनाज, दालें और तिलहन उगाए जाते हैं, वहाँ बहुत कम पैदावार होती है। आधुनिक कृषि के इनपुट बहुत महंगे हैं। यह संसाधन-गहन दृष्टिकोण सीमांत और छोटे किसानों के लिए असहनीय हो गया है क्योंकि उनके पास कृषि में निवेश करने के लिए बहुत कम या कोई बचत नहीं है। इन कठिनाइयों से निपटने के लिए, अधिकांश ऐसे किसानों ने विभिन्न संस्थानों और साहूकारों से ऋण लेने का सहारा लिया है। फसल की विफलता और कृषि से कम लाभ ने उन्हें ऋणग्रस्तता के जाल में फंसने के लिए मजबूर किया है। स्वतंत्रता के बाद, भूमि सुधारों को प्राथमिकता दी गई, लेकिन मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण इन सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया। अधिकांश राज्य सरकारों ने राजनीतिक रूप से कठोर निर्णय लेने से परहेज किया, जो जमींदारों की मजबूत राजनीतिक लॉबी के खिलाफ जाते थे। भूमि सुधारों के कार्यान्वयन की कमी के परिणामस्वरूप खेती योग्य भूमि का असमान वितरण जारी रहा है जो कृषि विकास के लिए हानिकारक है।

i) निम्नलिखित में से भारतीय कृषि की दो प्रमुख समस्याएँ कौन सी हैं?

- बाढ़ और सूखा
- ऋण और गरीबी
- कम उपज और बीजों की कमी
- फसल की विफलता और कम लाभ

ii) निम्नलिखित में से कौन सी फसलें वर्षा आधारित क्षेत्रों में उगाई जाती हैं?

- तिलहन
- अनाज की फसलें
- दालें
- उपरोक्त सभी

iii) निम्नलिखित में से किस कारण से भूमि सुधारों को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया?

- लोगों का प्रतिरोध
- राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी
- इनपुट खरीदने के लिए पैसे की कमी
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

iv) भारत का निम्नलिखित में से कौन सा क्षेत्र बाढ़ और सूखे दोनों के प्रति संवेदनशील है?

- ओडिशा
- राजस्थान
- मध्य प्रदेश
- केरल

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

प्रश्न 1. शुष्क भूमि और आर्द्रभूमि खेती में क्या अंतर है?

उत्तर: शुष्क भूमि पर खेती:

1. 75 सेमी से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में शुष्क भूमि पर खेती
2. सूखा प्रतिरोधी फसलें उगाई जाती हैं
3. बाजरा, मक्का चारा फसलें
4. वर्षा जल संचयन का अभ्यास

आर्द्रभूमि खेती:

1. उच्च वर्षा वाले क्षेत्रों में पाई जाती है
2. चावल, गन्ना, जूट जैसी पानी की अधिक खपत वाली फसलें उगाई जाती हैं

प्रश्न 2. भारत में चावल की वृद्धि, उत्पादन और खेती के प्रमुख क्षेत्र की स्थिति का वर्णन करें?

उत्तर: चावल उष्णकटिबंधीय कारणों की फसल है तापमान:

- 20 से 27 डिग्री सेंटीग्रेड।
- वर्षा: 75 से 200 सेमी
- मिट्टी: जलोढ़ सस्ता और कुशल श्रम: बड़ी संख्या में श्रमिकों की आवश्यकता होती है
- उत्पादन क्षेत्र: मध्य मैदान, तटीय मैदान, हिमालय की तलहटी, पंजाब, हरियाणा

प्रश्न 3. भारत में हरित क्रांति की तीन मुख्य उपलब्धियों का वर्णन करें।

उत्तर: ● इससे खाद्यान्न के उत्पादन और उत्पादकता में पर्याप्त वृद्धि हुई है

- खाद्यान्न का आयात कम हुआ। 1983 में 10.3 मिलियन टन से 2.4 मिलियन टन तक।
- 2000-01 में खाद्यान्न का कोई आयात नहीं हुआ।
- फसल क्षेत्र, HYV का उपयोग और प्रति हेक्टेयर उपज में सिंचाई और उर्वरकों के उपयोग में वृद्धि हुई है।

प्रश्न 4. कृषि योग्य बंजर भूमि, वर्तमान परती भूमि और वर्तमान परती भूमि के अलावा परती भूमि से आपका क्या अभिप्राय है?

उत्तर: • कृषि योग्य बंजर भूमि - यह वह भूमि है जो पांच वर्ष से अधिक समय तक परती रहती है। इसे सुधार कर खेती के अंतर्गत लाया जा सकता है।

- वर्तमान परती भूमि यह वह भूमि है जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं के माध्यम से अपनी खोई हुई उर्वरता को पुनः प्राप्त करने के लिए एक या एक से कम कृषि वर्ष तक खेती के बिना छोड़ी जाती है।
- वर्तमान परती भूमि के अलावा परती भूमि - यह एक कृषि योग्य भूमि है जो एक वर्ष से अधिक लेकिन पांच वर्ष से कम समय तक खेती के बिना छोड़ी जाती है। यदि भूमि को पांच वर्ष से अधिक समय तक खेती के बिना छोड़ दिया जाता है, तो इसे कृषि योग्य बंजर भूमि के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।

प्रश्न 5. वन क्षेत्र, गैर-कृषि उपयोग क्षेत्र और वर्तमान परती भूमि में वृद्धि के बारे में प्रवृत्ति का वर्णन करें?

उत्तर: भूमि उपयोग में वृद्धि की प्रवृत्ति के बारे में निम्नलिखित अवलोकन किए जा सकते हैं:

- गैर-कृषि उपयोग वाले क्षेत्रों में वृद्धि की दर सबसे अधिक है। ऐसा भारतीय अर्थव्यवस्था की बदलती संरचना के कारण है। भारतीय अर्थव्यवस्था औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों के योगदान और संबंधित बुनियादी ढाँचे की सुविधाओं के विस्तार पर तेजी से निर्भर हो रही है। साथ ही, शहरी और ग्रामीण दोनों बस्तियों के अंतर्गत क्षेत्र के विस्तार ने वृद्धि में योगदान दिया है। इस प्रकार, बंजर भूमि और कृषि भूमि की कीमत पर गैर-कृषि उपयोगों के अंतर्गत क्षेत्र बढ़ रहा है।
- वन के अंतर्गत सीमांकित क्षेत्र में वृद्धि के कारण वन के अंतर्गत हिस्से में वृद्धि हुई है।
- वर्षा और फसल चक्र की परिवर्तनशीलता के आधार पर, वर्तमान परती भूमि की प्रवृत्ति वर्षों में बदलती रहती है।

प्रश्न 6. बंजर और बंजर भूमि, कृषि योग्य बंजर भूमि, चारागाह और वृक्ष फसलों के अंतर्गत आने वाली भूमि और परती भूमि में गिरावट के तीन कारण बताइए।

उत्तर: • 1950-51 से 2014-15 की भूमि उपयोग श्रेणियों के अनुसार बंजर और बंजर भूमि, खेती योग्य बंजर भूमि, चारागाह और वृक्ष फसलों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र और परती भूमि में गिरावट के लिए निम्नलिखित कारण जिम्मेदार हैं:

- कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों से भूमि पर दबाव बढ़ने के कारण, बंजर भूमि और खेती योग्य बंजर भूमि में समय के साथ गिरावट देखी गई है।
- आम चारागाह भूमि पर खेती के विस्तार के कारण अवैध अतिक्रमण इस गिरावट के लिए काफी हद तक जिम्मेदार है।
- कृषि भूमि के दबाव के कारण चारागाह और चारागाह भूमि में कमी

प्रश्न 7. भारत में भूमि संसाधनों के महत्व पर चर्चा करें।

उत्तर: ● भूमि संसाधन कृषि पर निर्भर लोगों की आजीविका के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि

- कृषि पूरी तरह से भूमि आधारित गतिविधि है। इसकी अनुपलब्धता गरीबी का कारण बन सकती है।
- कृषि में भूमि की गुणवत्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है। भूमि जितनी अधिक उपजाऊ होगी, उतना ही अधिक उत्पादन देगी।
- ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि संसाधनों के स्वामित्व को एक सामाजिक स्थिति के रूप में माना जाता है। इसे ऋण, प्राकृतिक आपदाओं या जीवन की आकस्मिकताओं के लिए सुरक्षा के रूप में भी देखा जाता है।
- चूंकि ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में आबादी कृषि में लगी हुई है, इसलिए ग्रामीण गरीबों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

प्रश्न 8. भारत में कृषि के लिए सिंचाई के महत्व की व्याख्या करें।

उत्तर: भारत में सिंचाई निम्नलिखित कारणों से आवश्यक है:

- (i) मानसून वर्षा पर निर्भरता कम करना - स्वतंत्रता के दशकों बाद भी भारत कृषि उत्पादन के लिए मानसून वर्षा पर निर्भर है। केवल 33% कृषि भूमि सिंचित है और बाकी मिट्टी की नमी के लिए वर्षा पर निर्भर है। मानसून वर्षा पर निर्भरता कम करने के लिए सिंचाई आवश्यक है।

(ii) उत्पादन बढ़ाने के लिए- वर्षा आधारित क्षेत्रों में कृषि उत्पादन और उपज कम है। भारत में कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए सिंचाई आवश्यक है।

(iii) नई खेती के तरीकों को अपनाना- HYV बीजों के उपयोग जैसी नई खेती के तरीकों को अपनाने के लिए सिंचाई महत्वपूर्ण है, जिन्हें अधिक सिंचाई की आवश्यकता होती है। ये नई विधियाँ पुरानी कृषि पद्धतियों का स्थान ले लेती हैं।

प्रश्न 9. भारत के तीन अलग-अलग फसल मौसमों में से प्रत्येक की कोई दो विशेषताएँ बताएँ।

उत्तर: भारत के तीन अलग-अलग फसल मौसम हैं:

(i) खरीफ

• खरीफ फसलों की विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

• खरीफ मौसम दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून-सितंबर) की शुरुआत के साथ शुरू होता है।

• इस मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें चावल, जूट, कपास, ज्वार, बाजरा, अरहर और उष्णकटिबंधीय हैं।

(ii) रबी

• रबी मौसम की विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

• भारत में रबी मौसम अक्टूबर-नवंबर में सर्दियों की शुरुआत के साथ शुरू होता है और मार्च-अप्रैल में समाप्त होता है।

• इस मौसम में उगाई जाने वाली फसलें गेहूँ, चना, सरसों और अन्य समशीतोष्ण उप-उष्णकटिबंधीय फसलें हैं क्योंकि यहाँ तापमान कम होता है।

(iii) जायद

• जायद मौसम की विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

• जायद भारत में रबी और खरीफ के बीच का एक छोटा मौसम है (अप्रैल-जून)।

• इस मौसम में उगाई जाने वाली फसलें

• तरबूज, खीरे, सब्जियाँ और चारा फसलें हैं। फसलें मुख्य रूप से सिंचित भूमि पर उगाई जाती हैं।

प्रश्न 10. भारत में शुष्क भूमि खेती की कोई तीन विशेषताएँ बताएँ।

उत्तर: भारत में शुष्क भूमि खेती की तीन विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

(i) यह वर्षा आधारित खेती का एक प्रकार है। इस प्रकार की खेती के लिए सिंचाई का मुख्य स्रोत वर्षा है जो फसलों को उगाने के लिए मिट्टी को नमी प्रदान करती है।

(ii) शुष्क भूमि पर खेती 7 डिग्री सेल्सियस से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में मैनुअल रूप से की जाती है - उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु।

(iii) इन क्षेत्रों में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें रागी, बाजरा, मूंग, चना, ग्वार और अन्य सूखा प्रतिरोधी फसलें हैं।

प्रश्न 11. भारत में आर्द्रभूमि खेती की कोई तीन विशेषताएँ बताएँ।

उत्तर: भारत में आर्द्रभूमि खेती की तीन विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

(i) यह वर्षा आधारित खेती का एक प्रकार है। इस प्रकार की खेती के लिए सिंचाई का मुख्य स्रोत वर्षा है जो फसलों को उगाने के लिए मिट्टी को नमी प्रदान करती है।

(ii) आर्द्रभूमि खेती उन क्षेत्रों में की जाती है जहाँ फसलों को उगाने के लिए मिट्टी को पर्याप्त नमी प्रदान करने के लिए पर्याप्त वर्षा होती है।

(iii) इन क्षेत्रों में उगाई जाने वाली मुख्य फसलें चावल, जूट, गन्ना और अन्य जल-गहन फसलें हैं।

प्रश्न 12. भारत में खेती योग्य भूमि का क्षरण किस प्रकार गंभीर समस्याओं में से एक है? किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या करें।

उत्तर: खेती योग्य भूमि का क्षरण भारत में गंभीर समस्याओं में से एक है:

(i) रासायनिक उर्वरकों और खेती योग्य भूमि का गहन उपयोग। इसने भारत में मिट्टी की उर्वरता को कम कर दिया है। उदाहरण के लिए, हरियाणा, पंजाब, आदि।

(ii) अनियमित और अधिक सिंचाई ने भारत के सिंचित खेती वाले क्षेत्रों में क्षारीकरण, लवणीकरण और जलभराव की समस्याएँ पैदा की हैं। उदाहरण के लिए, पंजाब में

(iii) फलीदार फसलों की खेती द्वारा नाइट्रोजन निर्धारण जैसी मिट्टी की प्राकृतिक निषेचन प्रक्रियाएँ नहीं अपनाई जाती हैं क्योंकि इन फसलों को गन्ने जैसी वाणिज्यिक फसलों द्वारा विस्थापित कर दिया जाता है। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश।

प्रश्न 13. "मानव निर्मित प्रक्रियाओं के कारण होने वाला भूमि क्षरण भारत में प्राकृतिक प्रक्रियाओं की तुलना में अधिक हानिकारक है"। तीन उपयुक्त उदाहरणों के साथ कथन का विश्लेषण करें।

उत्तर- प्राकृतिक संसाधनों की तुलना में मानवीय गतिविधियाँ भूमि क्षरण के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं रासायनिक खाद, सिंचाई आदि। इसके तीन उदाहरण इस प्रकार हैं:

(i) अनियमित और अत्यधिक सिंचाई ने भारत के सिंचित क्षेत्रों में बाल्कनीकरण, लवणीकरण और जलभराव की समस्याएँ पैदा की हैं।

(ii) यह अनुमान है कि कृषि के दोषपूर्ण तरीकों के कारण लगभग 15 मिलियन हेक्टेयर भूमि अपनी उर्वरता खो चुकी है।

(iii) इनके अलावा, झूम खेती, वनों की कटाई, खनन गतिविधियाँ आदि मानवीय प्रक्रियाएँ हैं जो भूमि क्षरण का कारण बनती हैं जिससे भारत में मिट्टी की उर्वरता और कृषि को नुकसान पहुँचा है।

प्रश्न 14. "हरित क्रांति भारत के सभी भागों में समान रूप से सफल नहीं रही" क्यों?

उत्तर: भारत में हरित क्रांति भारत के सभी भागों में बहुत सफल नहीं रही। इसने उत्पादकता और उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ असमानताएँ भी पैदा कीं। हरित क्रांति की सीमित सफलता के निम्नलिखित कारण हैं:

● भारत के सभी भागों में सिंचाई सुविधाओं की अनुपलब्धता।

● हरित क्रांति ने कृषि पद्धतियों के दौरान रासायनिक खादों और बीजों की नई किस्मों का उपयोग करने के तरीके के बारे में किसानों में जागरूकता पैदा करने के लिए उचित उपाय नहीं किए।

● दोषपूर्ण वितरण और उनकी उच्च लागत के कारण HYV बीज सभी लोगों को आसानी से उपलब्ध नहीं थे। भूमि जोत के छोटे आकार ने भी हरित क्रांति की सफलता के मार्ग में बाधाएँ खड़ी कीं।

प्रश्न 15. भारतीय किसान मानसून के साथ जुआ खेलते हैं"। इस कथन को स्पष्ट करें।

उत्तर: भारत की कृषि मानसून पर आधारित है और इसलिए, यह कहा जाता है कि अच्छा उत्पादन अच्छे मानसून पर आधारित है, और इसलिए, भारतीय किसान मानसून के साथ जुआ खेलते हैं। यह निम्नलिखित कारणों से है:

- भारतीय मानसून अत्यधिक अनिश्चित है। कभी-कभी हमें जल्दी मानसून, देर से मानसून या कमजोर मानसून की वर्षा मिलती है।
- देश में वर्षा का वितरण भी असमान है। कुछ भागों में बहुत अधिक वर्षा होती है (यहाँ तक कि बाढ़ जैसी स्थितियाँ भी) जबकि अन्य में सूखे जैसी स्थिति का सामना करना पड़ता है। इसने भारत में कृषि उत्पादन को प्रभावित किया।
- सभी किसानों के पास उचित सिंचाई सुविधाएँ नहीं हैं। छोटे किसान सबसे वंचित हैं।
- कृषि का अविकसित तकनीकी आधार।
- कृषि का अविकसित तकनीकी आधार।

प्रश्न 16. "कृषि पर निर्भर लोगों की आजीविका के लिए भूमि संसाधन अधिक महत्वपूर्ण हैं।" इस कथन का समर्थन किसी भी तीन उपयुक्त तर्कों से करें।

उत्तर – अधिकांश भारतीय अपनी जीविका के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर हैं।

इस प्रकार, भूमि संसाधन अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं। कृषि में भूमि संसाधनों के महत्व को निम्नलिखित बिंदुओं से समझा जा सकता है:

- द्वितीयक या तृतीयक क्षेत्रों की तुलना में भूमि संसाधनों पर कृषि क्षेत्र की निर्भरता अधिक है।
- कृषि सीधे भूमि की गुणवत्ता से प्रभावित होती है, लेकिन उद्योग या सेवा क्षेत्र जैसे अन्य क्षेत्र भूमि की गुणवत्ता से प्रभावित नहीं होते हैं।
- कृषि उत्पादन के अलावा, भूमि संसाधनों का स्वामित्व भी ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक स्थिति को दर्शाता है

प्रश्न 17. सुरक्षात्मक और उत्पादक सिंचाई के बीच अंतर करें।

उत्तर – सुरक्षात्मक सिंचाई और उत्पादक सिंचाई के बीच अंतर इस प्रकार हैं

सुरक्षात्मक सिंचाई

- 1) फसलों को मिट्टी की नमी के प्रतिकूल प्रभावों से बचाती है।
- 2) उतार-चढ़ाव वाली वर्षा के कारण, यह सिंचाई प्रणाली पानी का एक वैकल्पिक स्रोत प्रदान करती है।
- 3) इस सिंचाई प्रणाली में उत्पादकता कम रहती है

उत्पादक सिंचाई

- 1) उत्पादकता बढ़ाने के लिए मिट्टी को पर्याप्त नमी प्रदान करना
- 2) सुरक्षात्मक सिंचाई के लिए कोड के रूप में खेती की गई भूमि के प्रति इकाई क्षेत्र में पानी का इनपुट अधिक होता है
- 3) इस सिंचाई में उत्पादकता उच्च रहती है

प्रश्न 18. भारत में कृषि उत्पादन में वृद्धि और प्रौद्योगिकी में सुधार पर चर्चा करें।

उत्तर: पिछले साठ वर्षों के दौरान भारतीय कृषि ने कृषि उत्पादन और संबंधित प्रौद्योगिकी में जबरदस्त सुधार देखा है। कृषि विकास से संबंधित कुछ अवलोकन निम्नलिखित हैं:

- चावल, गेहूँ, गन्ना, तिलहन, कपास आदि जैसी कई फसलों का उत्पादन और उपज
- भारत दालों, चाय, जूट, दूध आदि का अग्रणी उत्पादक है।
- सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है। इससे HYV बीज और मशीनरी जैसी आधुनिक कृषि तकनीक का उपयोग करने में मदद मिली है।
- 1960 के दशक से रासायनिक उर्वरकों की खपत में 15 गुना वृद्धि हुई है।
- चूँकि HYV कीटों और बीमारियों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होते हैं, इसलिए 1960 के दशक से कीटनाशकों का उपयोग काफी बढ़ गया है।

प्रश्न 19. उदाहरणों के साथ समझाएँ कि कैसे 'आधुनिक कृषि तकनीक' ने भारत में कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की है।

उत्तर- आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकी ने भारत में कृषि में महत्वपूर्ण वृद्धि की है, निम्नलिखित तरीकों से:

- चावल, गेहूँ, गन्ना, रंगीन, कपास आदि कई फसलों का उत्पादन और उपज।
- भारत दालों, चाय, जूट, दूध आदि का अग्रणी उत्पादक है।
- सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है। इससे HYV बीज और मशीनरी जैसी आधुनिक कृषि तकनीक का उपयोग करने में मदद मिली है।
- रासायनिक उर्वरकों की खपत 1960-61 में मात्र 292 हजार टन से बढ़कर 2004-05 में 18996 हजार टन हो गई।
- चूँकि HYV कीटों और बीमारियों के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं, इसलिए 1960 के दशक से कीटनाशकों का उपयोग काफी बढ़ गया है।

प्रश्न 20. भूमि जोतों का छोटा आकार और खेती योग्य भूमि का क्षरण भारतीय कृषि की दो प्रमुख समस्याएँ कैसे हैं? इन दोनों समस्याओं को उदाहरणों के साथ समझाएँ।

उत्तर: भारत में छोटे आकार की जोतों की समस्याएँ इस प्रकार हैं:

- अधिकांश भारतीय किसान छोटे और सीमांत हैं। लगभग 60% भूमि जोत एक हेक्टेयर से छोटी है और लगभग 40% भूमि जोत 0.5 हेक्टेयर से छोटी है।
- भारत में एक खेत का औसत आकार विकसित देशों की तुलना में बहुत छोटा है। खेत का यह औसत आकार हर साल छोटा होता जा रहा है क्योंकि
- छोटी जोत के कारण छोटे किसान केवल अपने उपभोग के लिए ही भोजन उगा सकते हैं।
- सेनेली और खंडित ऋण कम उत्पादक और अलाभकारी हैं। कृषि योग्य भूमि के क्षरण की समस्याएँ।
- प्राकृतिक संसाधनों की तुलना में मानवीय गतिविधियाँ भूमि के क्षरण के लिए प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं। यह क्षरण हरित क्रांति के बाद शुरू हुआ जब नए तरीकों और तकनीकों का गहनता से उपयोग किया गया रासायनिक खाद, सिंचाई आदि। इसके तीन उदाहरण इस प्रकार हैं:
- अनियमित और अत्यधिक सिंचाई ने भारत के सिंचित क्षेत्रों में क्षारीयता, लवणीकरण और जलभराव की समस्याएँ पैदा की हैं।

- अनुमान है कि कृषि के दोषपूर्ण तरीकों के कारण लगभग 15 मिलियन हेक्टेयर भूमि अपनी उर्वरता खो चुकी है।
- इनके अलावा, झूम खेती, वनों की कटाई, खनन गतिविधियाँ आदि मानवीय प्रक्रियाएँ हैं जो भूमि क्षरण का कारण बनती हैं जिससे भारत में मिट्टी की उर्वरता और कृषि को नुकसान पहुँचा है।

प्रश्न 21. अनियमित मानसून और ऋणग्रस्तता भारतीय कृषि की प्रमुख समस्याएँ हैं इन समस्याओं को दूर करने के उपाय सुझाएँ और समझाएँ। उत्तर: अनियमित मानसून भारत में मानसून की प्रकृति बहुत अनियमित है। स्वतंत्रता के बाद सिंचाई के साधन विकसित किए गए, लेकिन सिंचित खेती का क्षेत्रफल केवल 33% है। इसलिए, भारत के विशेष रूप से गैर-सिंचित क्षेत्रों में सिंचाई के विभिन्न साधनों के विकास पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए। कुछ उपाय इस प्रकार हैं:

- 1) भारत में प्रत्येक कृषि योग्य भूमि को समान जल संसाधन उपलब्ध कराने के लिए राज्यों के बीच जल विवाद समाप्त किए जाने चाहिए।
- 2) भूजल स्तर को सुधारने और रिचार्ज करने के लिए वर्षा जल संचयन तकनीकों पर जोर दिया जाना चाहिए ताकि किसान इन स्रोतों के उपयोग से अपनी भूमि की आसानी से कटाई कर सकें।
- 3) जिन क्षेत्रों में पानी की कमी है, वहाँ सूखा प्रतिरोधी फसलों का अधिक उपयोग किया जाना चाहिए।
- 4) ऋणग्रस्तता या किसी और को पैसे देने की स्थिति है। जब कोई व्यक्ति ऋणग्रस्त होता है, तो इसका मतलब है कि उसने पैसे उधार लिए हैं या राशि वापस चुकाने के वादे के साथ सामान या सेवाएँ प्राप्त की हैं।

ऋणग्रस्तता की समस्या को दूर करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं:

- 1) ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारी ऋणों को प्रोत्साहित करना ताकि किसानों को सस्ती दरों पर ऋण मिल सके। निजी ऋण को समाप्त किया जाना चाहिए।
- 2) कृषि वैज्ञानिक आधार पर की जाए ताकि किसानों की आय बढ़े और वे बिना कर्ज लिए अपने खर्च पूरे कर सकें।
- 3) सभी किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य नीति को प्रोत्साहित करें। ग्रामीण बैंक और सहकारी बैंक दरें।

प्रश्न 22. फसलों के लिए नमी के मुख्य स्रोत के आधार पर भारतीय खेती को दो समूहों में वर्गीकृत करें। प्रत्येक की दो विशेषताएं लिखें।

उत्तर – भारत में, फसलों के लिए उपलब्ध नमी के आधार पर खेती को निम्नलिखित दो समूहों में वर्गीकृत किया जाता है: सिंचित खेती इस खेती के लिए नमी का मुख्य स्रोत विभिन्न तरीकों से सिंचाई है, जैसे कुएँ, ट्यूबवेल आदि। इसके दो प्रकार हैं, सुरक्षात्मक और उत्पादक सिंचाई:

- (i) सुरक्षात्मक खेती/सिंचाई में। इसका उद्देश्य फसलों को मिट्टी की नमी की कमी के प्रतिकूल प्रभावों से बचाना है, जिसका अर्थ अक्सर यह होता है कि सिंचाई वर्षा के अलावा पानी के पूरक स्रोत के रूप में कार्य करती है।
- (ii) उत्पादक सिंचाई का मतलब उच्च उत्पादकता प्राप्त करने के लिए फसल के मौसम में पर्याप्त मिट्टी की नमी प्रदान करना है। ऐसी सिंचाई में खेती की गई भूमि के प्रति इकाई क्षेत्र में पानी का इनपुट सुरक्षात्मक सिंचाई से अधिक होता है। वर्षा आधारित खेती (बरनी) इस खेती के लिए नमी का मुख्य स्रोत वर्षा है। दो प्रकार हैं:
 - 1) शुष्क भूमि खेती 75 सेमी से कम वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र तक ही सीमित है। इस क्षेत्र में रागी, बाजरा, मूंग, चना और ग्वार (चारा फसलें) जैसी सूखा प्रतिरोधी फसलें उगाई जाती हैं। इस क्षेत्र में मिट्टी की नमी संरक्षण और वर्षा जल संचयन के उपाय भी किए जाते हैं।

2) आर्द्रभूमि खेती में, 75 सेमी से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में खेती की जाती है। इस खेती में चावल, जूट और गन्ना जैसी पानी की अधिक खपत वाली फसलें उगाईं।

प्रश्न 23. भारतीय कृषि की समस्याओं पर चर्चा करें।

- 1) असमान और अविश्वसनीय वर्षा
- 2) कम उत्पादकता
- 3) किसानों की गरीबी
- 4) भूमि सुधारों का अभाव
- 5) भूमि जोतों का विखंडन
- 6) व्यावसायीकरण का अभाव
- 7) व्यापक अल्परोजगार
- 8) खेती योग्य भूमि का हास
- 9) किसानों में निरक्षरता

मानचित्र कार्य

- 1) भारत में चाय और कॉफी का अग्रणी उत्पादक
- 2) भारत में गन्ना उत्पादक क्षेत्र
- 3) भारत के जूट और कपास उत्पादक राज्य
- 4) भारत के गेहूं उत्पादक राज्य
- 5) भारत के चावल उत्पादक क्षेत्र

पाठ 4 जल संसाधन

पाठ का सार-

भारत के जल संसाधन-

- भारत विश्व के भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 2.45%, विश्व के जल संसाधनों का 4% और विश्व जनसंख्या का लगभग 16% योगदान देता है।
- भारत को वार्षिक वर्षा अर्थात् 4000 घन किमी तथा सतही एवं भूजल स्रोतों अर्थात् 1869 घन किमी पानी प्राप्त होता है। लेकिन इन दोनों स्रोतों में से केवल 60% (1122 घन किमी) जल ही लाभकारी एवं उपयोग योग्य है।

सतही जल संसाधन-

- नदी, झीलें, तालाब और टैंक भारत में सतही जल संसाधनों के चार मुख्य स्रोत हैं।
- यहाँ लगभग 10,360 संख्या में नदी और सहायक नदियाँ मौजूद हैं और प्रत्येक सहायक नदी 1.6 किमी से अधिक लंबी है।
- जलग्रहण क्षेत्र/नदी बेसिन का आकार और उसके जलग्रहण क्षेत्र में वर्षा नदी में पानी के प्रवाह को नियंत्रित करती है। भारत में अन्य मौसमों की तुलना में मानसून के दौरान नदियों में पानी की उपलब्धता अधिक होती है।
- भारत में गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु का जलग्रहण क्षेत्र बड़ा है। गंगा और ब्रह्मपुत्र और बराक नदियों के जलग्रहण क्षेत्र उच्च वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्र में आते हैं, इस प्रकार इनमें कुल जल संसाधनों का 60% हिस्सा है और भारत में सतही क्षेत्रों का केवल 33% हिस्सा है, लेकिन अधिकांश पानी का उपयोग नहीं किया जाता है।

भूजल संसाधन-

- भारत में कुल पुनःपूर्ति योग्य भूजल संसाधनों का लगभग 432 घन किमी उपलब्ध है। गंगा और ब्रह्मपुत्र बेसिन में कुल पुनःपूर्ति योग्य भूजल संसाधनों का लगभग 46% है।
- भारत के उत्तर-पश्चिमी भागों और दक्षिणी भागों की नदी घाटियों में भूजल उपयोग का स्तर अपेक्षाकृत अधिक है।
- भूजल का बहुत अधिक उपयोग करने वाले राज्य पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और तमिलनाडु हैं।
- मध्यम जल उपयोग वाले राज्य गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार, त्रिपुरा और महाराष्ट्र हैं।

लैगून और बैकवाटर-

- भारत के कुछ राज्यों में दांतेदार तटरेखा है और इस प्रकार कई लैगून और झीलों का निर्माण हुआ है। ऐसे राज्यों के उदाहरण केरल, ओडिशा और पश्चिम बंगाल हैं।
- खारे जल-निकायों के कारण, इन जल संसाधनों का उपयोग मछली पकड़ने और कुछ किस्मों की धान की फसलों, नारियल आदि की सिंचाई के लिए किया जाता है।

जल की मांग और उपयोग-

- कृषि, भारतीय अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होने के नाते, अकेले लगभग 89% सतही जल और 92% भूजल का उपयोग करती है।
- अधिकांश विकासात्मक परियोजनाएँ, नदी घाटी परियोजनाएँ जैसे भाखड़ा-नांगल, हीराकुंड, दामोदर घाटी, नागाइजुना सागर, इंदिरा गांधी नहर परियोजना, आदि के साथ-साथ पंचवर्षीय योजनाएँ कृषि क्षेत्र को पानी उपलब्ध कराने और कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए शुरू की गईं।

सिंचाई हेतु जल की मांग-

- भारतीय किसान सिंचाई के लिए अधिकतर मानसून पर निर्भर रहते हैं।
- चूंकि भारत के अधिकांश हिस्सों में सर्दी और गर्मी का मौसम कमोबेश शुष्क रहता है। अतः सिंचाई के बिना इन भागों में कृषि नहीं की जा सकती।
- कुछ फसलें जैसे चावल, गन्ना, जूट और अन्य फसलें पानी की अधिक खपत करती हैं और इन्हें उगाने के लिए अधिक पानी की आवश्यकता होती है।
- सिंचाई से कई फसलें उगाने में मदद मिलती है, अधिक कृषि उत्पादकता मिलती है, और HYV बीजों के साथ-साथ तेज दर से अधिक उपज मिलती है। उदाहरण के लिए पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सिंचाई के अंतर्गत शुद्ध स्रोत क्षेत्र का 85% से अधिक है।
- पंजाब में कुओं और ट्यूबवेलों के तहत कुल शुद्ध सिंचित क्षेत्र 76.1% है जबकि हरियाणा में यह 51.3% है। ये राज्य अपने भूजल संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा उपयोग करते हैं और इस प्रकार, यह इन संसाधनों की कमी का प्रमुख कारण है।

उभरती जल समस्याएँ-

- जनसंख्या में तेजी से वृद्धि और उद्योगों, कृषि और घरेलू स्रोतों जैसे विभिन्न स्रोतों से प्रदूषण प्रमुख समस्याएं हैं जो पीने योग्य पानी की उपलब्धता में गिरावट के लिए जिम्मेदार हैं।
- भारत में प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता भी दिन-ब-दिन कम होती जा रही है।

जल की गुणवत्ता में गिरावट-

- पानी की गुणवत्ता का मतलब अवांछित विदेशी पदार्थों से मुक्त पानी है जो पानी को प्रदूषित करते हैं यानी सूक्ष्म जीव, रसायन, औद्योगिक और अन्य अपशिष्ट।
- ये जहरीले पदार्थ झीलों, झरनों, नदियों और महासागरों में घुलकर या निलंबित होकर जल प्रदूषण के लिए जिम्मेदार हैं।
- कभी-कभी, ऐसे प्रदूषक नीचे रिसते हैं और भूजल को प्रदूषित करते हैं। भारत में सबसे प्रदूषित नदियाँ गंगा और यमुना हैं।

जल संरक्षण एवं प्रबंधन-

- मीठे पानी की उपलब्धता कम होने और बढ़ती जनसंख्या के कारण इसकी मांग बढ़ने के बाद जल का संरक्षण और प्रबंधन आवश्यक हो जाता है।
- सतत विकास और जीवन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए सरकार को लोगों को लंबे समय तक गुणवत्तापूर्ण पानी की उपलब्धता के लिए वाटरशेड विकास, वर्षा जल संचयन, पानी का पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग, पानी के संयुक्त उपयोग को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

जल प्रदूषण की रोकथाम-

- जल संसाधनों की उपलब्धता तेजी से घट रही है। यह देखा गया है कि पहाड़ी क्षेत्रों में घनी आबादी कम होती है और इस प्रकार, उनकी नदियों में पानी की गुणवत्ता उच्च होती है। जबकि मैदानी इलाकों में घनी आबादी होती है और इसलिए उनकी नदियों में पानी की गुणवत्ता कम होती है, और यहाँ पानी का उपयोग सिंचाई, घरेलू कार्यों और औद्योगिक कार्यों के लिए व्यापक रूप से किया जाता है।

मैदानी क्षेत्र कृषि अपशिष्ट (रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक), ठोस और घरेलू अपशिष्ट और औद्योगिक अपशिष्टों को बहाकर जल स्रोतों को प्रदूषित करने में भी अधिक योगदान देते हैं।

- गर्मियों के दौरान, नदियों में प्रदूषकों की सांद्रता अधिक रहती है क्योंकि पानी की मात्रा कम होने के कारण ये प्रदूषक प्रवाहित नहीं हो पाते हैं।

- राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा 507 स्टेशनों पर राष्ट्रीय जलीय संसाधनों की जल गुणवत्ता की निगरानी की गई है।

नदी प्रदूषण को रोकने के लिए विधायी प्रावधान और कानून-

- सरकार ने नदी और जल प्रदूषण को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं लेकिन कुछ बाधाओं के कारण ये कम प्रभावी साबित हुए हैं, उदाहरण के लिए। 1974 का जल (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, और 1986 का पर्यावरण संरक्षण अधिनियम असफल रहे क्योंकि 1997 में नदियों और झीलों के किनारे 251 प्रदूषणकारी कारखाने स्थापित किए गए थे।

- प्रदूषण रोकने के लिए बनाया गया 1977 का जल उपकर अधिनियम भी कम प्रभावी नहीं था। इसलिए जीवन में पानी के महत्व के बारे में जनता में जागरूकता पैदा करने की तत्काल आवश्यकता है। इसके परिणामस्वरूप कृषि गतिविधियों और औद्योगिक निर्वहन से प्रदूषकों में कमी आएगी।

जल का पुनर्चक्रण एवं पुनःउपयोग-

- पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग ताजे पानी को संरक्षित करने और इसे सभी के लिए उपलब्ध कराने का एक सरल और सर्वोत्तम तरीका है।

- उद्योग शीतलन और अग्निशमन के लिए निम्न गुणवत्ता वाले पानी और अपने अपशिष्ट जल का उपयोग कर सकते हैं, जिससे उनके लिए पानी की लागत कम हो सकती है और ताजे पानी का संरक्षण हो सकता है।

- नहाने और बर्तन धोने के बाद पानी इकट्ठा किया जा सकता है, कपड़े और कार धोना बागवानी के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है।

- आज, पानी का पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण कुछ ही लोगों तक सीमित है, लेकिन पुनर्चक्रण के माध्यम से पानी की भरपाई करने की अपार संभावनाएं हैं।

जल संभर प्रबंधन-

वाटरशेड प्रबंधन मूल रूप से सतही जल के कुशल प्रबंधन और संरक्षण को संदर्भित करता है।

जलसंभर प्रबंधन में शामिल हैं:

1. भूजल संसाधन।
2. सतही अपवाह की रोकथाम।
3. विभिन्न तरीकों जैसे अंतःस्त्रवण टैंक, पुनर्भरण कुओं आदि द्वारा भूजल का भंडारण और पुनर्भरण।
4. सभी प्राकृतिक संसाधनों (भूमि, जल, पौधे और जानवर) और मानव संसाधनों का संरक्षण, पुनर्जनन और विवेकपूर्ण उपयोग।
5. प्राकृतिक तत्वों के साथ-साथ समाज में भी संतुलन बनायें।
6. सामुदायिक भागीदारी वाटरशेड विकास कार्यक्रम की सफलता की कुंजी है।

भारत में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर केंद्र और राज्य सरकार दोनों द्वारा विभिन्न जलसंभर विकास और प्रबंधन कार्यक्रम शुरू किए गए हैं जैसे:

- **हरियाली** यह केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित है जबकि विभिन्न गांवों की ग्राम पंचायतें इसे सार्वजनिक भागीदारी से क्रियान्वित करती हैं। इस कार्यक्रम ने लोगों को पीने, सिंचाई, मछली पालन और वनीकरण जैसे विभिन्न उपयोगों के लिए पानी संरक्षित करने में सक्षम बनाया।

• आंध्र प्रदेश में **नीरु-मीरु** (पानी और आप) कार्यक्रम और अरवरी पानी संसद (अलवर, राजस्थान में) राज्य द्वारा शुरू किए गए वाटरशेड विकास कार्यक्रमों के उदाहरण हैं।

इन दोनों कार्यक्रमों के तहत जनभागीदारी की मदद से जल संचयन के लिए कई परकोलेशन टैंक, खोदे गए तालाब (जोहड़), चेक डैम आदि का निर्माण किया गया। तमिलनाडु एकमात्र राज्य है जिसने घरों में जल संचयन संरचनाओं का निर्माण अनिवार्य कर दिया है।

वर्षा जल संग्रहण -

वर्षा जल संचयन एक सस्ती और पर्यावरण अनुकूल तकनीक है जो हमें वर्षा जल को बोरवेलों, गड्ढों में संग्रहित करने और विभिन्न उपयोगों के लिए भूजल जलभृतों को रिचार्ज करने में मार्गदर्शन करती है। वर्षा जल संचयन के विभिन्न लाभ हैं जो इस प्रकार हैं:

1. इससे जल की उपलब्धता बढ़ती है।
2. गिरते भूजल स्तर को रोकता है।
3. यह फ्लोराइड और नाइट्रेट जैसे प्रदूषणों को कम करके भूजल की गुणवत्ता में सुधार करता है।
4. यह मिट्टी के कटाव और बाढ़ को रोकता है।
5. यदि इसका उपयोग जलभृतों को रिचार्ज करने के लिए किया जाता है, तो इसका उपयोग तटीय क्षेत्रों में खारे पानी की घुसपैठ को रोकने के लिए किया जा सकता है।

अन्य विधियाँ-

- पानी की कमी की समस्या को हल करने के लिए हम शुष्क, अर्ध-शुष्क और तटीय क्षेत्रों के खारे पानी को अलवणीकृत प्रक्रियाओं के बाद उपयोग कर सकते हैं।
- नदियों को जोड़ने से जल अधिशेष वाले क्षेत्रों से जल की कमी वाले क्षेत्रों में पानी स्थानांतरित किया जा सकता है।

भारत की राष्ट्रीय जल नीति, 2002 की मुख्य बातें-

- राष्ट्रीय जल नीति, 2002 मोटे तौर पर निम्नलिखित क्रम में जल आवंटन प्राथमिकताओं को निर्धारित करती है यानी पीने का पानी, सिंचाई, जल-विद्युत, नेविगेशन, औद्योगिक और अन्य उपयोग। मुख्य उद्देश्य जल संसाधनों का सतत उपयोग है।
- इस नीति का मुख्य उद्देश्य सभी मनुष्यों और जानवरों को पानी उपलब्ध कराना, सतह और भूजल की गुणवत्ता की नियमित निगरानी करना, एक दुर्लभ संसाधन के रूप में पानी के बारे में जागरूकता पैदा करना, शिक्षा, विनियमन, प्रोत्साहन और हतोत्साहन के माध्यम से लोगों में संरक्षण चेतना पैदा करना है।

एमसीक्यू के साथ पिछले पांच साल के प्रश्न-

Q1. निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में सतही जल का उपयोग सर्वाधिक होता है?

ए) कृषि

बी) घरेलू

सी) औद्योगिक

डी) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q2. निम्नलिखित में से कौन सा सतही जल नहीं है?

ए) जलाशय

बी) अभाव

ग) नदियाँ

डी) जलभृत

Q3. बिहार में पानी में कौन सा रसायन सांद्रित था?

ए) फ्लोराइड

बी) लवणता

ग) नमक

डी) आर्सेनिक

Q4. निम्नलिखित में से कौन सा प्रकार जल को एक संसाधन के रूप में वर्णित करता है?

ए) गैर-नवीकरणीय संसाधन

बी) चक्रीय संसाधन

सी) जैविक संसाधन

डी) अजैविक संसाधन

Q5. हरियाली कार्यक्रम निम्नलिखित के विकास से संबंधित है:

ए) वन आवरण

बी) खाद्यान्न उत्पादन

सी) मृदा संरक्षण

डी) वाटरशेड विकास

Q6. भारत में औसत वार्षिक प्रवाह क्या है?

ए) 1,698 घन किमी

बी) 1,988 घन किमी

सी) 3,869 घन किमी

डी) 1,869 घन किमी

Q7. उस क्षेत्र की पहचान करें जो भारत में सबसे अधिक पानी की खपत करता है।

ए) उद्योग

बी) इनमें से कोई नहीं

सी) घरेलू

डी) कृषि

Q8. देश में उपयोग किये जाने वाले कुल जल का सर्वाधिक अनुपात निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में है?

ए) सिंचाई

बी) घरेलू उपयोग

सी) उद्योग

डी) उपरोक्त में से कोई नहीं

Q9. निम्नलिखित में से कौन सा प्रकार जल को एक संसाधन के रूप में वर्णित करता है?

ए) अजैविक संसाधन

बी) जैविक संसाधन

सी) गैर-नवीकरणीय संसाधन

डी) गैर-चक्रीय संसाधन

Q10. निम्नलिखित दक्षिण भारतीय राज्यों में से किस राज्य में इसकी कुल भूजल क्षमता का सबसे अधिक भूजल उपयोग (प्रतिशत में) है?

ए) तमिलनाडु

बी) आंध्र प्रदेश

सी) कर्नाटक

डी) केरल

उत्तर कुंजी-

1. ए) कृषि

2. ए) जलाशय

3. डी) आर्सेनिक

4. बी) चक्रीय संसाधन

5. डी) वाटरशेड विकास

6. D) 1,869 घन किमी

7. डी) कृषि

8. ए) सिंचाई

9. ए) अजैविक संसाधन

10. ए) तमिलनाडु

पाठ 5 खनिज एवं ऊर्जा संसाधन

अध्याय का सारांश

1. भारत की भूवैज्ञानिक संरचना में विभिन्न प्रकार की चट्टानें शामिल हैं: आग्नेय, अवसादी, और कायांतरित।
2. इन चट्टानों में विविध खनिज संसाधन होते हैं, जो विभिन्न उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण हैं।
3. प्रमुख खनिज पट्टियाँ शामिल हैं: उत्तर-पूर्वी पठार, दक्षिण-पश्चिमी पठार, और उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र।
4. प्रमुख धात्विक खनिज हैं: लौह अयस्क, मैंगनीज, तांबा, और बॉक्साइट।
5. अधात्विक खनिज हैं: अभ्रक, चूना पत्थर, और जिप्सम।
6. ऊर्जा संसाधन जैसे कोयला, पेट्रोलियम, और प्राकृतिक गैस बिजली उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं।
7. खनिजों का संरक्षण आवश्यक है क्योंकि वे अक्षय और समाप्त हो सकने वाले होते हैं।

खनिजों के प्रकार

1. धात्विक खनिज: लौह अयस्क, मैंगनीज, तांबा, बॉक्साइट।
2. अधात्विक खनिज: अभ्रक, चूना पत्थर, जिप्सम।
3. ऊर्जा संसाधन: कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस।

1. खनिज और ऊर्जा संसाधनों का परिचय:

- खनिज प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले पदार्थ हैं जो पृथ्वी की पपड़ी में पाए जाते हैं।
- ऊर्जा संसाधन वे पदार्थ हैं जिनका उपयोग ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है।

2. खनिजों के प्रकार:

- धात्विक खनिज: इसमें धातुएँ कच्चे रूप में होती हैं।
- अधात्विक खनिज: इनमें धातु नहीं होती।

3. खनिजों का वितरण:

- खनिज विश्व स्तर पर असमान रूप से वितरित हैं।
- कोयला, लौह अयस्क, मैंगनीज और बॉक्साइट के विशाल भंडार के साथ भारत खनिज संसाधनों से समृद्ध है।

4. खनिजों का संरक्षण:

- खनिज गैर-नवीकरणीय संसाधन हैं और इन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए।
- सतत विकास के लिए खनिजों का पुनर्चक्रण और विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है।

5. ऊर्जा संसाधनों के प्रकार:

- पारंपरिक ऊर्जा संसाधन: कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस।
- गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन: सौर, पवन, ज्वारीय, भूतापीय ऊर्जा।

6. ऊर्जा संसाधनों का वितरण:

- ऊर्जा संसाधन दुनिया भर में असमान रूप से वितरित हैं।
- तेल और प्राकृतिक गैस के बड़े भंडार वाले देश प्रमुख ऊर्जा निर्यातक हैं।

7. ऊर्जा संसाधनों का संरक्षण:

- जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के लिए ऊर्जा संरक्षण महत्वपूर्ण है।
- दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना आवश्यक है।

8. पर्यावरणीय प्रभाव:

- खनिजों के खनन और निष्कर्षण से पर्यावरण का क्षरण हो सकता है।
- जीवाश्म ईंधन जलाने से वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग में योगदान होता है।

9. सतत अभ्यास:

- टिकाऊ खनन प्रथाओं को अपनाने से पर्यावरण प्रदूषण को कम किया जा सकता है।
- नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे में निवेश से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो सकती है।

10. सरकारी पहल:

- सरकारें खनिजों और ऊर्जा संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नीतियां लागू कर रही हैं।
- नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विकास के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. भारत के अधिकांश मूल्यवान खनिज किस प्रकार की चट्टानों से जुड़े हैं?

- क) अवसादी चट्टानें
- ख) रूपांतरित और आग्नेय चट्टानें
- ग) जलोढ़ चट्टानें
- घ) ज्वालामुखी चट्टानें

2. किस खनिज को "तरल सोना" के रूप में जाना जाता है?

- क) सोना
- ख) पेट्रोलियम
- ग) लौह अयस्क
- घ) बॉक्साइट

3. भारत में कोयले के कितने प्रतिशत भंडार दामोदर, सोन, महानदी और गोदावरी की घाटियों में स्थित हैं?

- क) 50%
- ख) 75%

- ग) 90%

- घ) 97%

4. भारत में मैंगनीज का प्रमुख उत्पादक कौन सा राज्य है?

- क) कर्नाटक

- ख) महाराष्ट्र

- ग) ओडिशा

- घ) झारखंड

5. किस भूवैज्ञानिक संरचना में सबसे अधिक मैंगनीज भंडार पाए जाते हैं? - a) अरावली प्रणाली

- b) गोंडवाना प्रणाली

- c) धारवाड़ प्रणाली

- d) हिमालयी प्रणाली

6. भारत में कौन सा क्षेत्र उच्च श्रेणी के लौह अयस्क, मैंगनीज और चूना पत्थर से समृद्ध है?

- a) उत्तर-पूर्वी पठार क्षेत्र

- b) दक्षिण-पश्चिमी पठार क्षेत्र

- c) उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र

- d) हिमालयी क्षेत्र

7. किस खनिज का उपयोग मुख्य रूप से तार, इलेक्ट्रिक मोटर, ट्रांसफार्मर और जनरेटर बनाने के लिए किया जाता है?

- a) लौह अयस्क

- b) तांबा

- c) बॉक्साइट

- d) अभ्रक

8. भारत में बॉक्साइट का सबसे बड़ा उत्पादक कौन सा राज्य है?

- a) गुजरात

- b) ओडिशा

- c) महाराष्ट्र

- d) छत्तीसगढ़

9. किस खनिज का उपयोग मुख्य रूप से विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों में बहुत पतली चादरों में विभाजित होने की क्षमता के कारण किया जाता है?

- a) तांबा

- b) बॉक्साइट

- c) अभ्रक

- d) चूना पत्थर

10. कौन से खनिज ईंधन जीवाश्म ईंधन के रूप में जाने जाते हैं?

- a) कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस

- b) लौह अयस्क और मैंगनीज

- c) बॉक्साइट और अभ्रक

- d) तांबा और सोना

11. विद्युत उद्योग में तार बनाने के लिए कौन सा खनिज अपरिहार्य है?

- a) सोना

- b) अभ्रक

- c) तांबा

- d) बॉक्साइट

12. भारत में लौह अयस्क का एक महत्वपूर्ण उत्पादक के रूप में कौन सा राज्य उभरा है?

- a) महाराष्ट्र

- b) गोवा

- c) केरल

- d) पंजाब

13. महाराष्ट्र में मैंगनीज खदानों का मुख्य नुकसान क्या है?

- a) मैंगनीज की खराब गुणवत्ता

- b) इस्पात संयंत्रों से दूरी

- c) बुनियादी ढांचे की कमी

- d) श्रमिकों की कमी

14. हिमालय बेल्ट में कौन सा क्षेत्र तांबा, सीसा, जस्ता, कोबाल्ट और टंगस्टन से जुड़ा हुआ है? - a) पूर्वी भाग

- b) पश्चिमी भाग

- c) मध्य भाग

- d) पूर्वी और पश्चिमी दोनों भाग

15. एल्युमिनियम बनाने के लिए किस खनिज का उपयोग किया जाता है?

- a) अभ्रक

- b) तांबा

- c) बॉक्साइट

- d) चूना पत्थर

16. गुजरात के अलावा भारत में कौन सा राज्य पेट्रोलियम भंडार के लिए जाना जाता है?

- a) महाराष्ट्र

- b) राजस्थान

- c) तमिलनाडु

- d) असम

17. किस राज्य में अभ्रक के महत्वपूर्ण भंडार हैं जो 150 किलोमीटर लंबाई और 22 किलोमीटर चौड़ाई में फैले हुए हैं?

- a) आंध्र प्रदेश

- b) झारखंड

- c) राजस्थान

- d) कर्नाटक

18. भारत में किस प्रकार का कोयला सबसे अधिक प्रचुर मात्रा में पाया जाता है और मुख्य रूप से ताप विद्युत उत्पादन के लिए उपयोग किया जाता है?

- a) एन्थ्रेसायट

- b) बिटुमिनस

- c) लिग्नाइट

- d) पीट

19. राजस्थान में अरावली चट्टानों की प्रणाली से कौन सा खनिज जुड़ा हुआ है?

- a) लौह अयस्क

- b) तांबा

- c) अभ्रक

- d) चूना पत्थर

20. असम और गुजरात के अलावा किस बेसिन में नए पेट्रोलियम भंडार स्थित हैं?

- a) कावेरी बेसिन

- b) कृष्णा-गोदावरी बेसिन

- c) ब्रह्मपुत्र बेसिन

- d) गंगा बेसिन

केस आधारित प्रश्न

केस स्टडी 1

खनिजों की कुछ विशेषताएं होती हैं। ये अंतरिक्ष में असमान रूप से वितरित होते हैं। खनिजों की गुणवत्ता और मात्रा में विपरीत संबंध होता है, यानी अच्छी गुणवत्ता वाले खनिजों की मात्रा कम होती है, जबकि खराब गुणवत्ता वाले खनिजों की मात्रा कम होती है। तीसरी मुख्य विशेषता यह है कि सभी खनिज समय के साथ समाप्त हो जाते हैं। इन्हें भूगर्भीय रूप से विकसित होने में लंबा समय लगता है और जरूरत पड़ने पर तुरंत इनकी भरपाई नहीं की जा सकती। इसलिए, इन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए और इनका दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि इनकी दूसरी फसल नहीं होती।

1. गद्यांश में वर्णित खनिजों की तीन मुख्य विशेषताएं क्या हैं?

उत्तर: तीन मुख्य विशेषताएं हैं:

1. अंतरिक्ष में असमान वितरण।

2. गुणवत्ता और मात्रा में विपरीत संबंध।

3. समय के साथ समाप्त होना।

2. खनिजों की गुणवत्ता और मात्रा में विपरीत संबंध की अवधारणा को समझाइए।

उत्तर: विपरीत संबंध का मतलब है कि अच्छी गुणवत्ता वाले खनिज कम प्रचुर मात्रा में होते हैं या कम मात्रा में उपलब्ध होते हैं, जबकि कम गुणवत्ता वाले खनिज कम होते हैं।

3. गद्यांश के अनुसार खनिजों का संरक्षण करना क्यों महत्वपूर्ण है?

उत्तर: खनिजों को संरक्षित करने की आवश्यकता है क्योंकि वे समय के साथ समाप्त हो जाते हैं। उन्हें भूगर्भीय रूप से विकसित होने में लंबा समय लगता है और आवश्यकता के समय उन्हें तुरंत पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

4. खनिजों के समाप्त होने की अवधारणा उनके संरक्षण से कैसे संबंधित है?

उत्तर: चूँकि खनिज समाप्त होने वाले होते हैं और उन्हें तुरंत पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता है, इसलिए भविष्य की पीढ़ियों के लिए उनके सतत उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए उन्हें संरक्षित करना महत्वपूर्ण है।

5. "उनकी दूसरी फसल नहीं होती" कथन का क्या अर्थ है?

उत्तर: इस कथन का तात्पर्य है कि एक बार खनिजों के समाप्त हो जाने या निकाले जाने के बाद, उन्हें कृषि फसलों की तरह फिर से प्रतिस्थापित या उगाया नहीं जा सकता है।

केस स्टडी 2

कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और परमाणु ऊर्जा जैसे जीवाश्म ईंधन स्रोत समाप्त होने वाले कच्चे माल का उपयोग करते हैं। संधारणीय ऊर्जा संसाधन केवल नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत जैसे सौर, पवन, हाइड्रो जियोथर्मल और बायोमास हैं। ये ऊर्जा स्रोत अधिक समान रूप से वितरित और पर्यावरण के अनुकूल हैं। गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत प्रारंभिक लागत का ध्यान रखने के बाद अधिक निरंतर, पर्यावरण के अनुकूल सस्ती ऊर्जा प्रदान करेंगे।

प्रश्न: गद्यांश के अनुसार कौन से ऊर्जा स्रोत संधारणीय माने जाते हैं?

उत्तर: सौर, पवन, जल, भूतापीय और बायोमास ऊर्जा स्रोत।

प्रश्न: वितरण और पर्यावरणीय प्रभाव के संदर्भ में संधारणीय ऊर्जा स्रोतों का वर्णन कैसे किया जाता है?

उत्तर: उन्हें अधिक समान रूप से वितरित और पर्यावरण के अनुकूल बताया जाता है।

प्रश्न: गद्यांश में उल्लिखित गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों का क्या लाभ है?

उत्तर: वे प्रारंभिक लागत कवर होने के बाद निरंतर, पर्यावरण के अनुकूल और सस्ती ऊर्जा प्रदान करते हैं।

प्रश्न: गद्यांश के अनुसार जीवाश्म ईंधन स्रोत संधारणीय ऊर्जा स्रोतों से किस प्रकार भिन्न हैं? उत्तर: जीवाश्म ईंधन स्रोत समाप्त होने वाले कच्चे माल का उपयोग करते हैं, जबकि संधारणीय ऊर्जा स्रोत नवीकरणीय और अधिक पर्यावरण के अनुकूल होते हैं।

प्रश्न: संधारणीय ऊर्जा स्रोतों को दीर्घ अवधि में अधिक वांछनीय क्यों माना जाता है?

उत्तर: वे प्रारंभिक लागत कवर होने के बाद निरंतर, पर्यावरण के अनुकूल और सस्ती ऊर्जा प्रदान करते हैं, जीवाश्म ईंधन के विपरीत जो समाप्त होने वाले होते हैं और जिनमें पर्यावरणीय कमियाँ होती हैं।

केस स्टडी 3

जब पृथ्वी के आंतरिक भाग से मैग्मा सतह पर आता है, तो जबरदस्त गर्मी निकलती है। इस ऊष्मा ऊर्जा का सफलतापूर्वक दोहन किया जा सकता है और इसे विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है। इसके अलावा, गीजर कुओं से निकलने वाले गर्म पानी का उपयोग भी तापीय ऊर्जा के उत्पादन में किया जाता है। इसे लोकप्रिय रूप से भूतापीय ऊर्जा के रूप में जाना जाता है। इस ऊर्जा को अब प्रमुख ऊर्जा स्रोतों में से एक माना जाता है जिसे वैकल्पिक

स्रोत के रूप में विकसित किया जा सकता है। मध्यकाल से ही गर्म पानी के झरने और गीजर का उपयोग किया जा रहा है। भारत में, हिमाचल प्रदेश के मणिकरण में एक भूतापीय ऊर्जा संयंत्र चालू किया गया है। प्रश्न: 1. भूतापीय ऊर्जा क्या है? उत्तर: भूतापीय ऊर्जा पृथ्वी की सतह के नीचे संग्रहीत ऊष्मा ऊर्जा है। 2. भूतापीय ऊर्जा कैसे उत्पन्न होती है? उत्तर: भूतापीय ऊर्जा तब उत्पन्न होती है जब पृथ्वी के आंतरिक भाग से मैग्मा सतह पर आता है, जिससे अत्यधिक गर्मी निकलती है। इस गर्मी को टैप करके विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, गीजर से निकलने वाले गर्म पानी का उपयोग तापीय ऊर्जा के उत्पादन में भी किया जाता है। 3. भारत में भूतापीय ऊर्जा संयंत्र कहाँ स्थित है? उत्तर: भारत के हिमाचल प्रदेश के मणिकरण में एक भूतापीय ऊर्जा संयंत्र स्थित है।

4. गद्यांश में भूतापीय ऊर्जा के कौन से स्रोत बताए गए हैं?

उत्तर: गद्यांश में भूतापीय ऊर्जा के स्रोत पृथ्वी के आंतरिक भाग से मैग्मा और गीजर से निकलने वाला गर्म पानी हैं।

केस स्टडी 4

सतत विकास की चुनौती के लिए आर्थिक विकास की खोज को पर्यावरण संबंधी चिंताओं के साथ एकीकृत करना आवश्यक है। संसाधनों के उपयोग के पारंपरिक तरीकों से भारी मात्रा में अपशिष्ट उत्पन्न होता है और साथ ही अन्य पर्यावरणीय समस्याएँ भी पैदा होती हैं। इसलिए, सतत विकास के लिए भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधनों की सुरक्षा की आवश्यकता है। संसाधनों के संरक्षण की तत्काल आवश्यकता है। वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत जैसे सौर ऊर्जा, पवन, तरंग, भूतापीय ऊर्जा अक्षय संसाधन हैं। इनका विकास समाप्त हो रहे संसाधनों को बदलने के लिए किया जाना चाहिए।

प्रश्न: गद्यांश के अनुसार सतत विकास की मुख्य चुनौती क्या है?

उत्तर: सतत विकास की मुख्य चुनौती आर्थिक विकास को पर्यावरण संबंधी चिंताओं के साथ एकीकृत करना है।

प्रश्न: संसाधनों के उपयोग के पारंपरिक तरीके पर्यावरणीय समस्याएँ क्यों पैदा करते हैं?

उत्तर: संसाधनों के उपयोग के पारंपरिक तरीके पर्यावरणीय समस्याएँ पैदा करते हैं क्योंकि वे भारी मात्रा में अपशिष्ट उत्पन्न करते हैं।

प्रश्न: संसाधन संरक्षण के संदर्भ में सतत विकास के लिए क्या आवश्यक है?

उत्तर: सतत विकास के लिए भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधनों की सुरक्षा की आवश्यकता है।

प्रश्न: गद्यांश में उल्लिखित कुछ वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के नाम बताएँ।

उत्तर: वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के रूप में सौर ऊर्जा, पवन, तरंग और भूतापीय ऊर्जा का उल्लेख किया गया है।

प्रश्न: गद्यांश के अनुसार वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का विकास क्यों किया जाना चाहिए?

उत्तर: समाप्त हो रहे संसाधनों के स्थान पर वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का विकास किया जाना चाहिए।

केस स्टडी 5

भारत जीवाश्म ईंधन पर अपनी निर्भरता कम करने और पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमता का विस्तार करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। सरकार ने सौर, पवन और जलविद्युत ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। यह परिवर्तन सतत विकास, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रश्न: ऊर्जा क्षेत्र में भारत के प्रयासों का मुख्य फोकस क्या है?

उत्तर: भारत जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए अपनी अक्षय ऊर्जा क्षमता का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

प्रश्न: अक्षय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने क्या लक्ष्य निर्धारित किए हैं?

उत्तर: सरकार ने सौर, पवन और जलविद्युत ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं।

प्रश्न: अक्षय ऊर्जा की ओर भारत का संक्रमण महत्वपूर्ण क्यों माना जाता है?

उत्तर: अक्षय ऊर्जा की ओर भारत का संक्रमण सतत विकास, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण है।

केस स्टडी 6

भारत में खनिज संसाधनों की एक समृद्ध विविधता है। भारत में पाए जाने वाले प्रमुख खनिजों में कोयला, लौह अयस्क, मैंगनीज, अभ्रक, बॉक्साइट और तांबा शामिल हैं। ये खनिज देश के औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। हालाँकि, इन खनिजों के निष्कर्षण और प्रसंस्करण से वनों की कटाई, मिट्टी का कटाव और जल प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय प्रभाव पड़ते हैं।

उद्योग। इसके अतिरिक्त, प्रौद्योगिकी बेहतर निगरानी और विनियमन अनुपालन में सहायता कर सकती है।

1. भारत में पाए जाने वाले कुछ प्रमुख खनिज कौन से हैं?

उत्तर: भारत में पाए जाने वाले प्रमुख खनिजों में कोयला, लौह अयस्क, मैंगनीज, अभ्रक, बॉक्साइट और तांबा शामिल हैं।

2. ये खनिज भारत के औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण क्यों हैं?

उत्तर: ये खनिज भारत के औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इनका उपयोग विभिन्न उद्योगों, जैसे कि इस्पात, सीमेंट और विनिर्माण में किया जाता है, जो आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

3. इन खनिजों के निष्कर्षण और प्रसंस्करण के कुछ पर्यावरणीय प्रभाव क्या हैं?

उत्तर: कुछ पर्यावरणीय प्रभावों में वनों की कटाई, मिट्टी का कटाव और जल प्रदूषण शामिल हैं।

4. इन पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने में प्रौद्योगिकी किस प्रकार मदद कर सकती है?

उत्तर: प्रौद्योगिकी बेहतर निगरानी और विनियमन अनुपालन में मदद कर सकती है, जिससे खनिज निष्कर्षण और प्रसंस्करण के पर्यावरणीय प्रभावों को कम किया जा सकता है।

5. खनिज निष्कर्षण और प्रसंस्करण के पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

उत्तर: कुछ उपायों में पुनर्वनीकरण, टिकाऊ खनन प्रथाओं को लागू करना और पर्यावरण के अनुकूल प्रसंस्करण तकनीकों का उपयोग करना शामिल है।

केस स्टडी 7

भारत की ऊर्जा खपत मुख्य रूप से कोयले पर आधारित है, जो देश के बिजली उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अक्षय ऊर्जा के लिए जोर दिए जाने के बावजूद, कोयला अपने प्रचुर भंडार और स्थापित बुनियादी ढांचे के कारण एक प्रमुख ऊर्जा स्रोत बना हुआ है। हालांकि, कोयले पर भारी निर्भरता ने वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन सहित गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों को जन्म दिया है।

प्रश्न: भारत में ऊर्जा खपत का प्राथमिक स्रोत क्या है?

उत्तर: कोयला भारत में ऊर्जा खपत का प्राथमिक स्रोत है।

प्रश्न: भारत में कोयला एक प्रमुख ऊर्जा स्रोत क्यों बना हुआ है?

उत्तर: कोयला अपने प्रचुर भंडार और स्थापित बुनियादी ढांचे के कारण भारत में एक प्रमुख ऊर्जा स्रोत बना हुआ है।

प्रश्न: भारत की कोयले पर भारी निर्भरता से जुड़ी कुछ पर्यावरणीय चुनौतियाँ क्या हैं?

उत्तर: भारत की कोयले पर भारी निर्भरता से जुड़ी कुछ पर्यावरणीय चुनौतियों में वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन शामिल हैं।

तर्क आधारित प्रश्न

प्रश्न 1

अभिकथन (A): ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत महत्वपूर्ण हैं।

कारण (R): सौर और पवन जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत जीवाश्म ईंधन को जलाए बिना ऊर्जा उत्पन्न करते हैं।

उत्तर:

- अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं।
- कारण (R) अभिकथन (A) के लिए सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत वास्तव में महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे जीवाश्म ईंधन को जलाए बिना ऊर्जा उत्पन्न करते हैं, जो कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों का प्राथमिक स्रोत हैं।

प्रश्न 2

अभिकथन (A): ऊर्जा उत्पादन के लिए कोयले पर भारत की निर्भरता महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियाँ पेश करती है।

कारण (R): कोयला खनन और दहन से प्रदूषक निकलते हैं जो वायु और जल प्रदूषण में योगदान करते हैं।

उत्तर:

- अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं।
- कारण (R) अभिकथन (A) के लिए सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: कोयले पर भारत की निर्भरता विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को जन्म देती है, मुख्य रूप से कोयला खनन और जलाने के दौरान निकलने वाले प्रदूषकों के कारण, जो हवा और पानी को प्रदूषित करते हैं, जिससे पर्यावरण क्षरण और स्वास्थ्य समस्याओं में योगदान होता है।

प्रश्न 3

अभिकथन (A): खनिज आधारित उद्योगों का स्थान अक्सर कच्चे माल के स्रोतों के पास होता है।

कारण (R): लंबी दूरी पर कच्चे माल का परिवहन करना निष्कर्षण स्थलों के पास उन्हें संसाधित करने की तुलना में महंगा और कम कुशल है।

उत्तर:

- अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं।
- कारण (R), अभिकथन (A) के लिए सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: खनिज आधारित उद्योग आमतौर पर परिवहन लागत को कम करने और दक्षता बढ़ाने के लिए कच्चे माल के स्रोतों के करीब स्थित होते हैं, क्योंकि लंबी दूरी पर कच्चे माल का परिवहन करना अधिक महंगा और चुनौतीपूर्ण होता है।

प्रश्न 4

अभिकथन (A): भारत में जलविद्युत उत्पादन अक्षय ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण स्रोत है।

कारण (R): जलविद्युत संयंत्र ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन किए बिना बिजली का उत्पादन करने के लिए बहते पानी की ऊर्जा का उपयोग करते हैं।

उत्तर:

- कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं।
- कारण (R) कथन (A) के लिए सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: भारत में जलविद्युत ऊर्जा एक प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत है, जो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का उत्पादन किए बिना बिजली उत्पन्न करने के लिए बहते पानी की गतिज ऊर्जा का उपयोग करती है, जिससे स्वच्छ ऊर्जा में योगदान मिलता है।

प्रश्न 5

कथन (A): खनिज संसाधनों के दोहन से अक्सर पर्यावरण का क्षरण होता है।

कारण (R): खनन गतिविधियों से वनों की कटाई, मिट्टी का कटाव और जल निकायों का प्रदूषण होता है।

उत्तर:

- कथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं।
- कारण (R) कथन (A) के लिए सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण:

खनिज संसाधनों के दोहन से पर्यावरण का क्षरण होता है क्योंकि खनन कार्यों में वनों की कटाई, मिट्टी का कटाव और जल निकायों में प्रदूषकों की रिहाई शामिल होती है, जो पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

प्रश्न 6

कथन (A): गैर-नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों का उपयोग दीर्घकालिक रूप से अस्थिर है।

कारण (R): कोयला और तेल जैसे गैर-नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन सीमित हैं और अंततः समाप्त हो जाएंगे।

उत्तर:

- अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं।
- कारण (R), अभिकथन (A) के लिए सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: गैर-नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन असंधारणीय हैं क्योंकि वे सीमित हैं और समय के साथ समाप्त हो जाएंगे, जिससे नवीकरणीय और अधिक टिकाऊ ऊर्जा स्रोतों की ओर जाने की आवश्यकता होगी।

प्रश्न 7

अभिकथन (A): भूतापीय ऊर्जा नवीकरणीय ऊर्जा का एक विश्वसनीय स्रोत है।

कारण (R): भूतापीय ऊर्जा पृथ्वी के आंतरिक भाग से ऊष्मा का उपयोग करती है, जो लगातार उत्पन्न होती है।

उत्तर:

- अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं।

- कारण (R), अभिकथन (A) के लिए सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: भूतापीय ऊर्जा को विश्वसनीय माना जाता है क्योंकि यह पृथ्वी के आंतरिक भाग में लगातार उत्पन्न होने वाली ऊष्मा का दोहन करती है, जिससे मौसम जैसी बाहरी स्थितियों पर निर्भरता के बिना एक सुसंगत और टिकाऊ ऊर्जा स्रोत मिलता है।

प्रश्न 8

अभिकथन (A): भारत में खनिज संसाधनों का वितरण असमान है।

कारण (R): खनिज भंडार विशिष्ट भूवैज्ञानिक परिस्थितियों में बनते हैं जो हर जगह समान रूप से मौजूद नहीं होते हैं।

उत्तर:

- अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं।

- कारण (R), अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: खनिज निर्माण के लिए आवश्यक अद्वितीय भूवैज्ञानिक परिस्थितियों के कारण खनिज संसाधनों का वैश्विक वितरण असमान है, जो भारत के विभिन्न क्षेत्रों में समान रूप से वितरित नहीं हैं।

प्रश्न 9

अभिकथन (A): नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत जीवाश्म ईंधन के साथ तेजी से लागत-प्रतिस्पर्धी होते जा रहे हैं।

कारण (R): तकनीकी प्रगति ने नवीकरणीय ऊर्जा पैदा करने की लागत को कम कर दिया है।

उत्तर:

- अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं।

- कारण (R), अभिकथन (A) के लिए सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत प्रौद्योगिकी और अनुसंधान एवं विकास में प्रगति के कारण अधिक लागत-प्रतिस्पर्धी होते जा रहे हैं क्योंकि नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का उत्पादन और उपयोग बढ़ता है, जिससे उनकी कुल लागत कम होती है।

प्रश्न 10

अभिकथन (A): भारत जैसे उष्णकटिबंधीय देशों में सौर ऊर्जा की महत्वपूर्ण क्षमता है।

कारण (R): उष्णकटिबंधीय देशों को पूरे वर्ष प्रचुर मात्रा में सूर्य का प्रकाश मिलता है, जो सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए आदर्श है।

उत्तर:

- अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं।

- कारण (R), अभिकथन (A) के लिए सही स्पष्टीकरण है।

स्पष्टीकरण: भारत जैसे उष्णकटिबंधीय देशों में सौर ऊर्जा की बहुत संभावनाएं हैं, जहां साल भर उच्च स्तर की धूप मिलती है, जो उन्हें सौर ऊर्जा का कुशलतापूर्वक उपयोग करने के लिए आदर्श स्थान बनाती है।

MCQ उत्तर

1. b) रूपांतरित और आग्नेय चट्टानें

2. b) पेट्रोलियम

3. d) 97%

4. c) ओडिशा
5. c) धारवाड़ प्रणाली
6. b) दक्षिण-पश्चिमी पठार क्षेत्र
7. b) तांबा
8. b) ओडिशा
9. c) अभ्रक
10. a) कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस
11. c) तांबा
12. b) गोवा
13. b) इस्पात संयंत्रों से दूरी
14. d) पूर्वी और पश्चिमी दोनों भाग
15. c) बॉक्साइट
16. d) असम
17. b) झारखंड
18. b) बिटुमिनस
19. b) तांबा
20. b) कृष्णा-गोदावरी बेसिन

भारतीय संदर्भ में सतत विकास योजना

- नियोजन शब्द में किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सोचने, किसी योजना या कार्यक्रम को तैयार करने और कार्यों के एक समूह के कार्यान्वयन की प्रक्रिया शामिल होती है।
 - यहां इसका प्रयोग आर्थिक विकास की प्रक्रिया के सन्दर्भ में किया गया है।
 - 'योजना में किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सोचने की प्रक्रिया, एक योजना या कार्यक्रम तैयार करना और कार्यों के एक सेट को लागू करना शामिल है। यह पारंपरिक हिट-एंड-मिस तरीकों से अलग है जिसके द्वारा अक्सर सुधार और पुनर्निर्माण किए जाते हैं। इसका उपयोग आर्थिक विकास की प्रक्रिया में किया जाता है।
 - आम तौर पर, नियोजन के दो दृष्टिकोण होते हैं, अर्थात् **खंडीय नियोजन और क्षेत्रीय नियोजन**।
 - खंडीय नियोजन का अर्थ अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि, सिंचाई, विनिर्माण, बिजली, निर्माण, परिवहन, संचार, सामाजिक बुनियादी ढांचे और सेवाओं के विकास के उद्देश्य से योजनाओं या कार्यक्रमों के सेट का निर्माण और कार्यान्वयन है।
 - अंतरिक्ष में विकास के असमान पैटर्न के लिए जरूरी है कि योजनाकारों के पास स्थानिक परिप्रेक्ष्य हो और वे विकास में क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने के लिए योजनाएं बनाएं। इस प्रकार की योजना को क्षेत्रीय योजना कहा जाता है।
 - नियोजन प्रक्रिया में उन क्षेत्रों का विशेष ध्यान रखना होगा जो आर्थिक रूप से पिछड़े हुए हैं। लेकिन कभी-कभी साधन-संपन्न क्षेत्र पिछड़े भी रह जाते हैं। आर्थिक विकास के लिए संसाधन के अलावा प्रौद्योगिकी और निवेश की भी आवश्यकता होती है। लगभग डेढ़ दशक के नियोजन अनुभव से यह महसूस किया गया कि आर्थिक विकास में क्षेत्रीय असंतुलन बढ़ रहा है।
 - क्षेत्रीय और सामाजिक असमानताओं को बढ़ने से रोकने के लिए, योजना आयोग ने योजना में '**लक्ष्य क्षेत्र**' और **लक्ष्य समूह दृष्टिकोण** पेश किया।
 - **8वीं पंचवर्षीय योजना** में पहाड़ी क्षेत्रों, उत्तर-पूर्वी राज्यों, आदिवासी क्षेत्रों और पिछड़े क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए **विशेष क्षेत्र कार्यक्रम** तैयार किए गए थे।
- पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम
- पांचवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 15 जिलों को कवर करते हुए पहाड़ी क्षेत्र विकास कार्यक्रम शुरू किए गए थे, जिसमें उत्तर प्रदेश (वर्तमान उत्तराखंड) के सभी पहाड़ी जिले, असम के मिकिर हिल और उत्तरी कछार हिल्स, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले और तमिलनाडु के नीलगिरि जिले शामिल थे।
 - इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बागवानी, वृक्षारोपण कृषि, पशुपालन, मुर्गीपालन, वानिकी और लघु-स्तरीय और ग्रामीण उद्योग के विकास के माध्यम से पहाड़ी क्षेत्रों के स्वदेशी संसाधनों का दोहन करना है।
 - **सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम**: यह कार्यक्रम **चौथी पंचवर्षीय योजना** के दौरान सूखाग्रस्त क्षेत्रों में लोगों को रोजगार प्रदान करने और उत्पादक संपत्ति बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया था।
 - इसमें सिंचाई परियोजनाओं, भूमि विकास कार्यक्रमों, वनीकरण, चरागाह विकास और बिजली, सड़क, बाजार, ऋण और सेवाओं जैसे बुनियादी, ग्रामीण बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया गया।
 - **भारत के योजना आयोग** (1967) ने देश के 67 जिलों (संपूर्ण या आंशिक रूप से) को सूखे की आशंका वाले जिलों की पहचान की। सिंचाई आयोग (1972) ने 30 प्रतिशत सिंचित क्षेत्र का मानदंड पेश किया और सूखा-प्रवण क्षेत्रों का सीमांकन किया।

- **केस स्टडी- भरमौर क्षेत्र में एकीकृत जनजातीय विकास परियोजना:** भरमौर जनजातीय क्षेत्र में हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले की भरमौर और होली तहसील शामिल हैं।
- भरमौर में 'गद्दी' नाम का एक आदिवासी समुदाय निवास करता है, जिन्होंने हिमालयी क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाए रखी है क्योंकि वे पारगमन का अभ्यास करते थे और गद्दीयाली बोली के माध्यम से बातचीत करते थे।
- यह हिमाचल प्रदेश के सबसे (आर्थिक और सामाजिक रूप से) पिछड़े क्षेत्रों में से एक है।
- अर्थव्यवस्था काफी हद तक कृषि और भेड़ और बकरी पालन जैसी संबद्ध गतिविधियों पर आधारित है।
- भरमौर के जनजातीय क्षेत्र के विकास की प्रक्रिया 1970 के दशक में शुरू हुई जब गद्दी को अनुसूचित जनजातियों में शामिल किया गया। पांचवीं पंचवर्षीय योजना के तहत, जनजातीय उप-योजना 1974 में शुरू की गई थी और भरमौर को हिमाचल प्रदेश में पांच एकीकृत जनजातीय विकास परियोजनाओं (आईटीडीपी) में से एक के रूप में नामित किया गया था।
- इस योजना में परिवहन और संचार, कृषि और संबद्ध गतिविधियों और सामाजिक और सामुदायिक सेवाओं के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई।
- भरमौर क्षेत्र में जनजातीय उप-योजना का सबसे महत्वपूर्ण योगदान स्कूलों, स्वास्थ्य सुविधाओं, पीने योग्य पानी, सड़कों, संचार और बिजली के संदर्भ में बुनियादी ढांचे का विकास है।
- आईटीडीपी से प्राप्त सामाजिक लाभों में साक्षरता दर में जबरदस्त वृद्धि, लिंग अनुपात में सुधार और बाल विवाह में गिरावट शामिल है।
- परंपरागत रूप से, गद्दियों के पास निर्वाह कृषि-सह देहाती अर्थव्यवस्था थी जिसमें खाद्यान्न और पशुधन उत्पादन पर जोर दिया जाता था। लेकिन बीसवीं सदी के आखिरी तीन दशकों के दौरान भरमौर क्षेत्र में दालों और अन्य नकदी फसलों की खेती में वृद्धि हुई है। लेकिन फसल की खेती अभी भी पारंपरिक तकनीक से की जाती है।
- **इंदिरा गांधी नहर (नहर) कमांड क्षेत्र:** सतत विकास को बढ़ावा देने के उपाय- इंदिरा गांधी नहर, जिसे पहले राजस्थान नहर के नाम से जाना जाता था, भारत की सबसे बड़ी नहर प्रणालियों में से एक है।
- यह नहर पंजाब के हरिके बैराज से निकलती है और राजस्थान के थार रेगिस्तान (मरुस्थली) में पाकिस्तान सीमा के समानांतर औसतन 40 किमी की दूरी तक चलती है।
- कुल कमांड क्षेत्र में से लगभग 70 प्रतिशत को प्रवाह प्रणाली द्वारा और शेष को लिफ्ट प्रणाली द्वारा सिंचित करने की परिकल्पना की गई थी।
- नहर प्रणाली का निर्माण कार्य दो चरणों के माध्यम से किया गया है। स्टेज-I का कमांड क्षेत्र गंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर जिलों के उत्तरी भाग में स्थित है।
- स्टेज-II का कमांड क्षेत्र बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, नागौर और चूरू जिलों में फैला हुआ है, जिसमें 14.10 लाख हेक्टेयर का कृषि योग्य कमांड क्षेत्र शामिल है।
- इस शुष्क भूमि में नहर सिंचाई की शुरुआत ने इसकी पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था और समाज को बदल दिया है। इसने क्षेत्र की पर्यावरणीय स्थितियों को सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह से प्रभावित किया है।
- लंबे समय तक मिट्टी में नमी की उपलब्धता और सीएडी के तहत विभिन्न वनीकरण और चारागाह विकास कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप भूमि हरी-भरी हो गई है।
- नहर सिंचाई के प्रसार से खेती के क्षेत्र और फसल की सघनता में वृद्धि हुई है। क्षेत्र में पारंपरिक फसलें बोई जाती हैं; चना, बाजरा और ज्वार का स्थान गेहूं, कपास, मूंगफली और चावल ने ले लिया है।

- इससे जल जमाव और मिट्टी की लवणता भी पैदा हुई है और इस प्रकार, लंबे समय में, यह कृषि की स्थिरता में बाधा उत्पन्न करती है।
- विकास की अवधारणा गतिशील है और बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध के दौरान विकसित हुई है।
- पश्चिमी दुनिया में 1960 के दशक के अंत में पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता में सामान्य वृद्धि के मद्देनजर सतत विकास की धारणा उभरी।
- इसने पर्यावरण पर औद्योगिक विकास के अवांछनीय प्रभावों के बारे में लोगों की चिंता को प्रतिबिंबित किया।
- पर्यावरण के मुद्दों पर विश्व समुदाय की बढ़ती राय से चिंतित होकर, संयुक्त राष्ट्र ने नॉर्वे के प्रधानमंत्री ग्रो हार्लेम ब्रंटलैंड की अध्यक्षता में पर्यावरण और विकास पर विश्व आयोग (WCED) की स्थापना की।
- रिपोर्ट सतत विकास को "एक ऐसे विकास के रूप में परिभाषित करती है जो भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है।"
- सतत विकास वर्तमान समय के दौरान विकास के पारिस्थितिक, सामाजिक और आर्थिक पहलुओं का ख्याल रखता है और भविष्य की पीढ़ियों को इन संसाधनों का उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए संसाधनों के संरक्षण की वकालत करता है। यह संपूर्ण मानव जाति के विकास को ध्यान में रखता है जिसका एक समान भविष्य है।
- इंदिरा गांधी नहर परियोजना की पारिस्थितिक स्थिरता पर विभिन्न विद्वानों द्वारा सवाल उठाए गए हैं।
- यह एक कठिन तथ्य है कि कमांड क्षेत्र में सतत विकास प्राप्त करने के लिए पारिस्थितिक स्थिरता प्राप्त करने के उपायों पर प्रमुख जोर देने की आवश्यकता है।

सतत विकास को बढ़ावा देने हेतु उपाय

- इसलिए, प्रस्तावित सात उपायों में से पांच उपाय पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने के लिए हैं।
- (i) पहली आवश्यकता जल प्रबंधन नीति का कड़ाई से कार्यान्वयन है।
- (ii) सामान्य तौर पर, फसल पैटर्न में जल-गहन फसलें शामिल नहीं होंगी।
- (iii) पानी के परिवहन के नुकसान को कम करने के लिए सीएडी कार्यक्रम जैसे जल क्षेत्र की लाइनिंग, भूमि विकास और समतलीकरण और वारबंदी प्रणाली (आउटलेट के कमांड क्षेत्र में नहर के पानी का समान वितरण) को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।
- (iv) जलभराव और मिट्टी की लवणता से प्रभावित क्षेत्रों को पुनः प्राप्त किया जाएगा।
- (v) वनीकरण, आश्रय बेल्ट वृक्षारोपण और चारागाह विकास के माध्यम से पर्यावरण-विकास आवश्यक है।
- (vi) क्षेत्र में सामाजिक स्थिरता केवल तभी हासिल की जा सकती है जब खराब आर्थिक पृष्ठभूमि वाले भूमि आवंटियों को भूमि की खेती के लिए पर्याप्त वित्तीय और संस्थागत सहायता प्रदान की जाए।
- (vii) कृषि और संबद्ध गतिविधियों को अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों के साथ विकसित करना होगा।

1. बहुविकल्पीय प्रश्न।

- (i) क्षेत्रीय योजना संबंधित है:
 - (ए) अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों का विकास।
 - (बी) विकास का क्षेत्र विशिष्ट दृष्टिकोण
 - (सी) परिवहन नेटवर्क में अंतर हैं।
 - (डी) ग्रामीण क्षेत्रों का विकास।

(ii) इनमें से कौन सा/से लक्ष्य क्षेत्र नियोजन का/के उदाहरण हैं?

- (1) पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम
- (2) मरुस्थलीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम
- (3) लघु किसान विकास एजेंसी

कोड्स

(ए) 1, 2 और 3

(बी) 1 और 2

(सी) 2 और 3

(डी) 1 और 3

(iii) निम्नलिखित का मिलान करें।

रिपोर्ट/प्रकाशन द्वारा प्रकाशित

- | | |
|----------------------|-------------------|
| 1. हमारा साझा भविष्य | ए. ब्रंटलैंड आयोग |
| 2. विकास की सीमाएं | बी. पी. एर्लिच |
| 3. जनसंख्या बम | सी. मीडोज |

कोड्स

ए बी सी

(ए) 1 2 3

(बी) 1 3 2

(सी) 3 2 1

(डी) 3 1 2

2. कथन /कारण

(i) निर्देश नीचे दिए गए प्रश्नों में दो कथनों को दावा (ए) और दूसरे को कारण (आर) के रूप में लेबल किया गया है। दो कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

कोड्स

(ए) ए और आर दोनों सत्य हैं और आर, ए का सही स्पष्टीकरण है

(बी) ए और आर दोनों सत्य हैं, लेकिन आर, ए का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(सी) ए सत्य है, लेकिन आर गलत है

(डी) ए गलत है, लेकिन आर सच है

(i) कथन (ए) गहन सिंचाई से इंदिरा गांधी कमांड क्षेत्र में कृषि और पशुधन उत्पादकता में जबरदस्त वृद्धि हुई है।

कारण (आर) गहन सिंचाई के कारण अत्यधिक जल जमाव और मिट्टी में लवणता हो गई है।

(ii) कथन (ए) विकास प्रकृति में गतिशील और जटिल है।

कारण (आर) नियोजन का उद्देश्य संसाधनों का टिकाऊ तरीके से उपयोग करना है।

स्रोत आधारित प्रश्न

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें।

मानव-पर्यावरण संपर्क की प्रक्रियाएं किसी समाज द्वारा पोषित प्रौद्योगिकी और संस्थानों के स्तर पर निर्भर करती हैं। जबकि प्रौद्योगिकी और संस्थानों ने मानव-पर्यावरण संपर्क की गति को बढ़ाने में मदद की है, बदले में उत्पन्न गति ने तकनीकी प्रगति और परिवर्तन और संस्थानों के निर्माण को गति दी है। इसलिए, विकास एक बहुआयामी अवधारणा है और यह अर्थव्यवस्था, समाज और पर्यावरण के सकारात्मक, अपरिवर्तनीय परिवर्तन का प्रतीक है। विकास की अवधारणा गतिशील है और बीसवीं सदी के उत्तरार्ध के दौरान विकसित हुई है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के युग में, विकास की अवधारणा आर्थिक विकास का पर्याय थी जिसे सकल राष्ट्रीय उत्पाद (जीएनपी) और प्रति व्यक्ति आय/प्रति व्यक्ति खपत में अस्थायी वृद्धि के संदर्भ में मापा जाता है। लेकिन, उच्च आर्थिक विकास वाले देशों में भी असमान वितरण के कारण गरीबी में तेजी से वृद्धि हुई है। इसलिए, 1970 के दशक में, विकास की परिभाषा में वृद्धि और विकास और समानता के साथ पुनर्वितरण जैसे वाक्यांशों को शामिल किया गया था। पुनर्वितरण और समानता से संबंधित प्रश्नों से निपटने के दौरान यह महसूस किया गया कि विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक क्षेत्र तक ही सीमित नहीं रखा जा सकता है।

इसमें लोगों की भलाई और जीवन स्तर में सुधार, स्वास्थ्य, शिक्षा और अवसर की समानता का लाभ उठाना और राजनीतिक और नागरिक अधिकारों को सुनिश्चित करना जैसे मुद्दे भी शामिल हैं। 1980 के दशक तक, विकास एक ऐसी अवधारणा के रूप में उभरा जिसमें समाज में सभी के सामाजिक और भौतिक कल्याण में व्यापक सुधार शामिल था। पश्चिमी दुनिया में 1960 के दशक के अंत में पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता में सामान्य वृद्धि के मद्देनजर सतत विकास की धारणा उभरी। यह पर्यावरण पर औद्योगिक विकास के अवांछनीय प्रभावों के बारे में लोगों की चिंता को दर्शाता है। 1968 में एर्लिच द्वारा 'द पॉपुलेशन बॉम्ब' और 1972 में मीडोज और अन्य द्वारा 'द लिमिटेड टू ग्रोथ' के प्रकाशन ने विशेष रूप से पर्यावरणविदों और सामान्य रूप से लोगों के बीच भय के स्तर को और बढ़ा दिया। यह एक व्यापक वाक्यांश 'सतत विकास' के तहत विकास के नए मॉडल के उद्भव के लिए परिदृश्य तैयार करता है।

(i) विश्व युद्ध के बाद की अवधि में, विकास शब्द निम्नलिखित में से किसको संदर्भित करता था?

(ए) जीएनपी में वृद्धि

(बी) खुशी में वृद्धि

(सी) पेंशन में वृद्धि

(डी) रोजगार में वृद्धि

(ii) सतत विकास की अवधारणा निम्नलिखित में से किसमें सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है?

(ई) समाज

(च) अर्थव्यवस्था

(छ) पर्यावरण

(ज) ये सभी

(iii) सतत विकास की अवधारणा के पीछे सबसे महत्वपूर्ण विचार क्या है?

(ए) आय में वृद्धि

(बी) कल्याण में वृद्धि

(सी) जीडीपी में वृद्धि

(डी) रोजगार में वृद्धि

(iv) निम्नलिखित में से कौन सतत विकास का प्रमुख स्तंभ है?

(ए) भेदभाव

(बी) शिक्षा

(सी) गरीबी

(डी) इक्विटी

लघु उत्तरीय प्रश्न

(i) भारत में दो प्रकार के नियोजन दृष्टिकोणों पर चर्चा करें।

उत्तर- नियोजन के दो दृष्टिकोण हैं जो इस प्रकार हैं:

(ए) खंडीय नियोजन दृष्टिकोण - इस दृष्टिकोण में अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए योजनाएं तैयार की जाती हैं, जैसे। कृषि, सिंचाई, विनिर्माण, बिजली, निर्माण, परिवहन, संचार, सामाजिक बुनियादी ढाँचा, सेवाएँ, आदि

(बी) क्षेत्रीय योजना दृष्टिकोण - इस दृष्टिकोण में मुख्य जोर ऐसी योजनाएं बनाने पर है जो क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने और सभी क्षेत्रों में समान आर्थिक विकास लाने में मदद कर सकें। इस प्रकार, इस दृष्टिकोण का उद्देश्य क्षेत्रीय असंतुलन को कम करना है।

(ii) सतत विकास की अवधारणा कैसे विकसित हुई। सतत विकास के उद्देश्य क्या हैं?

उत्तर- पश्चिमी दुनिया में 1960 में सतत विकास की अवधारणा का उदय पर्यावरण पर औद्योगिक विकास के अवांछनीय प्रभावों के कारण हुआ। सतत विकास का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में विकास के आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिक क्षेत्रों का ध्यान रखना है और साथ ही सभी संसाधनों को इस तरह से संरक्षित करना है कि इन्हें भविष्य की पीढ़ियों के लिए बनाए रखा जा सके। यह संपूर्ण मानव जाति के विकास को ध्यान में रखता है जिसका एक समान भविष्य है। वह विकास और पर्यावरण के बीच सामंजस्य बिठाने की कोशिश कर रही है।

(iii) राजस्थान के शुष्क क्षेत्रों में इंदिरा गांधी नहर सिंचाई की शुरुआत ने क्षेत्र की पर्यावरणीय स्थितियों को कैसे सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है? किन्हीं तीन बिन्दुओं में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- राजस्थान के शुष्क क्षेत्र की पर्यावरणीय स्थितियों पर इंदिरा गांधी नहर सिंचाई के सकारात्मक प्रभाव इस प्रकार हैं:

- सीएडी कार्यक्रम (कमांड एरिया डेवलपमेंट) यानी वनीकरण और चारागाह विकास कार्यक्रमों ने रेगिस्तानी क्षेत्र को हरित भूमि में विकसित किया।
- लंबे समय तक नमी की उपलब्धता और वनीकरण के कारण पवन कटाव काफी कम हो गया है।
- नहर विकास के कारण मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है क्योंकि मिट्टी का कटाव कम हुआ है और गाद की समस्या में भी कमी आई है।

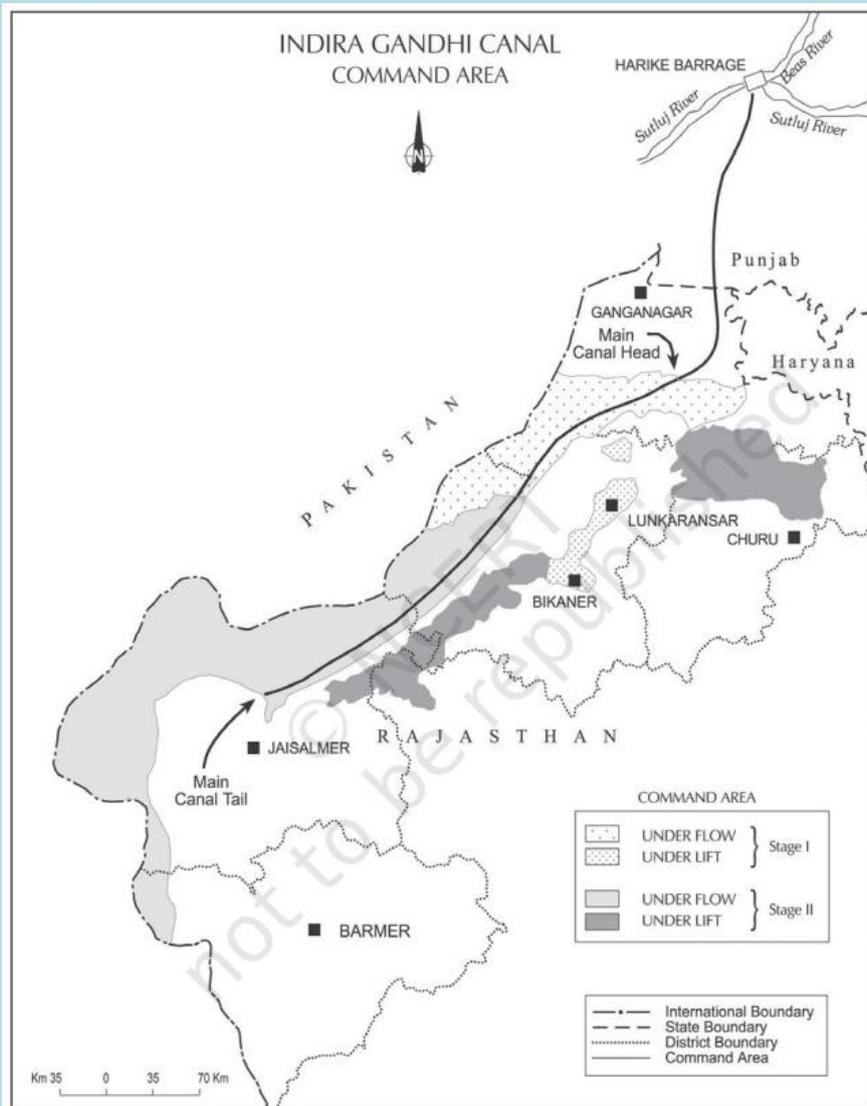
दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न

(i) कमांड क्षेत्र में सतत विकास प्राप्त करने के लिए पारिस्थितिक स्थिरता प्राप्त करने के उपायों पर प्रमुख जोर देने की आवश्यकता है। इंदिरा गांधी राजस्थान नहर के कमांड क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित उपायों पर प्रकाश डालें।

उत्तर- इंदिरा गांधी राजस्थान नहर कमान क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित उपाय हैं -

- जल प्रबंधन नीति का कड़ाई से कार्यान्वयन आवश्यक है। नहर परियोजना चरण-1 में सुरक्षात्मक सिंचाई और चरण-11 में फसलों की व्यापक सिंचाई और चारागाह विकास की परिकल्पना करती है।

- सामान्य तौर पर, फसल पैटर्न में पानी की अधिकता वाली फसलें शामिल नहीं होंगी। इसका पालन किया जाएगा और लोगों को खट्टे फल जैसी वृक्षारोपण फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
 - पानी के परिवहन नुकसान को कम करने के लिए सीएडी (कॉमन एरिया डेवलपमेंट) कार्यक्रम जैसे जल पाठ्यक्रमों की लाइनिंग, भूमि विकास और समतलीकरण और वारबंदी प्रणाली (आउटलेट के कमांड क्षेत्र में नहर के पानी का समान वितरण) को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।
 - जल जमाव और मिट्टी की लवणता से प्रभावित क्षेत्रों को पुनः प्राप्त किया जाएगा।
 - वनरोपण, शेल्टरबेल्ट वृक्षारोपण और चारागाह विकास के माध्यम से पर्यावरण-विकास विशेष रूप से स्टेज- II के नाजुक वातावरण में आवश्यक है।
 - क्षेत्र में सामाजिक स्थिरता केवल तभी हासिल की जा सकती है जब खराब आर्थिक पृष्ठभूमि वाले भूमि आवंटियों को भूमि की खेती के लिए पर्याप्त वित्तीय और संस्थागत सहायता प्रदान की जाए।
- दिए गए मानचित्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:-



- इस नहर के उद्गम स्रोत का उल्लेख करें।
 - नहर के पूर्व का क्षेत्र लिफ्ट सिंचाई के अंतर्गत क्यों है?
 - कमांड क्षेत्र के लिए इस नहर का आर्थिक महत्व स्पष्ट करें।
- (i) इंदिरा गांधी नहर का उद्गम स्रोत पंजाब में हरिके बैराज है।

(ii) इंदिरा गांधी नहर के पूर्व का क्षेत्र लिफ्ट सिंचाई के अंतर्गत है क्योंकि इसमें रेत के टीलों से युक्त रेगिस्तानी भूमि शामिल है। लिफ्ट सिंचाई प्रणाली की सहायता से पानी को ऊपर उठाकर भूमि की ढलान के विपरीत प्रवाहित किया जाता है।

(iii) इस नहर का आर्थिक महत्व यह है कि इस नहर के माध्यम से सिंचाई से खेती योग्य भूमि और फसल की सघनता में वृद्धि हुई। मुख्य वाणिज्यिक फसलें अर्थात्. गेहूं, चावल, कपास, मूंगफली, चना, बाजरा और ज्वार जैसी सूखा प्रतिरोधी फसलों की जगह ले ली।

1. बहुविकल्पीय आधारित उत्तर

- (i) उत्तर (बी) विकास का क्षेत्र विशिष्ट दृष्टिकोण
- (ii) उत्तर (सी) आंध्र प्रदेश
- (iii) उत्तर (बी) 1 और 2
- (iv) उत्तर (बी) 1 3 2

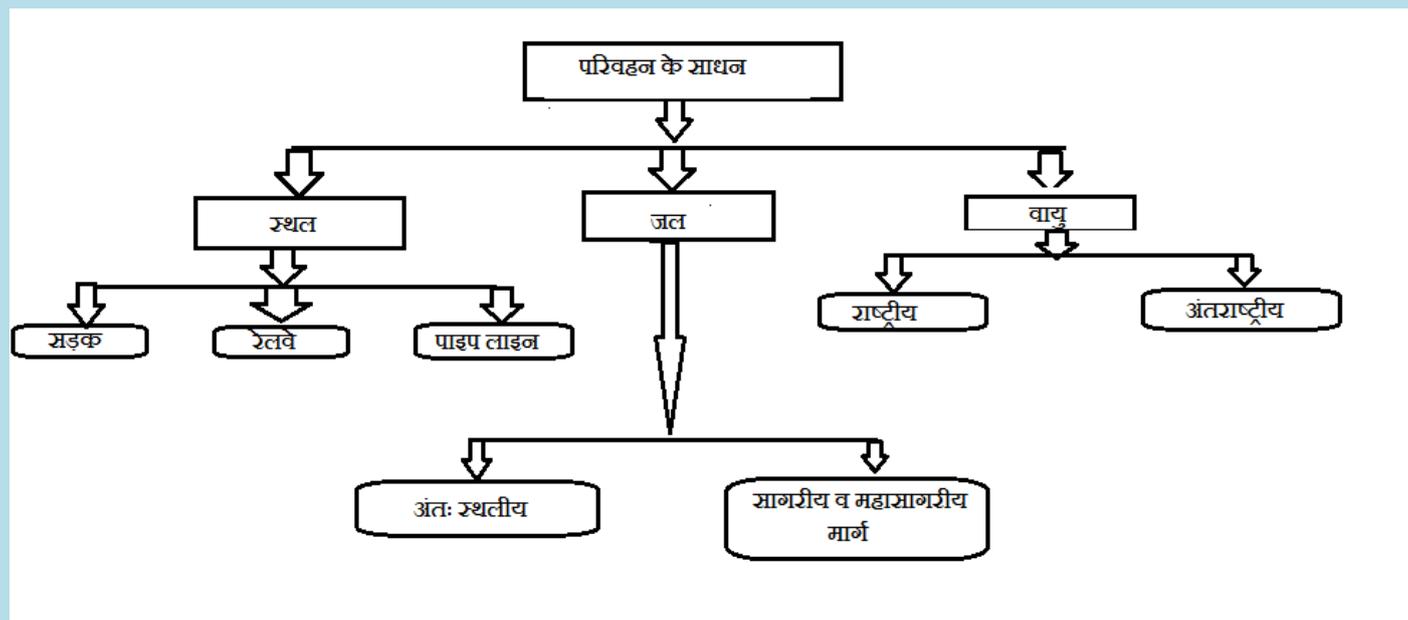
2. कथन/कारण

- (i) उत्तर (बी) ए और आर दोनों सत्य हैं, लेकिन आर, ए का सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (ii) उत्तर (बी) ए और आर दोनों सत्य हैं, लेकिन आर, ए का सही स्पष्टीकरण नहीं है

3. स्रोत आधारित उत्तर

- (i) उत्तर (ए) जीएनपी में वृद्धि
- (ii) उत्तर (डी) ये सभी
- (iii) उत्तर (बी) खुशहाली में वृद्धि
- (iv) उत्तर (डी) इक्विटी

पाठ 7 परिवहन और संचार



परिवहन और संचार का वर्गीकरण

स्थल-

1. सड़क
2. रेलवे
3. पाइप लाइनें

जल

1. अंतर्देशीय
2. महासागरीय

वायु

1. घरेलू
2. अंतराष्ट्रीय

स्थल परिवहन- सड़क परिवहन

- * सड़क की कुल लंबाई 62.16 लाख किमी है
- * 85% यात्री और 70% माल ढुलाई सड़कों से होती है
- * शेरशाह सूरी ने सिंधु घाटी को सोन घाटी से जोड़ने वाली शाही सड़क बनवाई
- * ग्रेडट्रंक (जीटी) रोड का नाम बदला गया, जो कलकत्ता को पेशावर (ब्रिटिश काल) से जोड़ता है।
- * वर्तमान में यह अमृतसर को कोलकाता (NH 1 अमृतसर से दिल्ली, NH-2 दिल्ली से कोलकाता) से जोड़ता है।

सड़क विकास की योजनाएँ

में। नागपुर योजना (1943) ii. बीस वर्षीय सड़क योजना (1961)

सड़कों का वर्गीकरण

I- राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)

केंद्रीय सरकार/एनएचएआई द्वारा निर्मित और रखरखाव

सशस्त्र बलों और सामग्री की आवाजाही के लिए राज्य की राजधानियों, प्रमुख शहरों, महत्वपूर्ण बंदरगाहों, रेलवे जंक्शन रेत रणनीतिक क्षेत्रों को जोड़ें।

2020 में कुल लंबाई 1,36,440 किमी।

कुल सड़क लंबाई का 2% और सड़क यातायात का 40% हिस्सा है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की स्थापना 1995 में की गई थी।

एनएचएआई के कार्य-राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास, रखरखाव और संचालन।

एनएचएआई की विकास परियोजनाएं

स्वर्णिम चतुर्भुज-5846 किमी, 4/6 लेन, उच्च घनत्व यातायात, न्यूनतम समय, दूरी और लागत के लिए दिल्ली-मुंबई-चेन्नई-कोलकाता को जोड़ता है।

एन-एस कॉरिडोर श्रीनगर को कन्याकुमारी से जोड़ता है (कोच्चि-सलेमपुर के साथ)(4076 किमी)

पूर्व-पश्चिम गलियारा सिलचर (असम) को पोरबंदर (जीजे) (3640 किमी) से जोड़ता है

II- राज्य राजमार्ग (एसएच)

राज्य सरकारों द्वारा निर्मित और रखरखाव।

•राज्य की राजधानियों को जिला मुख्यालयों, अन्य महत्वपूर्ण शहरों और एन.एच. से जोड़ें।

•कुल सड़क लंबाई का 4% हिस्सा

III- जिला सड़कें

जिला मुख्यालयों को अन्य शहरों से जोड़ना, कुल सड़क लंबाई का 14%

IV- ग्रामीण सड़कें

ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ें, 80% सड़क की लंबाई जिम्मेदार है

अन्य सड़कें

बॉर्डर सड़कें

• सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की स्थापना मई, 1960 में हुई थी।

• बीआरओ का कार्य- उत्तरी और पूर्वोत्तर सीमा क्षेत्रों, उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सड़क निर्माण और कृषि बलों की तीव्र गति से आवाजाही और देश के आर्थिक विकास के लिए उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फ हटाना। उदाहरण- मनाली-लेह राजमार्ग

अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग

भारत के साथ प्रभावी संबंध प्रदान करके पड़ोसी देशों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखें। उदाहरण- वाघा-अटारी बॉर्डर रोड, श्रीनगर-मुजफ्फराबाद के बीच अमन सेतु

सबसे अधिक सड़क घनत्व केरल में, सबसे कम सड़क घनत्व जम्मू और कश्मीर में

सड़क मार्गों को प्रभावित करने वाले कारक

I. भूभाग II. जलवायु III. आर्थिक विकास IV. उद्योग व शहर

अटल टनल

दुनिया की सबसे लंबी 9.02 किमी लंबी राजमार्ग सुरंग बीआरओ द्वारा बनाई गई है।

सुरंग मनाली को पूरे वर्ष लाहौल-स्पीति घाटी से जोड़ती है।

औसत समुद्र तल से 3000 मीटर की ऊंचाई पर हिमालय की पीरपंजाल श्रृंखला में अत्याधुनिक विशिष्टताओं के साथ सुरंग बनाई गई है।

क्रम सं.	रेल मण्डल	मुख्यालय
1	सेंट्रल	मुंबई
2	ईस्टर्न	कलकत्ता
3	ईस्ट सेंट्रल	हाजीपुर
4	ईस्ट कोस्ट	भुवनेश्वर
5	नॉर्थन	नई -दिल्ली
6	नॉर्थ सेंट्रल	इलाहाबाद
7	नॉर्थ ईस्टर्न	गोरखपुर
8	नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर	मालीगाओं(गुवाहाटी)
9	नॉर्थ वेस्टर्न	जयपुर
10	दक्षिण	चेन्नई
11	दक्षिण-मध्य	सिकंदराबाद
12	दक्षिण-पूर्व	कलकत्ता
13	दक्षिण-पूर्व- मध्य	बिलासपुर
14	दक्षिण-पश्चिम	हुबली
15	पश्चिम	मुंबई
16	पश्चिम-मध्य	जबलपुर

भारतमाला (अंबरेला योजना)

तटीय क्षेत्रों, गैर-प्रमुख बंदरगाहों, पिछड़े क्षेत्रों के धार्मिक और पर्यटन स्थलों के साथ राज्य सड़कों का विकास।

सेतु भारतम परियोजना

प्रमुख पुलों, रेल ओवर ब्रिज, रेल अंडर ब्रिज और नए घोषित राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण।

रेलवे

- पहली रेलवे लाइन 1853 में बॉम्बे और ठाणे (34 किमी) के बीच शुरू हुई।
- 67,956 किमी की लंबाई के साथ यह सबसे बड़ा सरकारी क्षेत्र है।
- इसे 16 जोन में बांटा गया है।

रेलवे गेज(2019-20)

I. ब्रॉड गेज: 1.676 मीटर	कुल लंबाई 63950 किमी।
II. मीटर गेज: 1.000 मीटर	कुल लंबाई 2402 किमी.
III. नैरो गेज: 0.762 मीटर और 0.610 मीटर	कुल लंबाई 1604 किमी. (पहाड़ी क्षेत्र)

रेलवे में हालिया विकास

- मीटर एवं नैरो गेज का ब्रॉड गेज में परिवर्तन

- भाप इंजनों का स्थान डीजल और विद्युत इंजनों ने ले लिया है
- मेट्रो रेलवे का परिचय
- गति और ढुलाई क्षमता बढ़ाएँ
- आरक्षण का कम्प्यूटरीकरण
- कंटेनर सेवाएं, ट्रेनों का समय, बायोटॉयलेट, तेजस एक्सप्रेस ट्रेनें आदि।

कोंकण रेलवे

- निर्माण 1998 बी. कुल लंबाई-760 किमी.
- टर्मिनल स्टेशन-रोहा (महाराष्ट्र) से मैंगलोर (कर्नाटक)
- भागीदार राज्य-महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक
- यह एशिया की सबसे बड़ी रेल मार्ग सुरंग (6.5 किमी) सहित 146 नदियों/नालों, 2000 पुलों और 91 सुरंगों को पार करता है।

नोट-कम रेलवे घनत्व वाले राज्य-पहाड़ी राज्य, पूर्वोत्तर राज्य, भारत के मध्य भाग और राजस्थान।

जल परिवहन

लाभ-परिवहन का सबसे सस्ता साधन, ऊर्जा की कम से कम खपत, भारी भारी सामान के लिए उपयुक्त और पर्यावरण के अनुकूल।

(ए) अंतर्देशीय जल मार्ग-

रोडवेज और रेलवे से प्रतिस्पर्धा

उनके छंदों से जल का विचलन अकारण नौगम्य है

कुल 14500 किमी नौगम्य जलमार्ग

देश के परिवहन में 1% का योगदान।

-अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की स्थापना 1986 में की गई थी।

-भारत में पांच अंतर्देशीय जलमार्ग हैं और 10 और को उन्नत किया जाना है।

भारत के राष्ट्रीय जलमार्ग

1. राष्ट्रीय जलमार्ग क्रमांक 1

गंगा नदी पर इलाहाबाद से हल्दिया (1620 किमी) सबसे महत्वपूर्ण जलमार्ग है

पटना तक मशीनीकृत नावें और हरिद्वार तक मैनुअल नावें

तीन भागों में विभाजित- i.हल्दिया से फरक्का (560 किमी), ii. फरक्का से पटना (460 कि.मी.) III. पटना से इलाहाबाद (600 कि.मी.)

2. राष्ट्रीय जलमार्ग क्रमांक 2

ब्रह्मपुत्र नदी पर सादिया से डुबरी (891 किमी) तक स्टीमर से डिब्रूगढ़ तक यात्रा की जा सकती है।

3.राष्ट्रीय जलमार्ग क्रमांक 3

कोट्टापुरम से कोल्लम (205 किमी) - पश्चिमी तट नहर, चंपकारा नहर और उद्योगमंडल नहर पर स्थित है

4.राष्ट्र जलमार्ग क्रमांक 4-

काकीनाडा पुडुचेरी के साथ गोदावरी और कृष्णा नदियों पर स्थित है नहरों का विस्तार (1078 किमी)

5.राष्ट्रीय जलमार्ग क्रमांक 5-

ब्राह्मणी, मत्तैर नदी, महानदी और ब्राह्मणी के डेल्टा चैनलों पर स्थित है नदियाँ और पूर्वी तट नहरें (588 किमी)।

- केरल का बैकवाटर (कदल) भी महत्वपूर्ण जलमार्ग है।
- प्रसिद्ध नेहरू ट्रॉफी बोट रेस (वल्लमकली) भी बैकवाटर में आयोजित की जाती है।

(बी) समुद्री मार्ग

- 12 प्रमुख बंदरगाह और 185 छोटे बंदरगाह हैं।
- मात्रा के हिसाब से भारत का 95% विदेशी व्यापार और मूल्य का 70% व्यापार समुद्री मार्गों से होता है।

वायु परिवहन

• लाभ- परिवहन का सबसे तेज़ साधन, दूरदराज के क्षेत्रों को जोड़ना, मार्गों को बनाए रखने और निर्माण करने की आवश्यकता नहीं, आपातकालीन समय के लिए उपयुक्त, सभी महाद्वीप वायुमार्ग से जुड़े हुए हैं, यात्रा का समय कम हो जाता है।

- 1911 में इलाहाबाद और नैनी के बीच हवाई परिवहन शुरू हुआ (10 कि.मी.)
- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सुरक्षित, कुशल हवाई यातायात और वैमानिकी संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है। प्राधिकरण 125 हवाई अड्डों का प्रबंधन करता है।
- एयर इंडिया यात्रियों और कार्गो यातायात दोनों के लिए अंतर्राष्ट्रीय हवाई सेवाएँ प्रदान करता है।
- पवनहंस हेलीकॉप्टर-पहाड़ी इलाकों, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, पेट्रोलियम क्षेत्र और पर्यटन में उपयोग किया जाता है।

इंडियन एयरलाइंस का इतिहास

1953-राष्ट्रीयकृत, एयर इंडिया इंटरनेशनल और इंडियन एयरलाइंस का गठन किया गया।

तेल और गैस पाइप लाइनें

लाभ- लंबी दूरी तक तरल पदार्थ और गैसों के परिवहन का सबसे सुविधाजनक और कुशल तरीका, ऊर्जा की कम से कम खपत, पर्वतीय क्षेत्रों और समुद्र तल के लिए उपयुक्त।

एशिया की क्रॉस कंट्री पाइपलाइन नाहरकटिया तेल क्षेत्र और बरौनी तेल रिफाइनरी (1157 किमी) के बीच बनाई गई है, इसे 1966 में कानपुर तक बढ़ाया गया था।

हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर (एचवीजे) प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (1700 किमी)

ऑयल इंडिया लिमिटेड (OIL) की स्थापना 1959 में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की खोज, उत्पादन और परिवहन के लिए की गई थी।

भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड (गेल) की स्थापना 1984 में इसके आर्थिक उपयोग के लिए प्राकृतिक गैस के परिवहन और विपणन के लिए की गई थी।

संचार—

व्यक्तिगत संचार प्रणाली

- इंटरनेट सबसे प्रभावी और उन्नत है।
- ई-कॉमर्स और पैसे के लेन-देन के लिए इसका इस्तेमाल तेजी से हो रहा है। इंटरनेट डेटा के एक विशाल केंद्रीय भंडार की तरह है, जिसमें विभिन्न वस्तुओं पर विस्तृत जानकारी होती है।

जनसंचार प्रणाली

रेडियो

भारत में रेडियो क्लब ऑफ बॉम्बे द्वारा 1923 में प्रारंभ किया गया।

1930 में भारतीय प्रसारण प्रणाली के अंतर्गत

1936 ऑल इंडिया रेडियो

1957 आकाशवाणी

रेडियो सूचना, शिक्षा, मनोरंजन और समाचार बुलेटिन से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रसारित करता है।

टेलीविजन (टी.वी.)

1959 में दिल्ली में ही शुरुआत हुई

1972 के बाद अन्य शहरों में

1976 में, टीवी को ऑल इंडिया रेडियो (AIR) से अलग कर दिया गया और इसे दूरदर्शन (DD) के रूप में एक अलग पहचान मिली।

INSAT-IA (राष्ट्रीय टेलीविजन-DD1) के चालू होने के बाद, पूरे नेटवर्क के लिए सामान्य राष्ट्रीय कार्यक्रम (CNP) शुरू किए गए और इसकी सेवाओं को पिछड़े और दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों तक बढ़ाया गया।

उपग्रह संचार

उपग्रह चित्रों का उपयोग मौसम पूर्वानुमान, प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी, सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी आदि के लिए किया जा सकता है।

भारत में उपग्रह प्रणाली को दो समूहों में बांटा जा सकता है:

(ए) भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह प्रणाली (इन्सैट): 1983 में स्थापित

उपयोग-दूरसंचार, मौसम संबंधी अवलोकन और अन्य

(बी) भारतीय रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट सिस्टम (आईआरएस): 1988 में स्थापित

प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग-प्रबंधन

- पीएसएलवी: भारत द्वारा विकसित ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान।

- हैदराबाद में राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी)।

बहुविकल्पात्मक प्रश्न

प्र.1. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और दिए गए विकल्पों की सहायता से सही उत्तर चुनें;

I. हाल के वर्षों में- रोपवे, केबलवे और पाइपलाइनों को परिवहन के साधन के रूप में विकसित किया गया था।

II. इन्हें विशेष परिस्थितियों में विशिष्ट वस्तुओं के परिवहन की माँगों को पूरा करने के लिए विकसित किया गया था।

ए. केवल I सही है

बी. केवल II सही है

सी. दोनों कथन सही हैं और कथन II कथन I की सही व्याख्या करता है।

डी. दोनों कथन सत्य हैं लेकिन एक दूसरे से संबंधित नहीं हैं। .

उत्तर. (सी)

Q.2 निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

सूची I

सूची II

ए. राज्य राजमार्ग - राज्य की राजधानियों को जिला मुख्यालयों और अन्य महत्वपूर्ण शहरों से जोड़ता है।

बी. जिला सड़कें - जिला मुख्यालय और जिले के अन्य महत्वपूर्ण नोड्स के बीच संपर्क लिंक।

सी. सीमा सड़कें - राज्यों की राजधानियों को एक दूसरे से जोड़ता है।

डी. ग्रामीण सड़कें - ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उत्तर. (सी)

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और दिए गए विकल्पों की सहायता से सही विकल्प चुनें।

I. मैदानी क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण आसान और सस्ता है।

II. भूभाग की प्रकृति और आर्थिक विकास का स्तर सड़कों के घनत्व के मुख्य निर्धारक हैं।

ए. दोनों कथन सही हैं।

बी. दोनों कथन सत्य हैं, कथन II कथन I की सही व्याख्या करता है।

सी. दोनों कथन सत्य हैं लेकिन एक दूसरे से संबंधित नहीं हैं।

डी. दोनों कथन ग़लत हैं।

उत्तर. (बी)

4. निम्नलिखित में से कौन सा जोड़ा सही सुमेलित नहीं है?

सूची-I (राष्ट्रीय जलमार्ग) सूची-II (विस्तार)

ए. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 1- इलाहाबाद-हल्दिया

बी. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 2 - सदिया-धुबरी

सी. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 3 - कोट्टापुरम-कोल्लम

डी. राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 4 - मताई नदी - ब्राह्मणी नदी

उत्तर. (डी)

5. निम्नलिखित में से कौन एशिया की पहली क्रॉस कंट्री पाइपलाइन है?

ए. अंकलेश्वर से कोयली तक

बी. मुंबई हाई से कोयली तक

सी. असम में नाहरकटिया तेल क्षेत्र से लेकर बिहार में बरौनी रिफाइनरी तक।

डी. हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर

Ans. (सी)

6. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और दिए गए विकल्पों की सहायता से सही उत्तर चुनें।

I. विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विकास ने संचार के क्षेत्र में क्रांति लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

II. डाकघर, टेलीग्राफ, प्रिंटिंग प्रेस, टेलीफोन, उपग्रह आदि के आविष्कार ने संचार को बहुत तेज और आसान बना दिया है।

ए. केवल I सही है

बी. केवल II सही है

सी. दोनों कथन सत्य हैं, कथन II, I की सही व्याख्या करता है।

डी. दोनों सही हैं लेकिन एक-दूसरे से संबंधित नहीं हैं।

उत्तर. (सी)

7. निम्नलिखित में से कौन सा केंद्र उपग्रहों द्वारा प्रसारित डेटा के अधिग्रहण और प्रसंस्करण की सुविधा प्रदान करता है?

ए. राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र भुवनेश्वर में स्थित है।

बी. राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र बेंगलुरु में स्थित है।
सी.राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र हैदराबाद में स्थित है।
डी.राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र जयपुर में स्थित है

Ans. (सी)

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में परिवर्तन

1. मात्रा में परिवर्तन हुआ है, लेकिन आयात का मूल्य निर्यात से अधिक है!
2. व्यापार घाटे में वृद्धि
3. यह पेट्रोलियम की कीमत में वृद्धि के कारण है

भारत में निर्यात की संरचना का बदलता स्वरूप

1. कृषि और संबद्ध उत्पादों की हिस्सेदारी में कमी आई है
2. पेट्रोलियम की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है
3. अयस्क-खनिज और निर्मित वस्तुओं की हिस्सेदारी काफी हद तक स्थिर रही है
4. भारत की रिफाइनिंग क्षमता में वृद्धि भी पेट्रोलियम के आयात के लिए जिम्मेदार है
5. पारंपरिक वस्तुओं में गिरावट कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण है
6. कॉफी, मसाले, दालें, चाय में भारी गिरावट आई है
7. पुष्प उत्पादन, समुद्री उत्पाद, चीनी और ताजे फलों में वृद्धि
8. अकेले विनिर्माण में 75.96% की हिस्सेदारी रही
9. इंजीनियरिंग वस्तुओं ने निर्यात में वृद्धि दिखाई है
10. चीन और पूर्वी एशियाई देश हमारे प्रतिस्पर्धी हैं
11. रत्न और आभूषणों ने विदेशी व्यापार में बड़ी हिस्सेदारी का योगदान दिया

भारत के आयात का बदलता पैटर्न

1. पहले हमारा आयात खाद्यान्न, पूंजीगत सामान, मशीनरी था। 1970 खाद्यान्नों का आयात बंद हो गया
3. उर्वरक और पेट्रोलियम ने प्रमुख भूमिका निभाई
4. मशीन, खाद्य तेल और रसायन भी मौजूद हैं
5. पूंजीगत वस्तुओं में लगातार वृद्धि हुई है
6. खाद्य उत्पादों में कमी आई है
7. मोती और कीमती पत्थर सोने और चांदी ने प्रमुख भूमिका निभाई

व्यापार की दिशा

1. निर्यात: 47.41% = एशिया और ओशिनिया
2. 23.80% पश्चिमी यूरोप
3. 20.42% अमेरिका
4. आयात: 35.40% एशिया ओशिनिया
5. 22.60% पश्चिमी यूरोप
6. 8.36% अमेरिका
7. अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है
8. भारत का निर्यात यू.के., बेल्जियम, जर्मनी, जापान, स्विट्जरलैंड हांगकांग, यूएई, चीन सिंगापुर है

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में परिवर्तन

1. मात्रा में परिवर्तन हुआ है, लेकिन आयात का मूल्य निर्यात से अधिक है
2. व्यापार घाटे में वृद्धि
3. यह पेट्रोलियम की कीमत में वृद्धि के कारण है

समुद्री बंदरगाहों को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का अंतर्राष्ट्रीय प्रवेश द्वार कहा जाता है

1. भारत तीन तरफ से पानी से घिरा हुआ है
2. सबसे लंबी तट रेखा (7516.5 किमी)
3. जल परिवहन सबसे सस्ता है
4. पश्चिमी तट पर पूर्वी तट की तुलना में अधिक बंदरगाह हैं
5. अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समुद्री मार्गों से होता है
6. प्रमुख बंदरगाहों पर केंद्र सरकार का नियंत्रण है। छोटे बंदरगाह विभिन्न राज्य सरकारों के अधीन हैं
7. 12 प्रमुख और 185 छोटे बंदरगाह हैं
8. अधिकांश बंदरगाह आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

भारतीय समुद्री बंदरगाह:

1. **कांडला:** कच्छ की खाड़ी में स्थित, मुंबई बंदरगाह पर दबाव कम करने के लिए विकसित किया गया। पेट्रोलियम के लिए विशेष सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इस बंदरगाह पर दबाव कम करने के लिए अपतटीय वाडिनार का विकास किया गया है

2. **मुंबई:** प्राकृतिक बंदरगाह, सबसे बड़ा बंदरगाह, मध्य पूर्व के देशों से माल आयात करने के लिए उपयुक्त, 20 किमी लंबा और 10 किमी चौड़ा देश का सबसे बड़ा तेल टर्मिनल

जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह:

- * न्हावा सेवा में स्थित,
- * पूरा होने के बाद सबसे बड़ा,
- * मुंबई बंदरगाह पर बोझ कम करने के लिए विकसित

मर्मागोआ बंदरगाह:

- * जुआरी नदी के मुहाने पर स्थित
- * प्राकृतिक बंदरगाह
- * लौह अयस्क जापान को निर्यात किया जाता है
- * कोंकण रेलवे ने बड़ी मात्रा में अंतर्देशीय भूमि लाई

नया मेंगलोर बंदरगाह

- * कर्नाटक तट पर स्थित
- * लौह अयस्क के विशेषज्ञ के लिए विशेष
- * उर्वरक, चाय, लकड़ी लुगदी यार्न का भी निर्यात करता है

कोच्चि

- * वेम्बनाड कायल में स्थित
- * अरब सागर की रानी
- * प्राकृतिक बंदरगाह

* स्वेज नहर के करीब

कोलकाता

* पर स्थित हुगली नदी तट

* समुद्र तट से 128 किमी दूर स्थित

* अंग्रेजों द्वारा विकसित

* पारादीप और हल्दिया ने दबाव कम किया

* गाद का जमा होना समस्या है

* बड़ी भीतरी भूमि

* बंदरगाह की सुविधाओं को दूसरे देशों तक विस्तारित करना

हल्दिया बंदरगाह

* हुगली से 105 डाउनस्ट्रीम पर स्थित

* कोलकाता पर बोझ डालने के लिए विकसित

* लौह अयस्क, कार्गो उर्वरक, जूट उत्पादों को संभालता है

पारादीप बंदरगाह

* महानदी डेल्टा पर स्थित

* कटक से 100 किमी दूर

* सबसे गहरा बंदरगाह

* बड़े जहाजों को संभालता है

* लौह अयस्क के लिए विकसित

विशाखापत्तनम बंदरगाह

* भूमि से घिरा बंदरगाह

* चैनल के माध्यम से समुद्र से जुड़ा हुआ

* इस बंदरगाह की मदद के लिए एक बाहरी बंदरगाह विकसित किया गया है

* यह लौह अयस्क, पेट्रोलियम कार्गो को संभालता है

चेन्नई

* अंग्रेजों द्वारा विकसित सबसे पुराना बंदरगाह

* कृत्रिम बंदरगाह

* बड़े जहाजों के लिए उपयुक्त नहीं

एन्नोर

* तमिलनाडु में नव विकसित बंदरगाह

* चेन्नई से 25 किमी उत्तर में स्थित

* चेन्नई बंदरगाह पर बोझ कम करने के लिए विकसित

तूतीकोरिन बंदरगाह

* चेन्नई में नव विकसित बंदरगाह

* यह विभिन्न प्रकार के कार्गो संभालता है: कोयला, नमक, खाद्य तेल, पेट्रोलियम और खाद्यान्न

* चेन्नई बंदरगाह पर दबाव कम करने के लिए विकसित

वायु परिवहन

1. सबसे तेज़
2. दूरदराज के इलाकों को जोड़ता है
3. लंबी दूरी के लिए उपयुक्त
4. आपदाओं के समय मदद करता है

पाठ 9 चयनित मुद्दों एवं समस्याओं पर भौगोलिक परिप्रेक्ष्य

पाठ का सार-

पर्यावरण प्रदूषण

विभिन्न एजेंटों के माध्यम से किया जाने वाला प्रदूषण ज्यादातर मानव निर्मित होता है जो पर्यावरण को नष्ट करता है। पर्यावरण प्रदूषण मानव गतिविधियों के अपशिष्ट उत्पादों से पदार्थों और ऊर्जा की रिहाई के परिणामस्वरूप होता है। प्रदूषण कई प्रकार का होता है। इन्हें उस माध्यम के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है जिसके माध्यम से प्रदूषकों का परिवहन और प्रसार होता है। प्रदूषण को निम्न में वर्गीकृत किया जा सकता है:

वायु प्रदूषण

- वायु प्रदूषण को धूल, धुएं, गैस, कोहरे, गंध, धुएं या वाष्प जैसे प्रदूषक तत्वों के हवा में पर्याप्त अनुपात और अवधि में शामिल होने के रूप में लिया जाता है जो वनस्पतियों और जीवों और संपत्ति के लिए हानिकारक हो सकता है।
- जीवाश्म ईंधन का दहन, खनन और उद्योग वायु प्रदूषण के मुख्य स्रोत हैं।
- इन प्रक्रियाओं से सल्फर और नाइट्रोजन के ऑक्साइड, हाइड्रोकार्बन, कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, सीसा और एस्बेस्टस निकलते हैं।
- वायु प्रदूषण श्वसन, तंत्रिका और संचार प्रणाली से संबंधित विभिन्न बीमारियों का कारण बनता है।

जल प्रदूषण

- जब इन पदार्थों की सांद्रता बढ़ जाती है, तो पानी प्रदूषित हो जाता है, और इसलिए उपयोग के लिए अयोग्य हो जाता है। ऐसी स्थिति में जल की स्वयं शुद्धिकरण क्षमता जल को शुद्ध करने में असमर्थ हो जाती है। हालाँकि जल प्रदूषक प्राकृतिक स्रोतों (कटाव, भूस्खलन, पौधों का क्षय और अपघटन) से भी उत्पन्न होते हैं जानवर, आदि) मानवीय गतिविधियों से उत्पन्न प्रदूषक चिंता का वास्तविक कारण हैं।
- मनुष्य औद्योगिक, कृषि और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से जल को प्रदूषित करता है। इन गतिविधियों में उद्योग का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है।
- प्रमुख जल प्रदूषणकारी उद्योग चमड़ा, लुगदी और कागज, कपड़ा और रसायन हैं।
- आधुनिक कृषि में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के रसायन जैसे अकार्बनिक उर्वरक, कीटनाशक और शाकनाशी भी प्रदूषण उत्पन्न करने वाले घटक हैं। ये रसायन नदियों, झीलों और टैंकों में बह जाते हैं। ये रसायन भूजल तक पहुँचने के लिए मिट्टी में भी घुसपैठ करते हैं।
- सांस्कृतिक गतिविधियाँ जैसे तीर्थयात्रा, धार्मिक मेले, पर्यटन आदि भी जल प्रदूषण का कारण बनते हैं।
- जल प्रदूषण विभिन्न जल जनित बीमारियों का एक स्रोत है। दूषित जल से होने वाली बीमारियाँ दस्त, पेट में कीड़े, हेपेटाइटिस आदि हैं।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन बताता है कि भारत में लगभग एक-चौथाई संक्रामक बीमारियाँ जल-जनित हैं।

भूमि प्रदूषण

भूमि प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, या भूमि प्रदूषण भूमि क्षरण के एक भाग के रूप में जेनोबायोटिक रसायनों की उपस्थिति या प्राकृतिक मिट्टी के वातावरण में अन्य परिवर्तन के कारण होता है। यह आमतौर पर औद्योगिक गतिविधि, कृषि रसायनों या कचरे के अनुचित निपटान के कारण होता है। मिट्टी एक नवीकरणीय संसाधन नहीं है। इसका क्षरण तेजी से (कुछ वर्ष या दशक) हो सकता है जबकि इसे बनने और पुनर्जीवित होने में कई हजारों वर्ष लग जाते हैं।

ध्वनि प्रदूषण

- ध्वनि प्रदूषण मनुष्य के लिए असहनीय और असुविधाजनक स्थिति को संदर्भित करता है जो विभिन्न स्रोतों से आने वाले शोर के कारण होता है। हाल के वर्षों में विभिन्न तकनीकी नवाचारों के कारण यह मामला एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है।
- ध्वनि प्रदूषण के मुख्य स्रोत विभिन्न कारखाने, मशीनीकृत निर्माण और विध्वंस कार्य, ऑटोमोबाइल और विमान आदि हैं।
- इन सभी स्रोतों में से, सबसे बड़ा उपद्रव यातायात द्वारा उत्पन्न शोर है, क्योंकि इसकी तीव्रता और प्रकृति कारकों पर निर्भर करती है, जैसे कि विमान, वाहन, ट्रेन का प्रकार और सड़क की स्थिति, साथ ही वाहन की स्थिति। ऑटोमोबाइल का मामला)।
- स्थिर शोर का स्तर डेसीबल (डीबी) के संदर्भ में व्यक्त ध्वनि स्तर से मापा जाता है।

शहरी अपशिष्ट निपटान

- शहरी क्षेत्र आम तौर पर भीड़भाड़, भीड़-भाड़, तेजी से बढ़ती आबादी को सहारा देने के लिए अपर्याप्त सुविधाओं और परिणामस्वरूप खराब स्वच्छता स्थितियों और गंदी हवा से चिह्नित होते हैं।
- ठोस अपशिष्ट विभिन्न प्रकार की पुरानी और प्रयुक्त वस्तुओं को संदर्भित करता है, उदाहरण के लिए विभिन्न स्थानों पर फेंके गए धातुओं के दागदार छोटे टुकड़े, टूटे हुए कांच के बर्तन, प्लास्टिक के कंटेनर, पॉलिथीन बैग, राख, फ्लॉपी, सीडी आदि।
- इन फेंकी गई सामग्रियों को कचरा, कूड़ा-करकट आदि भी कहा जाता है, और इनका निपटान दो स्रोतों से किया जाता है: (i) घरेलू या घरेलू प्रतिष्ठान, और (ii) औद्योगिक या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान।
- घरेलू कचरे का निपटान या तो सार्वजनिक भूमि पर या निजी ठेकेदारों की साइटों पर किया जाता है, जबकि औद्योगिक इकाइयों के ठोस कचरे को सार्वजनिक (नगरपालिका) सुविधाओं के माध्यम से निचले सार्वजनिक मैदानों (लैंडफिल क्षेत्रों) में एकत्र और निपटाया जाता है।
- उद्योगों, थर्मल पावर हाउसों और भवन निर्माणों या विध्वंसों से निकलने वाली राख और मलबे की भारी मात्रा ने गंभीर परिणामों की समस्याएँ खड़ी कर दी हैं।
- ठोस अपशिष्ट अप्रिय गंध पैदा करके और मक्खियों और कृंतकों को आश्रय देकर स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करते हैं, जो टाइफाइड, डिप्थीरिया, डायरिया, मलेरिया और हैजा आदि जैसी बीमारियों के वाहक के रूप में कार्य करते हैं।
- भारत में शहरी अपशिष्ट निपटान एक गंभीर समस्या है।

शहरीकरण

- शहरीकरण (या शहरीकरण) से तात्पर्य जनसंख्या का ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरण, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के अनुपात में कमी, और उन तरीकों से है जिनसे समाज इस परिवर्तन को अपनाता है। यह मुख्य रूप से वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा कस्बे और शहर बनते हैं और अधिक लोगों के आने के साथ बड़े हो जाते हैं केंद्रीय क्षेत्रों में रहना और काम करना।

ग्रामीण-शहरी प्रवास

- ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या का प्रवाह कई कारकों के कारण होता है, जैसे शहरी क्षेत्रों में उच्च मांग, ग्रामीण क्षेत्रों में कम नौकरी के अवसर और शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच विकास का असंतुलित पैटर्न।
- भारत में शहरों में जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। छोटे और मध्यम शहरों में अवसर कम होने के कारण, गरीब लोग आम तौर पर इन छोटे शहरों को छोड़कर अपनी आजीविका के लिए सीधे बड़े शहरों में आ जाते हैं।

भूमि अवक्रमण/निम्नीकरण

- कृषि भूमि पर दबाव न केवल सीमित उपलब्धता के कारण बढ़ता है बल्कि कृषि भूमि की गुणवत्ता में गिरावट के कारण भी बढ़ता है। मृदा अपरदन, जल भराव, लवणीकरण और भूमि के क्षारीकरण से भूमि का क्षरण होता है।
- भूमि का क्षरण होता है और उत्पादकता में गिरावट आती है। भूमि क्षरण को आम तौर पर भूमि की उत्पादक क्षमता में अस्थायी या स्थायी गिरावट के रूप में समझा जाता है।
- हालाँकि सभी निम्नीकृत भूमि बंजर भूमि नहीं हो सकती है, लेकिन निम्नीकरण की अनियंत्रित प्रक्रिया से बंजर भूमि में परिवर्तन हो सकता है।
- ऐसी दो प्रक्रियाएँ हैं जो भूमि निम्नीकरण को प्रेरित करती हैं। ये प्राकृतिक हैं और मनुष्य द्वारा निर्मित हैं। राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) ने रिमोट सेंसिंग तकनीकों का उपयोग करके बंजर भूमि को वर्गीकृत किया है और इन बंजर भूमि को उन प्रक्रियाओं के अनुसार वर्गीकृत करना संभव है जिन्होंने उन्हें बनाया है।
- अन्य प्रकार की निम्नीकृत भूमियाँ भी हैं जैसे जल भराव और दलदली क्षेत्र, लवणता और क्षारीयता से प्रभावित भूमि और झाड़-झांखाड़ वाली या रहित भूमि, जो बड़े पैमाने पर प्राकृतिक और मानवीय कारकों के कारण हुई है।
- बंजर भूमि के कुछ अन्य प्रकार भी हैं जैसे कि निम्नीकृत स्थानांतरित खेती क्षेत्र, वृक्षारोपण फसलों के तहत निम्नीकृत भूमि, निम्नीकृत वन, निम्नीकृत चरागाह, खनन और औद्योगिक बंजर भूमि, मानव कार्यों के कारण होते हैं।
- स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) शहरी मलिन बस्तियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए शहरी नवीनीकरण मिशन का हिस्सा है।

एमसीक्यू और केस स्टडी प्रश्न-

Q1. वायु प्रदूषण का प्राकृतिक स्रोत कौन सा है?

[ए]। प्रकाश रासायनिक धुंध

[बी]। घरेलू गतिविधियाँ

[सी]। ज्वालामुखी

[डी]। इंडस्ट्रीज

Q2. निम्नलिखित में से कौन सा प्रदूषण का प्रकार नहीं है?

[ए]। वायु

[बी]। पानी

[सी]। मैदान

[डी]। भूमि

Q3. ध्वनि प्रदूषण मापने की इकाई क्या है?

[ए]। डेसिबल

[बी]। कैन्डेला

[सी]। केल्विन

[डी]। एम्पेयर

Q4. भूमि निम्नीकरण का परिणाम है

[ए]। सूखा

[बी]। वनीकरण

[सी]। अधिक सिंचाई

[डी]। दोनों [बी] और [सी]

Q5. प्रसिद्ध शहर झाबुआ स्थित है

[ए]। हरयाणा

[बी]। मध्य प्रदेश

[सी]। छत्तीसगढ़

[डी]। झारखंड

Q6. यमुना का 76% भाग किस शहर में प्रदूषित है?

[ए]। नई दिल्ली

[बी]। हिमाचल प्रदेश

[सी]। राजस्थान

[डी]। हरयाणा

Q7. अभिकथन- भारत शहरी आधारित निपटान की गंभीर समस्या का सामना कर रहा है।

कारण- उत्पन्न होने वाले लगभग 50-80% कचरे को अनियंत्रित और अनुपचारित छोड़ दिया जाता है।

विकल्प

ए। A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है।

बी। A और R दोनों सत्य हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

सी। A सत्य है लेकिन R गलत है।

डी। A असत्य है लेकिन R सत्य है।

Q8. धारावी पर केस आधारित प्रश्न-

नीचे दिए गए केस स्टडी को पढ़ें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें: ".... बसें केवल परिधि को पार करती हैं। ऑटो रिक्शा वहां नहीं जा सकते, धारावी मध्य मुंबई का हिस्सा है जहां तीन पहिया वाहनों पर प्रतिबंध है। केवल एक मुख्य सड़क झुग्गी-झोपड़ी से होकर गुजरती है, जिसे 'नब्बे फुट की सड़क' कहा जाता है, जिसकी अधिकांश लंबाई घटकर आधी से भी कम रह गई है। किनारे की कुछ गलियाँ और गलियाँ इतनी संकरी हैं कि एक साइकिल भी नहीं गुजर सकती। पूरे पड़ोस में दो या तीन मंजिल ऊंची अस्थायी इमारतें हैं, जिनके ऊपरी हिस्से में जंग लगी लोहे की सीढ़ियां हैं, जहां एक कमरा पूरे परिवार द्वारा किराए पर लिया जाता है, जिसमें कभी-कभी बारह या अधिक लोग रह सकते हैं; यह विक्टोरियन लंदन के ईस्ट एंड के औद्योगिक आवास का एक प्रकार का उष्णकटिबंधीय संस्करण है। लेकिन धारावी अमीरों में जितनी घृणा पैदा करती है, उससे कहीं अधिक गंभीर रहस्यों का रक्षक है; इसके अलावा, एक घृणा, जो कि बंबई की संपत्ति के निर्माण में निभाई गई भूमिका के सीधे अनुपात में है। छाया रहित, वृक्षविहीन सूर्य की रोशनी, एकत्रित न किए गए कूड़े-कचरे, गंदे पानी के रुके हुए तालाबों के इस स्थान पर, जहां केवल गैर-मानव प्राणी चमकदार काले कौवे और लंबे भूरे चूहे हैं, भारत में कुछ सबसे सुंदर, मूल्यवान और उपयोगी वस्तुएं बनाई जाती हैं। धारावी से नाजुक चीनी मिट्टी की चीज़ें और मिट्टी के बर्तन, उत्कृष्ट कढ़ाई और ज़री का काम, परिष्कृत चमड़े के सामान, उच्च फैशन के कपड़े, बारीक धातु का काम, नाजुक आभूषण सेटिंग, लकड़ी की नक्काशी और फर्नीचर आते हैं जो भारत और भारत दोनों में सबसे अमीर घरों में अपना रास्ता तलाशेंगे। विदेश। धारावी समुद्र का एक हिस्सा था जो कचरे से भरा हुआ था, जो बड़े पैमाने पर वहां रहने आए लोगों द्वारा उत्पादित किया गया था: अनुसूचित जाति और गरीब मुस्लिम। इसमें 20 मीटर ऊंची

नालीदार धातु की विशाल इमारतें शामिल हैं, जिनका उपयोग खाल और टैनिंग के उपचार के लिए किया जाता है। सुखद हिस्से हैं, लेकिन सड़ता हुआ कचरा हर जगह है..."

1Q. परिच्छेद के अनुसार, पहले धारावी समुद्र का एक _____ था?

एक चेहरा

बी) पैर

ग) भुजा

घ) शरीर

2Q. स्लम क्षेत्र से गुजरने वाली सड़क की चौड़ाई कितनी कम हो जाती है-

ए) 10 फीट

बी) 20 फीट

ग) 90 फीट

घ) 40 फीट

3Q. धारावी से विभिन्न शिल्पकारों ने समर्पित किया है-

क) मिट्टी के बर्तन

ख) ज़री का काम

ग) आभूषण

घ) उपरोक्त सभी

3 अंक प्रश्न-

Q9. वायु प्रदूषण शब्द को परिभाषित करें। वायु प्रदूषण के कोई दो हानिकारक प्रभाव बताइये।

उत्तर: लंबे समय तक हवा में धूल, गैस, कोहरा, गंध, धुआं या वाष्प जैसे प्रदूषकों के बड़े अनुपात को वायु प्रदूषण के रूप में जाना जाता है। यह वनस्पतियों और जीवों तथा संपत्ति के लिए हानिकारक हो सकता है।

वायु प्रदूषण के हानिकारक प्रभाव हैं:

- वायु प्रदूषण हमारे श्वसन, तंत्रिका और परिसंचरण तंत्र से संबंधित कई बीमारियों के लिए जिम्मेदार है।
- वायु प्रदूषण शहरों पर धुएँ जैसा कोहरा बनाने के लिए जिम्मेदार है जिसे शहरी धुंध के रूप में जाना जाता है। इसका मानव स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

5 अंक प्रश्न-

Q10. ध्वनि प्रदूषण क्या है? शोर के किन्हीं चार स्रोतों की व्याख्या करें।

उत्तर: ध्वनि प्रदूषण से तात्पर्य ऐसे शोर से है जो ऐसी स्थिति पैदा करता है जो मनुष्य के लिए असहनीय और असुविधाजनक है। तकनीकी नवाचारों के बाद, यह एक गंभीर समस्या बन गई है, खासकर शहरी क्षेत्रों में।

शोर विभिन्न स्रोतों से हो सकता है जैसे:

1. कारखाने, यंत्रिकृत निर्माण और विध्वंस कार्य, विमान, ऑटोमोबाइल लाउडस्पीकर, सायरन, आदि।
2. यातायात से उत्पन्न शोर ध्वनि प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत है। इससे लोगों को भारी असुविधा होती है। यातायात द्वारा उत्पन्न शोर की तीव्रता और प्रकृति विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है जैसे वाहन का प्रकार, (विमान, ट्रेन, आदि) सड़क की स्थिति और वाहन की स्थिति (ऑटोमोबाइल के मामले में)।
3. समुद्री यातायात में, कंटेनरों की लोडिंग और अनलोडिंग गतिविधियों के कारण ध्वनि प्रदूषण बंदरगाह तक ही सीमित है।

4. उद्योगों से होने वाला ध्वनि प्रदूषण भी एक गंभीर समस्या है, लेकिन इसकी तीव्रता कुछ कारकों जैसे उद्योग के प्रकार, मशीनों और उपकरणों के प्रकार आदि के कारण भिन्न-भिन्न होती है।

एमसीक्यू अभिकथन और तर्क और केस स्टडी के उत्तर-

1. सी
2. सी
3. ए
4. सी
5. बी
6. ए
7. ए
8. (ए) (डी) (डी)

मानचित्र कार्य

मानव भूगोल के मूल सिद्धांत

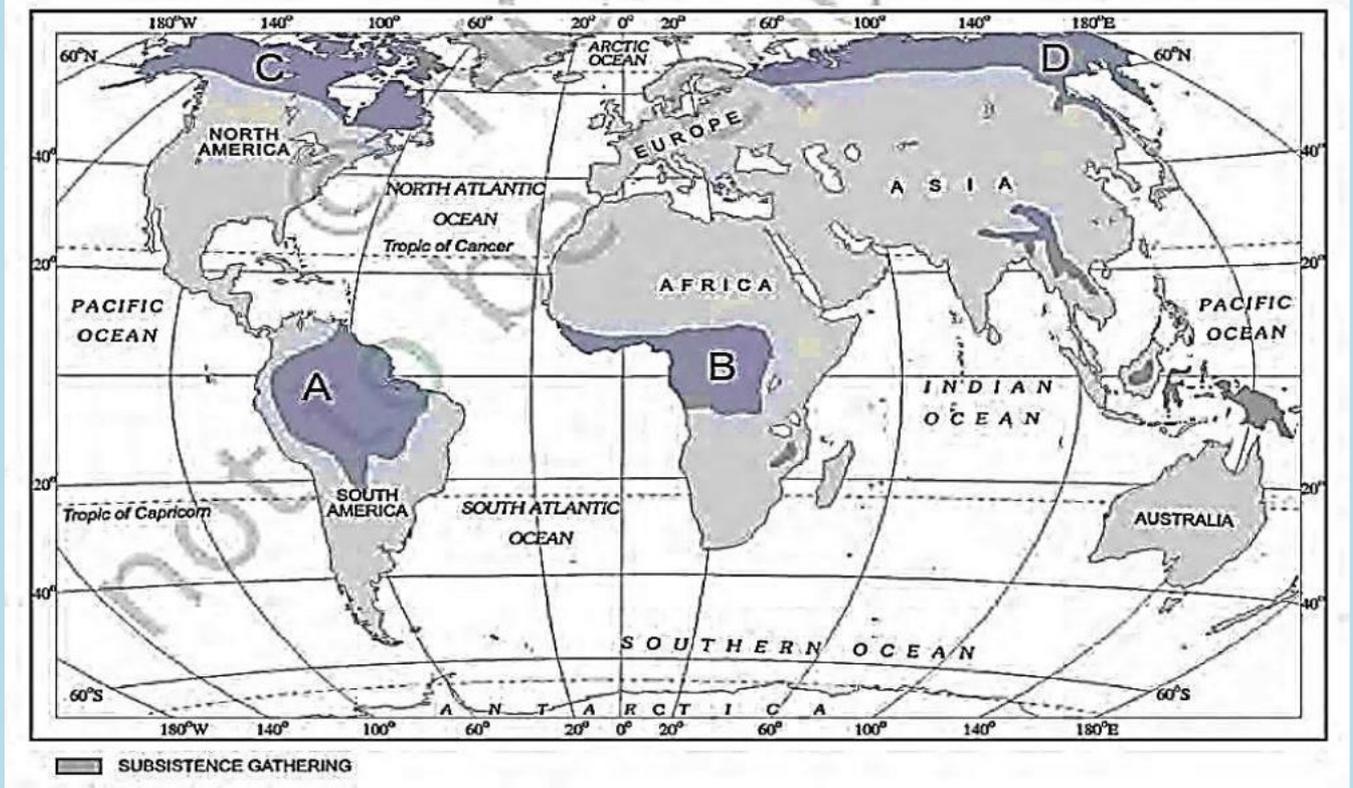
अध्याय 1 मानव भूगोल-प्रकृति एवं क्षेत्र कोई मानचित्र नहीं

अध्याय 2 विश्व जनसंख्या -वितरण, घनत्व और वृद्धि - कोई मानचित्र नहीं

अध्याय-4 मानव विकास कोई नक्शा नहीं

अध्याय-5 प्राथमिक गतिविधियाँ

Q1. विश्व के रूपरेखा भौतिक मानचित्र पर निर्वाह संग्रहण के निम्नलिखित क्षेत्रों को पहचानें



उत्तर-

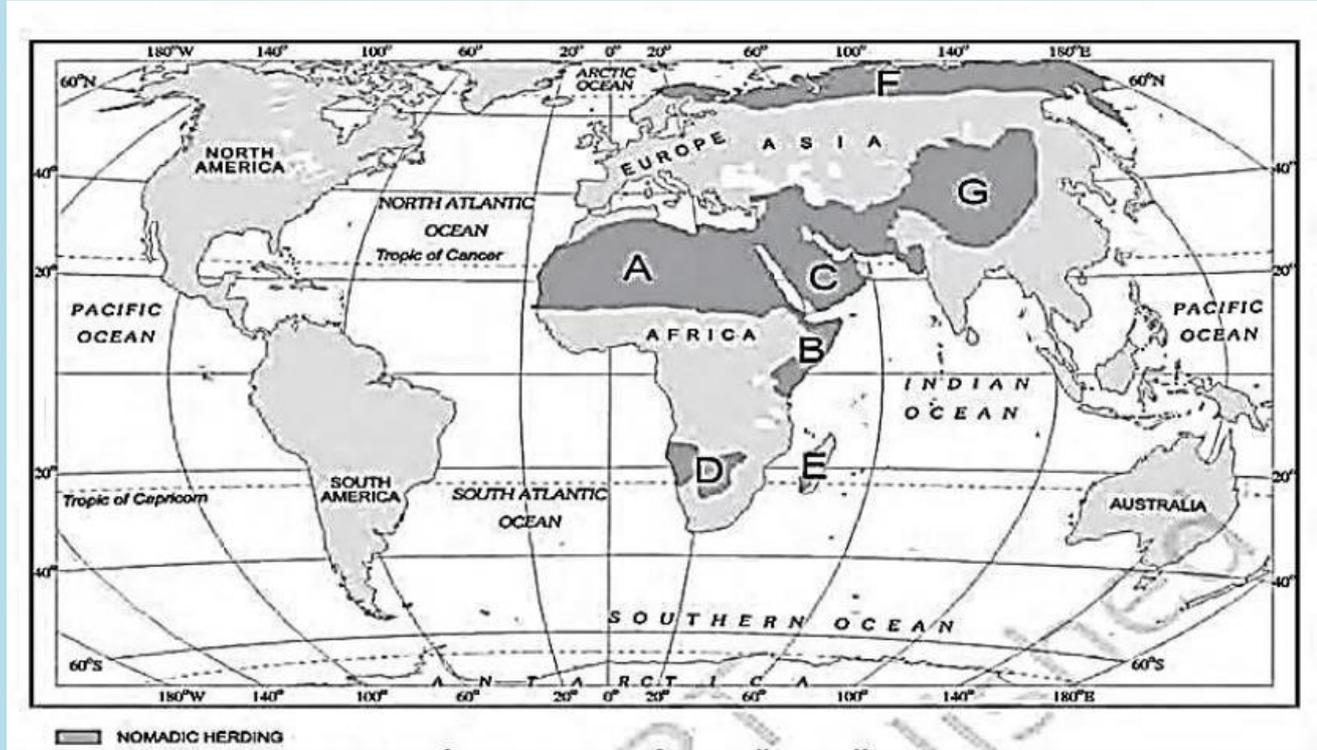
ए - अमेज़न बेसिन

बी-अफ्रीका का उष्णकटिबंधीय क्षेत्र

सी- उत्तरी कनाडा

डी- उत्तरी यूरेशिया

Q2. विश्व के रूपरेखा भौतिक मानचित्र पर चलवासी पशुचारण के निम्नलिखित क्षेत्रों को पहचानें



उत्तर-

ए - सहारा रेगिस्तान (भेड़, बकरी और ऊँट चराना)

बी- उष्णकटिबंधीय अफ्रीका (या सोमाली प्रायद्वीप)

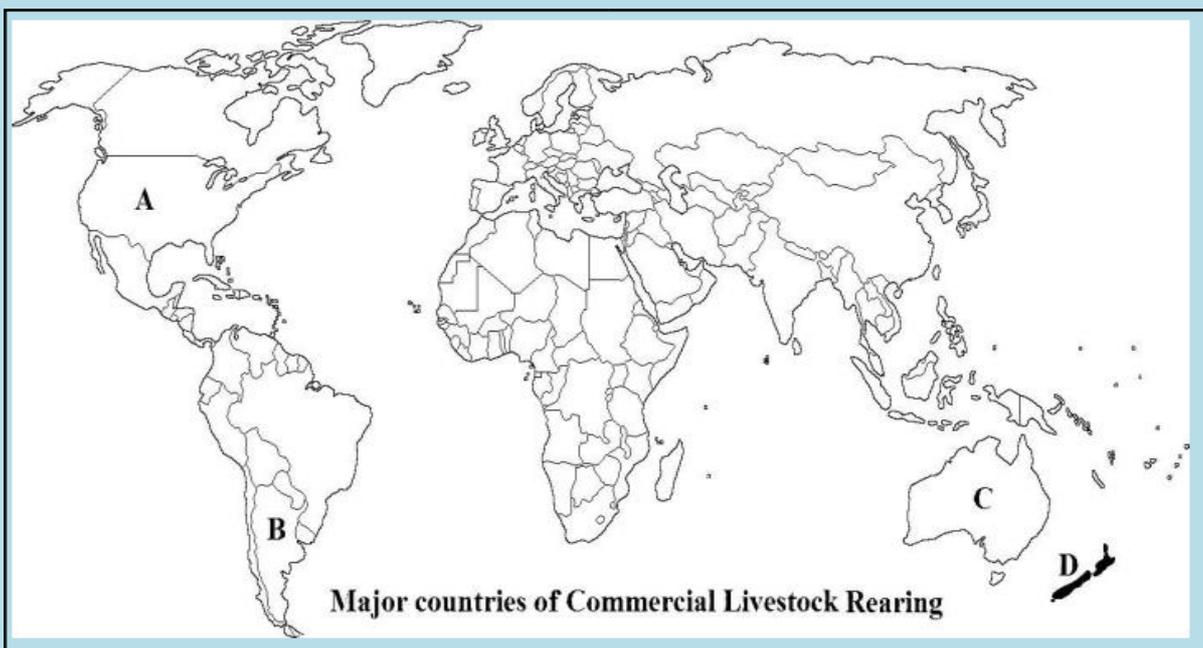
सी- (मवेशी चराना) सी- अरब प्रायद्वीप

डी- कालाहारी रेगिस्तान

ई- मेडागास्कर द्वीप

एफ- यूरेशिया का टुंड्रा क्षेत्र

Q3. विश्व के रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र पर वाणिज्यिक पशुधन पालन में शामिल निम्नलिखित देशों की पहचान करें -

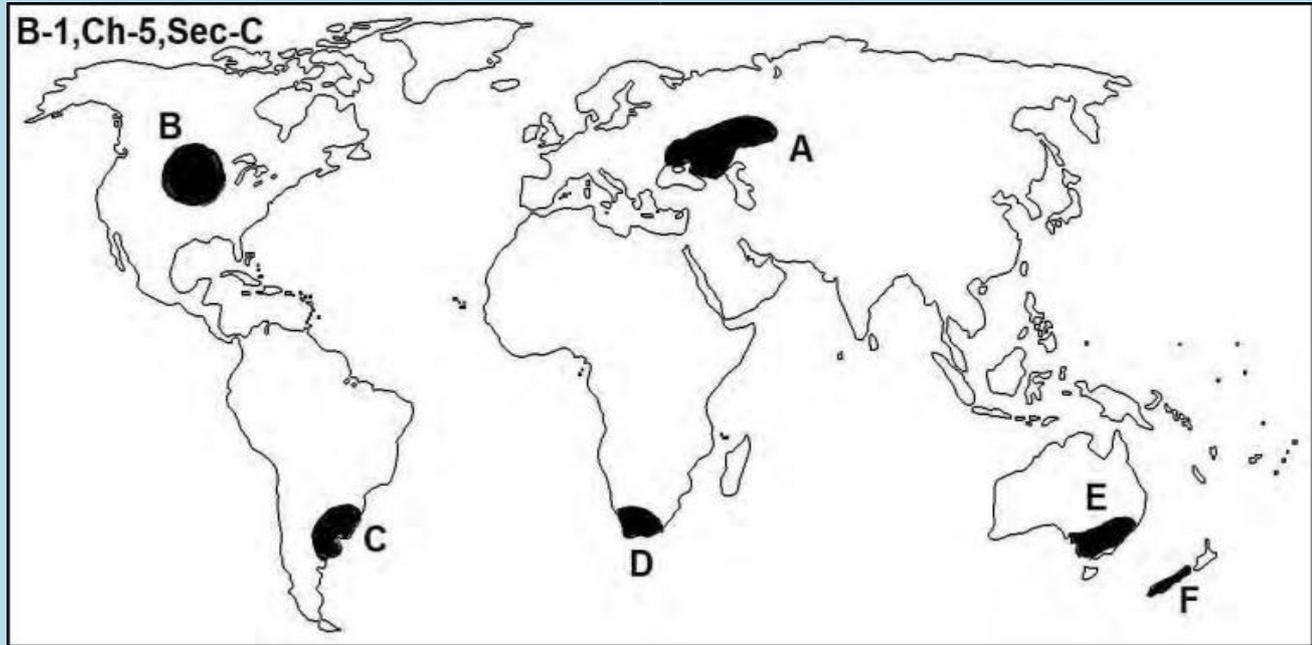


Major countries of Commercial Livestock Rearing

उत्तर-

ए- यूएसए बी- अर्जेंटीना सी- ऑस्ट्रेलिया डी- न्यूजीलैंड

Q4. विश्व के रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र पर व्यापक व्यावसायिक अनाज खेती के निम्नलिखित क्षेत्रों को पहचानें-



उत्तर ए यूरोप (स्टेप्स)

बी-उत्तरी अमेरिका (प्रेयरीज़)

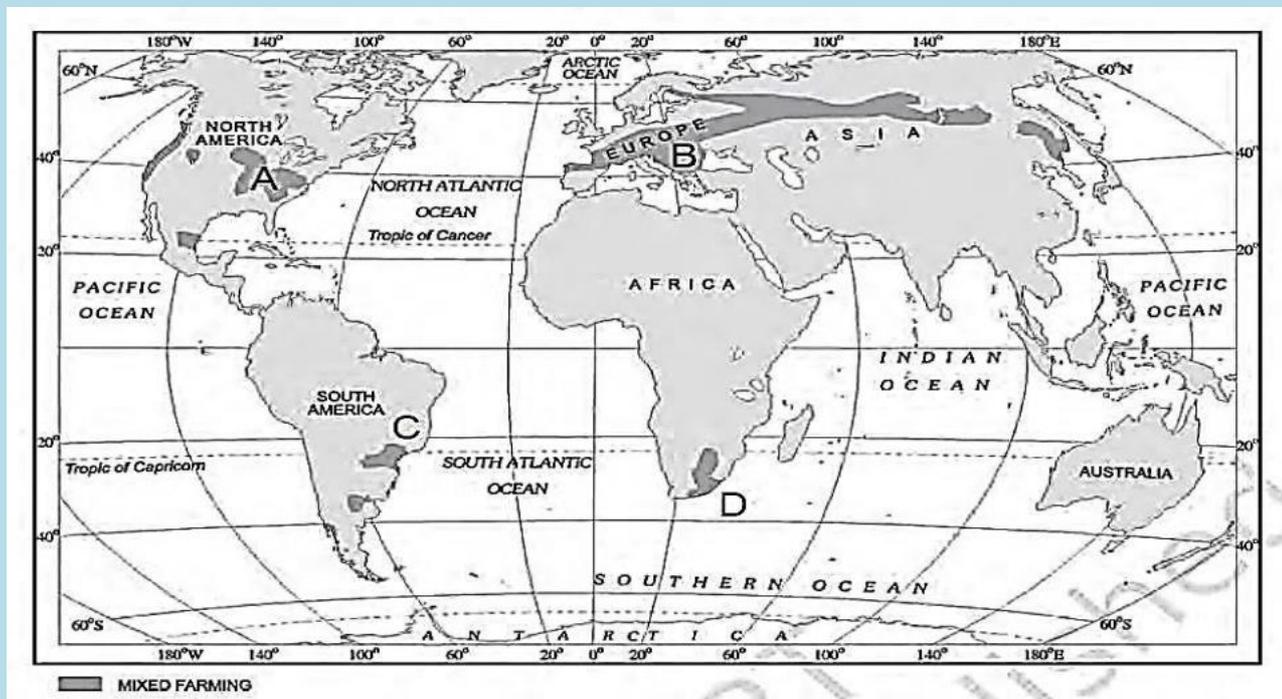
सी -अर्जेंटीना(पम्पास)

डी -दक्षिण अफ्रीका (वेल्ड्स)

ई-ऑस्ट्रेलिया(डाउन)

एफ-न्यूजीलैंड (कैंटरबरी मैदान)

Q5. विश्व के रूपरेखा भौतिक मानचित्र पर मिश्रित खेती के निम्नलिखित क्षेत्रों को पहचानें -



उत्तर. ए- पूर्वी उत्तरी अमेरिका बी- उत्तरी पश्चिमी यूरोप

C- ब्राजील का दक्षिणी भाग D- अफ्रीका का दक्षिणी भाग

अध्याय 7

तृतीयक और चतुर्थक गतिविधियाँ - कोई नक्शा नहीं

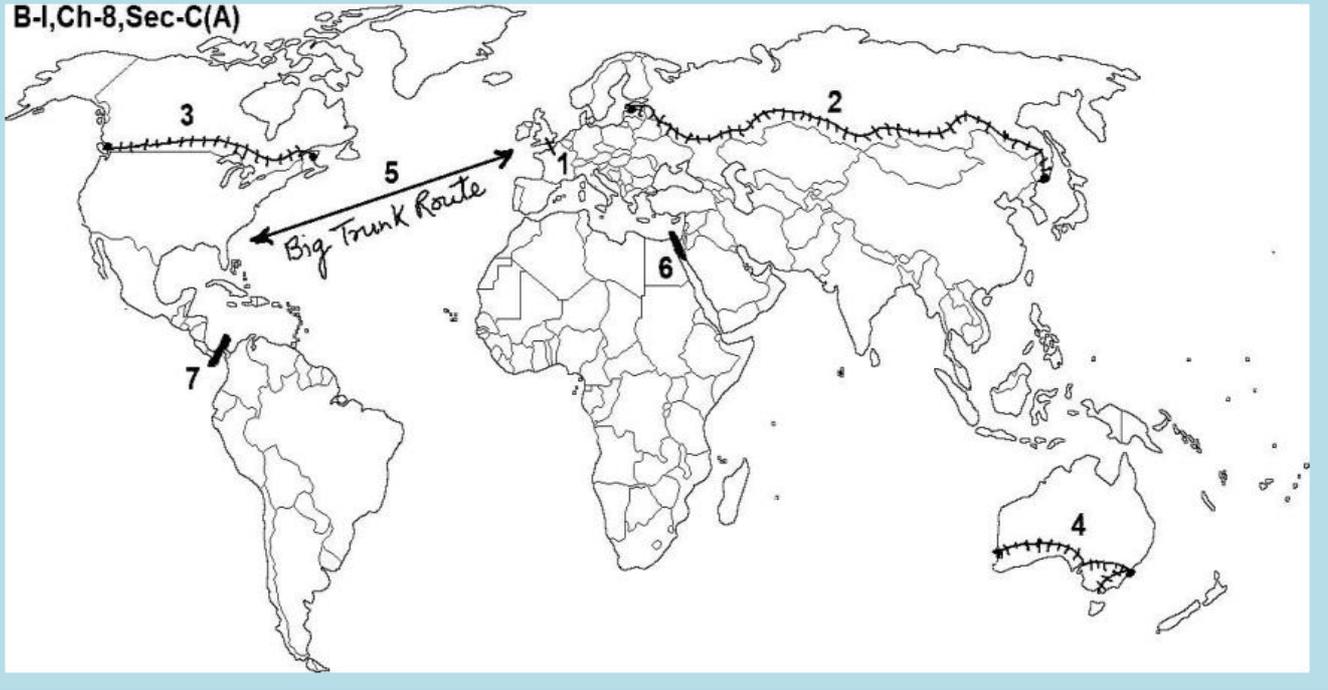
अध्याय-8 परिवहन, संचार एवं व्यापार

Q.1- विश्व के रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र पर निम्नलिखित दिखाएँ-

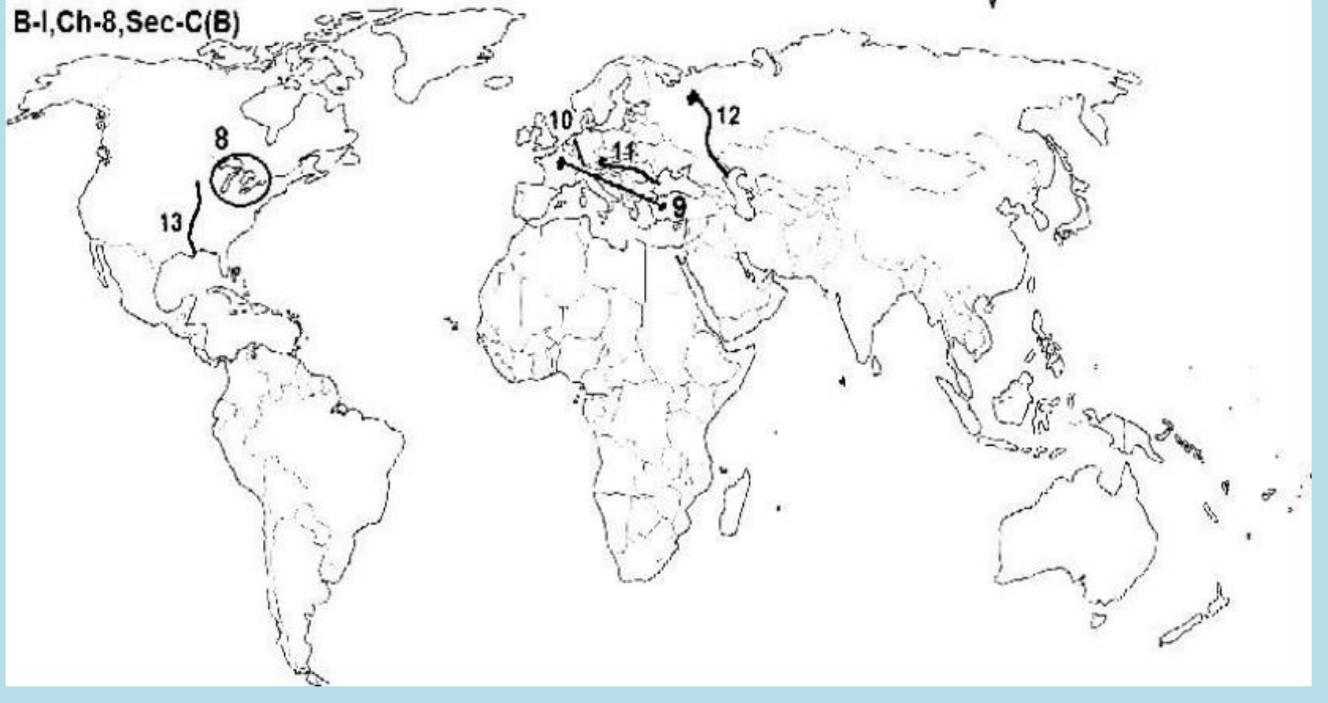
1. चैनल टनल (लंदन से पेरिस)
2. ट्रांस-साइबेरियन रेलवे [सेंट। पीटर्सबर्ग(पश्चिम) से व्लादिवोस्तोक(पूर्व)]
3. ट्रांस-कैनेडियन रेलवे [वैंकूवर (पश्चिम) से हैलिफैक्स (पूर्व)]
4. ट्रांस-ऑस्ट्रेलियाई रेलवे [पर्थ (पश्चिम) से सिडनी (पूर्व)]
5. सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग (उत्तरी अटलांटिक समुद्री मार्ग- पूर्वोत्तर अमेरिका और उत्तर पश्चिम यूरोप के बीच) जिसे 'बिग ट्रंक रूट' भी कहा जाता है।
6. स्वेज़ नहर - भूमध्य सागर (उत्तर) और लाल सागर (दक्षिण) को जोड़ती है
7. पनामा नहर - अटलांटिक महासागर (पूर्व) और प्रशांत महासागर (पश्चिम) को जोड़ती है
8. महान झीलें-सेंट. लॉरेंस सीवे (सेंट लॉरेंस नदी महान झीलों को उत्तरी अटलांटिक महासागर से जोड़ती है)
9. ओरिएंट एक्सप्रेस (पेरिस से इस्तांबुल)
10. राइन जलमार्ग - यूरोप में - बेसल (स्विट्जरलैंड) से शुरू होता है और रॉटरडैम (नीदरलैंड) में उत्तरी सागर में गिरता है
11. डेन्यूब जलमार्ग - यूरोप में 'काले जंगल' से शुरू होता है और 'काला सागर' में गिरता है
12. वोल्गा जलमार्ग - रूस में कैस्पियन सागर में गिरता है।
13. मिसिसिपी जलमार्ग - संयुक्त राज्य अमेरिका में मैक्सिको की खाड़ी में गिरता है

Ans-

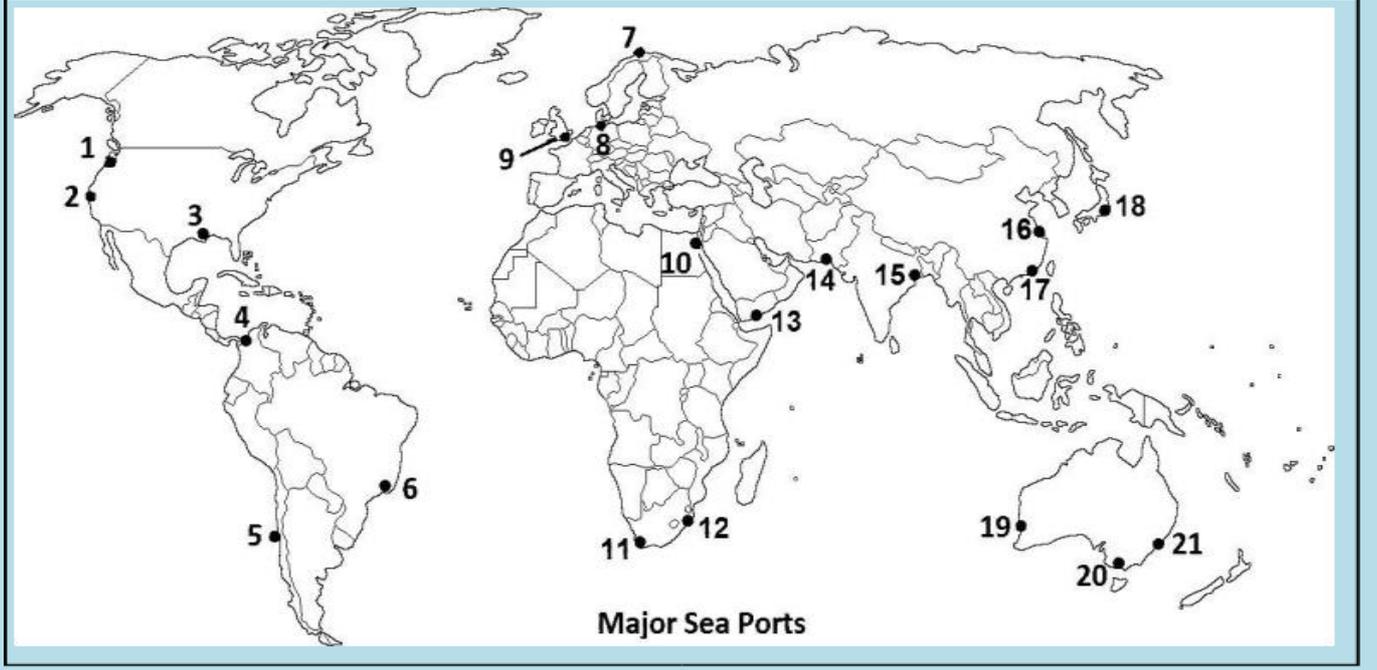
B-I, Ch-8, Sec-C(A)



B-I, Ch-8, Sec-C(B)



Q.2- विश्व के रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र पर दिए गए निम्नलिखित समुद्री बंदरगाहों को पहचानें और उनके नाम लिखें-



उत्तर महाद्वीप प्रमुख समुद्री बंदरगाह

उत्तरी अमेरिका 1-वैंकूवर 2-सैन फ्रांसिस्को 3-न्यूयॉर्क

दक्षिण अमेरिका 4-कॉलन 5- वलपरिसो 6- रियो डी जनेरियो

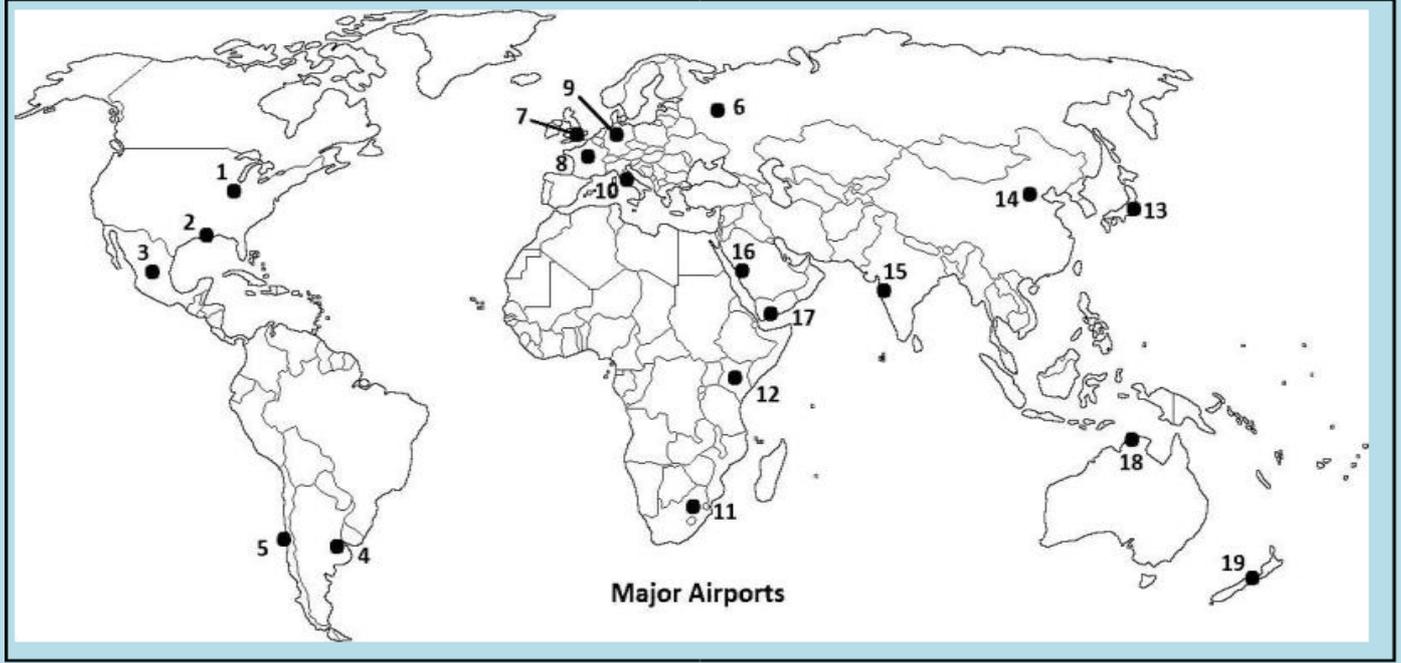
यूरोप 7- उत्तरी केप 8- हैम्बर्ग 9- लंदन

अफ्रीका 10- स्वेज़ 11- केप टाउन 12- डरबन

एशिया 13- अदन 14- कराची 15-कोलकाता 16- शंघाई 17-हांगकांग 18- योकोहामा

ऑस्ट्रेलिया 19- पर्थ 20- मेलबर्न 21- सिडनी

Q.2- विश्व के रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र पर दिए गए निम्नलिखित हवाई बंदरगाहों को पहचानें और उनके नाम लिखें-



उत्तर: महाद्वीप प्रमुख हवाई अड्डे

उत्तरी अमेरिका 1-शिकागो 2-न्यू ऑरलियन्स 3-मेक्सिको शहर

दक्षिण अमेरिका 4- ब्यूनस आयर्स 5- सैंटियागो

यूरोप 6- मास्को 7- लंदन 8-पेरिस 9- बर्लिन 10- रोम

अफ्रीका 11- जोहान्सबर्ग 12- नैरोबी

एशिया 13- टोक्यो 14- बीजिंग 15- मुंबई 16- जेद्दा 17-अदन

ऑस्ट्रेलिया 18- डार्विन 19- वेलिंग्टन

पुस्तक-द्वितीय
भारत- लोग और अर्थव्यवस्था

अध्याय 1

जनसंख्या- वितरण, घनत्व, वृद्धि और संरचना

Q1. भारत के राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर भारत के सभी राज्यों का अभ्यास करें।

Q2.- भारत के रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र पर निम्नलिखित दिखाएँ-

1) सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाला राज्य।

या

शहरीकरण के न्यूनतम स्तर वाला राज्य (हिमाचल प्रदेश)

2) सर्वाधिक शहरी जनसंख्या वाला राज्य

या

शहरीकरण के उच्चतम स्तर वाला राज्य (गोवा)

3) सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य। (ऊपर।)

4) सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य। (सिक्किम)

5) सबसे बड़े क्षेत्रफल वाला राज्य। (राजस्थान)

6) सबसे छोटे क्षेत्रफल वाला राज्य। (गोवा)

7) उच्चतम जनसंख्या वृद्धि दर वाला राज्य। (मेघालय)

8) सबसे कम जनसंख्या वृद्धि दर वाला राज्य। (नागालैंड)

9) सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य। (बिहार)

10) सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य। (अरुणाचल प्रदेश)

11) सर्वाधिक लिंगानुपात वाला राज्य। (केरल)

12) सबसे कम लिंगानुपात वाला राज्य। (हरयाणा)

अध्याय 2 (मानव बस्तियाँ) कोई नक्शा नहीं

अध्याय 3

(भूमि संसाधन एवं कृषि)

Q1.- भारत के रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र पर निम्नलिखित दिखाएँ-

सबसे बड़ा चावल उत्पादक राज्य। (पश्चिम बंगाल)

सबसे बड़ा गेहूँ उत्पादक राज्य (यूपी.)

सबसे बड़ा कपास उत्पादक राज्य (गुजरात)

सबसे बड़ा जूट उत्पादक राज्य (पश्चिम बंगाल)

सबसे बड़ा चाय उत्पादक राज्य (असम)

सबसे बड़ा कॉफी उत्पादक राज्य (कर्नाटक)

सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य (यूपी)

सबसे बड़ा ज्वार उत्पादक राज्य (महाराष्ट्र)

सबसे बड़ा दाल उत्पादक राज्य मध्य प्रदेश

उत्तर- उपरोक्त प्रश्न के उत्तर उनके सामने लिखे गए हैं। भारत के रूपरेखा राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर उत्तर (राज्यों) को चिह्नित करें।

अध्याय-4 जल संसाधन कोई मानचित्र नहीं

अध्याय 5

खनिज एवं ऊर्जा संसाधन

Q1. भारत के रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र पर निम्नलिखित दिखाएँ-

1. भारत में रिफाइनरी: (जामनगर, मथुरा, बरौनी)
2. भारत में कोयला खदानें: (झरिया, बोकारो, रानीगंज, नेवेली)
3. लौह-अयस्क खदान भारत: (मयूरभंज, ओडिशा, बैलाडिला, रत्नागिरी, बेल्लारी)
4. भारत में तांबे की खान: (खेतड़ी, सिंहभूम, हज़ारीबाग)
5. मैंगनीज खदान भारत: (बालाघाट, शिमोगा)
6. बॉक्साइट खदानें: कटनी, बिलासपुर और कोरापुट



अध्याय 6 नियोजन एवं सतत विकास कोई मानचित्र नहीं

अध्याय 7 परिवहन एवं संचार कोई मानचित्र नहीं

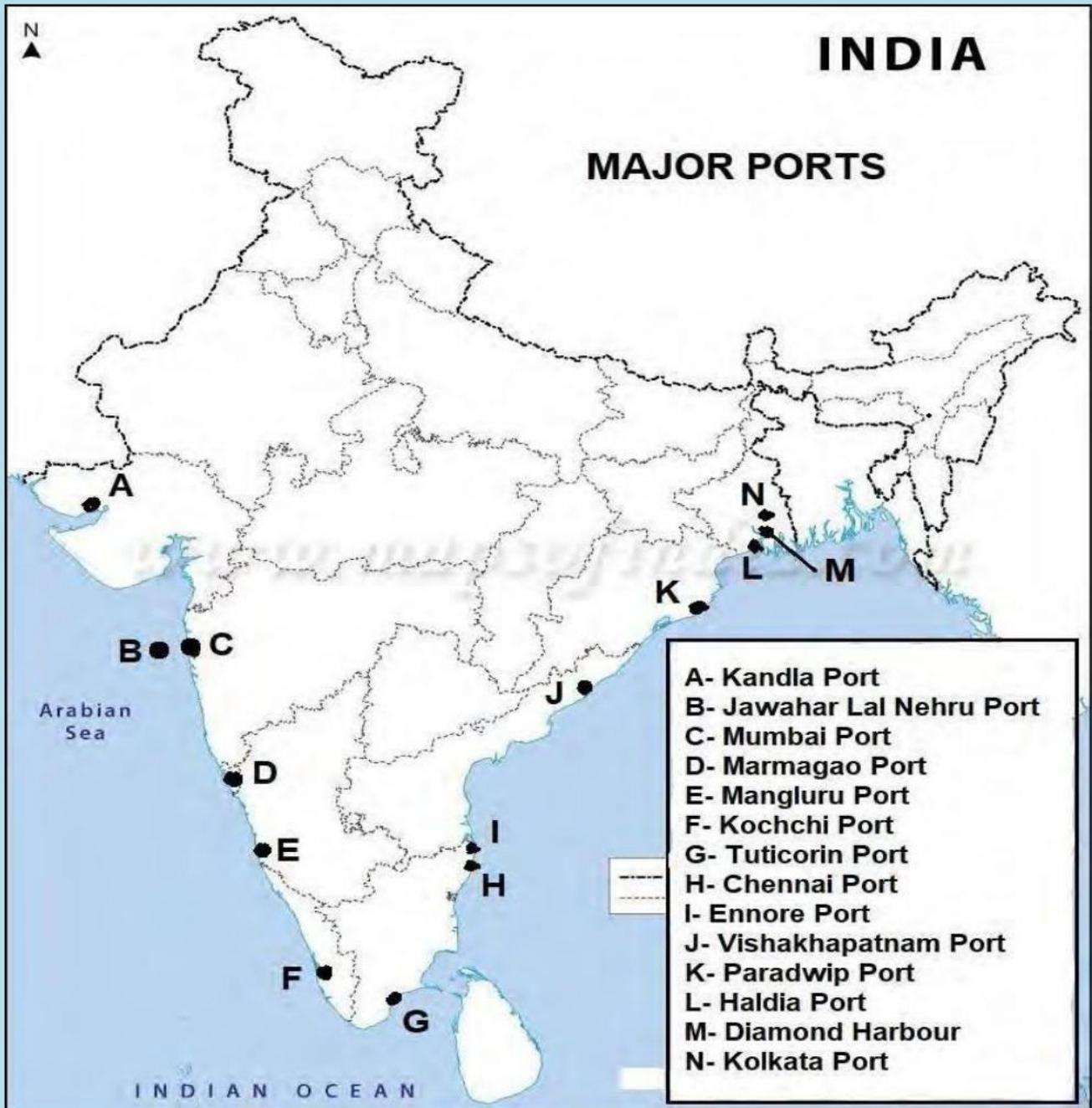
अध्याय 8

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

Q1. भारत के रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र पर भारत के प्रमुख बंदरगाहों को दिखाएँ।

1. भारत के सबसे बड़े बंदरगाह का नाम बताइये। (मुंबई बंदरगाह)
2. भारत के सबसे बड़े कंटेनर बंदरगाह का नाम बताएं (जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह या न्हावा शेवा)
3. नदी बंदरगाह का नाम बताएं (हुगली नदी पर) (डायमंड हार्बर, कोलकाता और हल्दिया बंदरगाह)
4. भारत के ज्वारीय बंदरगाहों के नाम बताएं (डायमंड हार्बर और कांडला बंदरगाह)
5. सबसे गहरे बंदरगाह (पाराद्वीप बंदरगाह) का नाम बताएं
6. सबसे गहरे भूमि से घिरे बंदरगाह (विशाखापत्तनम बंदरगाह) का नाम बताएं
7. भारत के दूसरे सबसे बड़े बंदरगाह (चेन्नई बंदरगाह) का नाम बताएं
8. बंगाल की खाड़ी में कृत्रिम बंदरगाह और सबसे बड़े बंदरगाह का नाम बताएं (चेन्नई बंदरगाह)
9. कोलकाता बंदरगाह (हल्दिया बंदरगाह) पर दबाव कम करने के लिए एक बंदरगाह का नाम बताएं?
10. मुंबई बंदरगाह (जेएलएन बंदरगाह) पर दबाव कम करने के लिए एक बंदरगाह का नाम बताएं
11. चेन्नई बंदरगाह (एन्नोर बंदरगाह) पर दबाव कम करने के लिए एक बंदरगाह का नाम बताएं
12. उस बंदरगाह का नाम बताइए जिसे 'अरब सागर की रानी' (कोच्चि बंदरगाह) के नाम से जाना जाता है?
13. तमिलनाडु के दक्षिणी छोर पर स्थित प्रमुख बंदरगाह का नाम बताएं (तूतीकोरिन बंदरगाह)
14. गोवा के प्रमुख बंदरगाह (मर्मगाओ बंदरगाह) का नाम बताएं
15. कर्नाटक के प्रमुख बंदरगाह (मंगलुरु बंदरगाह) का नाम बताएं

उत्तर-



सीबीएसई
नमूना प्रश्न पत्र
भूगोल (029)
कक्षा: बारहवीं 2023-24

अनुमत समय: 3 घंटे

अधिकतम अंक: 70

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न पत्र में 30 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. यह प्रश्न पत्र पांच खंडों में विभाजित है। अनुभाग-ए, बी, सी, डी और ई।
3. खंड ए - प्रश्न संख्या 1 से 17 तक बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।
4. खंड बी- प्रश्न संख्या 18 और 19 स्रोत आधारित प्रश्न हैं जिनमें से प्रत्येक 3 अंक का है।
5. खंड सी- प्रश्न संख्या 20 से 23 लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न हैं जिनमें से प्रत्येक 3 अंक का है। इन प्रश्नों का उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखना होगा।
6. खंड डी प्रश्न संख्या 24 से 28 दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रश्न हैं जिनमें से प्रत्येक 5 अंक का है। इन प्रश्नों का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखना होगा।
7. खंड ई प्रश्न संख्या 29 और 30 मानचित्र आधारित प्रश्न हैं।

SECTION A

Q.1 दो कथन अभिकथन (ए) और कारण (आर) के रूप में चिह्नित हैं। नीचे दिए गए कोड के अनुसार अपना उत्तर चिह्नित करें।

अभिकथन: उच्च स्तर के मानव विकास समूह में 53 देश हैं।

कारण: लोगों में अधिक निवेश और सुशासन ने इस समूह को दूसरों से अलग कर दिया है।

विकल्प:

- A. (ए) और (आर) दोनों सत्य हैं लेकिन (आर) (ए) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
- B. (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
- C. (ए) और (आर) दोनों गलत हैं।
- D (ए) सही है लेकिन (आर) गलत है।

Q.2 निम्नलिखित पर विचार करें और दिए गए कोड के साथ सही उत्तर चुनें-

जनसंख्या वृद्धि के चरण, विशेषताएं

I 1901 से 1921 के बीच की अवधि 1. स्थिर विकास की अवधि

II 1921 से 1951 के बीच की अवधि 2. जनसंख्या की स्थिर वृद्धि का चरण

III 1951 से 1981 के बीच की अवधि 3. उच्च लेकिन घटती विकास दर

IV 1981 के बाद से वर्तमान तक 4. जनसंख्या विस्फोट का काल

विकल्प:

I II III IV

A. 1 2 3 4

B. 2 1 4 3

C. 4 3 2 1

D 2 1 3 4

Q.3 माराकाइबो, एस्स्खरा और त्रिपोली बंदरगाहों को --- के रूप में वर्गीकृत किया गया है

A. कॉल के बंदरगाह

B. नौसेना बंदरगाह

C. तेल बंदरगाह

D एंट्रेपोट बंदरगाह

Q.4 निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और दिए गए विकल्प की सहायता से सही उत्तर चुनें:

I. आधुनिक महंगी कृषि का संसाधन गहन दृष्टिकोण सीमांत और छोटे किसानों के लिए कृषि में निवेश करने के लिए बहुत कम या कोई बचत नहीं होने के कारण असहनीय हो गया है।

II ऐसे अधिकांश किसानों ने विभिन्न संस्थानों और साहूकारों से ऋण लेने का सहारा लिया है, लेकिन फसल की विफलता और कृषि से कम रिटर्न ने उन्हें ऋणग्रस्तता के जाल में फंसने के लिए मजबूर कर दिया है।

विकल्प

A. दोनों कथन सत्य हैं।

B. केवल कथन I सत्य है।

C. केवल कथन II सत्य है

D दोनों ही बयान गलत हैं.

Q.5 नीचे मानव विकास और आईटी के स्तंभों की एक सूची दी गई है

निम्नलिखित में से कौन सा जोड़ा सही सुमेलित नहीं है?

A. समानता - हर किसी के लिए उपलब्ध अवसरों तक समान पहुंच बनाना

B. स्थिरता - अवसरों की उपलब्धता में निरंतरता

C. उत्पादकता - संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए

D सशक्तिकरण- चुनाव करने की शक्ति प्राप्त करना

Q.6 निम्नलिखित में से कौन सा भारत का सबसे बड़ा भाषाई समूह है?

A. चीन - तिब्बती

B ऑस्ट्रिक

C. इंडो-आर्यन

D द्रविड़

Q.7 निम्नलिखित में से कौन सा विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का कार्य नहीं है?

A. डब्ल्यूटीओ राष्ट्रों के बीच व्यापार के वैश्विक नियमों से निपटने वाला एकमात्र अंतरराष्ट्रीय संगठन है।

B. WTO अपने सदस्य देशों के बीच विवादों का समाधान करता है।

C. डब्ल्यूटीओ दूरसंचार और बैंकिंग जैसी सेवाओं में व्यापार को कवर करता है।

D डब्ल्यूटीओ वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को वित्त पोषण प्रदान करता है।

Q.8 निम्नलिखित में से कौन कम ऑर्डर सेवा का उदाहरण है?

A अध्यापक

B माली

C वकील

D संगीतकार

Q.9 विश्व के निम्नलिखित देशों में से किस समूह में गेहूं और चावल का HYV विकसित किया गया था?

A. जापान और ऑस्ट्रेलिया

B. मेक्सिको और फिलीपींस

C. संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान

D. मेक्सिको और सिंगापुर

Q.10 निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और दिए गए विकल्पों की सहायता से सही उत्तर चुनें।

कथन I: हाल के वर्षों में- रोपवे, केबलवे और पाइपलाइनों को परिवहन के साधन के रूप में विकसित किया गया था।

कथन II: इन्हें विशेष परिस्थितियों में विशिष्ट वस्तुओं के परिवहन की मांगों को पूरा करने के लिए विकसित किया गया था।

A. केवल कथन I सही है

B. केवल कथन II सही है

C. दोनों कथन सही हैं, और कथन II कथन I की सही व्याख्या करता है

D. दोनों कथन सत्य हैं लेकिन एक दूसरे से संबंधित नहीं हैं

Q.11 भूतापीय ऊर्जा उत्पन्न करने के चरण नीचे दिए गए हैं। निम्नलिखित को सही क्रम में व्यवस्थित करें:

i. यह इतना गर्म होता है कि जब यह पृथ्वी की सतह पर आता है तो भाप में बदल जाता है।

ii. ऐसे क्षेत्रों में (जहाँ भू-तापीय ढाल अधिक है) भूजल चट्टानों से ऊष्मा अवशोषित कर लेता है और गर्म हो जाता है।

iii. इस भाप का उपयोग टर्बाइनों को चलाने और बिजली उत्पन्न करने के लिए किया जाता है।

iv. भूतापीय ऊर्जा मौजूद है क्योंकि पृथ्वी बढ़ती गहराई के साथ उत्तरोत्तर गर्म होती जाती है।

A. (iv) - (ii) - (i) - (iii)

B. (ii) - (i) - (iv) - (iii)

C. (i) - (iv) - (iii) - (ii)

D. (iii) - (ii) - (iv) - (i)

Q.12 निम्नलिखित में से कौन सा वर्षा जल संचयन का लाभ नहीं है?

A. इससे पानी की उपलब्धता बढ़ती है।

B. यह गिरते भूजल स्तर की जाँच करता है।

C. यह फ्लोराइड और नाइट्रेट जैसे दूषित पदार्थों को पतला करके भूजल की गुणवत्ता में सुधार करता है।
जल विद्युत उत्पादन में सहायक।

Q.13 स्वतंत्रता के बाद भारत में सड़कों की स्थिति में सुधार के लिए निम्नलिखित में से कौन सी योजना शुरू की गई थी?

A. पंचवर्षीय सड़क योजना

B. नागपुर योजना

C. दस वर्षीय सड़क योजना

D. बीस वर्षीय सड़क योजना

Q.14 यदि आपसे राष्ट्रीय जल नीति बनाने के लिए कहा जाए तो आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता क्या होगी?

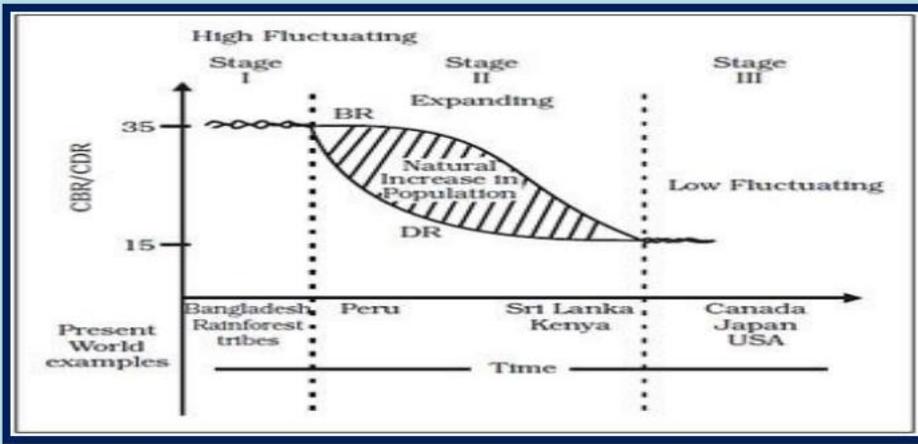
A. पनबिजली उत्पादन के लिए पानी उपलब्ध कराना

B. उद्योगों के लिए पानी की उपलब्धता

C. पीने का पानी उपलब्ध कराना

D. नेविगेशन के लिए पानी की उपलब्धता

निम्नलिखित ग्राफ को पढ़ें और प्रश्न संख्या 15 से 17 का उत्तर दें।



Q.15 ग्राफ के अनुसार जनसंख्या में प्राकृतिक वृद्धि कैसे होती है?

A. जन्म दर - मृत्यु दर

B. मृत्यु दर + जन्म दर

C. विकास दर - जन्म दर

D. जन्म दर + प्रवासन

Q.16 उच्च उतार-चढ़ाव वाली अवस्था से निम्न उतार-चढ़ाव वाली अवस्था में संक्रमण क्या दर्शाता है?

A. शहरी औद्योगिक अर्थव्यवस्था से ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था की ओर बदलाव

B. ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था से शहरी औद्योगिक अर्थव्यवस्था में बदलाव

C. निम्न जन्म और मृत्यु दर से उच्च जन्म और मृत्यु दर

D. शहरी से ग्रामीण क्षेत्रों की ओर प्रवास

Q.17 दिए गए ग्राफ से आप सबसे कम विकसित देशों के बारे में किस स्थिति का अनुमान लगा सकते हैं?

A. उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर

B. निम्न जन्म दर और निम्न मृत्यु दर

C. उच्च जन्म दर और निम्न मृत्यु दर

निम्न जन्म दर और उच्च मृत्यु दर

प्रश्न संख्या 15,16 और 17 के स्थान पर निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए हैं।

प्रश्न.15.1 जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि की गणना कैसे की जाती है?

- A. जन्म दर - मृत्यु दर
- B. मृत्यु दर + जन्म दर
- C. विकास दर - जन्म दर
- D जन्म दर + प्रवासन

प्रश्न 16.1 जन्म और मृत्यु दर की उच्च उतार-चढ़ाव वाली अवस्था से निम्न उतार-चढ़ाव वाली अवस्था में संक्रमण क्या दर्शाता है?

- A. शहरी औद्योगिक अर्थव्यवस्था से ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था की ओर बदलाव
- बी. ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था से शहरी औद्योगिक अर्थव्यवस्था में बदलाव
- C. निम्न जन्म और मृत्यु दर से उच्च जन्म और मृत्यु दर
- D. शहरी से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवासन

प्रश्न.17.1 अल्प विकसित देशों में जन्म दर एवं मृत्यु दर की कौन सी स्थितियाँ सामान्यतः देखी जाती हैं?

- A. उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर
- B. निम्न जन्म दर और निम्न मृत्यु दर
- C. उच्च जन्म दर और निम्न मृत्यु दर
- D निम्न जन्म दर और उच्च मृत्यु दर

SECTION B

प्रश्न 18 और 19 स्रोत आधारित प्रश्न हैं।

Q.18 दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दें: 3

बस्तियाँ आकार और प्रकार में भिन्न होती हैं। इनमें एक गाँव से लेकर महानगरीय शहर तक शामिल हैं। आकार के साथ, बस्तियों का आर्थिक चरित्र और सामाजिक संरचना बदलती है और साथ ही इसकी पारिस्थितिकी और प्रौद्योगिकी भी बदलती है। बस्तियाँ छोटी और कम दूरी वाली हो सकती हैं; वे बड़े और निकट दूरी वाले भी हो सकते हैं। कृषि या अन्य प्राथमिक गतिविधियों में विशेषज्ञता रखने वाली विरल स्थित छोटी बस्तियों को गाँव कहा जाता है। दूसरी ओर, कम लेकिन बड़ी बस्तियाँ हैं जिन्हें माध्यमिक और तृतीयक गतिविधियों में विशेषज्ञता वाली शहरी बस्तियाँ कहा जाता है। ग्रामीण और शहरी बस्तियों के बीच बुनियादी अंतर इस प्रकार हैं:

- ग्रामीण बस्तियाँ अपना जीवन समर्थन या बुनियादी आर्थिक ज़रूरतें भूमि आधारित प्राथमिक आर्थिक गतिविधियों से प्राप्त करती हैं, जबकि शहरी बस्तियाँ एक ओर कच्चे माल के प्रसंस्करण और तैयार माल के निर्माण और दूसरी ओर विभिन्न प्रकार की सेवाओं पर निर्भर करती हैं।
- शहर आर्थिक विकास के केंद्र के रूप में कार्य करते हैं, न केवल शहरी निवासियों को बल्कि भोजन और कच्चे माल के बदले में उनके भीतरी इलाकों में ग्रामीण बस्तियों के लोगों को भी सामान और सेवाएं प्रदान करते हैं। शहरी और ग्रामीण बस्तियों के बीच यह कार्यात्मक संबंध परिवहन और संचार नेटवर्क के माध्यम से होता है।

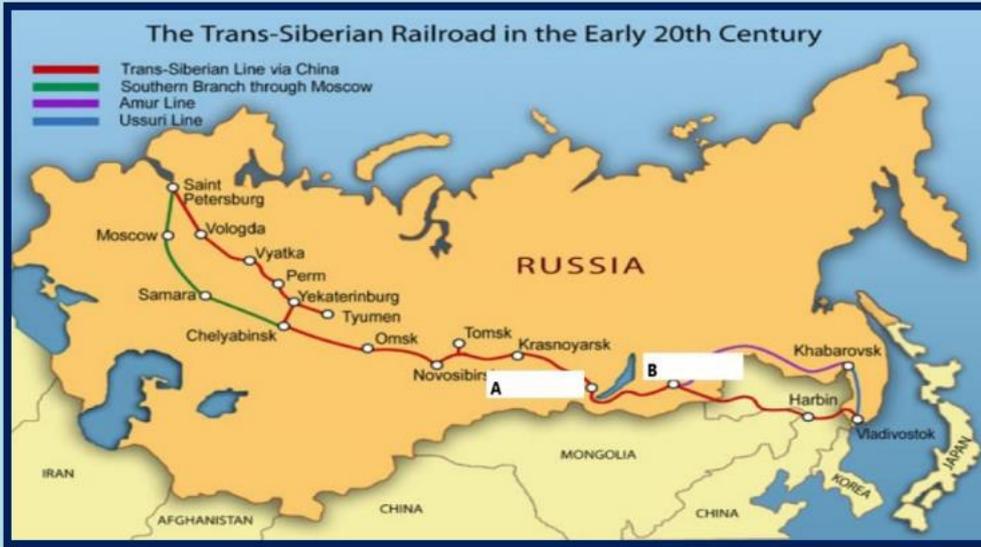
ग्रामीण और शहरी बस्तियाँ सामाजिक संबंध, दृष्टिकोण और दृष्टिकोण की दृष्टि से भिन्न होती हैं। ग्रामीण लोग कम गतिशील होते हैं और इसलिए, उनके बीच सामाजिक संबंध घनिष्ठ होते हैं। दूसरी ओर, शहरी क्षेत्रों में, जीवन का तरीका जटिल और तेज़ है, और सामाजिक संबंध औपचारिक हैं।

ए। ग्रामीण बस्ती शहरी बस्ती से किस प्रकार भिन्न है?

बी। 'शहर आर्थिक विकास के केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।' कथन की पुष्टि कीजिए।

सी। शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक रिश्ते अधिक घनिष्ठ होते हैं। इसका एक कारण बताइये।

Q.19 दिए गए मानचित्र का अवलोकन करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:



एक। रेलवे लाइन और उस देश का नाम बताइए जहां यह स्थित है।

बी। 'ए' और 'बी' के रूप में चिह्नित स्टेशनों के नाम बताइए।

सी। दो कारण बताएं कि यह एशिया का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग क्यों है?

प्रश्न संख्या 19 के स्थान पर निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए हैं

19.1 एशिया की सबसे लंबी रेलवे लाइन और उस देश का नाम बताइए जहां यह स्थित है।

19.2 इस मार्ग पर स्थित राजधानी शहर और एक महत्वपूर्ण कृषि केंद्र का नाम बताइए।

19.3 यह एशिया का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग क्यों है? दो कारण बताइये। 1+1+1=3

SECTION-C

प्रश्न संख्या 20 से 23 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं।

A. Q.20 "विकास का मूल लक्ष्य ऐसी परिस्थितियाँ बनाना है जहाँ लोग सार्थक जीवन जी सकें" - सार्थक जीवन से आप क्या समझते हैं?

या

मानव विकास की कमी के कारण जीवन के विभिन्न पहलुओं में लोगों की पसंद कैसे प्रभावित होती है? 3

Q.21 राष्ट्रीय युवा नीति की विशेषताएं क्या हैं? 3

Q.22 A. 'मानव का प्राकृतिकीकरण' 'प्रकृति के मानवीकरण' से किस प्रकार भिन्न है? 3

या

B. भूगोल में मौजूद द्वैतवाद का मूल्यांकन करें।

Q.23 "चतुर्थक गतिविधियाँ अनुसंधान और विकास पर केन्द्रित हैं।" कथन का परीक्षण करें. 3

SECTION D

प्रश्न संख्या 24 से 28 तक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं।

Q.24 "विश्व में मध्य अक्षांशों की अर्ध-शुष्क भूमि के आंतरिक भागों में प्रति एकड़ कम उपज है, लेकिन प्रति व्यक्ति उच्च उपज है।" विश्व के विभिन्न भागों से उपयुक्त उदाहरण देकर कथन का समर्थन करें। 5

Q.25 इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए दिशानिर्देश तैयार करें। 5

A. Q.26 भारत में भूमि क्षरण मानव निर्मित प्रक्रियाओं के कारण होता है जो प्राकृतिक प्रक्रियाओं से अधिक हानिकारक हैं। उपयुक्त उदाहरणों सहित कथन को स्पष्ट कीजिए।

या

भारत में हाल के वर्षों में ध्वनि प्रदूषण एक गंभीर समस्या कैसे बन गया है? व्याख्या करना। 5

A. Q.27 कैसे तकनीकी नवाचार आधुनिक विनिर्माण उद्योगों का महत्वपूर्ण पहलू हैं? किन्हीं पाँच पहलुओं की व्याख्या करें। या

"उच्च प्रौद्योगिकी, या बस उच्च तकनीक, विनिर्माण गतिविधियों की नवीनतम पीढ़ी है"। उपयुक्त तर्कों द्वारा कथन की पुष्टि कीजिए। 5

A. Q.28 भारत के लिए समुद्री बंदरगाहों के क्या फायदे हैं?

या

बंदरगाह को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रवेश द्वार क्यों कहा जाता है? 5

SECTION E

प्रश्न संख्या 29 और 30 मानचित्र आधारित प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक में 5 उप-भाग हैं।

Q.29 विश्व के दिए गए राजनीतिक मानचित्र पर, सात भौगोलिक विशेषताओं को A, B, C, D, E, F और G के रूप में चिह्नित किया गया है। निम्नलिखित जानकारी की सहायता से किन्हीं पाँच को पहचानें और उनके सही नाम लिखें प्रत्येक विशेषता के पास खींची गई रेखाएँ।

ए। एक प्रमुख बंदरगाह.

बी। एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा.

सी। एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग

डी। दक्षिण अमेरिका में निर्वाह संग्रहण का एक क्षेत्र।

इ। एशिया का एक महत्वपूर्ण बंदरगाह.

एफ। चलवासी पशुचारण का एक क्षेत्र

जी। व्यापक वाणिज्यिक अनाज कृषि का क्षेत्र

एच। व्यापक वाणिज्यिक अनाज कृषि का क्षेत्र

प्रश्न संख्या 29 के स्थान पर निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों के लिए हैं।

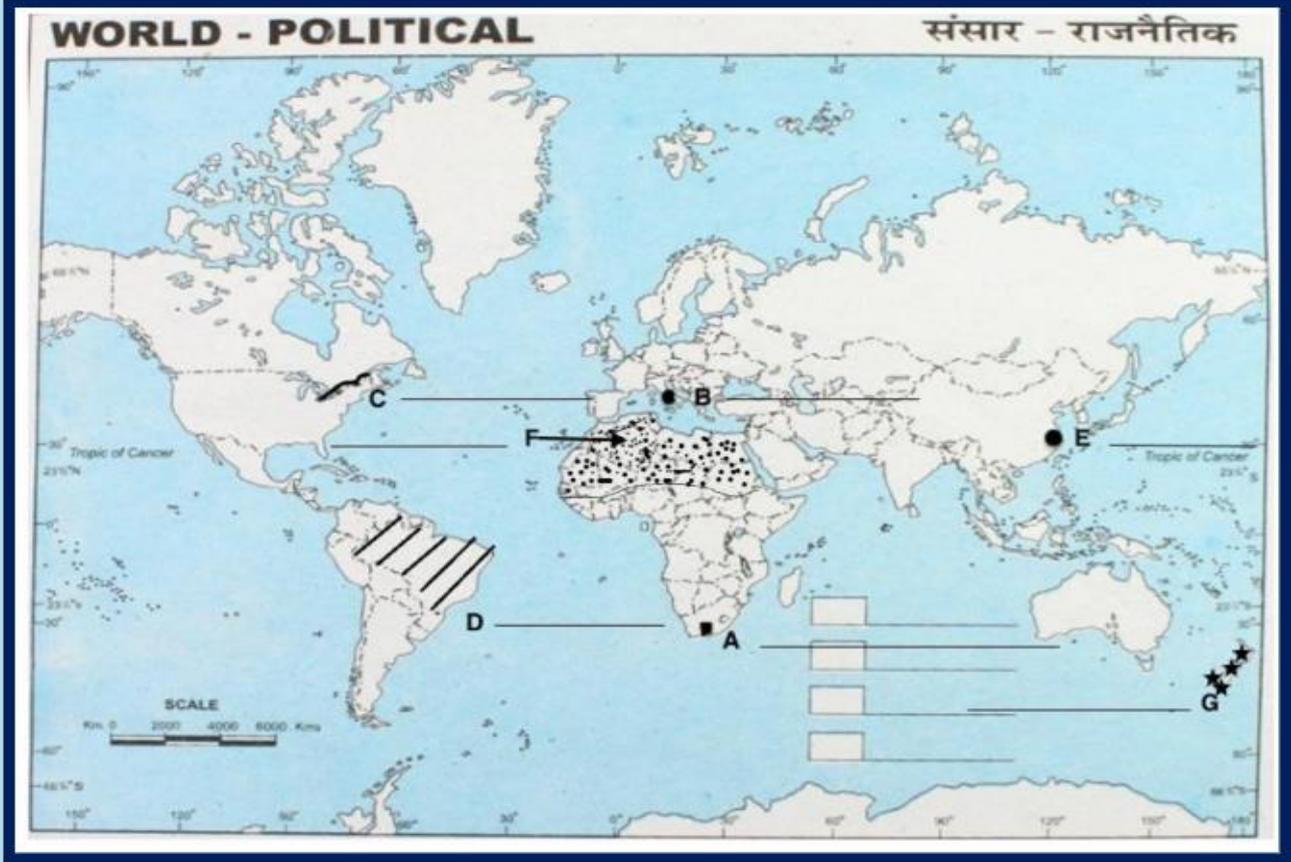
निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

ए। अफ्रीका के सबसे दक्षिणी सिरे पर स्थित एक प्रमुख बंदरगाह का नाम बताइए।

बी। इटली के एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम बताइए।

सी। उत्तरी अमेरिका में कौन सी नदी ग्रेट लेक्स को अटलांटिक महासागर से जोड़ती है?

- डी। दक्षिण अमेरिका में निर्यात संग्रहण के एक क्षेत्र का नाम बताइए।
 इ। चीन के एक महत्वपूर्ण बंदरगाह का नाम बताइये।
 एफ। उत्तरी अफ्रीका में खानाबदोश चरवाहे के एक क्षेत्र का उल्लेख करें।
 जी। न्यूजीलैंड में व्यापक वाणिज्यिक अनाज कृषि के क्षेत्र का नाम बताइए।



Q.30 भारत के राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित भौगोलिक विशेषताओं में से किन्हीं पांच को उपयुक्त प्रतीकों के साथ ढूँढें और लेबल करें:

- ए। आंध्र प्रदेश में एक महत्वपूर्ण बंदरगाह।
 बी। तमिलनाडु में एक महत्वपूर्ण कोयला खदान।
 सी। रत्नागिरी - लौह अयस्क की खदानें।
 डी। गुजरात में एक तेल रिफाइनरी।
 इ। सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य।
 एफ। जूट के उत्पादन में राज्य अग्रणी।
 जी। केरल में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा



The following questions are for visually impaired students in lieu of Question No.30. Attempt any five.

- 30.1** Name an important seaport in Andhra Pradesh.
- 30.2** Name an important coal mine in Tamil Nadu.
- 30.3** In which state are Ratnagiri iron ore mines located?
- 30.4** Name an oil refinery in Gujarat.
- 30.5** Name the state with highest population density.
- 30.6** Name the state leading in the production of jute.
- 30.7** Name the international airport in Kerala.

अंकन योजना

भूगोल (029)

कक्षा: बारहवीं 2023-24

अनुमत समय: 3 घंटे

अधिकतम अंक: 70

खंड A

प्रश्न: नहीं, इस खंड में 17 प्रश्न हैं। सभी अनिवार्य हैं।

1 उत्तर. बी दोनों कथन 1 कथन सत्य हैं और कथन 2 कथन 1 की सही व्याख्या करता है

2 उत्तर. बी

3 उत्तर. सी तेल बंदरगाह 1

4 उत्तर. B दोनों कथन सत्य हैं 1

5 उत्तर. C. उत्पादकता - संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।

6 उत्तर. सी इंडो-आर्यन 1

7 उत्तर. सी1 जनवरी 1995 1

8 उत्तर. बी माली 1

9 उत्तर. बी मेक्सिको और फिलीपींस 1

10 उत्तर. C दोनों कथन सही हैं, और कथन II कथन I की सही व्याख्या करता है

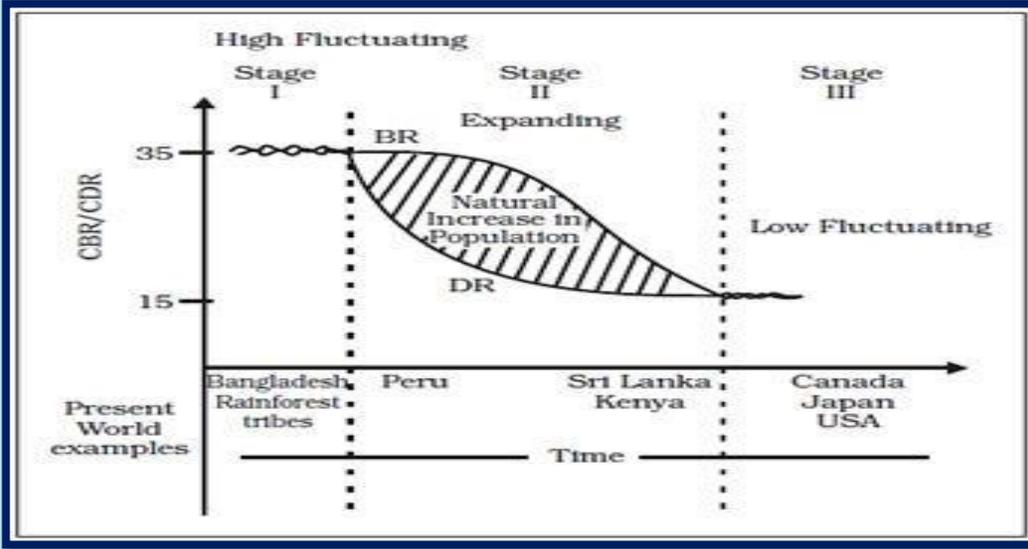
11 उत्तर. ए(iv) - (ii) - (i) - (iii) 1

12 उत्तर. D जल विद्युत उत्पादन में सहायक 1

13 उत्तर. डी बीस वर्षीय सड़क योजना 1

14 उत्तर. सी पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए 1

निम्नलिखित चित्र का विश्लेषण करें और प्रश्न संख्या 15 से 17 का उत्तर दें।



15 उत्तर. एक जन्म दर - मृत्यु दर 1

16 उत्तर. बी ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था से शहरी औद्योगिक अर्थव्यवस्था में बदलाव 1

17 उत्तर. A. उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर 1

प्रश्न 15,16 और 17 के स्थान पर निम्नलिखित प्रश्न दृष्टिबाधित छात्रों के लिए हैं।

15.1 जन्म दर-मृत्यु दर

16.1 बी ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था से शहरी औद्योगिक अर्थव्यवस्था में बदलाव

17.1 उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर

खंड बी

प्रश्न क्रमांक 18-23 एसए प्रकार के प्रश्न हैं। प्रश्न 18 और 19 स्रोत आधारित प्रश्न हैं।

18 उत्तर 1- ग्रामीण और शहरी बस्तियाँ सामाजिक संबंध, दृष्टिकोण और दृष्टिकोण की दृष्टि से भिन्न होती हैं।

उत्तर.2- शहर आर्थिक विकास के केंद्र के रूप में कार्य करते हैं; न केवल शहरी निवासियों को बल्कि उनके भीतरी इलाकों में ग्रामीण बस्तियों के लोगों को भी भोजन और कचरे माल के बदले में सामान और सेवाएँ प्रदान करना।

उत्तर 3- ग्रामीण लोग कम गतिशील होते हैं और इसलिए उनके बीच सामाजिक संबंध घनिष्ठ होते हैं। दूसरी ओर, शहरी क्षेत्रों में जीवन शैली जटिल और तेज़ है, और सामाजिक संबंध औपचारिक हैं।

19 उत्तर.1.ट्रांस-साइबेरियन रेलवे, रूस।

उत्तर.2. अंगार्स्क और चिता

उत्तर 3. (i) यह चिता से होकर गुजरती है, जो एक महत्वपूर्ण कृषि-केंद्र है इरकुत्स्क, एक फर केंद्र।

(ii) इसने अपने एशियाई क्षेत्र को पश्चिमी यूरोपीय बाजारों के लिए खोलने में मदद की है।

(iii) यह यूक्रेन, उज्बेकिस्तान, मंगोलिया और चीन को भी जोड़ता है।

प्रश्न संख्या 19 के स्थान पर निम्नलिखित प्रश्न दृष्टिबाधित छात्रों के लिए हैं

19.1 ट्रांस-साइबेरियन रेलवे लाइन, रूस

19.2 मॉस्को और चिता

19.3 (i) यह चिता से होकर गुजरती है, जो एक महत्वपूर्ण कृषि-केंद्र है और इरकुत्स्क, एक फर केंद्र है।

(ii) इसने अपने एशियाई क्षेत्र को पश्चिमी यूरोपीय बाजारों के लिए खोलने में मदद की है।

(iii) यह यूक्रेन, उज्बेकिस्तान, मंगोलिया और चीन को भी जोड़ता है। 3

20 उत्तर: एक सार्थक जीवन सिर्फ एक लंबा जीवन नहीं है; इसमें यह भी शामिल है –

- स्वस्थ जीवन।
- उद्देश्यपूर्ण जीवन
- अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वतंत्र
- अपनी प्रतिभा को विकसित करने में सक्षम।

या

स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों के क्षेत्रों में लोगों की क्षमताओं का निर्माण उनकी पसंद बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। अगर लोगों के पास इन क्षेत्रों में क्षमताएं नहीं हैं तो उनके विकल्प भी सीमित हो जाते हैं।

उदाहरण के लिए, एक अशिक्षित बच्चा डॉक्टर बनने का विकल्प नहीं चुन सकता क्योंकि उसकी पसंद उसकी शिक्षा की कमी के कारण सीमित हो गई है। इसी तरह, अक्सर गरीब लोग बीमारी के लिए चिकित्सा उपचार नहीं ले पाते क्योंकि उनकी पसंद उनके संसाधनों (पैसे) की कमी के कारण सीमित होती है। 3

21 उत्तर. फरवरी 2014 में शुरू की गई राष्ट्रीय युवा नीति (NYP-2014) भारत के युवाओं के लिए एक समग्र 'दृष्टिकोण' का प्रस्ताव करती है।

- इसका उद्देश्य "देश के युवाओं को उनकी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए सशक्त बनाना और उनके माध्यम से भारत को राष्ट्रों के समुदाय में अपना उचित स्थान पाने में सक्षम बनाना" है।
- NYP-2014 ने 'युवा' को 15-29 वर्ष के आयु वर्ग के व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया है।

22 'मनुष्य का प्राकृतिकीकरण'

- यह मानव क्रिया पर पर्यावरणीय नियंत्रण का समर्थन करने वाले दृष्टिकोण को संदर्भित करता है।
- मानव प्रकृति की बात सुनता था, उसके प्रकोप से डरता था और प्राकृतिक शक्तियों की पूजा करता था।
- कई आदिम समाज अपने प्राकृतिक पर्यावरण के साथ पूर्ण सामंजस्य में रहते हैं।
- ऐसे समाजों के लिए भौतिक वातावरण "माँ प्रकृति" बन जाता है।

'प्रकृति का मानवीकरण'

- सामाजिक और सांस्कृतिक विकास के साथ, मनुष्य बेहतर और अधिक कुशल प्रौद्योगिकी विकसित करता है।

- वे आवश्यकता की स्थिति से स्वतंत्रता की स्थिति की ओर बढ़ते हैं।
- वे पर्यावरण से प्राप्त संसाधनों से सम्भावनाएँ बनाते हैं।
- मानव ने अपने परिवेश को अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संशोधित किया है।
- पृथ्वी पर हर जगह मानव के निशान देखे जा सकते हैं।

या

- उत्तर. भूगोल में तीन द्वाैतवाद, जिन्होंने भूगोल के अनुशासन में व्यापक बहस शुरू की, वे हैं:
- क्या भूगोल एक विषय के रूप में कानून बनाने वाला/उत्पन्न करने वाला (नोमोथेटिक) या वर्णनात्मक (इडियोग्राफिक) होना चाहिए।
- क्या अध्ययन का दृष्टिकोण क्षेत्रीय या व्यवस्थित होना चाहिए?
- क्या भौगोलिक घटनाओं की व्याख्या सैद्धांतिक रूप से या ऐतिहासिक-संस्थागत दृष्टिकोण से की जा सकती है?

23 उत्तर.

- चतुर्धातुक गतिविधियाँ अनुसंधान और विकास पर केन्द्रित हैं।
- यह सेवाओं का एक उन्नत रूप है।
- इसमें विशिष्ट ज्ञान और तकनीकी कौशल शामिल है।
- उसमें शामिल है-
- जानकारी का संग्रहण
- सूचना का उत्पादन
- जानकारी का प्रसार

खंड सी

प्रश्न संख्या 24 से 28 दीर्घ उत्तरीय आधारित प्रश्न हैं।

24 उत्तर:

- विश्व में मध्य अक्षांशों की अर्ध-शुष्क भूमि के आंतरिक भाग ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ व्यापक व्यावसायिक अनाज की खेती होती है।
 - यहाँ खेतों का आकार बहुत बड़ा है तथा जनसंख्या कम संख्या में है।
- जुताई से लेकर कटाई तक खेती का संचालन यंत्रिकृत है।
- प्रति व्यक्ति उपज अधिक होती है क्योंकि खेतों में काम करने वाले लोगों की संख्या कम होती है और मशीनों का बहुत अधिक उपयोग होता है।
 - खेतों का आकार बहुत बड़ा होता है जिसके कारण कुल उत्पादन अधिक होने पर भी प्रति एकड़ उत्पादन या उपज कम होती है।

इस प्रकार की कृषि यूरोशियन स्टेप्स, कनाडाई और अमेरिकी प्रेयरीज़, अर्जेंटीना के पम्पास, दक्षिण अफ्रीका के वेल्ड्स, ऑस्ट्रेलियाई डाउन्स और न्यूजीलैंड के कैंटरबरी मैदानों में की जाती है। 5

25 उत्तर:

- जल प्रबंधन नीति को सख्ती से लागू करने की तत्काल आवश्यकता है।
- दअधिक पानी वाली फसलों से बचना चाहिए और इसके स्थान पर खट्टे फलों जैसी रोपण फसलों को प्रोत्साहित करना चाहिए।
- पानी के परिवहन नुकसान को कम करने के लिए कमांड क्षेत्र विकास कार्यक्रम जैसे जल पाठ्यक्रमों की लाइनिंग, भूमि विकास और समतलीकरण और वारबंदी प्रणाली (आउटलेट के कमांड क्षेत्र में नहर के पानी का समान वितरण) को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।
- जल जमाव और मिट्टी की लवणता से प्रभावित क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करने के प्रयास किए जाने चाहिए।
- पर्यावरण-विकास के लिए वनीकरण, आश्रय बेल्ट वृक्षारोपण और चारागाह विकास आवश्यक हैं।
- सामाजिक स्थिरता प्राप्त करने के लिए, गरीब आर्थिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को आवंटित भूमि को पर्याप्त वित्तीय और संस्थागत सहायता दी जानी चाहिए ताकि वे अपनी भूमि पर उचित तरीके से खेती कर सकें।
- आर्थिक स्थिरता प्राप्त करने के लिए कृषि, पशुपालन और संबद्ध गतिविधियों के अलावा अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। 5

26 ऐसी दो प्रक्रियाएँ हैं जो भूमि निम्नीकरण को प्रेरित करती हैं।

- ये प्राकृतिक हैं और मनुष्य द्वारा निर्मित हैं।
- बंजर भूमि जैसे कि ऊबड़-खाबड़/खाली भूमि, रेगिस्तानी या तटीय रेत, बंजर चट्टानी क्षेत्र, खड़ी ढलान वाली भूमि और हिमनद क्षेत्र मुख्य रूप से प्राकृतिक एजेंटों के कारण होते हैं।
- बंजर भूमि जैसे कि निम्नीकृत स्थानांतरित खेती क्षेत्र, वृक्षारोपण फसलों के तहत निम्नीकृत भूमि, निम्नीकृत वन, निम्नीकृत चरागाह, और खनन और औद्योगिक बंजर भूमि मानव कार्रवाई के कारण होती हैं।
- प्राकृतिक प्रक्रियाओं की तुलना में मानव निर्मित प्रक्रियाओं के कारण उत्पन्न बंजर भूमि अधिक महत्वपूर्ण हैं।

या

हाल के वर्षों में विभिन्न तकनीकी नवाचारों के कारण शोर एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

- सबसे बड़ा उपद्रव यातायात से उत्पन्न होने वाला शोर है, क्योंकि इसकी तीव्रता और प्रकृति कारकों पर निर्भर करती है, जैसे विमान, वाहन, ट्रेन का प्रकार और सड़क की स्थिति, साथ ही वाहन की स्थिति (ऑटोमोबाइल के मामले में)।
- समुद्री यातायात में, लोडिंग और अनलोडिंग गतिविधियों के कारण ध्वनि प्रदूषण बंदरगाह तक ही सीमित रहता है।
- उद्योग ध्वनि प्रदूषण का कारण बनते हैं लेकिन उद्योग के प्रकार के आधार पर इसकी तीव्रता अलग-अलग होती है।

- महासागरीय शोर का कारण वैश्विक शिपिंग व्यापार में भारी वृद्धि, महासागरों में चलने वाले जहाजों की संख्या और जहाजों की उच्च गति है। 5

27 उत्तर: अनुसंधान और विकास रणनीतियों के माध्यम से तकनीकी नवाचार गुणवत्ता नियंत्रण, अपशिष्ट और अक्षमता को खत्म करने और प्रदूषण से निपटने के लिए आधुनिक विनिर्माण का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इस संबंध में तीन पहलू इस प्रकार हैं:

- जटिल मशीन प्रौद्योगिकी की आवश्यकता है ताकि कम समय में उच्च गुणवत्ता वाले सामान का उत्पादन किया जा सके।
- इसके लिए विशाल पूंजी की आवश्यकता होती है ताकि विनिर्माण में नवीनतम तकनीक वाली मशीनों का उपयोग किया जा सके।
- अत्यधिक विशेषज्ञता और श्रम विभाजन की आवश्यकता होती है, जो मशीनों पर कुशलतापूर्वक काम कर सके।
- उद्योग उत्पादन प्रक्रियाओं के लिए मशीनों का उपयोग करते हैं। स्वचालन मशीनीकरण का उन्नत चरण है जिसमें विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान मानवीय सोच की आवश्यकता नहीं होती है।

अथवा

उच्च प्रौद्योगिकी या हाई-टेक उद्योगों की नवीनतम पीढ़ी है जो पिछले कुछ दशकों के दौरान तीव्र गति से बढ़ी है। निम्नलिखित विशेषताएं इस प्रकार हैं:-

- उच्च तकनीक उद्योगों को बहुत अधिक वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) की आवश्यकता होती है और वे अत्यधिक परिष्कृत उत्पादों का उत्पादन करते हैं।
- ये उद्योग बाजार की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने उत्पादों में बहुत तेजी से सुधार करते हैं।
- चूंकि उनके उत्पाद अत्यधिक परिष्कृत हैं इसलिए इसके लिए अत्यधिक कुशल श्रम की आवश्यकता होती है।
- पेशेवर (सफ़ेदपोश) कार्यकर्ता मुख्य कार्यबल हैं।
- असेंबली लाइन पर रोबोटिक्स, कंप्यूटर-एडेड डिजाइन (सीएडी) और विनिर्माण, गलाने और शोधन प्रक्रिया के इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण उच्च तकनीक उद्योग के उल्लेखनीय उदाहरण हैं।

बड़े पैमाने पर असेंबली संरचनाओं, कारखानों और भंडारण के बजाय साफ-सुथरी दूरी, कम, आधुनिक, बिखरी हुई, कार्यालय-संयंत्र-प्रयोगशाला इमारतें उच्च तकनीक वाले औद्योगिक परिदृश्य को चिह्नित करती हैं।

28 उत्तर. भारत तीन तरफ से समुद्र से घिरा हुआ है और एक लंबी तटरेखा से सुसज्जित है।

पानी बहुत सस्ते परिवहन के लिए एक चिकनी सतह प्रदान करता है, बशर्ते कोई अशांति न हो।

जलमार्ग भारी और बड़े माल के परिवहन का सबसे सस्ता साधन है और यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए अधिक पसंदीदा है। इंडेंटेड तटरेखा बंदरगाहों के लिए उपयुक्त है।

स्वेज़ नहर के खुलने से पश्चिमी तट पर प्रोत्साहित बंदरगाहों को भी बढ़ावा मिलता है

या

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार के रूप में बंदरगाह- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की दुनिया के मुख्य प्रवेश द्वार बंदरगाह और बंदरगाह हैं।

बंदरगाह अपने भीतरी इलाकों से संसाधनों के अवशोषण बिंदु के रूप में कार्य करते हैं। आंतरिक क्षेत्रों की ओर रेलवे और सड़क मार्गों का विस्तार स्थानीय बाजारों को क्षेत्रीय बाजारों से, क्षेत्रीय बाजारों को राष्ट्रीय बाजारों से और राष्ट्रीय बाजारों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की सुविधा प्रदान करता है।

माल और यात्री इन बंदरगाहों के माध्यम से दुनिया के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक जाते हैं।

बंदरगाह कार्गो के लिए डॉकिंग, लोडिंग, अनलोडिंग और भंडारण की सुविधाएं प्रदान करते हैं।

खंड डी

प्रश्न संख्या 29 और 30 मानचित्र आधारित प्रश्न हैं जिनमें प्रत्येक में 5 उप-भाग हैं।

29 विश्व के दिए गए राजनीतिक मानचित्र पर निम्नलिखित सात विशेषताएं दर्शाई गई हैं। इनमें से किन्हीं पाँच विशेषताओं को पहचानिए और प्रत्येक विशेषता के पास अंकित रेखाओं पर उनके सही नाम लिखिए।

ए. केप टाउन

बी रोम

सी. सेंट लॉरेस समुद्री मार्ग

डी. अमेज़न

ई. शंघाई

एफ. उष्णकटिबंधीय अफ्रीका/उत्तरी अफ्रीका

जी. कैंटरबरी घास के मैदान/मैदान

निम्नलिखित प्रश्न प्रश्न संख्या 29 के स्थान पर दृष्टिबाधित छात्रों के लिए हैं। कोई पाँच प्रयास करें।

29.1 केप टाउन

29.2 रोम

29.3 सेंट लॉरेस नदी

29.4 अमेज़न बेसिन

29.5 शंघाई

29.6 उष्णकटिबंधीय अफ्रीका/उत्तरी अफ्रीका/सहारा रेगिस्तान

29.7 न्यूजीलैंड का कैंटरबरी मैदान

30 भारत के राजनीतिक रूपरेखा मानचित्र पर निम्नलिखित भौगोलिक विशेषताओं में से किन्हीं पांच को उपयुक्त प्रतीकों के साथ ढूंढें और लेबल करें:

A. विशाखापत्तनम

बी. नेवेली

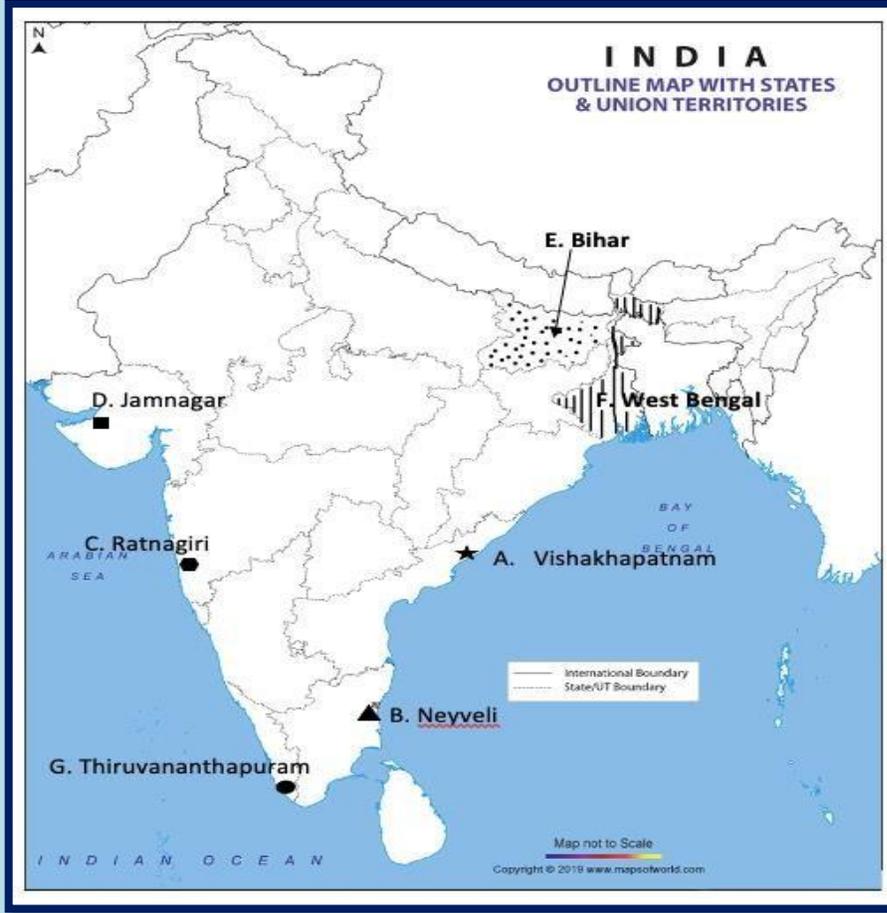
सी. रत्नागिरी

डी. जामनगर

ई. बिहार

एफ. पश्चिम बंगाल

जी. तिरुवनंतपुरम



प्रश्न संख्या 30 के स्थान पर निम्नलिखित प्रश्न दृष्टिबाधित छात्रों के लिए हैं। किन्हीं पाँच का प्रयास करें।

- 30.1 विशाखापत्तनम
- 30.2 नेवेली
- 30.3 महाराष्ट्र
- 30.4 जामनगर
- 30.5 बिहार
- 30.6 पश्चिम बंगाल
- 30.7 तिरुवनंतपुरम

संदर्भ ग्रंथ सूची

IMPORTANT LINKS

1. <http://cbseacademic.nic.in/index.html>
2. http://cbseacademic.nic.in/SQP_CLASSXII
3. <https://diksha.gov.in/explore>
4. Student Support Material, KVS RO, Ahmedabad Region.
5. Student Support Material, KVS RO, Mumbai Region.
6. Student Support Material, Kendriya Vidyalaya Sangathan, New Delhi

Prescribed Books:

1. भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत, कक्षा XI, एनसीईआरटी
2. भारत, भौतिक पर्यावरण, कक्षा XI, एनसीईआरटी
3. भूगोल में प्रायोगिक कार्य भाग I, कक्षा XI, एनसीईआरटी
4. मानव भूगोल के मूल सिद्धांत, बारहवीं कक्षा, एनसीईआरटी
5. भारत - लोग और अर्थव्यवस्था, कक्षा XII, एनसीईआरटी
6. भूगोल में व्यावहारिक कार्य भाग II, कक्षा XII, एनसीईआरटी

टिप्पणी:

1. कृपया सभी एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों के नवीनतम संस्करण देखें।
